वार्षिक प्रतिवेदन और वार्षिक लेखा

2024-2025

राष्ट्रीय बाल भवन
कोटला मार्ग, नई दिल्ली-110002

भाग क

वार्षिक प्रतिवेदन

2024-25

राष्ट्रीय बाल भवन
NATIONAL BAL BHAVAN

किसी बच्चे को अपने ज्ञान (शिक्षा) तक ही सीमित न रखें,
क्योंकि उसका जन्म किसी अन्य समय में हुआ है।

– रवींद्रनाथ टैगोर

अनुक्रमणिका

भाग क – वार्षिक प्रतिवेदन

निदेशक की कलम से *v*

राष्ट्रीय बाल भवन प्रबंधन बोर्ड के सदस्यों की सूची 31.03.2025 तक *vii*

1. परिचय 1
2. हमारा मिशन, हमारा दृष्टिकोण 2
3. लक्ष्य और उद्देश्य 3
4. राष्ट्रीय बाल भवन की संगठनात्मक तालिका 4
5. सदस्यता संख्या 2024–25 5
6. गतिविधियाँ – एक नज़र में 8
7. राष्ट्रीय बाल संग्रहालय 17
8. राष्ट्रीय प्रशिक्षण संसाधन केन्द्र 18
9. हमारे कार्यक्रम 19
10. विशेष उपलब्धियाँ 29
11. स्टाफ सदस्यों के लिए कार्यक्रम 30
12. विस्तृत रिपोर्ट 31
13. जवाहर बाल भवन, माण्डी 66
14. दिल्ली राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र में बाल भवन केन्द्र 80
15. संबद्ध राज्य बाल भवनों एवं केन्द्रों की रिपोर्ट 83
16. भारत में संबद्ध बाल भवनों एवं बाल भवन केन्द्रों की सूची 86
17. राज्य स्तरीय बाल भवन केन्द्र 99
18. 31.03.2025 को राष्ट्रीय बाल भवन कार्मिकों की सूची 101

भाग ख – वार्षिक लेखा

I. लेखा परीक्षक की रिपोर्ट 105

II. राष्ट्रीय बाल भवन तुलन पत्र

1. तुलनपत्र 106
2. आय तथा व्यय खाता 107
3. प्राप्ति तथा अदायगी खाता 108

III. अनुसूचियाँ

4. अनुसूची-1 – पूंजीगत निधि 109
5. अनुसूची-2 – निर्धारित/निश्चित/एंडोमेंट निधि 110
6. अनुसूची-3 – वर्तमान देयताएं एवं उपबन्ध 111
7. अनुसूची-4 – अचल परिसंपत्तियां (मूर्त परिसंपत्तियां) 112
8. अनुसूची-4क – अचल परिसंपत्तियां (मूर्त परिसंपत्तियां) 112
9. अनुसूची-5 – निश्चित/एंडोमेंट निधियों से निवेश 113
10. अनुसूची-6 – निवेश अन्य 113
11. अनुसूची-7 – वर्तमान परिसंपत्तिया 114
12. अनुसूची-8 – ऋण, अग्रिम एवं जमा 115
13. अनुसूची-9 – शैक्षिक प्राप्तियां 116
14. अनुसूची-10 – अनुदान एवं सब्सिडी (प्राप्त अप्रतिसंहरणीय अनुदान) 117
15. अनुसूची-11 – निवेश से आय 118
16. अनुसूची-12 – अर्जित ब्याज 119
17. अनुसूची-13 – अन्य आय 120
18. अनुसूची-14 – गत अवधि की आय 121
19. अनुसूची-15 – कर्मचारी वेतन एवं हितलाभ (स्थापना व्यय) 121
20. अनुसूची-15 क – कर्मचारियों को सेवानिवृत्ति एवं सेवावसान लाभ 122
21. अनुसूची-16 – शैक्षिक व्यय 123
22. अनुसूची-17 – प्रशासनिक तथा सामान्य व्यय 124
23. अनुसूची-18 – परिवहन व्यय 125
24. अनुसूची-19 – मरम्मत एवं अनुरक्षण 125
25. अनुसूची-20 – वित्त लागत 126
26. अनुसूची-21 – अन्य व्यय 126
27. अनुसूची-22 – गत अवधि के व्यय 126

IV. भविष्य निधि – जी.पी.एफ.

28. तुलनपत्र 127
29. आय एवं व्यय खाता 128
30. प्राप्ति एवं अदायगी खाता 129

V. नई पेंशन योजना

31. तुलनपत्र 130
32. आय एवं व्यय खाता 131
33. प्राप्ति एवं अदायगी खाता 132

VI. लेखाकरण नीतियाँ एवं लेखा नोट्स

34. अनुसूची-23 – महत्वपूर्ण लेखाकरण नीतियाँ 133
35. अनुसूची-24 – लेखा नोट्स 135

भाग ग – लेखा रिपोर्ट

VII. नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक की लेखा परीक्षा रिपोर्ट 139

निदेशक की कलम से

'मैं सभी शिक्षकों और अभिभावकों से आग्रह करता हूं कि वे बच्चों को अपने पंख स्वतंत्र रूप से फैलाने का अवसर दें। हमें उनमें आत्मविश्वास पैदा करने की जरूरत है ताकि वे हमेशा कुछ नया सीखने और करने की हिम्मत कर सकें'

–श्री नरेंद्र मोदी, भारत के माननीय प्रधान मंत्री

हमारे माननीय प्रधानमंत्री के इस दृष्टिकोण से प्रेरित होकर राष्ट्रीय बाल भवन (रा.बा.भ.) हर बच्चे में कल्पना, जिज्ञासा और असीम क्षमता का पोषण करता है। हमारा मानना है कि शिक्षा की भूमिका सीमाओं को थोपना नहीं है, बल्कि ऐसे अवसर पैदा करना है जो रचनात्मकता को प्रकट करते हैं, आत्मविश्वास पैदा करते हैं और अपनेपन की भावना को बढ़ावा देते हैं। रा.बा.भ. में, शिक्षा केवल पाठ्यपुस्तकों तक ही सीमित नहीं है, बल्कि कला, संस्कृति, विज्ञान, विरासत, खेल और नवाचार के माध्यम से इसका अनुभव भी किया जाता है।

पिछले वर्ष नवोत्थान और समावेशिता की यात्रा रही है। हमारे कार्यक्रम न केवल औपचारिक स्कूली शिक्षा के पूरक हैं, बल्कि आनंद, शिक्षा और समावेशिता को भी प्रोत्साहित करते हैं, जिससे प्रत्येक बच्चे के समग्र विकास में योगदान मिलता है। भारत की समृद्ध सांस्कृतिक परंपराओं का जश्न मनाने के लिए अनुभवात्मक शिक्षण कार्यक्रम शुरू करने से, राष्ट्रीय बाल भवन में हर पहल को बच्चों को स्वतंत्र रूप से सोचने, निडर होकर व्यक्त करने और जिम्मेदारी से कार्य करने के लिए सशक्त बनाने की दृष्टि से निर्देशित किया गया है। हमने बच्चों को विशेष जीवन रक्षक कौशल प्रशिक्षण, सीपीआर और आपातकालीन देखभाल के आवश्यक ज्ञान से परिपूर्ण करने, जिम्मेदारी का एहसास करने और लचीलेपन को व्यवहार लाने जैसे मूल्यवान सबक भी सिखाये हैं। राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के दृष्टिकोण के अनुरूप, आवासीय प्रशिक्षण कार्यक्रमों ने देश भर के भारतीय वायु सेना के स्कूलों के 1,900 से अधिक बच्चों को लाभान्वित किया और उन्हें समग्र विकास के अवसर प्रदान किए। हमारे अंतरराज्यीय सांस्कृतिक आदान-प्रदान कार्यक्रमों ने भारत की भाषाई और सांस्कृतिक विविधता का जश्न मनाया, जिससे युवा मन में एकता और विरासत के प्रति गर्व के मूल्य पैदा हुए। सहानुभूति, सहकार्यता और विविधता के प्रति सम्मान के कालातीत मूल्यों को पोषित करते हुए, 21वीं सदी के कौशल को विकसित करने पर विशेष बल दिया गया है।

जैसे-जैसे अमृत पीढ़ी लगातार विकसित भारत की ओर बढ़ती है, हमारी भूमिका ऐसे रास्तों को बनाने की है जहां रचनात्मकता चरित्र से मिलती है, जहां नवाचार परंपरा के साथ मिश्रित होता है और जहां बच्चों को सपने देखने और कार्य करने दोनों का अधिकार होता है। राष्ट्रीय बाल भवन ऐसे युवा मस्तिष्कों को आकार देने के लिए दृढ़ प्रतिज्ञ है जो कि सांस्कृतिक, रचनात्मकता और प्रगति के आदर्शों को आगे ले जाते हुए एक जीवंत और आत्मनिर्भर भारत का निर्माण करेंगे।

शुभकामनाओं सहित,

अप्रैल, 2025
नई दिल्ली

मुक्ता अग्रवाल
निदेशक

राष्ट्रीय बाल भवन प्रबंधन बोर्ड के सदस्यों की सूची 31.03.2025 को

1. श्री अनिल कुमार सिंघल — **अध्यक्ष**
   अध्यक्ष, राष्ट्रीय बाल भवन
   अपर सचिव, स्कूल शिक्षा और साक्षरता विभाग
   शिक्षा मंत्रालय, शास्त्री भवन
   नई दिल्ली

2. श्री आनन्द प्रकाश — **सदस्य**
   उपाध्यक्ष, राष्ट्रीय बाल भवन
   आर-2/83, राज नगर
   गाजियाबाद, उत्तर प्रदेश

3. अनुश्री राहा — **सदस्य**
   उप सचिव
   शिक्षा मंत्रालय, शास्त्री भवन
   नई दिल्ली

4. श्री सुबंधु बसु — **सदस्य**
   उप सचिव (आई.एफ.डी.)
   शिक्षा मंत्रालय, शास्त्री भवन
   नई दिल्ली

5. श्रीमती मुक्ता अग्रवाल — **सदस्य सचिव**
   निदेशक, राष्ट्रीय बाल भवन
   कोटला रोड, नई दिल्ली-110002

एक बच्चे का विकास उसकी हर एक घटना के पीछे के
कारण की खोज करने की जिज्ञासा में ही सन्निहत है।

– श्री नरेन्द्र मोदी
माननीय प्रधानमंत्री जी

परिचय

राष्ट्रीय बाल भवन, शिक्षा मंत्रालय, भारत सरकार, स्कूल शिक्षा एवं साक्षरता विभाग के अन्तर्गत एक स्वायत्तशासी संस्था है। यह संस्था 5 से 16 वर्ष की आयु के बच्चों के लिए एक गैर-औपचारिक शिक्षा का केन्द्र है। इसकी स्थापना 1956 में हुई थी। बच्चों की सोच, कल्पना तथा सृजनात्मक व आमोदपूर्ण गतिविधियों के माध्यम से उन्मुक्त प्रदर्शन के स्वप्न को केन्द्र में रखकर भारत के पहले प्रधानमंत्री द्वारा इसकी नींव रखी गई। बाल भवन देश के चारों कोनों में 127 मान्यता प्राप्त बाल भवनों एवं 13 बाल केन्द्रों के साथ एक आन्दोलन का रूप ले चुका है। इसके अलावा 37 बाल भवन केन्द्र और दिल्ली के माण्डी गाँव में एक ग्रामीण जवाहर बाल भवन भी कार्यरत है। राष्ट्रीय बाल भवन बच्चों को उनकी आयु, दक्षता एवं सामर्थ्य के अनुसार विभिन्न गतिविधियां एवं अवसर उपलब्ध कराकर बच्चों की सृजनात्मक क्षमता का विकास करने, अभिव्यक्ति, प्रयोग, सृजन एवं कलाप्रदर्शन का सामूहिक मंच उपलब्ध कराता है। यह संस्था बच्चों को किसी भी प्रकार के भय अथवा तनाव से मुक्त वातावरण में, उनके उज्ज्वल भविष्य के लिए हर प्रकार से संभावनाएं प्रदान करती है। राष्ट्रीय बाल भवन व इसकी मान्यता प्राप्त संस्थाओं में बच्चों, विशेषकर समाज के वंचित वर्गों के लिए नियमित कार्यक्रमों का संचालन किया जाता है।

इस संस्था का उद्देश्य बच्चों को विविध गतिविधियों, अवसर, विचार-विमर्श, अनुभव, सृजन द्वारा एक सांझे मंच पर कार्य करके सृजनात्मक क्षमता का विकास करना है। बाल भवन बच्चों को सम्पूर्ण सृजन की स्वतंत्रता प्रदान करने के साथ-साथ खेल-खेल की पद्धति से भी सीखने का अवसर प्रदान करता है तथा नृत्य, नाटक, संगीत, सृजनात्मक कला, छायांकन, कम्प्यूटर आदि के माध्यम से उनकी सृजनात्मक क्षमता का विकास करता है। राष्ट्रीय बाल भवन, सभी गतिविधियों के लिए एक केन्द्र स्थल बन बच्चों को एकत्रित करके उनके चहुंमुखी व्यक्तित्व विकास के साथ-साथ वसुधैव कुटुंबकम की भावना को भी सुदृढ़ करता है।

प्रत्येक वर्ष हज़ारों की संख्या में बच्चे बाल भवन से जुड़ते हैं। सन् 1956 में मात्र 300 बच्चों की सदस्यता के साथ शुरू हुआ यह आन्दोलन अब लाखों बच्चों का सागर बन चुका है और बच्चे विविध अनुभवों का लाभ उठा रहे हैं। दूर-दराज़ इलाकों के बच्चों तक पहुंचने के लिए दिल्ली राज्य के कई क्षेत्रों में 37 बाल भवन केन्द्रों की स्थापना की गई है। ये बाल भवन केन्द्र सभी पृष्ठ भूमि एवं परिवेश से आए बच्चों की जरूरतों को पूरा करते हैं। माण्डी स्थित जवाहर बाल भवन वस्तुतः राष्ट्रीय बाल भवन की ग्रामीण इकाई है, जो राष्ट्रीय बाल भवन के अधीन संचालित है तथा ग्रामीण जनसंख्या को समानांतर सेवाएं उपलब्ध कराती है। राज्य बाल भवन और बाल केन्द्र, देश के सभी भागों तथा दूरस्थ आदिवासी क्षेत्रों में खोले गए हैं और वे सभी जगह समान सेवायें प्रदान कर रहे हैं। राष्ट्रीय बाल भवन सभी के लिए सृजनात्मकता, नवोन्मेष एवं अभिव्यक्ति हेतु सतत प्रक्रिया है, जो बच्चों को पूर्णरूपेण विकसित करने के लिए निरन्तर प्रयत्नशील है।

हमारा मिशन

प्रत्येक बच्चे को इस खुशहाल संसार में एक सृजनात्मक, मानवीय एवं नवोन्मेषी एवं अद्भुत परिवेश में पूर्ण रूप से योगदान करने और प्रयास करने के अवसर प्रदान करना।

हमारा दृष्टिकोण

जिज्ञासा एवं दृश्य कला, विज्ञान गतिविधि, शारीरिक क्रियाकलापों आदि के माध्यम से सम्भावनाओं के आनन्द का अवसर प्रदान करना। ऐसे मूल्यों का निर्माण करना जिससे आत्मविश्वास और विश्व के जिम्मेदार नागरिक की भावना विकसित हो सके।

लक्ष्य और उद्देश्य

राष्ट्रीय बाल भवन का लक्ष्य

राष्ट्रीय बाल भवन का लक्ष्य है, बच्चों में विश्वास, आत्म-निर्भरता, धर्म-निरपेक्षता की प्रवृत्ति तथा मूल्यों के प्रति प्रेम जागृत करना जिससे वे राष्ट्र को शक्तिवान व सम्पन्न बनाने में योगदान दे सकें। ऐसे ही सृजनात्मक कला, सृजनात्मक लेखन, सृजनात्मक प्रदर्शन कला, शारीरिक शिक्षा, वैज्ञानिक नवप्रयोग, छायांकन, गृह प्रबंधन तथा संग्रहालय तकनीक आदि के शिक्षण की अनौपचारिक पद्धति के माध्यम से बच्चों को अपनी सृजनात्मकता को विकसित करने के अवसर प्रदान करना है। बाल भवन इस लक्ष्य की पूर्ति हेतु बाल भवन के दर्शन का प्रसार करते हुए कार्यशालाओं, प्रशिक्षण कार्यक्रमों के माध्यम से बच्चों की सृजनात्मकता को पहचानता है व पोषित करता है।

राष्ट्रीय बाल भवन के उद्देश्य

1 बच्चों को शिक्षा और सृजनात्मकता के लिए अवसर प्रदान करना।

2 बच्चों को ऐसे अनुभव व कार्यकलाप प्रदान करना, जो उन्हें अन्यथा उपलब्ध नहीं होते।

3 स्थानीय विद्यालयों के लिए उनके पाठ्यक्रम संबंधी और पाठ्येत्तर कार्यकलापों को समृद्ध बनाने हेतु कुछ शैक्षिक सेवाएं प्रदान करना।

4 कला और विज्ञान में सृजनात्मक अवधारणा के पोषण के लिए अध्यापन में नेतृत्व और मार्गदर्शन प्रदान करना।

5 मनोविनोद गतिविधियों से जुड़े कामगारों और बाल संग्रहालय के कार्मिकों को प्रशिक्षण सुविधाएं प्रदान करना।

6 राष्ट्र के लिए प्रोटोटाईप शिशु बाल संस्थान प्रदान करना अर्थात् एक आदर्श बाल भवन स्थापित करना।

7 मनोरंजक और शारीरिक कार्यकलापों के माध्यम से बच्चों के व्यक्तित्व और उनकी प्रतिभाओं का विकास करना।

8 सभी वर्गों और समुदायों के बच्चों के बीच सामाजिक और सांस्कृतिक मेल-मिलाप को प्रोत्साहित करना।

9 बच्चों में ऐसे मूल्य अंतर्विष्ट करना, जो उन्हें वैज्ञानिक प्रवृत्ति के साथ-साथ आधुनिक भारत का विकास करने में सहायक हों।

10 उपरोक्त वर्णित कार्यकलापों को एक आंदोलन के रूप में प्रोत्साहित करना।

राष्ट्रीय बाल भवन की संगठनात्मक तालिका

सदस्यता संख्या 2024-25

राष्ट्रीय बाल भवन, जवाहर बाल भवन, माण्डी तथा राष्ट्रीय बाल भवन के अन्तर्गत चल रहे दिल्ली के 37 बाल केन्द्रों में बच्चे वार्षिक सदस्यता प्राप्त करते हैं। इस वर्ष 3225 (1639 - लड़के, 1586 - लड़कियों सहित) बच्चों ने राष्ट्रीय बाल भवन तथा 1152 जवाहर बाल भवन माण्डी में और 5407 बच्चों ने दिल्ली के 40 बाल केन्द्रों में सदस्यता प्राप्त की।

राष्ट्रीय बाल भवन का सभी क्षेत्रों के बच्चों का सृजनात्मक विकास करना ही केन्द्रीयभूत लक्ष्य है। राष्ट्रीय बाल भवन में बच्चे अनेकानेक गतिविधियों में भाग लेने के लिए स्वतंत्र हैं और ये गतिविधियाँ बच्चों के सर्वागींण विकास हेतु तैयार की जाती हैं।

व्यक्तिगत सदस्यता के अलावा दिल्ली के सभी सरकारी स्कूलों, दिव्यांगजन, अनुसूचित जाति एवं अनुसूचित जनजाति के बच्चों को नि:शुल्क संस्थागत सदस्यता प्रदान की जाती हैं तथा अन्य बच्चों से 200 रूपये प्रति बच्चा प्रतिवर्ष सदस्यता शुल्क लिया जाता है।

सदस्यता संख्या इस प्रकार हैं -

क्र.सं	बाल भवन	पंजीकरण
1.	राष्ट्रीय बाल भवन	3718
2.	जवाहर बाल भवन, माण्डी	1299
3.	बाल भवन केन्द्र	4463

वार्षिक संस्थागत सदस्यता संख्या -

क्र.सं.	पब्लिक स्कूल एवं गैर सरकारी संस्थान	नि:शुल्क संस्थाएँ
1	67	3

नोट :

1. **प्रत्येक वित्तीय वर्ष में 5 से 16 वर्ष की आयु वर्ग के बच्चों के लिए सदस्यता शुल्क 200 रूपये है।**
2. **अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति एवं दिव्यांग बच्चों के लिए सक्षम प्राधिकारी द्वारा जारी प्रमाण पत्र प्रस्तुत करने पर सदस्यता शुल्क नि:शुल्क है।**
3. **पब्लिक स्कूलों व गैर सरकारी संस्थानों से सदस्यता शुल्क 1000 रूपये प्रति वर्ष लिया जाता है।**
4. **राष्ट्रीय बाल भवन में सभी सरकारी स्कूलों को नि:शुल्क सदस्यता प्राप्त है।**

सदस्य स्कूल/संस्था (सत्र 2022-23)

1 बाबू राम हैप्पी स्कूल, 1192, गली बाबू राम, कूचा पाटी राम, बाजार सीता राम, दिल्ली-06

2 न्यू होरिज़न स्कूल, हज़रत निज़ामुद्दीन, नॉर्थ ऑफ हुमायूंस टॉम्ब, मथुरा रोड, नई दिल्ली-13

3 हेरा स्कूल, नर्सरी मस्जिद, एल.एन.जे.पी. हस्पताल, मीरदर्द रोड़, नई दिल्ली-110002

4 स्कूल चलो ट्रस्ट, टी-227, उत्तम नगर, नई दिल्ली-110006 फोन : 8287004468

5 सबकी पाठशाला ट्रस्ट, प्रगति मैदान, नई दिल्ली-110001

6 वायु सेना स्कूल, विमान नगर

7 वायु सेना स्कूल, कानपुर

8 वायु सेना स्कूल, कैंट

9 वायु सेना स्कूल, हलवाड़ा

10 वायु सेना स्कूल, चंडीगढ़

11 वायु सेना स्कूल, 3 बीआरडी

12 वायु सेना स्कूल, एएफबीबीएस

13 वायु सेना स्कूल, टीएएफएस

14 वायु सेना स्कूल, एएफजीजेआई

15 वायु सेना स्कूल, पंचवटी

16 वायु सेना स्कूल, जयपुर

17 वायु सेना स्कूल, जैसलमेर

18 वायु सेना स्कूल, बागडोगरा

19 वायु सेना स्कूल, तेजपुर

20 वायु सेना स्कूल, हसीमारा

21 वायु सेना स्कूल, बरेली

22 वायु सेना स्कूल, भुज

23 वायु सेना स्कूल, जामनगर

24 वायु सेना स्कूल, जोरहट

25 वायु सेना स्कूल, बीके पोर

26 वायु सेना स्कूल, गोरखपुर

27 वायु सेना स्कूल, चंदन नगर

28 वायु सेना स्कूल, आईकेकेडी

29 वायु सेना स्कूल, जोधपुर

30 वायु सेना स्कूल, एएसटीई

31 वायु सेना स्कूल, बेगमपेठ

32 वायु सेना स्कूल, बिदर

33 वायु सेना स्कूल, हेब्बल

34 वायु सेना स्कूल, जलाहल्ली

35 वायु सेना स्कूल, येहलंका

36 वायु सेना स्कूल, कोयम्बटूर

37 वायु सेना स्कूल, वीएस नगर

38 वायु सेना स्कूल, जम्मू

39 वायु सेना स्कूल, मनोरी

40 वायु सेना स्कूल, गुरूग्राम

41 वायु सेना स्कूल, गांधी नगर

42 वायु सेना स्कूल, आगरा

43 वायु सेना स्कूल, बमरौली

44 वायु सेना स्कूल, श्रीनगर

45 वायु सेना स्कूल, अम्बाला

46 वायु सेना स्कूल, सरसावा

47 वायु सेना स्कूल, अवादी

48 सेंट जियानलिस सोशल सर्विस सोसाइटी, एल-ब्लॉक, 341, चर्च कॉलोनी, सैनी बाजार, बैंड रोड, संगम विहार, नई दिल्ली-11006

49. आस (एनजीओ), 188-बी कटरा मशरू, दरीबा कलां, दिल्ली-6 फोन : 011-39901380, 23241826

50. आर्य बाल गृह, वीरेश प्रताप परिसर, 1488, पटौदी हाउस, दरियागंज, नई दिल्ली-110002 फोन : 011-23272684, 23260428

51. मानव स्थली ग्लोबल स्कूल, डबल स्टोरी, न्यू राजेंद्र नगर, नई दिल्ली-110006 फोन : 011-28741887

52. एमिटी इंटरनेशनल स्कूल मयूर विहार, फेज-1, दिल्ली-110091 फोन : 011-22717261, 22717250

53. प्रतिभा सिक्योर ट्रस्ट, 1180 जनता फ्लैट्स, जीटीबी एन्क्लेव, दिल्ली-110093 फोन : 9582198989

54. बाल सहयोग, एल-ब्लॉक मार्केट, कनॉट प्लेस, नई दिल्ली-110001 फोन : 011-23411995

55. बाल भारती पब्लिक स्कूल, गंगा राम अस्पताल मार्ग, नई दिल्ली-110006 फोन : 011-25782418

56. बाल भारती पब्लिक स्कूल, सेक्टर-21, नोएडा-201301, उत्तर प्रदेश फोन : 120-25344064

57. बिड़ला विद्या निकेतन, सेक्टर-4, पुष्प विहार, नई दिल्ली-110071

58. ए.एस.एन. सीनियर सेकेंडरी स्कूल, मयूर विहार-I एक्सटेंशन, दिल्ली-110091 फोन : 011-2271300

59. हंसराज मॉडल स्कूल, पंजाबी बाग, नई दिल्ली-110002

60. बाल भारती पब्लिक स्कूल, सेक्टर-12, द्वारका, नई दिल्ली-110078 फोन : 9971350747

61. बाल भारती पब्लिक स्कूल, बृज विहार, गाजियाबाद-201011, उत्तर प्रदेश फोन : 120-4561403

62. बाल मंदिर संस्था

63. बाल भारती पब्लिक स्कूल, परवाना रोड, पीतमपुरा, दिल्ली-110034 फोन : 011-27028600

64. भाई परमानंद विद्या मंदिर, सूर्य निकेतन, कड़कड़डूमा के पास, दिल्ली-110092 फोन : 011-41254346

65. दिल्ली पब्लिक स्कूल, एनटीपीसी विद्युत नगर, दादरी

66. जे.पी. पब्लिक स्कूल, नोएडा

67. मीरा मॉडल स्कूल, जनकपुरी, नई दिल्ली

निःशुल्क सदस्यता संस्थाओं की सूची

68. पीएम श्री के.वी. एएफएस अर्जनगढ़

69. राजकीय बालिका वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय, निठारी गाँव, दिल्ली-86

70. राजकीय बालिका वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय, शाहबाद दौलतपुर

नोट : राष्ट्रीय बाल भवन में सभी सरकारी स्कूलों को निःशुल्क सदस्यता प्राप्त है।

गतिविधियाँ - एक नज़र में

सृजनात्मक कला

सृजनात्मक कला की गतिविधियों का मुख्य उद्देश्य बच्चों को आत्म-अभिव्यक्ति के अवसर प्रदान कर उनके सौंदर्यबोध की अलग-अलग विधाओं का विकास करना तथा उनके अंदर छिपी हुई प्रतिभा को पहचान कर उन्हें प्रोत्साहित करना और उनको कला तथा शिल्प की विभिन्न तकनीकों से अवगत कराना है। सृजनात्मक शिल्प कला में विविध गतिविधियाँ हैं जिन्हें विभिन्न उप-भागों में विभाजित किया गया है।

मिले-जुले क्रियाकलाप

मिले-जुले अनुभाग, सभी आयु वर्ग के बच्चों को समान रूप से आकर्षित करता है। अनुभाग में आने वाले विशेषत: छोटी आयुवर्ग के बच्चे आमतौर पर परम्परागत कला का काम करना बहुत पसंद करते हैं। यह एक बहुमाध्यम अनुभाग होने के कारण बच्चे यहाँ सरलता से एक माध्यम से दूसरे माध्यम पर जा सकते हैं। इस विभाग में सृजनात्मक और जीवन-मूल्यों पर आधारित खेल भी तैयार किए जाते हैं। प्राकृतिक रूप से प्राप्त रंग और तीलियों (ब्रश की बजाय) से बनाई गई परम्परागत लोक कला इस अनुभाग की अनूठी विशेषता है। बच्चे खिलौने और पेपरमैशी व कागज़ के शिल्प की कलात्मक वस्तुओं को बनाना भी यहाँ सीखते हैं। यह विभाग बच्चों को मेहंदी कला, मधुबनी व वर्ली कलाओं से भी परिचित करवाता है।

चित्रकला

इस अनुभाग में बच्चे अपनी रचनात्मक अभिव्यक्ति को क्रेऑन, वाटर कलर, ऑयल कलर, और पेंसिल द्वारा चित्र बनाकर अभिव्यक्त करते हैं। यह कार्यकलाप बड़े बच्चों को भी उतना ही भाता है जितना कि छोटी आयु के बच्चों को। सभी बच्चे इसमें उत्साह से भाग लेते हैं। छोटे बच्चे जहाँ एक ओर अपनी कल्पना के अनुसार चित्र बनाते हैं, वहीं बड़े बच्चे आकृति बनाने, रेखा-चित्र, प्राकृतिक दृश्य और विषय के आधार पर चित्र बनाने की कला का आनन्द उठाते हैं। बच्चों को बाटिक, टाई एण्ड डाई, ब्लॉक प्रिंटिंग इत्यादि कार्यकलापों की तकनीक भी सिखाई जाती हैं।

हस्तशिल्प

इस अनुभाग की गतिविधियाँ विशेष हैं क्योंकि इसमें बच्चों को काम में न आने वाली विभिन्न प्रकार की वस्तुओं जैसे - पुरानी पत्रिकाएँ, कतरनें, बीज, तार, पत्तियाँ व पेड़ों के तनों की छाल, पुराने कागज़, प्रयोग किए हुए डिब्बे, गत्ते के खाली डिब्बे, बल्ब, बटन, उभरे हुए कागज़, थर्मोकोल, पुराने अखबार इत्यादि के साथ प्रयोग करने की खुली

छूट मिलती है। काम न आने वाली वस्तुओं से बच्चों द्वारा बनाई गई सुंदर कृतियाँ और उत्पाद बच्चों की कल्पना और उनकी सृजनात्मक अभिव्यक्ति का परिणाम होते हैं।

बुनाई

बुनाई गतिवधि भी बच्चों की एक लोकप्रिय गतिविधि है, यहाँ बच्चे बुनाई की विभिन्न तकनीकों द्वारा कई प्रकार की कलात्मक कलाकृतियां जैसे – वॉल हैंगिंग, दृश्यावली, लैम्पशेड, टेपेस्ट्री, इत्यादि बनाते हैं। उन्हें सुंदर वस्तुओं के निर्माण की ओर प्रेरित किया जाता है। वे विभिन्न प्रकार की बुनाई, गाँठे लगाना व बुनाई के डिज़ाइन सीखते हैं और दृश्यावली, आसन, तथा छोटी दरियाँ व कालीन स्वयं बनाते हैं।

सिलाई-कढ़ाई

सिलाई-कढ़ाई अनुभाग की गतिविधियों में मैक्रामे, क्रोशिया, सिलाई-कढ़ाई, कठपुतली बनाने, खिलौने बनाने, इत्यादि सम्मिलित हैं। बच्चे जहाँ एक ओर वस्त्रों की कटाई और सिलाई के मूल तत्वों को सीखते हैं, वहीं वे विभिन्न प्रकार के कपड़ों को डिज़ाइन करने, पैच वर्क बनाने और रचनात्मक कढ़ाई का काम भी करते हैं। रूई भर कर खिलौने बनाने की कला भी एक लोकप्रिय गतिविधि है। बच्चे तरह-तरह के हैंगिंग्स बनाने और विभिन्न प्रकार की सजावटी वस्तुएँ आदि तैयार करने का ज्ञान प्राप्त करते हैं जिससे उनकी सृजनशीलता का विकास होता है।

मिट्टी का कार्य

इस अनुभाग की गतिविधि 5 से 16 वर्ष की आयु के बच्चों के मस्तिष्क, हृदय और हाथों का समन्वय बैठाने में सहायक होती है, जो बच्चों के मस्तिष्क और शरीर के स्वाभाविक विकास में भी मदद करती है। यहाँ बच्चे मुख, जानवर, चेहरे, दृश्य व मिट्टी की मानव आकृतियाँ एवं डिज़ाईन इत्यादि बनाना सीखते हैं और साथ ही मिट्टी, पेपरमैशी और प्लास्टर ऑफ पैरिस के सांचे बनाने के प्रयोग भी करते हैं। मिट्टी द्वारा कास्टिंग करते हुए यह अनुभाग बच्चों को नवप्रायोगिक कार्य करने और इस प्रकार उनकी सृजनात्मक क्षमता को विकसित करने का प्रयास करता है।

काष्ठ शिल्प

काष्ठ शिल्प अनुभाग में बच्चों को सृजनात्मक विधि द्वारा काष्ठ कला का ज्ञान दिया जाता है। बच्चों को लकड़ी की वस्तुओं का निर्माण करने में काम आने वाली विभिन्न तकनीकों का ज्ञान दिया जाता है। बच्चे विभिन्न प्रकार की लकड़ियाँ, उनकी बनावट का आधार व उनके टिकाऊपन की पहचान करना भी सीखते हैं। बच्चों को वुडन फ्रेम पर वुड कटिंग द्वारा म्यूरल बनाने की तकनीक, बुरादे से पेपर पर चित्रांकन करना भी सिखाया जाता है तथा बच्चे विभिन्न प्रकार की लकड़ी से काम में आने वाली कई वस्तुओं जैसे :- पेन-स्टैण्ड, छोटे बॉक्स, खिलौने, पेन

होल्डर, डिब्बे, पॉट कवर, इत्यादि निर्मित करना भी सीखते हैं। उन्हें लकड़ी में नक्काशी का काम भी सिखाया जाता है और वे नक्काशी द्वारा सुंदर वस्तुयें भी बनाना सीखते हैं। उन्हें बेकार लकड़ी के टुकड़ों व बुरादे को रचनात्मक रूप से जोड़कर सुंदर दृश्य एवं तरह-तरह की आकृतियाँ बनाना भी सिखाया जाता है।

विज्ञान कार्यकलाप

इस अनुभाग में विज्ञान, प्रयोगशाला का एक विषय न होकर एक बड़ी प्रयोगशाला का अंग है, जिसके माध्यम से बच्चा जिंदगी की दिन-प्रतिदिन होने वाली घटनाओं से वैज्ञानिक सिद्धांतों को जोड़कर अपने ज्ञान को बढ़ाता है। राष्ट्रीय बाल भवन बच्चों को विभिन्न दिलचस्प गतिविधियों में शामिल करके विज्ञान के आधारभूत सिद्धान्तों को समझाने में विश्वास रखता है। बाल भवन की विज्ञान-शिक्षण प्रणाली का एक और महत्वपूर्ण पक्ष है "एकीकृत पद्धति" जिसमें विज्ञान को अन्य गतिविधियों का अखण्ड हिस्सा बनाया गया है।

विज्ञान अनुभाग के विभिन्न उप-अनुभाग हैं, जो बच्चों को विज्ञान के नियम और सिद्धांत सीखने में मदद करते हैं। बच्चों को भौतिक एवं प्राकृतिक विज्ञान के अतिरिक्त दैनिक जीवन में विज्ञान से भी परिचित कराया जाता है। इस अनुभाग के कार्यकलापों में रेडियो-इलेक्ट्रॉनिक्स, एअॅरो मॉडलिंग, मशीन मॉडलिंग, खगोल विज्ञान, कम्प्यूटर, मछलीघर एवं छोटा चिड़ियाघर, 'क्यों और कैसे क्लब' और पर्यावरणीय कार्यकलापों के साथ-साथ क्षेत्रीय भ्रमण और विज्ञान से संबंधित फिल्म शो आदि शामिल हैं। इसके अतिरिक्त वे इन पर यथार्थ परीक्षण, तथा अन्य कई गतिविधियाँ भी कर सकते हैं। बाल भवन में विज्ञान कार्यकलापों में भाग लेने के लिए यह आवश्यक नहीं है कि बच्चे स्कूल में विज्ञान के विद्यार्थी हों बल्कि आवश्यकता इस बात की है कि उनमें 'क्यों' और 'कैसे' की उत्सुकता और सीखने की इच्छा हो। विज्ञान शिक्षा के अंतर्गत निम्न उप-अनुभाग बच्चों के लिए कार्य करते हैं। इस अनुभाग में समय-समय पर विशेष फिल्म-शो तथा शिविर भी आयोजित किए जाते हैं –

विज्ञान अनुभाग के निम्न उप अनुभाग हैं –

भौतिक एवं प्रकृति विज्ञान (कैसे और क्यों क्लब)

कैसे और क्यों क्लब अनुभाग में विज्ञान से सम्बंधित परियोजनायें लेने के इच्छुक बच्चों की जिज्ञासा का समाधान करने के लिए इस क्लब का सृजन किया गया था। शैक्षिक यात्रायें, वैज्ञानिक प्रश्नोत्तरी, सृजनात्मक वैज्ञानिक मॉडल बनाना, प्रयोग करना आदि क्यों और कैसे क्लब की कुछ गतिविधियाँ हैं, जो बच्चों का ज्ञान बढ़ाती हैं और उन्हें नया सीखने को उत्साहित करती हैं। विषयक कार्यशालाएँ भी आयोजित की जाती हैं। परीक्षण व वैज्ञानिक खेलों के लिए बच्चों को प्रयोगशाला उपकरण उपलब्ध कराए जाते हैं।

अन्वेषक क्लब

अन्वेषक क्लब अनुभाग में बच्चों को प्रयोग एवं नवोन्मेषी कार्य करने के लिए प्रोत्साहित किया जाता है, यहाँ वे मशीन मॉडलिंग के अवधारण से लेकर इन्हें डिज़ाइन करने तथा अन्ततः निर्माण करने से जुड़े विभिन्न पहलुओं का ज्ञानवर्द्धन करते हैं।

रेडियो और इलेक्ट्रॉनिक्स

रेडियो और इलेक्ट्रॉनिक्लस अनुभाग में 10 से 16 वर्ष की आयु वर्ग के बच्चों को सदस्यता दी जाती है। यहाँ

बिजली के मूल सिद्धांत, बिजली के तार लगाना और घरेलू उपकरणों की स्वयं मरम्मत करना, सर्किट के साथ नए प्रयोग, रेडियो और टी.वी. के पुर्ज़े जोड़ना जैसे अनेक कार्यकलाप सिखाए जाते हैं। यहां बच्चे डिजिटल परियोजनाओं और नई ऊर्जा-युक्तियों जैसे-सौर ऊर्जा के मॉडल का भी ज्ञान प्राप्त करते हैं। विश्व में बढ़ती हुई विकसित संचार व्यवस्था की आवश्यकता को देखते हुए अधिक से अधिक लोग 'हैम रेडियो क्लब' के सदस्य बन रहे हैं। राष्ट्रीय बाल भवन में भी रेडियो शौकीनों (एमेच्योर) के क्लब की शुरूआत की गई है, ताकि इस क्लब के सदस्य बच्चे अपने-अपने घरों में 'हैम स्टेशन' की स्थापना कर आपसी सम्पर्क स्थापित कर सकें।

एअ‍ॅरो मॉडलिंग

राष्ट्रीय बाल भवन में बच्चों हेतु एअ‍ॅरो मॉडलिंग जैसा महंगा शौक भी उपलब्ध है। यहाँ बच्चे वायुगति के मूलभूत सिद्धांतों से लेकर विभिन्न प्रकार के वायुयानों के मॉडल बनाना सीखते हैं। इसके साथ ही विमानों के अपने मॉडल उड़ाने का आनन्द भी उठाते हैं। इस कार्यकलाप का उद्देश्य बच्चों में विमानन और उससे संबंधित विज्ञान में रुचि पैदा कर उन्हें प्रोत्साहित करना है। इस अनुभाग द्वारा 'मॉडल रॉकेट्री' की कार्यशालाएँ भी आयोजित की जाती हैं।

कम्प्यूटर

कम्प्यूटर एक बहुत ही लोकप्रिय कार्यकलाप है जो दिन-प्रतिदिन अधिकाधिक बच्चों को आकृष्ट कर रहा है। बच्चे कम्प्यूटर की आरंभिक भाषा सीखने के साथ-साथ कार्यक्रम बनाना (प्रोग्रामिंग करना) भी सीखते हैं। बच्चों को यहाँ सॉफ्टवेयर और कम्प्यूटर खेल उपलब्ध कराए जाते हैं। कम्प्यूटर का यह कार्यकलाप स्कूली शिक्षा का संपूरक है। राष्ट्रीय बाल भवन इंटरनेट सम्बंधी जानकारी भी उपलब्ध कराता है, ताकि बच्चे आधुनिकतम संचारी प्रणाली से अवगत हो सकें। इस अनुभाग में अनेक सार्थक एवं नई प्रणाली की कार्यशालाएँ तथा संगोष्ठियाँ भी आयोजित की जाती हैं। यहाँ बच्चे "फोटोशाप" एवं "डिजिटल प्रिंटिंग" तकनीकें भी सीखते हैं। साइबर सुरक्षा के बारे में भी बच्चों को जागरूक किया जाता है।

पर्यावरण

हरित वाहिनी आंदोलन का आरंभ 19 नवम्बर 1986 में हुआ था। इसी मुहिम को आगे बढ़ाने हेतु पर्यावरण विभाग की स्थापना की गई थी। वनस्पति एवं जीव के अनुरक्षण के साथ-साथ संस्कृति, हस्तशिल्प, लोककला, साहित्य स्मारकों आदि के बचाव के लिए भी पर्यावरण अनुभाग द्वारा जागरूकता फैलाई जाती है। वर्षा जल संरक्षण एवं सौर उर्जा संबंधी प्रोजेक्टों पर विशेष ध्यान दिया जाता है। फील्ड यात्रायें, सर्वेक्षण, व्यर्थ सामान आदि का पुनरावर्तन जैसी गतिविधियों द्वारा बच्चों को उनके आस-पास के वातावरण के प्रति

जागरूक किया जाता है। अधिक से अधिक बच्चों में जागरूकता फैलाने हेतु वर्ष 1990 से अभी तक प्रति वर्ष युवा पर्यावरण वैज्ञानिक सम्मेलन आयोजित किया जाता है। देश के विभिन्न भागों से बच्चे देश की किसी भी एक चयनित जगह पर एकत्रित हो पर्यावरण के विभिन्न सामाजिक, भावनात्मक एवं सांस्कृतिक पहलूओं पर विचार-विमर्श करते हैं।

खगोल विज्ञान

आकाश अपने भीतर अनजान आकाशगंगाओं से संबंधित अनेकानेक अनसुलझे रहस्यों को समेटे है। यह मानना है कि अतिप्राचीन काल से मनुष्य इन रहस्यों को समझने में लगा हुआ है। राष्ट्रीय बाल भवन में कम लागत के एक तारामंडलीय एकक की स्थापना की गई है। बच्चे इस कार्यकलाप में आनंद लेते हैं। वे आकाश के ग्रहों और तारों आदि के बारे में अधिक जानकारी लेने के लिए उत्सुक रहते हैं। कुछ वर्ष पहले विभाग द्वारा दिल्ली के बच्चों हेतु एवं सार्क (SAARC) देशों के बच्चों हेतु "दूरबीन बनाने की कार्यशाला" भी आयोजित की गई।

मछली घर तथा जीव-जन्तु कार्नर

इस अनुभाग में बच्चे जीव विज्ञान की मूलभूत जानकारी हासिल करते हैं। अनुभाग द्वारा अपना मछलीघर बनाएं, जीवजन्तुओं से सम्बंधित कार्यशालाओं का आयोजन किया जाता है। बच्चे मछली के अनुकूलन, अनुपालन, समुद्री जीवन, समुद्री वनस्पतियों आदि की अवधारणाओं को सीखने का ज्ञान प्राप्त करते हैं तथा वे जीव-जन्तुओं और पालतू जानवरों के संरचनात्मक गुणों, आदतों, खानपान व रहन-सहन की परिस्थिति अनुकूलन का ज्ञान प्राप्त करते हैं। इससे बच्चों में जीव जन्तुओं के प्रति अनुपालन की इच्छा पैदा होती है।

पुस्तकालय

राष्ट्रीय बाल भवन के पुस्तकालय में बच्चों के लिए ढेर सारी मनोरंजक पुस्तकें हैं। ये पुस्तकें कला, शिल्प, संस्कृति, साहित्य, विज्ञान, गणित, पत्रकारिता व कंप्यूटर, कहानियों और कविताओं आदि विषयों पर हैं। यहाँ एक संदर्भ अनुभाग भी है। पुस्तकालय में हिंदी, अंग्रेजी, उर्दू, तमिल व बंगला आदि अनेक भाषाओं की पुस्तकें भी हैं। बच्चों के लिए विभिन्न पत्रिकाएँ भी इस पुस्तकालय में उपलब्ध हैं। इसके अतिरिक्त इस विभाग द्वारा सृजनात्मक लेखन की गतिविधि भी आयोजित की जाती है जिसमें बच्चे विभिन्न विषयों पर लिखते हैं।

बच्चों के लिए साहित्यिक कार्यशालाएँ आयोजित की जाती हैं। इन कार्यशालाओं के दौरान बच्चे विभिन्न लेखकों व कवियों आदि से परिचर्चा द्वारा अपनी लेखन क्षमता और कौशल को विकसित करते हैं। यहाँ पर कहानी सुनाने के सत्रों का आयोजन भी होता है। इस विभाग द्वारा प्रश्नोत्तरी कार्यक्रम, पुस्तकों पर परिचर्चा, आशु-भाषण, विभिन्न सामाजिक एवं प्रासंगिक वाद-विवाद आदि कार्यक्रम आयोजित किए जाते हैं। इस अनुभाग में हर उम्र के बच्चे आनंद लेते हैं और उनकी अभिव्यक्ति की क्षमता भी निखरती है। राष्ट्रीय बाल भवन बाल रचनाकारों को एक सामूहिक मंच प्रदान करता है।

इस अनुभाग के विशेष आकर्षण निम्ननुसार हैं –

- वाचन प्रतियोगिता
- प्रश्नोत्तरी कार्यक्रम
- सृजनात्मक लेखन

- कविता-रचना, काव्य-पाठ
- नवीन पुस्तकों की समीक्षा एवं परिचर्चा
- कहानी लेखन, आशुभाषण
- स्लोगन लेखन, आलेख लेखन

छायांकन (फोटोग्राफी)

राष्ट्रीय बाल भवन में छायांकन गतिविधि के अंतर्गत बच्चों को छायांकन से जुड़े विभिन्न कार्यों जैसे- छायांकन का इतिहास, डिजिटल कैमरे व साधारण कैमरे के विभिन्न अंग, उन्हें व्यवहार में प्रयोग करने की तकनीक आदि से परिचित कराने के साथ-साथ अभिनव तरीकों का प्रयोग करने के लिए भी प्रेरित किया जाता है। छायांकन के द्वारा बच्चे विभिन्न प्रकार के व्यक्तियों, पशु-पक्षियों, उनकी आदतों, तरह-तरह की इमारतों, विभिन्न भौगोलिक स्थानों और वहाँ रहने वाले लोगों की जीवन शैली आदि की फोटो खींचने के साथ-साथ उनके विषय में जानकारी भी प्राप्त करते हैं। बच्चे रोचक दृश्यों को चित्रों द्वारा संजोने व आधुनिक तरीकों का प्रयोग कर छायांकन की दक्षता में निखार लाना भी सीखते हैं। बच्चे फोटोशाप की सहायता से काफी टेबल पुस्तक बनाना भी सीखते हैं।

इस विभाग द्वारा वीडियोग्राफी की कार्यशालाएँ भी आयोजित की जाती हैं, जहाँ बच्चों द्वारा वीडियो कार्यक्रम निर्मित किए जाते हैं। स्क्रिप्ट लेखन, कैमरा संचालन, संवाद व ध्वनि रिकार्डिंग से लेकर फिल्म निर्माण तक सभी कार्य बच्चों की टीम द्वारा प्रशिक्षकों की देख-रेख में किए जाते हैं। इस विभाग द्वारा विभिन्न विषयों पर फोटोग्राफी प्रदर्शनियाँ भी लगाई जाती हैं, जिनमें बच्चों द्वारा किए गए कार्य को प्रदर्शित किया जाता है।

इस अनुभाग के विशेष आकर्षण निम्नानुसार हैं –

- डिजिटल फोटोग्राफी
- फोटोशॉप तकनीक द्वारा डिजिटल एनहेंसमेंट
- प्रकृति, स्मारक आदि की तस्वीरें लेने हेतु भ्रमण यात्रा एवं विरासत वाक
- फोटो प्रदर्शनी
- फोटोग्राफी ट्रेनिंग
- वयस्कों हेतु कार्यक्रम

प्रदर्शन कला

प्रदर्शन कला अनुभाग की विभिन्न गतिविधियाँ बच्चों को आत्म-अभिव्यक्ति के द्वारा अपनी कल्पना का विकास करने तथा उसे साकार रूप देने और अपनी प्रतिभा को पहचानने के पर्याप्त अवसर उपलब्ध कराती हैं। इस विभाग में बच्चे नाटक, नृत्य, संगीत, वाद्य संगीत आदि कई प्रकार की सृजनात्मक गतिविधियाँ सीखते हैं। बच्चे अपने परंपरागत लोक संगीत एवं नृत्य की विभिन्न शैलियों के विषय में जानकारी व ज्ञान भी इस अनुभाग में प्राप्त करते हैं।

प्रदर्शन कला गतिविधि विभाग में निम्न उप-अनुभाग हैं –

- कंठ संगीत (शास्त्रीय एवं लोक)
- वाद्य संगीत - (सितार, तबला एवं हारमोनियम)
- शास्त्रीय नृत्य (कत्थक, भरतनाट्यम)
- लोकनृत्य
- नाट्यकला

शारीरिक शिक्षा

खेल और शारीरिक गतिविधियाँ सभी आयु के बच्चों को प्रिय हैं। राष्ट्रीय बाल भवन का शारीरिक शिक्षा अनुभाग बच्चों के लिए अनेक प्रकार की गतिविधियाँ उपलब्ध कराता है जैसे :- टेबल-टेनिस, बैडमिंटन, फुटबॉल, क्रिकेट, बास्केटबॉल व जूडो और स्केटिंग आदि। व्यायाम एवं शरीर को सुडौल बनाने के लिए इस विभाग के पास अपना जिम्नेज़ियम भी है। बच्चे प्रशिक्षकों की देखरेख में न केवल विभिन्न प्रकार के खेलों की जानकारी प्राप्त करते हैं, बल्कि उन्हें अपनी रचनात्मकता बढ़ाने और रचनात्मक खेलों को बनाने के लिए भी प्रोत्साहित किया जाता है।

इस विभाग द्वारा आयोजित जूडो एक ऐसी गतिविधि है जिसके कारण इस संस्थान को बहुत सम्मान मिला है। राष्ट्रीय बाल भवन को ऐसे बच्चों को प्रशिक्षित करने का गौरव प्राप्त है, जिन्होंने न केवल राष्ट्रीय बल्कि अंतर्राष्ट्रीय

स्तर पर भी सफलता पाई है। शारीरिक शिक्षा विभाग द्वारा अंर्तविद्यालय जूडो टूर्नामेंट आयोजित किए जाते हैं, जिनमें विभिन्न स्कूलों और संस्थाओं के बच्चे भाग लेते हैं और उसका आनन्द उठाते हैं।

स्केटिंग रिंक भी बच्चों के बीच बहुत लोकप्रिय है और संभवतः यह दिल्ली की सर्वोत्तम स्केटिंग रिंकों में से एक है। शारीरिक शिक्षा विभाग, यहां अंतरविद्यालयी क्रिकेट और फुटबॉल प्रतियोगितायें भी आयोजित करता है, जिनमें विभिन्न स्कूलों के बच्चे भाग लेते हैं और इसका आनंद लेते हैं। राष्ट्रीय बाल भवन के खेल के मैदान और शारीरिक शिक्षा विभाग की अन्य सुविधाएँ बाल भवन के सदस्य विद्यालयों को भी उपलब्ध कराई जाती हैं। यह विभाग विभिन्न प्रकार की साहसिक यात्राएँ, ट्रैक और फील्ड ट्रिप आदि भी आयोजित करता है। हाल में ही निशानेबाजी एवं कैरम की गतिविधियाँ भी आरंभ की गई हैं।

इस अनुभाग के विशेष आकर्षण निम्नानुसार हैं –

- इन्डोर व आउटडोर खेल (टेबल-टेनिस, बैडमिंटन, क्रिकेट, बॉस्केट बॉल, निशानेबाजी, चैस, कैरम)
- जूडो
- स्केटिंग
- व्यायामशाला (आंतरिक एवं बाह्य)

गृह प्रबंधन

गृह प्रबंधन विभाग में बच्चों को अच्छी और सुचारू गृह व्यवस्था के विभिन्न आयामों/पक्षों से परिचित कराया जाता है। यहाँ बच्चे विभिन्न प्रकार के भोज्य पदार्थो की नई-नई विधियाँ बनाना सीखते हैं। स्वास्थ्य के लिए पौष्टिक और लाभकारी भोजन बनाना सीखते हैं और बनाते हैं जिससे बच्चे खाना बनाने में आत्मनिर्भर बनते हैं। बच्चों को रसोई का बजट बनाना और उसमें आने वाले खर्च का आंकलन करना भी सिखाया जाता है। बच्चों के साथ स्वास्थ्य, स्वच्छता, साफ़-सफ़ाई के बारे में नियमित रूप से चर्चाएँ की जाती हैं। उनके लिए भोजन अनुरक्षण की प्रयोगात्मक कक्षाएँ भी आयोजित की जाती हैं जो उनके लिए लाभकारी होती हैं। गृह-प्रबंध अनुभाग द्वारा पुष्पसज्जा (इकेबाना), बेकरी आदि की विभिन्न कार्यशालाएँ भी संचालित की जाती हैं।

इस अनुभाग के विशेष आकर्षण निम्नानुसार है –

- गृह-प्रबंधन
- पाक-कला, बेकिंग
- भोजन-परिरक्षण
- पुष्प-सज्जा

संग्रहालय तकनीक

राष्ट्रीय बाल भवन का राष्ट्रीय बाल संग्रहालय विभिन्न अवसरों पर थीम आधारित प्रदर्शनियाँ लगाकर बच्चों का ज्ञानवर्द्धन करता है। राष्ट्रीय बाल संग्रहालय पूरे भारतवर्ष में अद्वितीय बाल संग्रहालय है। इस बाल संग्रहालय में कुछ स्थायी प्रदर्शनी दीर्घाएं हैं, जिन्हें देखने के लिए प्रतिदिन हज़ारों बच्चे आते हैं और ये प्रदर्शनियाँ स्कूली शिक्षण पद्धति की अनुपूरक और प्रतिपूरक भी हैं। राष्ट्रीय बाल संग्रहालय की एक गतिविधि है "संग्रहालय तकनीक क्लब",

जिसमें मिट्टी के मोल्ड से सांचा बनाने तथा प्लास्टर ऑफ पेरिस द्वारा "कास्ट" (प्रतिकृति) बनाने की साधारण तकनीक से लेकर "पीस मोल्ड" बनाने जैसे जटिल कार्य भी सिखाए जाते हैं। इसके अतिरिक्त इस विभाग में बच्चों को माउंटिंग, आलेख-लेखन एवं प्रदर्शनी लगाने की तकनीक इत्यादि से भी अवगत कराया जाता है। बच्चों को यहाँ इस प्रकार के अनुभव कराए जाते हैं, जिनसे उनके प्रकृति, इतिहास, संस्कृति, विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी संबंधी ज्ञान का विस्तार होता है।

विषयगत और पाठ्यक्रम पर आधारित कार्यशालाओं द्वारा बच्चों को अपने देश की प्राचीन सभ्यता, अपने इतिहास, उसकी प्राचीन धरोहर और संस्कृति से अवगत कराया जाता है, जिसमें प्रमुख है बच्चों को उत्खनन-स्थलों पर ले जाकर प्रत्यक्ष अनुभव कराना। इस प्रकार का प्रत्यक्ष अनुभव उनके ज्ञान का विस्तार करता है। बच्चों के लिए विशेष कार्यशालाएँ भी आयोजित की जाती हैं और बच्चों को अनुभव देने के लिए विभिन्न ऐतिहासिक स्मारकों पर भी ले जाया जाता है।

इस अनुभाग के विशेष आकर्षण निम्नानुसार हैं –

- सांचा बनाना एवं ढलाई
- संग्रहालय की वस्तुओं का परिरक्षण एवं संरक्षण
- ऐतिहासिक एवं सांस्कृतिक विषयों पर विचार-विनिमय
- प्रदर्शनी डिज़ाईन करना
- फील्ड कार्य

राष्ट्रीय बाल संग्रहालय

राष्ट्रीय बाल संग्रहालय, राष्ट्रीय बाल भवन का एक अभिन्न अंग है और इसे बड़े होते बच्चे की मनोवैज्ञानिक स्थिति और उसके अपने आसपास की दुनिया को देखने के दृष्टिकोण को ध्यान में रखते हुए बनाया गया है। संग्रहालय में बच्चों को आकर्षित करने वाली वस्तुओं का बड़ा संग्रह है, जिसमें कई देशों के खिलौने, गुड़ियाएँ, पत्थर एवं पीतल से बनी कृतियाँ, पारंपरिक आभूषण, बर्तन, कला एवं शिल्प कृतियाँ, वाद्ययंत्र, सिर की पगड़ियों के प्रदर्शन के साथ वायुयानों, सेटेलाइटों तथा ऐतिहासिक भवनों आदि की जानकारी भी एकत्रित है। राष्ट्रीय बाल संग्रहालय देश में अपनी तरह की एक ही संस्था है जिसे राष्ट्रीय दर्जा प्राप्त है। राष्ट्रीय बाल संग्रहालय इस तथ्य का समर्थन करता है कि बाल संग्रहालय बच्चों के ज्ञान को बढ़ाने और उन्हें विकसित करने का एक महत्वपूर्ण साधन है।

संग्रहालय अलग-अलग दीर्घाओं में दो प्रकार की प्रदर्शनियाँ प्रस्तुत करता है (i) स्थायी प्रदर्शनी (ii) अस्थायी प्रदर्शनी। संग्रहालय की एक दीर्घा को विशिष्ट रूप से केवल अस्थायी प्रदर्शनियों के लिए रखा गया है, जहाँ समय-समय पर किसी विशिष्ट विषय से संबंधित प्रदर्शनी लगाई जाती रहती हैं। स्थायी प्रदर्शनियाँ भी संग्रहालय का विशेष आकर्षण है - इनमें प्रमुख हैं - **हमारा भारत** (8500 वर्ग फीट के दायरे में फैली यह प्रदर्शनी भारतीय जीवन, इसकी जीवन्त संस्कृति, समृद्ध कला एवं शिल्प, धर्मों एवं रीति-रिवाजों की विविधता तथा विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी की प्रगति आदि का मनोहारी चित्रण प्रस्तुत करती है।), **गौरव गाथा** (1855 वर्ग फीट के दायरे में फैली इस प्रदर्शनी में भारत के गौरवमयी अतीत, इसकी संस्कृति, युद्धों को दर्शाने वाली मनमोहक कृतियाँ गुड्डे-गुडियों के माध्यम से क्रम से सजाई गई है।) **सूर्य** (8000 वर्ग फीट से भी अधिक क्षेत्र में 'सूर्य' नाम से लगाई गई इस प्रदर्शनी में भारतीय संस्कृति में 'सूर्य' के महत्व के साथ-साथ अन्य सभ्यताओं जैसे मिस्र, मेसोपोटामिया, चीन, ग्रीक आदि में भी सूर्य के स्थान और महत्व को दर्शाया गया है। सूर्य की उत्पत्ति अर्थात् सौरपरिवार और पृथ्वी आदि की जानकारी दी गई है अर्थात् सूर्य का चित्रण पौराणिक तथा वैज्ञानिक, दोनों दृष्टिकोणों से किया गया है। तथा **पारंपरिक कला एवं शिल्प : भावी पीढ़ी हेतु खजाना** (1700 वर्ग फुट के दायरे में फैली इस प्रदर्शनी में प्रसिद्ध कलाकारों की कलाकृतियों के नमूने प्रदर्शित किए गए हैं) ये सभी प्रदर्शनियाँ जन सामान्य हेतु खुली हैं।

1 अप्रैल, 2024 से 31 मार्च, 2025 तक यहाँ आने वाले पर्यटकों की संख्या निम्नलिखित थी

बच्चों की संख्या	वयस्कों की संख्या	स्कूलों की संख्या
25,471	**9,216**	**229**

1 अप्रैल, 2024 से 31 मार्च, 2025 तक आयोजित प्रदर्शनियों की सूची -

- नन्हें सुजाशील हाथ
- रचनाएँ
- रचनाएँ (ग्रीष्म उत्सव)
- विश्व पर्यावरण दिवस प्रदर्शनी
- अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस प्रदर्शनी
- हमारी अभिव्यक्ति
- रचनात्मक नन्हें साथी
- कला कौशल
- सृजन (एनसीए)

राष्ट्रीय प्रशिक्षण संसाधन केन्द्र

इस अनुभाग का उद्देश्य शिक्षकों एवं व्यस्कों को सृजनात्मक कला, निष्पादन कला तथा विज्ञान आदानों के साथ समन्वित प्रशिक्षण प्रदान करना है। शारीरिक शिक्षा, खेलकूद, पुस्तकालय गतिविधियों को प्रशिक्षण हेतु अतिरिक्त आदानों के रूप में शामिल करने के प्रस्तावों पर भी विचार किया जा रहा है। इस अनुभूति की दिशा में प्रशिक्षण को गति प्रदान की जा रही है कि बच्चे के काम को पहचान दी जाए, भले ही बड़ों की दृष्टि में वह कितना नगण्य व सतही लगे, बच्चों की संरक्षण भावना और सृजन की पहल के लिए यह महत्त्वपूर्ण है।

बाल भवन में प्रयुक्त विभिन्न माध्यम एवं पद्धतियों के जरिए अध्यापकगण बच्चों को स्वयंमेव पहचानने उनकी निर्बाध कल्पना व प्रयोगों को प्रोत्साहन तथा सृजनात्मक अभिव्यक्ति, नवोन्मेष व मौलिक तत्व का सामर्थ्य एवं क्षमता विकसित करते हैं। वे विपरीत परिस्थितियों को अनुकूल बनाने और वैज्ञानिक भावना के साथ सकारात्मक भावना आत्मसात करने के लिए सक्रिय माहौल बनाना भी सीखते हैं। कलाओं को शिक्षा एवं अभिव्यक्ति का एक सशक्त माध्यम बनाने में उनकी मदद के लिए ग्रामीण, अर्द्धग्रामीण तथा शहरी अध्यापकों के लिए व्याख्यान एवं कार्य प्रदर्शन की व्यवस्था की जाती है।

हमारे कार्यक्रम

राष्ट्रीय बाल भवन देशभर में बच्चों के संपूर्ण विकास के लिए कार्य करने वाली शीर्षस्थ संस्थाओं में से एक संस्था है। राष्ट्रीय बाल भवन इस तथ्य को सामने रखकर कार्य करता है कि भारत में करोड़ों बच्चे ऐसे घर-परिवार से हैं, जो गरीबी रेखा के नीचे जीवन-यापन करते हैं और जिनके माता-पिता उनकी प्राथमिक आवश्यकताएँ भी पूरी नहीं कर पाते हैं। राष्ट्रीय बाल भवन इन सबको देखते हुए और अपने सभी संसाधनों का प्रयोग करते हुए बाल भवन आंदोलन को देश के कोने-कोने में फैलाने में प्रयासरत है।

राष्ट्रीय बाल भवन आज अपने 127 संबद्ध राज्य बाल भवनों एवं 13 राज्य बाल भवन केन्द्रों तथा राष्ट्रीय बाल भवन के अन्तर्गत दिल्ली में चल रहे 37 बाल भवन केन्द्रों के माध्यम से लाखों बच्चों तक पहुँचकर एक महत्वपूर्ण भूमिका का निर्वाह कर रहा है। ये केन्द्र सरकार, राज्य सरकारों एवं एन.जी.ओ. के विभिन्न संस्थानों में चल रहे हैं। इस तरह राष्ट्रीय बाल भवन स्थानीय, मंडल स्तरीय, राज्यस्तरीय, राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर अपनी मनोरंजक और सृजनात्मक गतिविधियों के जरिये बच्चों को शिक्षा प्रदान कर रहा है।

स्थानीय स्तर के कार्यक्रम

राष्ट्रीय बाल भवन कई नवीन कार्यक्रमों के अतिरिक्त नियमित कार्यकलापों को भी आयोजित करता है जिसमें विभिन्न कार्यशालाएँ, सेमिनार एवं संगोष्ठियाँ आदि शामिल हैं। इन सब कार्यकलापों का उद्देश्य बच्चों को बहुआयामी कार्यकलापों में भाग लेने का अवसर देकर उनके अनुभव को बढ़ाना है। ये कार्यकलाप एक ओर उन्हें देश की राष्ट्रीय विरासत, परंपराओं, संस्कृति, कला, शिल्प, साहित्य तथा वैज्ञानिक प्रगति से अवगत कराते हैं तो दूसरी ओर बच्चों के क्षितिज का भी विस्तार करते हैं।

उल्लेखनीय कार्यक्रम 2024-25

क्र.सं.	तिथि	संचालित कार्यक्रम/कार्यशालायें	कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य	लाभान्वित बच्चों/स्टाफ/अध्यापकों की संख्या
1.	08.04.2024-12.04.2024	कौशल प्रशिक्षण कार्यशाला	वायु सेना विद्यालयों के बच्चों को राष्ट्रीय बाल भवन की विभिन्न कलाओं से अवगत कराना।	200 बच्चे एवं 30 अध्यापक
2.	20.04.2024	पृथ्वी दिवस कार्यक्रम	पृथ्वी से मिलने वाले संसाधनों को बचाने के तरीको को समझाना।	29 बच्चे
3.	22.04.2024-26.04.2024	वायु सेना विद्यालय के बच्चों के लिए विभिन्न प्रकार की कार्यशालाएँ	बच्चों को राष्ट्रीय बाल भवन की विभिन्न कलाओं से अवगत कराना।	200 बच्चे एवं 30 अध्यापक
4.	09.04.2024	रविन्द्रनाथ जयंती के अवसर पर कार्यक्रम	रवींद्रनाथ टैगोर के गौरवशाली जीवन और योगदान को दर्शाना	200 सहभागी

5.	29.05.2024–28.06.2024	ग्रीष्मोत्सव समारोह कार्यक्रम	बच्चों में छिपी प्रतिभा को उभारना।	3000 बच्चे प्रतिदिन
6.	29.05.2024–31.05.2024	'ब्रह्मांड में होने वाली गतिविधियाँ' कार्यशाला	ब्रह्मांड के सैद्धांतिक पहलुयों को समझाना।	19 बच्चे
7.	29.05.2024–02.06.2024	मेहन्दी कार्यशाला	मेहन्दी लगाने की तकनीक एवं तरह-तरह के डिज़ाइन सिखाना।	100 बच्चे
8.	30.05.2024–31.05.2024	प्रागैतिहासिक: आदिम युग का खुलासा	आदिम युग और विभिन्न जीवों के विकास के बारे में जानकारी प्रदान करना।	25 बच्चे
9.	30.05.2024–01.06.2024	रंग-बिरंगे धागों की रंगीन दुनिया	कढ़ाई के विभिन्न टांकों को सिखाना।	30 बच्चे
10.	01.06.2024–02.06.2024	कम्प्यूटर जागरूकता कार्यक्रम	''ऑनलाइन कार्य सुविधाओं के फायदे और नुकसान'' विषय पर समझाना।	50 बच्चे
11.	02.06.2024	ग्रीष्मोत्सव 2024 की पहली विशेष सभा	बच्चों को पर्यावरण के प्रति जागरूक करना एवं उनमें छिपी प्रतिभा को उभारना।	2500 बच्चे
12.	05.06.2024–06.06.2024	बिग बैंग और अवस्था सिद्धांत	बिग बैंग और अवस्था सिद्धांत के माध्यम से संपूर्ण ब्रह्मांड कैसे बना की जानकरी देना।	20 बच्चे
13.	05.06.2024–07.06.2024	कम लागत वाले मॉडल	घरेलू वस्तुओं से विज्ञान मॉडल वर्किंग मॉडल बनाने की विस्तृत जानकारी देना।	30 बच्चे
14.	05.06.2024–09.06.2024	ओडिसी नृत्य कार्यशाला	ओडिसी नृत्य की सभी विधाओं को सिखाना	60 बच्चे
15.	09.06.2024	ग्रीष्मोत्सव 2024 की दूसरी विशेष सभा	बच्चों के मनोरंजन के साथ-साथ सड़क सुरक्षा नियमों को समझाना तथा सीखी गई विधाओं का प्रदर्शन करना।	3000 बच्चे
16.	09.06.2024–12.06.2024	आकाशगंगा	आकाशगंगा के बारे में महत्वपूर्ण जानकारी प्रदान करना।	20 बच्चे
17.	12.06.2024–14.06.2024	कढ़ाई के बुकमार्क बनाना	कैनवास शीट पर कढ़ाई करके बुकमार्क बनाना सिखाना।	30 बच्चे
18.	12.06.2024–14.06.2024	राग धानी' हारमोनियम कार्यशाला	बच्चों को राग धानी का मौखिक परिचय, बंदिश, इस राग का विस्तार एवं ताने सिखाना।	20 बच्चे

19.	13.06.2024–14.06.2024	हमारे सौरमंडल और पृथ्वी की उत्पत्ति	सौरमंडल के निर्माण के विभिन्न चरणों को समझाना।	30 बच्चे
20.	13.06.2024–14.06.2024	विद्युत उपकरणों एवं घरेलू वायरिंग	बिजली और बिजली के उपकरणों के संचालन के संभावित खतरों और आवश्यक सावधानिया की जानकारी प्रदान करना।	20 बच्चे
21.	14.06.2024–15.06.2024	जानवरों की आकर्षक दुनिया	बच्चों को खेल-खेल में जानवरों की दुनिया के बारे में समझाना।	20 बच्चे
22.	15.06.2024–16.06.2024	मैक्रेम कीचेन बनाना	मैक्रेम डोरी एवं मैटल की रिंग्स के उपयोग से सुन्दर-सुन्दर कीचेन बनाना सिखाना।	20 बच्चे
23.	15.06.2024–21.06.2024	योग कार्यशाला	दैनिक जीवन में योग के महत्व को समझाना।	80 बच्चे
24.	16.06.2024	ग्रीष्मोत्सव 2024 की तीसरी विशेष सभा	बच्चों के मनोरंजन के साथ-साथ खेल के प्रति जागरूक करना तथा सीखी गई विधाओ का प्रदर्शन करना।	3000 बच्चे
25.	19.06.2024–21.06.2024	10 थाट तथा राग भैरवी – सितार एवं गिटार कार्यशाला	सितार एवं गिटार में बंदिश एवं तानें सिखाना।	30 बच्चे
26.	19.06.2024–21.06.2024	कपड़े व ऊन से फूल बनाना	रंग-बिरंगे कपड़े के फूलदान व तोरन का निर्माण करना सिखाना।	20 बच्चे
27.	21.06.2024	10वां अतंर्राष्ट्रीय योग दिवस	सहभागियों को मानसिक एवं शारीरिक रूप से स्वस्थ रहने की प्रक्रियाओं से अवगत कराना था।	3000 बच्चे
28.	23.06.2024	ग्रीष्मोत्सव 2024 की चौथी विशेष सभा	बच्चों के मनोरंजन के साथ-साथ तंबाकू के दुष्प्रभावों से अवगत करना तथा सीखी गई विधाओ का प्रदर्शन करना।	3000 बच्चे
29.	26.06.2024–27.06.2024	हैम रेडियो पर कार्यशाला	बच्चों में एमेच्योर रेडियो गतिविधियों का बढ़ावा देना है।	35 बच्चे
30.	26.06.2024–28.06.2024	सूर्यग्रहण और चंद्रग्रहण	ग्रहण के दौरान सूर्य, पृथ्वी और चंद्रमा की स्थिति तथा अँधेरे का चरण समझाना।	20 बच्चे
31.	28.06.2024	ग्रीष्मोत्सव 2024 का समापन समारोह	ग्रीष्मोत्सव के दौरान सीखी गई विधाओ की प्रदर्शनी तथा प्रस्तुतियों के माध्यम से बच्चों का उत्साह बढ़ाना।	3000 बच्चे

32.	10.07.2024–12.07.2024	'मैक्रमे कोस्टर' बनाने की कार्यशाला	गांठो के उपयोग से रंग-बिरगें मैक्रमे से सुन्दर-सुन्दर कोस्टर बनाना सिखाना।	20 बच्चे
33.	10.07.2024–14.07.2024	'कोलाज मेकिंग' कार्यशाला	पेपर कटिंग को चिपकाकर तरह-तहर के कोलाज बनाना सिखाना।	25 बच्चे
34.	12.07.2024–14.07.2024	'ग्लोब' कार्यशाला	ग्लोब के बारे में विस्तृत जानकारी प्रदान करना।	15 बच्चे
35.	14.07.2024	कर्मचारियों के लिए सोशल मीडिया जागरूकता कार्यशाला	कर्मचारियों को सोशल मीडिया के दिशानिर्देश एवं आचरण नियम समझाना।	70 कर्मचारी
36.	18.07.2024–20.07.2024	'अम्ब्रेला-कट फ्रॉक' कार्यशाला	'अम्ब्रेला-कट फ्रॉक' बनाने के सभी चरणों को समझाना।	20 बच्चे
37.	20.07.2024–21.07.2024	'ब्लैक होल' कार्यशाला	ब्लैक होल क्या है, इसकी संरचना, प्रकार एवं कार्य समझाना।	15 बच्चे
38.	24.07.2024–28.07.2024	'ओरिगामी क्राफ्ट' कार्यशाला	ओरिगामी क्राफ्ट की जानकारी प्रदान कर पेपर फोल्ड से मॉडल तैयार करना सिखाना।	20 बच्चे
39.	25.07.2024–27.07.2024	'लिनोकट प्रिंटिंग' कार्यशाला	परिदृश्यों को लिनोकट प्रिंट के माध्यम से बनाना सिखाना।	20 बच्चे
40.	25.07.2024–26.07.2024	शिक्षा सप्ताह के अंतर्गत सांस्कृतिक दिवस और कौशल दिवस	बच्चों को सांस्कृतिक प्रदर्शन सिखाना और उनके कौशल को निखारना।	200 बच्चे
41.	26.07.2024–28.07.2024	'तबला' कार्यशाला	बच्चों को रूपक ताल का बाज सिखाना।	25 बच्चे
42.	10–12, 18–20, 25–27.07.2024	सरकारी एवं सरकारी सहायता प्राप्त विद्यालयों हेतु तीन दिवसीय कार्यशाला	बच्चों की कला और कौशल का विकास करना तथा अभिव्यक्ति एवं सृजन को निखारना।	914 बच्चे
43.	31.07.2024	बिसलेरी के साथ सहयोगात्मक कार्यक्रम	बच्चों के बीच 3Rs यानी रिड्यूस, रीयूज और रीसाइकिल की अवधारणा को बढ़ावा देना।	100 बच्चे एवं स्टॉफ
44.	08.08.2024–10.08.2024	'शास्त्रीय संगीत के अप्रचलित राग' कार्यशाला	अप्रचलित रागों की रचनाएँ तथा राग की मधुरता एवं ताल-पक्ष को समझाना।	30 बच्चे
45.	09.08.2024–15.08.2024	'हर घर तिरंगा' अभियान	तिरंगे के रंगों से विभिन्न कलाकृतियाँ बनाना।	30 बच्चे

46.	16.08.2024–17.08.2024	'वनस्पति जैव विविधता' कार्यशाला	स्वास्थ्य के साथ-साथ मानव उपभोग के लिए विभिन्न पौधों की प्रजातियों के महत्व के बारे में जानकारी प्रदान करना	30 बच्चे
47.	16.08.2024–18.08.2024	'राखी' बनाने की कार्यशाला	बच्चों को धागे, ऊन, मोती, सितारे, फेविकॉल, सुई-धागे का इस्तेमाल करके सुन्दर-सुन्दर राखियाँ बनाना सिखाना।	30 बच्चे
48.	16.08.2024–18.08.2024	आओ जाने वीर स्वतंत्रता सेनानियों को	आज़ादी में भारतीय स्वतंत्रता सेनानियों के योगदान के बारे में समझाना।	100 बच्चे
49.	17.08.2024–24.08.2024	'क्यूलिगं क्राफ्ट' बनाने की कार्यशाला	क्यूलिंग क्राफ्ट से विभिन्न प्रकार के आभूषण बनाना सिखाना।	20 बच्चे
50.	21.08.2024–23.08.2024	'चन्द्रयान 3'	इसरो, चन्द्रयान 1, 2, 3, चन्द्रयान मिशन समयरेखा तथा चन्द्रमा की सतह का विवरण समझाना।	20 बच्चे
51.	22.08.2024–24.08.2024	'पेपर फ्लावर' बनाने की कार्यशाला	विभिन्न रंगो के कागज़ से तरह-तरह के फूल बनाना सिखाना।	20 बच्चे
52.	23.08.2024	राष्ट्रीय अंतरिक्ष दिवस	राष्ट्रीय अंतरिक्ष दिवस के उपलक्ष्य में विभिन्न प्रतियोगिताएं आयोजित करना।	30 बच्चे
53.	7-9, 22-24 29-31.08.24	सरकारी एवं सरकारी सहायता प्राप्त विद्यालयों हेतु तीन दिवसीय कार्यशाला	बच्चों की कला और कौशल का विकास करना तथा अभिव्यक्ति एवं सृजन को निखारना।	1018 बच्चे
54.	25.08.2024	तत्काल जीवन रक्षक कौशल	आपातकालीन स्थिति में किए जाने वाले उपचार तथा सी.पी.आर. कैसे दिया जाता है समझाना।	200 बच्चे
55.	29.08.2024–31.08.2024	पारम्परिक लकड़ी के खिलौने बनाने की कार्यशाला	नारियल के खोल से कछुए बनाना सिखाया।	20 बच्चे
56.	30.08.2024	'वीर बालिका' रानी लक्ष्मीबाई पर आधारित नाटक का मंचन	झांसी की रानी लक्ष्मीबाई के देश के प्रति बलिदानों के महत्व को समझाना।	200 बच्चे
57.	08.09.2024–12.09.2024	कौशल प्रशिक्षण कार्यशाला	वायु सेना विद्यालयों के बच्चों को राष्ट्रीय बाल भवन की विभिन्न कलाओं से अवगत कराना।	200 बच्चे 40 अनुरक्षक
58.	11.09.2024–13.09.2024	पायदान बनाने की कार्यशाला	कपड़ो की नई-पुरानी कतरन के इस्तेमाल से सुन्दर-सुन्दर पायदान/ डोरमैट बनाना।	20 बच्चे

59.	11.09.2024–15.09.2024	कथक नृत्य कार्यशाला	बच्चों को कथक की भारतीय शास्त्रीय नृत्य शैली से अवगत कराना।	30 बच्चे
60.	12.09.2024–14.09.2024	'Water Color Landscape Painting कार्यशाला'	बच्चों को Landscape चित्रकलाएं बनाना सिखाना।	25 बच्चे
61.	18–21 एवं 25.09.2024	'पेपर क्राफ्ट कार्यशाला'	कागज से विभिन्न प्रकार के उत्पाद बनाना सिखाना।	20 बच्चे
62.	16.09.2024–30.09.2024	हिंदी पखवाड़ा	हिंदी को बढ़ावा देने हेतु कर्मचारियों को जागरूक करना।	लगभग 20 कर्मचारी प्रतिदिन
63.	18.09.2024–22.09.2024	कौशल प्रशिक्षण कार्यशाला	वायु सेना विद्यालयों के बच्चों को राष्ट्रीय बाल भवन की विभिन्न कलाओं से अवगत कराना।	200 बच्चे 40 अनुरक्षक
64.	26.09.2024–28.09.2024	सरकारी एवं सरकारी सहायता प्राप्त विद्यालयों हेतु तीन दिवसीय कार्यशाला	बच्चों की कला और कौशल का विकास करना तथा अभिव्यक्ति एवं सृजन को निखारना।	246 बच्चे
65.	27.09.2024–02.10.2024	सांस्कृतिक आदान-प्रदान (राष्ट्रीय बाल भवन एवं गोवा बाल भवन)	बच्चों के बीच गोवा एवं उत्तरी क्षेत्र का सांस्कृतिक आदान-प्रदान करना।	60 बच्चे
66.	2.10.2024–31.10.2024	विशेष अभियान 4.0	स्वच्छता के बारे में जागरूकता फैलाने हेतु प्रेरित करना था।	सभी कर्मचारी
67.	4.10.2024	विश्व पशु दिवस	बच्चों को पर्यावरण में जानवरों की मौजुदगी के महत्व को समझाना।	30 बच्चे
68.	5.10.2024–6.10.2024–	राष्ट्रीय वन्यजीव सप्ताह	खेल-खेल में वन्यजीव और उनके विभिन्न पहलूओं पर जानकारी देना।	
69.	3.10.2024–5.10.2024	सरकारी एवं सरकारी सहायता प्राप्त विद्यालयों हेतु तीन दिवसीय कार्यशाला	बच्चों की कला और कौशल का विकास करना तथा अभिव्यक्ति एवं सृजन को निखारना।	1018 बच्चे
70.	9.10.2024–11.10.2024	चन्द्रमा के चरण	चन्द्रमा की सतह एवं चन्द्रमा के चरणों से संबंधित जानकारी करना।	22 बच्चे
71.	17.10.2024–19.10.2024	'पारम्परिक बंदरवाल' बनाने की कार्यशाला	बच्चों को विभिन्न प्रकार के बंदरबाल बनाने की कला सिखाना।	20 बच्चे
72.	24.10.2024	राष्ट्रीय विज्ञान केंद्र और राष्ट्रीय प्राणी उद्यान का अध्ययन दौरा।	पक्षियों, स्तनधारियों और सरीसृपों की विभिन्न विदेशी और लुप्तप्राय प्रजातियों के बारे में समझाना।	30 बच्चे

73.	25.10.2024	पूसा आई.टी.आई. (PUSA ITI) का शैक्षिक दौरा	बच्चों को विभिन्न प्रकार के तकनीकी एवं व्यवसायिक क्षेत्रों से जुड़े इंजीनियरिंग व गैर-इंजीनियरिंग ट्रेड्स की जानकारी प्रदान करना।	30 बच्चे
74.	28.10.2024-3.11.2024	सतर्कता जागरूकता सप्ताह कार्यक्रम	कर्मचारियों को हर तरीके से सतर्क रहने का निर्देश देना।	70 कर्मचारी
75.	30.10.2024	राष्ट्रीय एकता दिवस कार्यक्रम	बच्चों एवं कर्मचारियों को एकजुट रहने के लिए प्रेरित करना।	100 बच्चे एवं कर्मचारी
76.	30.10.2024	दिपावली पर्व उत्सव	दिपालवी पर्व के महत्व को समझाना।	300 बच्चे एवं कर्मचारी
77.	06.11.2024-10.11.2024	मास्क बनाने की कार्यशाला	3डी आकार के मास्क बनाने की प्रक्रिया समझाना।	20 बच्चे
78.	9, 10 एवं 13.11.2024	आदित्य एल-1 कार्यशाला	आदित्य एल-1 का वर्णन और इसके उद्देश्य के बारे में बताना।	20 बच्चे
79.	20.11.2024-23.11.2024	राष्ट्रीय बाल सभा एवं एकीकरण शिविर, 2024	बच्चों को समृद्ध भारत की संस्कृति से अवगत कराना।	300 बच्चे एवं अनुरक्षक
80.	26.11.2024	संविधान दिवस कार्यक्रम	संविधान में पारित मौलिक अधिकारों और कर्तव्यों से अवगत कराना।	70 कर्मचारी, 50 बच्चे
81.	27.11.2024-28.11.2024	'भारत के प्रसिद्ध उपग्रह' कार्यशाला	भारत के प्रसिद्ध उपग्रहों जैसे आर्यभट्ट, भास्कर 1, चंद्रयान, मंगलयान, आदि की विस्तृत जानकारी प्रदान करना।	20 बच्चे
82.	28.11.2024-30.11.2024	सरकारी एवं सरकारी सहायता प्राप्त विद्यालयों हेतु तीन दिवसीय कार्यशाला	बच्चों की कला और कौशल का विकास करना तथा अभिव्यक्ति एवं सृजन को निखारना।	993 बच्चे
83.	28.11.2024-30.11.2024	'मैक्रमे बैग' बनाने की कार्यशाला	मैक्रमें की square knot, alternate square knot की मदद से बैग बनाना सिखाना।	20 बच्चे
84.	02.12.2024-04.12.2024	राष्ट्रीय युवा पर्यावरणविद सम्मेलन	भूमि पुनर्स्थापन, मरूस्थलीकरण और सूखा प्रतिरोधक क्षमता' विषय के महत्वपूर्ण भूमिका निभाने के तरीकों को समझाना।	21 राज्य बाल भवनों / केन्द्रों के बच्चे
85.	5 से 7, 11 से 13, 19 से 21 एवं 26 से 28 दिसम्बर 2024	सरकारी एवं सरकारी सहायता प्राप्त विद्यालयों हेतु तीन दिवसीय कार्यशाला	बच्चों की कला और कौशल का विकास करना तथा अभिव्यक्ति एवं सृजन को निखारना।	1075 बच्चे

86.	4 से 7 एवं 11.12.2024	वॉल हैंगिंग बनाने की कार्यशाला	पेस्टल शीट द्वारा ओरिगामी स्टार बनाकर उसके वॉल हैंगिंग बनाना।	20 बच्चे
87.	11.12.2024	भाषा संगम	भारत की विविध भाषाओं को शामिल करते हुए अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन करना।	50 बच्चे
88.	6.12.2024-11.12.2024	'ए-लाइन कुर्ती' बनाने की कार्यशाला	कुर्ती बनाने के सभी चरणों को सिखाना।	20 बच्चे
89.	19.12.2024-21.12.2024	लोक संगीत (गौंधळ) कार्यशाला	बच्चों को महाराष्ट्र की पारंपरिक लोक गायन शैली गौंधळ को सिखाना।	30 बच्चे
90.	22.12.2024	'विश्व कंप्यूटर साक्षरता दिवस' कार्यशाला	बच्चों को कम्प्यूटर सहित साइबर साक्षरता से संबंधित विभिन्न जानकारी प्रदान करना।	45 बच्चे
91.	26.12.2025	वीर बाल दिवस	साहिबज़ादों के त्याग, साहस, दृढ़ता, आत्मविश्वास, विचारशीलता और अन्य गुणों को अनुसरण हेतु बच्चों को सक्षम बनाना।	150 बच्चे
92.	27.12.2024-29.12.2024	कठपुतली बनाने की कार्यशाला	बच्चों को विभिन्न प्रकार के कठपुतली की जानकारी देना और सिलना सिखाना।	16 बच्चे
93.	01.01.2025	आमोद दिवस कार्यक्रम	सहभागियों को खेलों के माध्यम से अनेकता में एकता का ज्ञान अर्जित कराना।	300 सहभागी
94.	01.01.2025-03.01.2025	'आईआरएस - पी6' कार्यशाला	पीपीटी एवं मौखिक चर्चा के माध्यम से 'आईआरएस-पी6' का विवरण एवं इसके उद्देश्य को समझाना।	22 बच्चे
95.	2.01.2025-04.01.2025	उत्पाद एवं फैशन फोटोग्राफी	बच्चों को विभिन्न उत्पादों और चेहरों के लिए प्राकृतिक और स्टूडियो प्रकाश स्रोतों के उपयोग के विभिन्न पहलुओं को समझना।	10 बच्चे
96.	04.01.2025-05.01.2025	सूर्यघड़ी' - कार्यशाला	सूर्यघड़ी का प्रदर्शन, इसे बनाना तथा इसका व्यवहारिक उपयोग समझाना।	18 बच्चे
97.	8.01.2025-09.01.2025	विभिन्न देशों की अंतरिक्ष एजेंसियां	विभिन्न देशों में विभिन्न अंतरिक्ष एजेंसियों के बारे में समझाना।	17 बच्चे
98.	10.01.2025	लोहड़ी, मकर संक्रांति एवं पोंगल कार्यक्रम	लोहड़ी, मकर संक्रांति एवं पोंगल उत्सव मनाना।	300 बच्चे

99.	22.01.2025	हिंदी पखवाड़ा "पुरस्कार वितरण समारोह	प्रतियोगिताओं के विजयी प्रतिभागियों को पुरूस्कृत कर बच्चों एवं स्टाफ को हिंदी में कार्य करने हेतु प्रोत्साहित करना।	30 बच्चे एवं 50 कर्मचारियों
100.	22.01.2025-24.01.2025	पैंट-कट प्लाजो बनाने की कार्यशाला	बच्चों को पैंट-कट प्लाजो बनाने के सभी चरणों की जानकारी देना।	20 बच्चे
101.	30.01.2025-01.02.2025	सरकारी एवं सरकारी सहायता प्राप्त विद्यालयों हेतु तीन दिवसीय कार्यशाला	बच्चों की कला और कौशल का विकास करना तथा अभिव्यक्ति एवं सृजन को निखारना।	295 बच्चे
102.	02.02.2025	बसंत पचमी कार्यक्रम	बसंतोत्सव के पावन अवसर पर माँ सरस्वती की आराधना करना।	70 सदस्य बच्चे एवं कर्मचारी
103.	06.02.2025-08.02.2025	फ्रॉक-टाइप सूट बनाने की कार्यशाला	फ्रॉक टाइप सूट बनाने की सभी प्रकार की जानकारी प्रदान करना।	20 बच्चे
104.	06.02.2025-12.02.2025	'कोलाज मेंकिग' कार्यशाला और प्रतियोगिता	कोलाज का परिचय, विकास और प्रोसेस के बारे में विस्तृत जानकारी प्रदान करना।	20 बच्चे
105.	6, 7, 12, 13-15, 20-22 तथा 27.02.2025-01.03.2025	सरकारी एवं सरकारी सहायता प्राप्त विद्यालयों हेतु तीन दिवसीय कार्यशाला	बच्चों की कला और कौशल का विकास करना तथा अभिव्यक्ति एवं सृजन को निखारना।	826 बच्चे
106.	7.02.2025-09.02.2025	'अपने ब्रह्माण्ड को जाने' - कार्यशाला	हमारा ब्रह्मांड कैसे बना और इसके घटक क्या हैं समझाना।	18 बच्चे
107.	21.02.2025	मातृभाषा दिवस	बच्चों को मातृभाषा के महत्व को समझाना।	100 बच्चे
108.	21.02.2025-28.02.2025	'फूल बनाने' पर कार्यशाला	बच्चों को रंगीन पेपर से तरत-तरह के फूल के आकारों, रंगों की जानकारी प्रदान करना।	20 बच्चे
109.	28.02.2025	राष्ट्रीय विज्ञान दिवस	'विकसित भारत के लिए विज्ञान और नवाचार' के महत्व समझाना।	26 बच्चे
110.	13.03.2025	होली उत्सव मनाना	पारंपरिक त्यौहारों के महत्व को समझाना।	300 बच्चे एवं कर्मचारी
111.	19.03.2025-21.03.2025	भारत के प्रसिद्ध उपग्रह	बच्चों को प्रसिद्ध भारतीय उपग्रहों के बारे में भी जानकारी प्रदान करना।	28 बच्चे

112.	20.03.2025	संविधान दिवस के अंतर्गत आयोजित गतिविधि	नुक्कड़ नाटक प्रदर्शन के माध्यम से बच्चों को अपने संचार और सामाजिक कौशल को बढ़ाने में भी मदद करना।	30 बच्चे
113.	23.03.2025, 27.03.2025-30.03.2025	आओ एक संगीतमय यात्रा करें	बच्चों को भारत में संगीत वाद्ययंत्रों की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत के बारे में बताना।	35 बच्चे
114.	23.03.2025, 27.03.2025-30.03.2025	भारतीय सोने के सिक्के	बच्चों को सोने के सिक्कों के विशेष संदर्भ में भारतीय मुद्रा के समृद्ध इतिहास के बारे में बताना।	35 बच्चे
115.	29.03.2024	विज्ञान भवन में सरस्वती वंदना की प्रस्तुति	राष्ट्रपति महोदया और देश भर से आए अन्य गणमान्य व्यक्तियों की उपस्थित में प्रदर्शन के माध्यम से बच्चों को राष्ट्रीय स्तर का अनुभव प्रदान करना।	6 बच्चे
116.	30.03.2025	डॉ. बी.आर. आंबेडकर के जीवन पर फिल्म दिखाना	डॉ. आंबेडकर के जीवन संघर्ष और भारतीय समाज में उनके अपार योगदान को दर्शाना।	14 बच्चे

विशेष उपलब्धियाँ

- अप्रैल (8 से 12 अप्रैल और 22 से 26 अप्रैल, 2024) और सितंबर 2024 (8 से 12 सितंबर और 18 से 22 सितंबर, 2024) के दौरान 4 सत्रों में भारतीय वायु सेना विद्यालयों के 800 बच्चों के लिए कौशल प्रशिक्षण कार्यशालाएँ आयोजित की गईं। इन कार्यशालाओं में बच्चों को हस्तशिल्प, पेपर मैशे, मिलेजुले गतिविधियाँ, चित्रकारी, सिलाई, शारीरिक शिक्षा, लोक नृत्य, लोक संगीत, गायन, ड्रोन तकनीक, संग्रहालय तकनीक, रेडियो और इलेक्ट्रॉनिक्स आदि जैसे कौशल प्रदान किए गए।
- 31 जुलाई 2024 को, सदस्य बच्चों के बीच स्थिरता और अपशिष्ट प्रबंधन के 3 आर, यानी कम करना, पुनः उपयोग करना और पुनर्चक्रण करना को बढ़ावा देने की पहल के रूप में, राष्ट्रीय बाल भवन ने संस्कृति शिल्प ग्राम में पुनर्चक्रित प्लास्टिक से बने बेंच स्थापित करने के लिए बिसलेरी ब्रांड के साथ सहयोग किया।
- आईआईटी मुम्बई की एक टीम ने 25 अगस्त, 2024 को राष्ट्रीय बाल भवन के सभी कर्मचारियों के लिए 'तत्काल जीवन रक्षक कौशल' कार्यक्रम आयोजित किया। इस कार्यक्रम में सड़क दुर्घटना, हृदयघात आदि जैसी आपातकालीन स्थितियों में किए जाने वाले उपचारों के बारे में आवश्यक जानकारी दी गई। सीपीआर जैसी जीवन रक्षक आपातकालीन तकनीक का भी प्रदर्शन किया गया।
- राष्ट्रीय बाल भवन दिल्ली और गोवा बाल भवन के सदस्य बच्चों के लिए 27 सितंबर, 2024 से 2 अक्टूबर, 2024 तक चार दिवसीय सांस्कृतिक आदान-प्रदान कार्यक्रम आयोजित किया गया, जिसमें दोनों क्षेत्रों के 30 सदस्य बच्चों ने भाग लिया। बच्चों को इस दौरान विविध कार्यशालाओं में शामिल किया गया, जिसमें उन्होंने उत्तर भारतीय और गोवा के वाद्ययंत्रों, लोक संगीत और नृत्य का समृद्ध आदान-प्रदान किया।
- विशेष अभियान 4.0 के अंतर्गत, राष्ट्रीय बाल भवन में पूरे अक्टूबर माह में स्वच्छता अभियान चलाया गया। अभियान के उद्देश्य को प्राप्त करने के लिए राष्ट्रीय बाल भवन की ग्रामीण इकाई, जवाहर बाल भवन माण्डी में भी इसी प्रकार का अभियान चलाया गया।
- भाषाई सहिष्णुता और राष्ट्रीय एकता को बढ़ावा देने के लिए, 11 दिसंबर, 2024 को राष्ट्रीय बाल भवन में भाषा संगम मनाया गया, जिसमें एनबीबी के बच्चों ने आर्केस्ट्रा प्रस्तुति और विभिन्न नृत्य शैलियों के माध्यम से अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया, जिसमें ओडिसी, गोंधल, कथक, बिहू, संभलपुरी, भरतनाट्यम और छत्तीसगढ़ी आदिवासी लोक नृत्य शामिल थे।
- प्रदर्शन कला के नाटक अनुभाग ने संविधान दिवस का शुभारम्भ करने के लिए, 20 मार्च, 2025 को एक नुक्कड़ नाटक किया, जो भारतीय संविधान में दिए गए मौलिक अधिकारों और कर्तव्यों पर केंद्रित था। इस नुक्कड़ नाटक का उद्देश्य सभी नागरिकों के मौलिक अधिकारों के बारे में जागरूकता पैदा करना था, साथ ही राष्ट्र के समग्र विकास और प्रगति में योगदान करने के हमारे मौलिक कर्तव्य के बारे में भी जागरूकता पैदा करना था।
- फोटोग्राफी अनुभाग द्वारा संविधान दिवस के उपलक्ष्य में 30 मार्च, 2025 को सदस्य बच्चों को डॉ. बी.आर. अंबेडकर पर एक लघु फिल्म दिखाई गई। इस लघु फिल्म से बच्चे बहुत प्रोत्साहित हुए तथा उन्हें ज्ञान, समानता और नैतिक मूल्यों को बनाए रखने के लिए प्रेरित किया।

स्टॉफ सदस्यों के लिए कार्यक्रम

- विज्ञान विभाग द्वारा 14 जुलाई, 2024 को कर्मचारियों के लिए सोशल मीडिया जागरूकता पर एक कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यशाला का उद्देश्य कर्मचारियों को राष्ट्रीय बाल भवन के सोशल मीडिया पर सक्रिय रूप से जुड़ने में मदद करना और साथ ही सोशल मीडिया के आचरण के नियमों के बारे में जागरूकता फैलाना था।
- आईआईटी मुम्बई की एक टीम ने 25 अगस्त, 2024 को राष्ट्रीय बाल भवन के सभी कर्मचारियों के लिए 'तत्काल जीवन रक्षक कौशल' कार्यक्रम आयोजित किया। इस कार्यक्रम में सड़क दुर्घटना, हृदयघात आदि जैसी आपातकालीन स्थितियों में किए जाने वाले उपचारों के बारे में आवश्यक जानकारी दी गई। सीपीआर जैसी जीवन रक्षक आपातकालीन तकनीक का भी प्रदर्शन किया गया।
- हिंदी का विकास व संवृद्धि और इसके प्रचार-प्रसार के लिए, 16 से 30 सितंबर, 2024 तक हिंदी पखवाड़ा मनाया गया। हिन्दी पखवाड़ा में राष्ट्रीय बाल भवन और जवाहर बाल भवन, माण्डी के सदस्य स्कूलों के कर्मचारियों और बच्चों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया।
- राष्ट्रीय बाल भवन में पूरे अक्टूबर माह में विशेष अभियान 4.0 के अंतर्गत, स्वच्छता अभियान चलाया गया। अभियान के उद्देश्य को प्राप्त करने के लिए राष्ट्रीय बाल भवन की ग्रामीण इकाई, जवाहर बाल भवन माण्डी में भी इसी प्रकार का अभियान चलाया गया।
- राष्ट्रीय बाल भवन में 28 अक्टूबर से 3 नवंबर, 2024 तक सतर्कता जागरूकता सप्ताह मनाया गया। सतर्कता जागरूकता सप्ताह में 30 अक्टूबर, 2024 को सभी कर्मचारियों द्वारा सत्यनिष्ठा की शपथ ली गई।
- राष्ट्रीय बाल भवन में 30 अक्टूबर, 2024 को राष्ट्रीय एकता दिवस मनाया गया। इस अवसर पर, एनबीबी के उप निदेशक-प्रशासन, श्री मुकेश गुप्ता ने राष्ट्रीय एकता दिवस की शपथ दिलाई और एकता दौड़ का आयोजन किया गया जिसमें सभी कर्मचारियों ने भाग लिया।
- राष्ट्रीय बाल भवन में भारत के संविधान को अपनाने के उपलक्ष्य में, 27 नवंबर, 2024 को संविधान दिवस मनाया गया, जिसमें शपथ ग्रहण समारोह और सभी कर्मचारियों द्वारा संविधान की प्रस्तावना का वाचन शामिल था।
- राष्ट्रीय बाल भवन ने 1 जनवरी, 2025 को 'आमोद दिवस' मनाकर नए साल की ऊर्जावान शुरुआत की, जिसमें कर्मचारियों ने रस्साकशी, म्यूजिकल चेयर, नींबू चम्मच दौड़, तीन टांगों वाली दौड़, गुब्बारा दौड़ आदि खेलों में भाग लिया।
- हिंदी पखवाड़ा कार्यक्रम का पुरस्कार वितरण समारोह 22 जनवरी, 2025 को आयोजित किया गया।

विस्तृत रिपोर्ट

वायु सेना विद्यालयों के 200 बच्चों हेतु कौशल प्रशिक्षण कार्यशाला

राष्ट्रीय बाल भवन में पूरे भारतवर्ष से आए वायु सेना विद्यालयों के 200 बच्चों के लिए दिनाँक 8 से 12 अप्रैल, 2024 तक विभिन्न प्रकार की सृजनात्मक व अद्भुत गतिविधियों का आयोजन किया गया जैसे – हस्तकला, पेपर मैशी, मिले-जुले क्रियाकलाप, चित्रकला, सिलाई, शारीरिक शिक्षा, लोक नृत्य, लोक संगीत, कंठ संगीत, ड्रोन तकनीक, संग्रहालय, रेडियों एवं इलेक्ट्रॉनिक्स आदि। इन सभी गतिविधियों में बच्चों ने बढ़-चढ़ कर भाग लिया और उत्साहपूर्वक सीखने की जिज्ञास प्रकट की। सभी प्रतिभागी बच्चों एवं शिक्षकों को राष्ट्रीय बाल भवन के संग्रहालय एवं मुख्य आकर्षणों का दौरा भी कराया गया तथा सभी प्रतिभागियों के लिए रेल की सवारी का भी आयोजन किया गया।

इस कौशल प्रशिक्षण कार्यशाला का समापन समारोह दिनांक 12.04.2024 को किया गया, जिसमें मुख्य अतिथि के रूप में एयर कमोडोर हरजीत सिंह सिडाना, वीएसएम तथा अन्य गणमान्य अतिथि उपस्थित थे। कार्यशालाओं के दौरान बच्चों द्वारा किए गए कार्यों की प्रदर्शनी भी समापन समारोह में लगाई गई जिसका उद्घाटन मुख्य अतिथियों द्वारा किया गया। समारोह की शुरूआत मेखला झा सभागार में वायु सेना विद्यालयों के बच्चों के समूह गान द्वारा की गई। इसके पश्चात् कार्यशालाओं के दौरान सीखी गई विधाओं जैसे देशभक्ति गीत 'स्वदेश मातृभूमि', लोक गीत – 'मथुरा से खाली हाथ' एवं सम्बलपुरी लोक नृत्य का बच्चों द्वारा मंच पर प्रदर्शन किया गया। सभी अतिथियों द्वारा बच्चों के कार्यक्रम की अत्यंत सराहना की गई और उन्हें प्रोत्साहित किया। मुख्य अतिथियों ने बच्चों को सम्बोंधित किया और आर्शीवचन भी दिये। कार्यक्रम का समापन राष्ट्रगान के साथ किया गया।

विश्व पृथ्वी दिवस कार्यक्रम

राष्ट्रीय बाल भवन में दिनांक 20 अप्रैल, 2024 को 'विश्व पृथ्वी दिवस' मनाया गया, जिसके अंतर्गत बच्चों के लिए एक कार्यशाला का आयोजन किया गया। आयोजित गतिविधियों में कुल 29 बच्चों ने भाग लिया। पांच समूहों में बच्चों ने पृथ्वी ग्रह के बारे में सामान्य जानकारी पर आधारित प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता में भी भाग लिया। इससे उन्हें पृथ्वी द्वारा प्रदान किए जाने वाले विभिन्न आवश्यक संसाधनों के महत्व, ऊर्जा और संसाधनों को बचाने के कुछ तरीकों के बारे में जानकारी प्राप्त करने में मदद मिली। साथ ही, बच्चों ने 'पृथ्वी दिवस' के नारों और चित्रों वाले प्लेकार्ड भी बनाए।

वायु सेना विद्यालयों के 200 बच्चों हेतु कौशल प्रशिक्षण कार्यशाला

राष्ट्रीय बाल भवन में पूरे भारतवर्ष से आए वायु सेना विद्यालयों के 200 बच्चों के लिए दिनाँक 22 से 26 अप्रैल, 2024 तक विभिन्न प्रकार की सृजनात्मक व अद्भुत गतिविधियों का आयोजन किया गया जैसे - हस्तकला, पेपर मैशी, मिले-जुले क्रियाकलाप, चित्रकला, सिलाई, शारीरिक शिक्षा, लोक नृत्य, लोक संगीत, कंठ संगीत, ड्रोन तकनीक, संग्रहालय, रेडियों एवं इलेक्ट्रॉनिक्स आदि। इन सभी गतिविधियों में बच्चों ने बढ़-चढ़ कर भाग लिया और उत्साहपूर्वक सीखने की जिज्ञासा प्रकट की। सभी प्रतिभागी बच्चों एवं शिक्षकों को राष्ट्रीय बाल भवन के संग्रहालय एवं मुख्य आकर्षणों का दौरा भी कराया गया तथा सभी के लिए रेल की सवारी का भी आयोजन किया गया।

इस कौशल प्रशिक्षण कार्यशाला का समापन समारोह दिनांक 26.04.2024 को किया गया, जिसमें मुख्य अतिथि के रूप में एअर वाईस मार्शल राजीव शर्मा, वीएसएम, सहायक वायुसेनाध्यक्ष (शिक्षा), एयर कमोडोर हरजीत सिंह सिडाना, वीएसएम सहित अन्य गणमान्य अतिथि उपस्थित थे। कार्यशालाओं के दौरान बच्चों द्वारा किए गए कार्यों की प्रदर्शनी भी समापन समारोह में लगाई गई, जिसका उद्घाटन मुख्य अतिथियों द्वारा किया गया। समारोह की शुरूआत मेखला झा सभागार में वायु सेना विद्यालयों के बच्चों के समूह गान द्वारा की गई। इसके पश्चात् कार्यशालाओं के दौरान सीखी गई विधाओं जैसे देशभक्ति गीत 'ये देश हमारा है', लोक गीत 'घिर-घिर आई रे' एवं राजस्थानी लोक नृत्य का बच्चों द्वारा मंच पर प्रदर्शन किया गया। बच्चों ने इस कार्यशाला के दौरान प्राप्त किए अनुभव को भी सबके साथ साझा किया। सभी अतिथियों द्वारा बच्चों के कार्यक्रम की अत्यंत सराहना की गई और उन्हें प्रोत्साहित किया। मुख्य अतिथियों ने बच्चों को सम्बोधित किया और आर्शीवचन भी दिये। कार्यक्रम का समापन राष्ट्रगान के साथ किया गया।

रवीन्द्र जयंती

हमारे देश के प्रमुख और प्रतिष्ठित कवि और लेखक रवीन्द्रनाथ टैगोर की जयंती के उपलक्ष्य में दिनांक 9 मई, 2024 को सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन किया गया। निदेशक, रा.बा.भ सुश्री मुक्ता अग्रवाल एवं मुख्य अतिथि श्री राणा प्रताप मुखर्जी, पूर्व ओआईसी (प्रदर्शन कला) की उपस्थिति ने कार्यक्रम की शोभा बढ़ाई और रवीन्द्रनाथ टैगोर की स्मृति पर फूल चढ़ाकर कार्यक्रम की शुरुआत की। इस अवसर पर एनबीबी के सदस्य बच्चों ने वार्ता, संगीत, नृत्य और नाटक के माध्यम से रवीन्द्रनाथ टैगोर के गौरवशाली जीवन और योगदान को दर्शाया। प्रस्तुतियों की सभी ने सराहना की और इसका आनंद लिया। कार्यक्रम का समापन राष्ट्रगान से किया गया।

ग्रीष्मोत्सव का उदघाटन समारोह

राष्ट्रीय बाल भवन में दिनांक 29 मई से 28 जून, 2024 तक ग्रीष्मोत्सव का आयोजन किया गया। इसका उद्घाटन दिनांक 29 मई, 2024 को राष्ट्रीय बाल भवन के खुल रंगमंच में सचिव, शिक्षा मंत्रालय श्री संजय कुमार द्वारा दीप

प्रज्जवलन कर किया गया। समारोह में अपर सचिव व राष्ट्रीय बाल भवन के अध्यक्ष श्री विपिन कुमार, संयुक्त सचिव, शिक्षा मंत्रालय डॉ. अमरप्रीत दुग्गल, निदेशक, रा.बा.भ. श्रीमती मुक्ता अग्रवाल तथा उप-निदेशक, रा.बा.भ. श्री मुकेश गुप्ता उपस्थित थे। समारोह में बच्चों द्वारा बनाई गई कलाकृतियों की सुन्दर प्रदर्शनी लगाई गई तथा उपस्थित गणमान्य अतिथियों के समक्ष बच्चों द्वारा सांस्कृतिक कार्यक्रम के अंतर्गत वाद्यवृन्द 'राग बहार', कथक 'गुरू वंदना एवं तोड़े, लोक नृत्य 'भोजपुरी', भरतनाट्यम 'गणेश कौतुवम' एवं लोक नृत्य 'गोंधळ' की मनमोहक प्रस्तुतियाँ भी दी गई, जिसकी अतिथियों द्वारा अत्यंत प्रशंसा की गई। मुख्य अतिथि ने सभी बच्चों को आशीर्वचन दिए। समारोह का समापन राष्ट्रगाान द्वारा किया गया। इस अवसर पर लगभग 3000 सदस्य बच्चों ने भाग लिया।

ग्रीष्मोत्सव के दौरान बच्चों ने राष्ट्रीय बाल भवन में चल रहीं गतिविधियाँ जैसे - चित्रकला, हस्तकला, बुनाई, सिलाई-कढ़ाई, काष्ठ कला, मिट्टी का काम, शारीरिक शिक्षा, संग्रहालय तकनीक क्लब, कंठ संगीत, सितार एंव गिटार, तबला एवं ढोलक, हारमोनियम, भरतनाट्यम, कथक, नोक नृत्य, नाटक, भौतिक एवं प्राकृतिक विज्ञान (क्यों और कैसे क्लब), रेडियो एवं इलैक्ट्रॉनिक्स, ऍअरो मॉडलिंग, कम्प्यूटर, पर्यावरण, फोटोग्राफी, खगोल विज्ञान, एनीमल कॉर्नर एवं मछलीघर इत्यादि में भाग लिया। इसके अतिरिक्त बच्चों को टाई एंड डाई, मिट्टी के बर्तन, मधुबनी, पट्टचित्र कला आदि गतिविधियाँ भी सिखाई गई।

विशेष गतिविधि

लिटिल वन्स कक्षा 5 से 8 वर्ष आयु वर्ग के बच्चों के लिए "लिटिल वन्स" गतिविधि का आयोजन किया गया। इस गतिविधि का उद्देश्य- छोटे बच्चों की दृढ़ता, अवलोकन और ध्यान केंद्रित करने के संबंध में कौशल को विकसित करना था। इन गतिविधियों को सिखाने से बच्चों में रचनात्मकता और कल्पना शक्ति विकसित होती है

और उनमें आत्मविश्वास बढ़ता है। बच्चों के लिए कला, शिल्प, पेंटिंग, दंतकथाएँ और कहानी सुनाना सत्र आदि गतिविधियों का भी आयोजन किया गया।

'ब्रह्मांड में होने वाली गतिविधियाँ' कार्यशाला

खगोल विज्ञान/तारामंडल अनुभाग द्वारा दिनाँक 29 मई, 2024 से 31 मई, 2024 तक बच्चों के लिए 'ब्रह्मांड में होने वाली गतिविधियाँ' कार्यशाला का आयोजन किया गया। इसमें बच्चों को पावर प्वाइंट प्रेजेन्टेशन द्वारा विभिन्न सैद्धांतिक पहलुयों को समझाया गया जिसमें परिचय, आकाशगंगाएँ, बिग बैंग सिद्धांत, ग्रह, क्षुद्रग्रह, धूमकेतु, उल्कापिंड, प्रकाशवर्ष शामिल हैं इसके साथ-साथ कार्यशाला के अंतर्गत बच्चों ने पेपर मैशी का उपयोग करके ग्रहों और क्षुद्रग्रहों का निर्माण करना भी सीखा।

'मेहन्दी कार्यशाला'

ग्रीष्मोत्सव के दौरान दिनाँक 29 मई से 02 जून, 2024 तक बच्चों के लिए **'मेहन्दी कार्यशाला'** का आयोजन किया गया। इस कार्यशाला के लिए सुश्री शगुन, मेहन्दी विशेषज्ञ को आंमत्रित किया गया। विशेषज्ञ द्वारा बच्चों को मेहन्दी कला के बारे में जानकारी दी गई और उनके उपयोग के बारे में बताया गया। बच्चों को मेहन्दी कोन के इस्तेमाल से विभिन्न डिज़ाइन बनाना सिखाया गया। बच्चों ने कार्यशाला के दौरान सिखाई जाने वाली सभी तकनीको को पूर्ण रूचि के साथ सीखा और तरह-तरह के डिज़ाइन बनाए। कार्यशाला में प्रत्येक दिन लगभग 100 बच्चों ने भाग लिया।

प्रागैतिहासिकः आदिम युग का जीवन

विज्ञान विभाग द्वारा दिनांक 30 मई से 31 मई 2024 तक बच्चों के लिए प्रागैतिहासिक जीवन पर कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यशाला का विषय आदिम युग का जीवन था। कार्यशाला में पहले दिन बच्चों ने पॉवर प्वाइंट प्रैजेनटेशन के माध्यम से आदिम युग और विभिन्न जीवों के विकास के बारे में जानकारी प्राप्त की। कार्यशाला के दौरान बच्चों को एनिमेटिड फिल्म भी दिखाई गई जिसका शीर्षक **'समय की शुरुआत की यात्रा'** था। दूसरे दिन सुश्री सुरभि मावरी, विशेषज्ञ ने बच्चों को बहुत सारी उपयोगी जानकारी प्रदान की जिससे बच्चों को विभिन्न तकनीकी प्रगति के कारण पर्यावरण पर मनुष्य के प्रभावों के बारे में अधिक जानकारी प्राप्त करने में मदद मिली।

रंग-बिरंगे धागों की रंगीन दुनिया

सिलाई अनुभाग द्वारा दिनाँक 30, 31 मई, 2024 से 01 जून, 2024 तक बच्चों के लिए 'रंग-बिरंगे धागों की रंगीन दुनिया' कार्यशाला का आयोजन किया गया। इसमें बच्चों को सिलाई-कढ़ाई कला में उपयोग किए जाने वाले धागों की जानकारी दी गई और उनके उपयोग के बारे में बताया गया। इस कार्यशाला में सदस्य बच्चों को कढ़ाई के टांके जैसे डंडी टाँका, चैन टाँका, बैक स्टिच, क्रॉस स्टिच बनाना, फिशबोन टाँका बनाना, सॉटन स्टिच बनाना इत्यादि सिखाया गया तथा बच्चों ने इन टाँकों से रुमाल पर सुन्दर-सुन्दर फूल बनाए।

कम्प्यूटर जागरूकता कार्यक्रम

कम्प्यूटर अनुभाग द्वारा दिनाँक 1 जून 2024 से 2 जून, 2024 तक सदस्य बच्चों के लिए 'कम्प्यूटर जागरूकता

कार्यक्रम' कार्यशाला का आयोजन किया गया। इसमें बच्चों को कम्प्यूटर के उपयोग से संबंधित जानकारी दी गई जैसे साइबर सुरक्षा क्या है?, इंटरनेट को उपयोग करते समय क्या सावधानियाँ बरतनी चाहिए और क्यों?, ऑडियो एवं वीडियो द्वारा सुरक्षा उपाय, कम्प्यूटर में अपना करियर कैसे बना सकते हैं? इसके अतिरिक्त "कृत्रिम बुद्धिमता" का संक्षिप्त सत्र आयोजित किया गया। साथ ही ''इंटरनेट का बवाल'' फिल्म द्वारा साइबर

बुलिंग के बारे में बताया गया कि यह कितना हानिकारक है और कौन इसका शिकार बन सकता है? इसके साथ यह भी बताया कि ''भाषिणी'' ऐप को 20 भाज़ाओं में अनुवाद के लिए लान्च किया गया है। ''ऑनलाइन कार्य सुविधाओं के फायदे और नुकसान'' विषय पर समझाया गया। कृत्रिम बुद्धिमता की गतिविधियों के विजेता प्रतिभागियों को पुरस्कार वितरण के साथ कार्यक्रम का समापन किया गया।

ग्रीष्मोत्सव 2024 की पहली विशेष सभा

ग्रीष्मोत्सव, 2024 की पहली विशेष सभा की शुरुआत सामूहिक गायन 'जग में हरियाली लाएंगे, हम गीत खुशी के गाएंगे' द्वारा की गई। जिससे बच्चों में 5 जून को मनाए जाने वाले विश्वपर्यावरण दिवस के बारे में जागरूकता पैदा हुई। निदेशक (राष्ट्रीय बाल भवन), श्रीमती मुक्ता अग्रवाल, उप निदेशक (प्रशासन) श्री मुकेश गुप्ता की उपस्थिति ने सभा की शोभा बढ़ाई। सभा की पहली प्रस्तुति संगीत विभाग के बच्चों द्वारा पर्यावरण गीत - हम वृक्ष लगाएंगे, मिल-जुल कर धारा बचाएंगे प्रस्तुत कर की गई। दूसरी प्रस्तुति प्रसिद्ध ड्रमर श्री डिंपल कुमार द्वारा दी गई। इस प्रस्तुति का सभी ने भरपूर आनंद उठाया। अंतिम प्रस्तुति लोक नृत्य के सदस्य बच्चों द्वारा राजस्थानी लोक नृत्य 'घूमर' प्रस्तुत की गई। सभा का समापन श्रीमती मुक्ता अग्रवाल, निदेशक (एनबीबी) के आशीर्वचन से हुआ, जिसने बच्चों को प्रेरित और प्रोत्साहित किया।

बिग बैंग और अवस्था सिद्धांत

खगोल विज्ञान/तारामंडल अनुभाग दिनाँक 5 जून, 2024 से 6 जून 2024 तक द्वारा बच्चों के लिए 'बिग बैंग और स्थिर अवस्था सिद्धांत' कार्यशाला का आयोजन किया गया। बच्चों को कार्यशाला के दौरान बिग बैंग के सैद्धांतिक पहलुओं के विषय में समझाया गया। इस कार्यशाला में बच्चों ने गुब्बारे की सहायता से महाविस्फोट सिद्धांत की व्याख्या करना सीखा साथ ही बिग बैंग का चित्र बनाना, एक बीज के बढ़ने और उसके एक पेड़ के रूप में विकसति होने की व्याख्या भी समझी। इस कार्यशाला में बच्चों को यह ज्ञान प्राप्त हुआ कि यह संपूर्ण ब्रह्मांड कैसे बना।

कम लागत वाले मॉडल

रेडियो एवं इलैक्ट्रॉनिक्स अनुभाग द्वारा दिनाँक 05 जून, 2024 से 07 जून 2024 तक बच्चों के लिए 'कम लागत वाले मॉडल' कार्यशाला का आयोजन किया गया। इसमें बच्चों को कार्यशाला के दौरान इलैक्ट्रानिक्स को एक शौक के रूप में विकसित करना, बढ़ावा देना, इलैक्ट्रानिक मॉडल बनाना, सीखने के दौरान आवश्यक सावधानियाँ बरतना, विद्युत उपकरणों संभाल कर इस्तेमाल का निर्देश, उपकरणों की पहचान, विभिन्न घटकों और उनके कार्य के बारे में बताया गया। इस कार्यशाला के दौरान सदस्य बच्चों को बताया गया कि घरेलू वस्तुओं से विज्ञान मॉडल कैसे

बना सकते हैं तथा वर्किंग मॉडल बनाने की विस्तार से जानकारी दी गई। बच्चों को बोर्ड पर सर्किट आरेख के अनुसार कार्ड बोर्ड को उपयोग करके विभिन्न सर्किट विकसित करके सर्किट के घटकों के साथ पूरा करना और डी.सी. मोटर, म्यूज़िकल बेल, पवन ऊर्जा, स्वचालित नाइट लैंप, जलस्तर अलार्म आदि का निर्माण करना बताया गया।

ओडिसी नृत्य कार्यशाला

ग्रीष्मोत्सव के दौरान दिनाँक 5 मई से 9 जून, 2024 तक बच्चों के लिए 'ओडिसी नृत्य कार्यशाला' का आयोजन किया गया। इस कार्यशाला के लिए सुश्री शोभा बिष्ट, विशेषज्ञ को आंमत्रित किया गया। विशेषज्ञ द्वारा बच्चों को ओड़िसी नृत्य की सभी विधाओं को सिखाया गया और बच्चों ने पूर्ण रूचि के साथ उन विधाओं को सीखा। इस कार्यशाला में लगभग 60 बच्चों ने भाग लिया। कुछ बच्चों ने कार्यशाला में सीखे गए ओडिसी नृत्य का 9 जून, 2024 को खुले रंग मंच पर प्रदर्शन भी किया।

ग्रीष्मोत्सव 2024 की दूसरी विशेष सभा

ग्रीष्मोत्सव, 2024 की दूसरी विशेष सभा 9 जून को आयोजित की गई। इस सभा क शुभआरम्भ सामूहिक गायन 'सबसे निराला ये बाल भवन है' से हुई। इस सभा में मुख्य अतिथि के रूप में ओडिसी नृत्यांगना श्रीमती शोभा बिष्ट उपस्थित थीं। कार्यक्रम की पहली प्रस्तुति बाल भवन के सदस्य बच्चों द्वारा हारमोनियम वादन से हुई। उप-निरीक्षक यातायात पुलिस श्री अजय कुमार ने प्रतिभागियों को सड़क सुरक्षा और यातायात नियमों के बारे में जानकारी प्रदान की साथ ही सड़क दुर्घटनाओं से बचने के तरीकों से भी अवगत कराया। तत्पश्चात् नाटक विभाग के बच्चों द्वारा पर्यावरण पर आधारित नुक्कड़ नाटक प्रस्तुत किया गया। इसके बाद ओडिसी नृत्य प्रस्तुत किया गया, जिसे श्रीमती शोभा बिष्ट के मार्गदर्शन में 5 दिनों की कार्यशाला में तैयार किया गया था। कार्यक्रम का समापन बाल भवन के पूर्व सदस्य श्री दीपक द्वारा जादूई शो के साथ हुआ। बच्चों ने कार्यक्रम का भरपूर आनंद लिया और निदेशक महोदया ने अतिथियों का अभिनंदन किया।

आकाशगंगा

खगोल विज्ञान/तारामंडल अनुभाग द्वारा दिनाँक 9 जून, 2024 से 12 जून 2024 तक बच्चों के लिए 'आकाशगंगा' कार्यशाला का आयोजन किया गया। इसमें बच्चों को कार्यशाला के दौरान बताया गया कि इन्हें पृथ्वी से कैसे देख सकते है, इनकी आयु, आकार, तारों की संख्या, ब्लैक होल आदि के बारे में रोचक तथा इनसे संबंधित गतिविधियाँ भी कराई गई। इसके साथ ही सदस्य बच्चों ने हस्त गतिविधि द्वारा आकाशगंगा का चित्र, पीपीटी की सहायता से आकाशगंगा को समझना और दूधिया तरीके से कार्यशील मॉडल बनाना सीखा।

कढ़ाई के बुकमार्क बनाना

सिलाई अनुभाग द्वारा दिनाँक 12 जून, 2024 से 14 जून, 2024 तक बच्चों के लिए 'कढ़ाई के बुकमार्क बनाना' कार्यशाला का आयोजन किया गया। इस कार्यशाला में बच्चों को कढ़ाई के बुकमार्क एवं कैनवॉस शीट पर कढ़ाई

करके बुकमार्क बनाना सिखाया गया। कैनवॉस शीट पर बच्चों को ऊन से कढ़ाई करके एवं कपड़े पर कढ़ाई के धागों से कढ़ाई करके सुन्दर-सुन्दर बुकमार्क बनाना सिखाया गया। सभी सदस्य बच्चों ने बुकमार्क के धागे की टसल बनाकर एवं टसल को बुकमार्क में जोड़कर सुसज्जित किया।

'राग धानी' हारमोनियम कार्यशाला

प्रदर्शन कला विभाग की हारमोनियम कक्षा द्वारा दिनांक 12 से 14 जून, 2024 तक 'राग धानी' हारमोनियम कार्यशाला का सफल आयोजन किया गया, इस कार्यशाला में बच्चों को राग धानी का मौखिक परिचय, बंदिश, इस राग का विस्तार एवं ताने सिखाई गई। कार्यशाला में बच्चों ने बढ़-चढ़कर भाग लिया।

हमारे सौरमंडल और पृथ्वी की उत्पत्ति

खगोल विज्ञान/तारामंडल अनुभाग द्वारा दिनॉक 13 जून, 2024 से 14 जून, 2024 तक बच्चों के लिए 'हमारे सौर मंडल और पृथ्वी की उत्पत्ति' कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यशाला के दौरान बच्चों को निम्नलिखित विषयों से संबंधित गतिविधियाँ कराई गई, जैसे सौरमंडल कैसे बनता है, निहारिका चरण, प्रोटोस्टार चरण, ब्राउन ड्वार्फ, प्लेनेटेसिमल, पृथ्वी का निर्माण आदि।

विद्युत उपकरणों एवं घरेलू वायरिंग

रेडियो एवं इलैक्ट्रॉनिक्स अनुभाग द्वारा दिनाँक 13 जून, 2024 से 14 जून, 2024 तक बच्चों के लिए 'विद्युत उपकरणों एवं घरेलू वायरिंग' कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यशाला के दौरान बच्चों को इलैक्ट्रानिक्स को एक शौक रूप में विकसित करना और बढ़ावा देना, विद्युत उपकरणों का निर्माण और संयोजन करना और हमारे जीवन में इनकी उपयोगिता के बारे में बताया गया। सदस्य बच्चों को कार्यशाला के दौरान बिजली और बिजली के उपकरणों के संचालन के संभावित खतरों और आवश्यक सावधानियाँ बरतने के बारे में बताया गया। बच्चों ने बिजली की बुनियादी जानकारी घटकों का परीक्षण और शुद्धिकरण को समझा। श्री वीरेंद्र कुमार आर्य (भारत सरकार के उपमहानिदेशक पद से सेवानिवृत) ने सदस्य बच्चों के साथ अपने ज्ञान और अनुभव को साझा किया। उन्होंने बच्चों को बताया कि वह DoT और Arduino के साथ स्मार्ट हाउस वायरिंग कैसे बना सकते हैं। छात्रों ने एक्स्टेंशन बोर्ड गतिविधि की असेंबलिंग का आनंदपूर्वक लाभ लिया।

जानवरों की आकर्षक दुनिया

मछलीघर एवं एनीमल कार्नर अनुभाग द्वारा दिनाँक 14 जून, 2024 से 15 जून 2024 तक बच्चों के लिए 'जानवरों की आकर्षक दुनिया' कार्यशाला का आयोजन किया गया। इसमें बच्चों को कार्यशाला के दौरान प्रस्तुति, स्केचिंग और रंग, पहेली गतिविधि, पशु आवाज़, खेल आदि कराए गए। साथ ही प्रेरणादायक लघु पशु फिल्म, दिखाई गई व पशु पिंजरे का दौरा भी कराया गया।

मैक्रमे कीचेन बनाना

दिनाँक 15 जून 2024 से 16 जून, 2024 तक सिलाई अनुभाग द्वारा बच्चों के लिए 'मैक्रमे कीचेन बनाना' कार्यशाला का आयोजन किया गया। इसमें बच्चों को मैक्रमें डोरी एवं मैटल की रिंग्स का उपयोग कराना बताया गया। कार्यशाला में बच्चों को मैक्रमें आर्ट और इसकी बेसिक नोट्स की जानकारी दी गई जैसे चौरस नोट, हिच नोट, डबल हाफ हिच नोट, लार्कस नोट्स इत्यादि बनाना सिखाया गया। बेसिक नोट्स का इस्तेमाल करके कीचेन बनाना सिखाया गया। सदस्य बच्चों द्वारा सुन्दर-सुन्दर कीचेन्स बनाए गए।

योग कार्यशाला

ग्रीष्मोत्सव के दौरान दिनाँक 15, 16 एवं 19 से 21 जून 2024 तक बच्चों के लिए पाँच दिवसीय 'योग कार्यशाला' का आयोजन किया गया। जिसके लिए श्री महेश कुमार, विशेषज्ञ को आंमत्रित किया गया। विशेषज्ञ द्वारा बच्चों को अपने दैनिक जीवन में योग के महत्व को समझाया गया। साथ ही सूर्य नमस्कार, चक्रासन, शीर्षासन आदि योगासनों को सिखाया गया। इस कार्यशाला में प्रतिदिन लगभग 80 बच्चों ने भाग लिया। योग दिवस के अवसर दिनांक 21 जून, 2024 को बच्चों ने कार्यशाला के दौरान सीखे योगासनों का प्रदर्शन भी किया।

ग्रीष्मोत्सव 2024 की तीसरी विशेष सभा

ग्रीष्मोत्सव, 2024 की तीसरी विशेष सभा 16 जून को आयोजित की गई, जिसकी शुरुआत सामूहिक गायन से हुई। कार्यक्रम की पहली प्रस्तुति बाल भवन के सदस्य बच्चों द्वारा सितार वादन 'देशभक्ति और शास्त्रीय' प्रस्तुत की गई। दिल्ली मेट्रो के प्रतिनिधि ने प्रतिभागियों के साथ मेट्रो के बारे में विस्तृत जानकारी साझा की साथ ही सार्वजनिक परिवहन के अधिक से अधिक इस्तेमाल करने के लिए प्रेरित किया। तत्पश्चात् कथक अनुभाग के बच्चों द्वारा 'गणेश वंदना' नृत्य प्रस्तुत किया गया। इसके बाद सुश्री सुनीता अठवाल, विशिष्ट प्रशिक्षिक (इन्दिरा गांधी स्टेडियम) ने बच्चों के साथ संवाद किया और बच्चों को खेल के प्रति जागरूक किया। इसके बाद लोक नृत्य के बच्चों द्वारा राजस्थानी लोक नृत्य की प्रस्तुति ने सभा में उपस्थित सभी का मन मोह लिया। कार्यक्रम का समापन लाइव बैंड संसर्ट द्वारा हुआ जिसका बच्चों ने भरपूर आनंद उठाया।

10 थाट तथा राग भैरवी - सितार एवं गिटार कार्यशाला

प्रदर्शन कला विभाग की सितार एवं गिटार कक्षा द्वारा दिनांक 19 से 21 जून, 2024 तक '10 थाट तथा राग भैरवी' विषय पर सितार एवं गिटार कार्यशाला का आयोजन किया गया, जिसमें बच्चों को 10 थाटों के विषय में बताया गया। सितार एवं गिटार में कोमल स्वरों का प्रयोग, परदों का स्थानांतरण तथा राग भैरवी का परियच, विशेषताएँ, बंदिश एवं तानें सिखाई गई।

कपड़े व ऊन से फूल बनाना

सिलाई अनुभाग द्वारा दिनाँक 19 जून 2024 से 21 जून, 2024 तक बच्चों के लिए 'कपड़े व ऊन से फूल बनाना' कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यशाला के दौरान सदस्य बच्चों ने सॉटन के कपड़े से ट्यूलिप के फूल व फूलदान, ऊन से गेंदे के फूल, गेंदे के फूलों से तोरन बनाना सीखा। बच्चों ने सभी कार्यकलापों को पूर्ण रूचि के साथ सीखा और रंग-बिरंगे कपड़े के फूलदान व तोरन बनाएं।

10वां अतंर्राष्ट्रीय योग दिवस कार्यक्रम का आयोजन

10वें अतंर्राष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर बच्चों के लिए 5 दिवसीय योग कार्यशाला का आयोजन किया गया। इस कार्यशाला में बच्चों को योग और प्राणयाम सिखाए गए जैसे सूर्यनमस्कार, आसन आदि। आसनों का प्रदर्शन 21 जून, 2024 को मंच पर किया गया। इसके अतिरिक्त बच्चों के लिए चित्रकला प्रतियोगिता का आयोजन भी किया गया, जिसकी प्रदर्शनी दिनांक 21 जून, 2024 को लगाई गई। इस अवसर पर कंठ संगीत के सदस्य बच्चों ने योग पर आधारित गायन की प्रस्तुति दी। इसके पश्चात् बाल भवन तथा बाल भवन केन्द्र, दिल्ली के सदस्य बच्चों द्वारा नृत्य के साथ योग प्रस्तुत किया गया। हास्य योग टीम द्वारा सभी प्रतिभागियों को हास्य योग भी कराया गया। अंत में योग विशेषज्ञ ने सभी को योगासन और प्राणायाम सिखाया।

ग्रीष्मोत्सव 2024 की चौथी विशेष सभा

ग्रीष्मोत्सव, 2024 की चौथी विशेष सभा 23 जून को आयोजित की गई। इस सभा का शुभ आरम्भ सामूहिक गायन से किया गया। कार्यक्रम की पहली प्रस्तुति बाल भवन के सदस्य बच्चों द्वारा तबला वादन से हुई। जिसकी दर्शकों ने काफी प्रशंसा की। विश्व तंबाकू निषेध दिवस के बारे में जागरूकता सत्र और 'तंबाकू मुक्त पीढ़ी' के लिए शपथ ग्रहण कार्यक्रम आयोजित किया गया जिसमें मौलाना आजाद दंत चिकित्सा विज्ञान संस्थान के डॉक्टर ने तंबाकू के दुष्प्रभावों से अवगत कराया। इसके बाद राष्ट्रीय बाल भवन के पूर्व सदस्य ने चार्ली चैपलिन माइम शो किया, जिसका बच्चों ने भरपूर आनंद लिया। श्री संघपाल उत्तम महस्के द्वारा लाइव पेंटिंग प्रदर्शन किया गया, जिसमें उन्होनें उप-निदेशक (प्रशासन) का चित्र बनाया। तत्पश्चात् बच्चों द्वारा भरतनाट्यम 'परंपरा' की प्रस्तुति दी गई और अंत में श्री सुरेश व्यास एवं ग्रुप द्वारा राजस्थानी लोक नृत्य 'भवई' की प्रस्तुति दी गई। इस प्रस्तुति ने सभा में उपस्थित सभी को मंत्रमुग्ध कर दिया।

हैम रेडियो पर कार्यशाला

विज्ञान विभाग ने 26 जून से 27 जून, 2024 तक रेडियो और इलेक्ट्रॉनिक्स अनुभाग के सदस्य बच्चों के लिए 'हैम रेडियो' पर दो दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया। बाल भवन हैम क्लब, रेडियो इलेक्ट्रॉनिक्स अनुभाग का

महत्वपूर्ण हिस्सा है। बाल भवन हैम क्लब का उद्देश्य बच्चों में एमेच्योर रेडियो गतिविधियों को बढ़ावा देना है, एएसओएल के लिए इच्छुक बच्चों को उनके बीच प्रभावी संचार के लिए भवन और प्रशिक्षण दिया गया। इस कार्यशाला में कुल 35 सदस्य बच्चों ने भाग लिया।

पहले दिन सत्र की शुरुआत संचार के विभिन्न तरीकों के बारे में चर्चा के साथ हुई और प्रतिभागियों को रेडियो संचार के विभिन्न तरीकों (मोर्स कोड, टेलीफोनी और कंप्यूटर से कंप्यूटर) के बारे में बच्चों के साथ बातचीत का प्रदर्शन किया गया। छात्रों को रेडियो के माध्यम से संचार का वास्तविक समय का अनुभव प्राप्त हुआ। सहायक निदेशक (विज्ञान) ने सदस्य बच्चों के साथ बातचीत की और उन्हें कार्यशाला के दौरान अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने के लिए अपने प्रेरक शब्दों से प्रेरित किया।

दूसरे दिन, श्री सुशील ढींगरा को सदस्य बच्चों के साथ अपने ज्ञान और अनुभव को साझा करने के लिए विशेषज्ञ के रूप में आमंत्रित किया गया। उन्होंने आपदा जोखिम प्रबंधन के दौरान दूरसंचार की भूमिका, महत्व, विभिन्न प्रकार के संचार और कंप्यूटर एवं इंटरनेट के माध्यम से डिजिटल संचार के बारे में जानकारी प्रदान की।

सूर्यग्रहण और चंद्रग्रहण

खगोल विज्ञान/तारामंडल अनुभाग द्वारा दिनाँक 26 से 28 जून 2024 तक बच्चों के लिए 'सूर्यग्रहण और चंद्रग्रहण' कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यशाला के दौरान बच्चों को ग्रहण के दौरान सूर्य, पृथ्वी और चंद्रमा की स्थिति, अँधेरे का चरण जैसे कि अम्ब्रा, एंटम्ब्रा और पेनम्ब्रा तथा लाल चाँद कैसे बनता है समझाया गया। बच्चों ने कार्यशाला में बढ़-चढ़ कर भाग लिया।

ग्रीष्मोत्सव 2024 का समापन समारोह

ग्रीष्मोत्सव, 2024 का समापन समारोह दिनांक 28 जून, 2024 को किया गया। इस अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में श्री विपिन कुमार, अपर सचिव, शिक्षा मंत्रालय तथा विशिष्ट अतिथि के रूप में श्रीमती मालिनी अवस्थी, लोक गीत गायिका उपस्थित हुए। कार्यक्रम की शुरूआत में अतिथियों का स्वागत किया गया। तत्पश्चात् सांस्कृतिक कार्यक्रम की शुरूआत शास्त्रीय गायन 'राग यमन' द्वारा की गई, इसके पश्चात् भारत के 'ताल वाद्य' की प्रस्तुति, लोक गीत 'भोजपुरी एवं हरियाणवी', विज्ञान अनुभाग द्वारा ग्रीष्मोत्सव की कुछ झलकियाँ, कथक नृत्य 'श्लोक विष्णु वंदना एवं बागेश्वरी तराना', भरतनाट्यम 'ओमकार', लोक नृत्य 'गरबा' तथा स्केटिंग प्रदर्शन प्रस्तुतियाँ की गई। कार्यक्रम के अंत में श्रीमती मालिनी अवस्थी ने भी लोक गीत प्रस्तुत किए और बच्चों को अपने आशीर्वचन दिए।

'मैक्रमे कोस्टर' बनाने की कार्यशाला

सिलाई अनुभाग द्वारा दिनाँक 10 से 12 जुलाई तक 'मैक्रमे कोस्टर' बनाने की कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यशाला के दौरान बच्चों को मैक्रमे कला की जानकारी दी गई एवं इसमें लगाई जाने वाली गांठो जैसे - चौरस, हिच, डबल हिच इत्यादि लगाना सिखाया गया। बच्चों ने पूर्ण रुचि के साथ इन विभिन्न प्रकार की गांठो के उपयोग से रंग-बिरगें मैक्रमे से सुन्दर-सुन्दर कोस्टर तथा इसका उपयोग भी सीखा। कार्यशाला में 30 सदस्य बच्चों ने भाग लिया तथा भाग लेने वाले बच्चों को प्रमाण पत्र प्रदान किए गए।

'कोलाज मेकिंग' कार्यशाला

हस्तकला गतिविधि में दिनांक 10 से 14 जुलाई, 2024 तक सदस्य बच्चों के लिए 'कोलाज मेकिंग' कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यशाला में बच्चों को पेपर कटिंग द्वारा पेस्टिंग के तरीके से अलग-अलग तरह के कोलाजों के बारे में बताया गया। कार्यशाला के दौरान बच्चों को सरल कोलाज, पेपर 2डी/3डी कोलाज, मिक्स मीडिया कोलाज बनाना सिखाया गया। बच्चों ने लगन के साथ इस गतिविधि को सीखा।

'ग्लोब' कार्यशाला

खगोल विज्ञान/तारामंडल अनुभाग द्वारा दिनाँक 12 से 14 जुलाई, 2024 तक बच्चों के लिए 'ग्लोब' कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यशाला के दौरान बच्चों को ग्लोब के बारे में विस्तृत जानकारी प्रदान की गई, जैसे – ग्लोब और उसके भाग, अक्षांश, देशांतर, ध्रुव, पृथ्वी बनाम ग्लोब की संरचना, ग्लोब और गूगल दोनों का उपयोग करके किसी विशेष स्थान का अक्षांश और देशांतर कैसे ज्ञात करें, दो अक्षांशों के बीच तापमान का क्षेत्र, GMT और IST के संदर्भ में समय की गणना कैसे करें आदि। इसके अलावा बच्चों के लिए क्रियाशील गतिविधि का भी आयोजन किया गया, जिसमें बच्चों ने प्लास्टिक बॉल/थर्मोकोल बॉल पर अक्षांश और देशांतर की परत तथा कागज पर अक्षांश एवं देशांतर की परत बनाना सीखा। साथ ही बच्चों को स्थान और समय का मौखिक अभ्यास भी कराया गया। कार्यशाला में भाग लेने वाले बच्चों को प्रमाण पत्र दिए गए।

कर्मचारियों के लिए सोशल मीडिया जागरूकता कार्यशाला

विज्ञान विभाग द्वारा राष्ट्रीय बाल भवन के कर्मचारियों के लिए एन.टी.आर.सी हॉल में दिनांक 14 जुलाई, 2024 को सोशल मीडिया जागरूकता कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यशाला का संचालन सहायक निदेशक (विज्ञान) डॉ. मीनाक्षी शर्मा, द्वारा किया गया। मुख्य अतिथि के रूप में उप-निदेशक (प्रशासन) श्री मुकेश गुप्ता उपस्थित थे। कार्यशाला में सभी कर्मचारियों को सोशल मीडिया के दिशानिर्देश एवं आचरण नियम समझाए गए। सोशल मीडिया (ट्विटर, इंस्टाग्राम, फेसबुक) एकाउन्ट बनाने के साथ-साथ रीपोस्ट, लाईक और कमेन्ट करना भी सिखाया गया। कार्यशाला का उद्देश्य राष्ट्रीय बाल भवन के सोशल मीडिया प्लेटफार्मों में कर्मचारियों की भागीदारी बढ़ाना था।

'अम्ब्रेला-कट फ्रॉक' कार्यशाला

सिलाई अनुभाग द्वारा दिनाँक 18 जुलाई से 20 जुलाई, 2024 तक 'अम्ब्रेला-कट फ्रॉक' बनाने की कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यशाला में प्रतिदिन 20 सदस्य बच्चों ने भाग लिया। कार्यशाला के दौरान बच्चों को इस परिधान के सभी उपयोगी नाप लेना एवं टूल्स की जानकारी दी गई तथा इसके अनुसार ड्राफ्टिंग, पेपर पैटर्न, ले-प्लान और कटिंग करना सिखाया गया। फ्रॉक में लगाए जाने वाले डार्ट्स एवं प्लैक्टिस को सिलना और इनका उपयोग भी सिखाया गया।

बच्चों ने उक्त चरणों को पूर्ण रूचि के साथ सीखा और मशीन की सहायता से अम्ब्रेला-कट फ्रॉक सिलना सीखा। कार्यशाला में भाग लेने वाले बच्चों को प्रमाण पत्र दिए गए।

'ब्लैक होल' कार्यशाला

खगोल विज्ञान/तारामंडल अनुभाग द्वारा दिनाँक 20 से 21 जुलाई, 2024 तक बच्चों के लिए 'ब्लैक होल' कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यशाला के दौरान बच्चों को ब्लैक होल क्या है, इसकी संरचना, प्रकार एवं कार्य समझाए गए। बच्चों ने कागज के कप और मोतियों का उपयोग करके ब्लैक होल का लघु मॉडल बनाना भी सीखा। कार्यशाला में भाग लेने वाले बच्चों को प्रमाण पत्र दिए गए।

'ओरिगामी क्राफ्ट' कार्यशाला

हस्तकला गतिविधि में दिनांक 24 से 28 जुलाई, 2024 तक सदस्य बच्चों के लिए 'ओरिगामी क्राफ्ट' कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यशाला में 20 सदस्य बच्चों ने भाग लिया। इस कार्यशाला में बच्चों को ओरिगामी क्राफ्ट के बारे में जानकारी प्रदान की गई और बच्चों ने पेपर फोल्ड से मॉडल तैयार करना सीखा। यह कला बच्चों के गणित विषय मे सुधार करने में भी सहायक होती है। कार्यशाला में भाग लेने वाले बच्चों को प्रमाण पत्र प्रदान किए गए।

'लिनोकट प्रिंटिंग' कार्यशाला

चित्रकला गतिविधि में सदस्य बच्चों के लिए दिनांक 25 से 27 जुलाई, 2024 तक 'लिनोकट प्रिंटिंग' कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यशाला में 20 सदस्य बच्चों ने भाग लिया। कार्यशाला के दौरान बच्चों ने परिदृश्य चित्रकला करना सीखा और राष्ट्रीय बाल भवन के मुख्य आकर्षक दृश्यों को लिनोकट प्रिंट के माध्यम से बनाया। कार्यशाला में भाग लेने वाले बच्चों को प्रमाण पत्र दिए गए।

शिक्षा सप्ताह

राष्ट्रीय बाल भवन में शिक्षा सप्ताह के अंतर्गत सांस्कृतिक दिवस (25 जुलाई, 2024) और कौशल दिवस (26 जुलाई, 2024) का आयोजन किया गया। सांस्कृतिक दिवस पर बच्चों ने गायन, नृत्य, वाद्ययंत्र और नाट्यकला सीखा। कौशल दिवस पर बच्चों ने सिलाई, काष्ठकला, हस्तकला और छायांकन सीखकर अपने कौशल को निखारा।

'तबला' कार्यशाला

तबला/ढोलक गतिविधि में दिनांक 26 से 28 जुलाई, 2024 तक सदस्य बच्चों के लिए तबले के छः घराने तथा ताल का स्वरूप एवं बाज' कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यशाला हेतु बाहरी विशेषज्ञ श्री अवध कुमार को आंमत्रित किया गया। कार्यशाला में कुल 25 सदस्य बच्चों ने भाग लिया। कार्यशाला के दौरान बच्चों

को रूपक ताल का बाज सिखाया गया, जिसमें रूपक ताल की 2 तिहाईयाँ, 2 टुकड़े, 1 कायदा तथा 4 पलटे और उसकी तिहाई सिखाई गई। बच्चों को रूपक ताल मुँह से बोलना तथा हाथ से ताली देना भी सिखाया गया। कार्यशाला में सभी बच्चों को प्रमाण-पत्र भी दिए गए।

सरकारी एवं सरकारी सहायता प्राप्त विद्यालयों हेतु तीन दिवसीय कार्यशाला

जुलाई माह में सरकारी एवं सरकारी सहायता प्राप्त विद्यालयों के लिए दिनांक 10 से 12, 18 से 20 तथा 25 से 27 जुलाई, 2024 तक तीन दिवसीय गतिविधि कार्यशाला का आयोजन किया गया जिसमें 19 विद्यालयों के 914 बच्चों ने राष्ट्रीय बाल भवन की विभिन्न गतिविधियों में भाग लिया। इससे न केवल बच्चों ने अपनी कला और कौशल का विकास किया अपितु अभिव्यक्ति एवं सृजन को भी निखारा। बच्चों ने तनाव मुक्त वातावरण में मनोरंजन के साथ-साथ सभी गतिविधियों को सीखा।

बिसलेरी के साथ सहयोगात्मक कार्यक्रम

दिनांक 31 जुलाई, 2024 को वहनीयता (sustainability) की दिशा में एक कदम बढ़ाते हुए, राष्ट्रीय बाल भवन ने बिसलेरी के साथ मिलकर रिसाइकिल प्लास्टिक से बनी बेंचों को संस्कृति शिल्प ग्राम में लगाया गया। इस कार्यक्रम में बिसलेरी के अधिकारियो सहित राष्ट्रीय बाल भवन की निदेशिक महोदया, उप-निदेशक (प्रशासन), प्रभारी (कार्यक्रम) तथा अन्य अधिकारी उपस्थित थे। इस पहल का उद्देश्य सदस्य बच्चों के बीच 3R यानी रिड्यूस, रीयूज और रीसाइकिल की अवधारणा को बढ़ावा देना है।

'शास्त्रीय संगीत के अप्रचलित राग' कार्यशाला

राष्ट्रीय बाल भवन के प्रदर्शन कला अनुभाग द्वारा दिनांक 8 से 10 अगस्त, 2024 तक तीन दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया जिसका शीर्षक 'शास्त्रीय संगीत के अप्रचलित राग' था। इस कार्यशाला में शास्त्रीय संगीत विशेषज्ञ डॉ. विनीत गोस्वामी, ने प्रतिभागी बच्चों को अप्रचलित रागों की रचनाएँ सिखाई तथा राग की मधुरता एवं ताल-पक्ष को भी समझाया। कार्यशाला में कुल 30 सदस्य बच्चों ने भाग लिया।

'हर घर तिरंगा' अभियान

राष्ट्रीय बाल भवन में 'हर घर तिरंगा' अभियान के तहत दिनांक 9 से 15 अगस्त, 2024 तक विभिन्न गतिविधियों का आयोजन किया गया। जिसमें बच्चों को हमारे देश की अद्भुत हरियाली से प्रेरणा लेकर पहाड़ों पर मिलने वाले देवदार वृक्ष के फूलों के बारे में जानकारी दी एवं उन फूलों को तिरंगे के रंगों में ढालकर एक सेल्फी प्वाईंट बनाया। बच्चों को तिरंगे के रंगों वाले कागज़ो से फूल, ध्वज, चिड़िया, दीवार लटकन आदि बनाना सिखाया गया। इसके साथ-साथ बच्चों को तिरंगे के रंगों के धागों के इस्तेमाल से ड्रीम कैचर, पॉम-पॉम, ऊन से पत्तियाँ बनाना एवं टी-शर्ट पर पेंटिंग (तिरंगा) करना भी सिखाया गया।

'वनस्पति जैव विविधता' कार्यशाला

पर्यावरण अनुभाग ने 16 और 17 अगस्त 2024 को 'वनस्पति जैव विविधता' विषय पर कार्यशाला का आयोजन किया। इस दो दिवसीय कार्यशाला में कुल 30 सदस्य बच्चों ने भाग लिया। कार्यशाला का उद्देश्य पर्यावरणीय स्वास्थ्य के साथ-साथ मानव उपभोग के लिए विभिन्न पौधों की प्रजातियों के महत्व के बारे में जानकारी प्रदान करना था। कार्यशाला के लिए सुश्री प्रीति वोहरा, प्रकृति शिक्षा अधिकारी (यमुना जैव विविधता पार्क) को विशेषज्ञ के रूप में आमंत्रित किया गया। उन्होंने एक प्रस्तुति के माध्यम से छात्रों के साथ एक संवादात्मक सत्र आयोजित किया। तत्पश्चात सभी सदस्य बच्चे राष्ट्रीय बाल भवन के वनस्पति जैव विविधता दौरे के लिए गए जहाँ उन्होंने पौधों की विभिन्न प्रजातियों की पहचान करने की कोशिश की और उनके महत्व के बारे में जानकारी हासिल की। बच्चों ने एक ऑडियो वीडियो प्रस्तुति के माध्यम से पर्यावरण और किसानों की आर्थिक वृद्धि के लिए औषधीय पौधों के महत्व के बारे में सीखा। साथ ही बच्चों ने एक हर्बेरियम बनाने की गतिविधि में भाग लिया। इस गतिविधि के लिए पिनव्हील फूल के पौधे की पत्तियों का उपयोग किया गया था, जिसमें बच्चों ने इस पौधे के सेलेमिफिक वर्गीकरण के साथ-साथ मानव उपभोग के लिए इसके महत्व के बारे में सीखा।

'राखी' बनाने की कार्यशाला

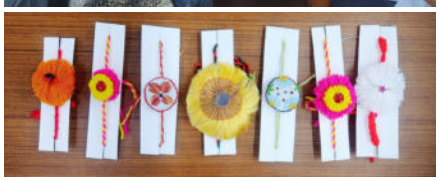

सिलाई अनुभाग द्वारा दिनांक 16 से 18 अगस्त, 2024 तक सदस्य बच्चों के लिए 'राखी' बनाने की कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यशाला में प्रतिदिन 30 सदस्य बच्चों ने भाग लिया। कार्यशाला के अंतर्गत बच्चों को धागे, ऊन, मोती, सितारे, फेविकॉल, सुई-धागे का इस्तेमाल करके सुन्दर-सुन्दर राखियाँ बनाना सिखाया गया। बच्चों को कढ़ाई के टाँको से सुसज्जित राखी बनाना भी सिखाया गया। कार्यशाला में भाग लेने वाल सभी बच्चों ने राखी बनाने की कला को पूर्ण रूचि व उल्लास के साथ सीखा तथा विभिन्न प्रकार की सुन्दर-सुन्दर राखियों भी बनाईं।

'आओ जाने वीर स्वतंत्रता सेनानियों को' कार्यशाला

संग्रहालय द्वारा दिनांक 16 से 18 अगस्त, 2024 तक पांच सत्रों में 'आओ जाने वीर स्वतंत्रता सेनानियों को' नामक कार्यशाला का आयोजन किया। इस कार्यशाला के विभिन्न सत्रों में काफी बच्चों ने भाग लिया। उन्होंने जाना कैसे 1857 में तात्या टोपे, झाँसी की रानी लक्ष्मीबाई आदि की अंग्रेजों के खिलाफ उठायी आवाज़ ने हमें सन् 1947 में आज़ादी दिलाने का कार्य किया। स्वतन्त्रता संग्राम में जिसमें अनेकों वीरों का भी भिन्न-भिन्न क्षेत्रों में योगदान था, जैसे - भगत सिंह, अश्फ़ाक़ उल्ला खाँ, सुभाष चन्द्र बोस, सावित्री बाई फूले, महात्मा गांधी, स्वामी विवेकानन्द, उधम सिंह, बाबू बंदू सिंह, रवीन्द्र नाथ टैगोर आदि। इस दौरान बच्चों को संग्रहालय भ्रमण, गीत आधारित गतिविधियाँ, पॉवर प्वाईन्ट प्रेज़ेटेशन, खेल-खेल में क्विज़, अखबार से टोपी बनाने आदि कई गतिविधियों का आयोजन किया गया।

'क्यूलिगं क्राफ्ट' बनाने की कार्यशाला

हस्कला अनुभाग में दिनांक 17 से 24 अगस्त, 2024 तक सदस्य बच्चों के लिए 'क्यूलिंग क्राफ्ट' की 5 दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यशाला में कुल 20 सदस्य बच्चों ने भाग लिया। क्यूलिंग क्राफ्ट एक ऐसा क्राफ्ट है जिसमें कागज़ की पट्टियों का रोल करके किसी आकार में ढाला जाता है। इस प्रक्रिया से बच्चों क्यूलिंग पेपर से विभिन्न प्रकार की ज्वेलरी बनाना सिखाया गया। कार्यशाला का उद्देश्य क्यूलिंग क्राफ्ट की मदद से बच्चों को अपनी रचनात्मकता को व्यक्त करना तथा नए कौशल को सीखने का अवसर प्रदान करना था।

'चन्द्रयान-3'

खगोल विज्ञान अनुभाग द्वारा दिनांक 21 से 23 अगस्त, 2024 तक बच्चों के लिए 'चन्द्रयान-3' कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यशाला के दौरान बच्चों को इसरो, चन्द्रयान 1, 2, 3, चन्द्रयान मिशन समयरेखा तथा चन्द्रमा की सतह का विवरण बताया गया। इसके साथ ही बच्चों को विभिन्न गतिविधियाँ कराई गई, जैसे - प्रश्नोत्तरी, पोस्टर बनाना, रोवर का मॉडल बनाना, चन्द्रमा की सतह का मॉडल बनाना आदि।

'कागज के फूल' बनाने की कार्यशाला

मिले-जुले क्रियाकलाप में दिनांक 22 से 24 अगस्त, 2024 तक बच्चों के लिए 'कागज के फूल' बनाने की कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यशाला में बच्चों को विभिन्न रंगो के कागज़ से तरह-तरह के फूल बनाना सिखाया गया।

राष्ट्रीय अंतरिक्ष दिवस 2024

राष्ट्रीय बाल भवन में 'राष्ट्रीय अंतरिक्ष दिवस' के उपलक्ष्य में 23 अगस्त, 2024 को विज्ञान अनुभाग द्वारा विभिन्न गतिविधियों का आयोजन किया गया, जैसे - पोस्टर बनाना, बुकमार्क प्रतियोगिता, स्लोगन लेखन प्रतियोगिता, चन्द्रयान 3 पर प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता आदि। इन सभी गतिविधियों में बच्चों ने बढ़-चढ़कर भाग लिया और विजेता बच्चों को पुरस्कृत भी किया गया।

सरकारी एवं सरकारी सहायता प्राप्त विद्यालयों हेतु तीन दिवसीय कार्यशाला

अगस्त माह में सरकारी एवं सरकारी सहायता प्राप्त विद्यालयों के लिए दिनांक 7 से 9, 22 से 24 तथा 29 से 31 अगस्त, 2024 तक तीन दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। इस कार्यशाला में 21 विद्यालयों के 1018 बच्चों ने राष्ट्रीय बाल भवन की विभिन्न गतिविधियों में भाग लिया। इन 1018 बच्चों में से 112 विशेष आवश्यकता वाले बच्चों ने भी 29 से 31 अगस्त तक आयोजित कार्यशाला में भाग लिया। इससे न केवल बच्चों ने अपनी कला और कौशल का विकास किया अपितु अभिव्यक्ति एवं सृजन को भी निखारा। बच्चों ने तनाव मुक्त वातावरण में मनोरंजन के साथ-साथ सभी गतिविधियों को सीखा।

तत्काल जीवन रक्षक कौशल

राष्ट्रीय बाल भवन में 25 अगस्त, 2024 को सभी कर्मचारियों के लिए 'तत्काल जीवन रक्षक कौशल' कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में आपात कालीन और आघात देखभाल के लिए डब्ल्यू.एच.ओ. सहयोग केन्द्र की टीम ने सभी कर्मचारियों को सड़क दुर्घटना, हार्ट अटैक आदि जैसी आपातकालीन स्थिति में क्या-क्या उपचार किए जा सकते है, के बारे में समझाया तथा सी.पी.आर. कैसे दिया जाता है, के बारे में बताया। इस कार्यक्रम में लगभग 70 कर्मचारियों ने भाग लिया।

'पारम्परिक लकड़ी के खिलौने (कछुआ)' बनाने की कार्यशाला

मिले-जुले क्रियाकलाप में 29 से 31 अगस्त, 2024 तक बच्चों के लिए 'पारम्परिक लकड़ी के खिलौने (कछुआ)' बनाने की कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यशाला में बच्चों को नारियल के खोल से कछुए बनाना सिखाया गया।

'वीर बालिका' रानी लक्ष्मीबाई पर आधारित नाटक का मंचन

प्रदर्शन कला विभाग के नाट्यकला अनुभाग द्वारा 30 अगस्त, 2024 को मेखला झा सभागार में रानी लक्ष्मीबाई पर आधारित 'वीर बालिका' नाटक का मंचन किया गया। इस अवसर पर राष्ट्रीय बाल भवन की निदेशक, श्रीमती मुक्ता अग्रवाल एवं उप-निदेशक (प्रशासन) उपस्थित थे। बच्चों ने झांसी की रानी लक्ष्मीबाई के देश के प्रति बलिदानों का मंचन किया गया। बच्चों द्वारा प्रस्तुत नाटक के कई दृश्यों ने दर्शकों को भावुक एवं भाव विभोर कर दिया। अंत में राष्ट्रीय बाल भवन की निदेशक एवं उप-निदेशक (प्रशासन) ने सभी बच्चों की प्रशंसा की।

वायु सेना विद्यालयों के 200 बच्चों हेतु कौशल प्रशिक्षण कार्यशाला

राष्ट्रीय बाल भवन में 8 से 12 सितम्बर, 2024 को पूरे भारतवर्ष से आए वायु सेना विद्यालयों के लगभग 200 बच्चों के लिए कौशल प्रशिक्षण कार्यशाला के अंतर्गत विभिन्न प्रकार की सृजनात्मक व अद्भुत गतिविधियों का आयोजन किया गया, जैसे - हस्तकला, पेपर मैशी, चित्रकला, सिलाई, शारीरिक शिक्षा, लोक नृत्य, लोक संगीत, कंठ संगीत, ड्रोन तकनीक, संग्रहालय, रेडियों एवं इलेक्ट्रॉनिक्स, पर्यावरण आदि, इन सभी गतिविधियों में बच्चों ने बढ़-चढ़ कर भाग लिया और उत्साहपूर्वक सीखने की जिज्ञासा प्रकट की। इन गतिविधियों के साथ-साथ सभी प्रतिभागियों के लिए एन.टी.आर.सी हॉल में 'तत्काल जीवन रक्षा कौशल' सत्र का भी आयोजन किया गया, जिसमें आपातकालीन और आघात देखभाल के लिए डब्ल्यू.एच.ओ. सहयोगी केन्द्र की टीम ने सड़क दुर्घटना, हार्ट अटैक आदि जैसी आपातकालीन स्थिति में क्या-क्या उपचार किए जा सकते है के बारे

में समझाया तथा सी.पी.आर. कैसे दिया जाता है के बारे में भी सिखाया। इसके अलावा सभी प्रतिभागी बच्चों एवं शिक्षकों को राष्ट्रीय बाल भवन के मुख्य आकर्षणों का दौरा भी कराया गया और सभी के लिए रेल की सवारी का भी आयोजन किया गया।

इस कौशल प्रशिक्षण कार्यशाला का समापन समारोह दिनांक 12.09.2024 को किया गया, जिसमें मुख्य अतिथि के रूप में एअर वाईस मार्शल राजीव शर्मा, वीएसएम, सहायक वायुसेनाध्यक्ष (शिक्षा) सहित उनकी धर्म पत्नी श्रीमती ज्योति शर्मा, ग्रुप कैप्टन श्री वी.के. ठाकुर एवं उनकी धर्म पत्नी श्रीमती वीना ठाकुर एवं विंग कमान्डर श्री प्रशांत गुप्ता उपस्थित थे। कार्यशालाओं के दौरान बच्चों द्वारा किए गए कार्यों की प्रदर्शनी भी समापन समारोह में लगाई गई, जिसका उद्घाटन मुख्य अतिथी द्वारा किया गया। समारोह की शुरूआत मेखला झा सभागार में वायु सेना विद्यालयों के बच्चों के समूह गान द्वारा की गई, जिसके पश्चात् कार्यशालाओं के दौरान सीखी गई विधाओं जैसे सरगम गीत, राजस्थानी लोक गीत (ओकुण बीजे) एवं छत्तीसगढी लोक नृत्य का बच्चों द्वारा मंच पर प्रदर्शन किया गया। बच्चों ने इस कार्यशाला के दौरान प्राप्त किए अनुभव को भी सबके साथ साझा किया। सभी अतिथियों द्वारा बच्चों के कार्यक्रम की अत्यंत सराहना की गई और उन्हें प्रोत्साहित किया।

पायदान बनाने की कार्यशाला

सिलाई अनुभाग द्वारा 11 से 13 सितम्बर, 2024 तक सदस्य बच्चों के लिए डोरमैट/पायदान बनाने की कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यशाला का उद्देश्य बच्चों को कपड़ो की नई-पुरानी कतरन का इस्तेमाल करके विभिन्न प्रकार से एवं विभिन्न आकृतियों में पायदान बनाना सिखाया गया, जैसे - कतरन की पोटली, सलाईयो से बुनकर, सेफ्टी पिन के माध्यम से बुनकर आदि। इस कार्यशाला में सभी बच्चों ने पूर्ण रूचि के साथ पयदान बनाने की कला को सीखा और सुन्दर-सुन्दर पायदान/डोरमैट बनाए। कार्यशाला में प्रतिदिन 20 सदस्य बच्चों ने भाग लिया।

कथक नृत्य कार्यशाला

कथक कक्षा में 11 से 15 सितम्बर, 2024 तक 'कथक नृत्य कार्यशाला' का आयोजन किया गया। इस कार्यशाला का उद्देश्य बच्चों को कथक की भारतय शास्त्रीय नृत्य शैली से अवगत कराना था। कार्यशाला हेतु कथक विशेषज्ञ गुरू श्री धीरेन्द्र तिवारी को आंमत्रित किया गया। इस कार्यशाला में बच्चों को तीनताल मध्यलय में निबद्ध रचनाएँ सिखाई गई। रचनाओं में तोड़ा, तिहाई, कवित, परन शामिल थे। बच्चों को चक्कर और हस्तक का अभ्यास करने का भी अवसर मिला। कार्यशाला में प्रतिदिन 30 बच्चों ने भाग लिया।

पानी के रंग से परिदृश्य चित्रकला कार्यशाला

चित्रकला गतिविधि में 12 से 14 सितम्बर, 2024 तक 'पानी के रंग से परिदृश्य चित्रकला कार्यशाला' का आयोजन किया गया। इस कार्यशाला में बच्चों ने बढ़-चढ़ कर हिस्सा लिया और विभिन्न परिदृश्य चित्रकलाएं बनाना सीखा।

पेपर क्राफ्ट कार्यशाला

हस्तकला अनुभाग में 18 से 21 एवं 25 सितम्बर, 2024 पेपर क्राफ्ट कार्यशाला में बच्चों को पेपर के माध्यम से विभिन्न प्रकार के क्राफ्ट की जानकारी दी। इस कार्यशाला में बच्चों को पेपर बेग, पेपर फ्लॉवर, पेपर चिड़िया, पेपर हेगिंग इत्यादि बनाना सिखाया गया। कार्यशाला में प्रतिदिन 20 सदस्य बच्चों ने भाग लिया।

हिंदी पखवाड़ा

राष्ट्रीय बाल भवन में 16 से 30 सितंबर 2024 तक हिंदी को उसके सभी गौरवशाली रूपों में मनाने के लिए हिंदी पखवाड़ा का आयोजन किया गया। सदस्य स्कूलों, राष्ट्रीय बाल भवन और जवाहर बाल भवन, माण्डी के कर्मचारियों और बच्चों ने पूरे कार्यक्रम में उत्साहपूर्वक भाग लिया। सभी को अपने विभिन्न कौशल प्रदर्शित करने का मौका मिला। कर्मचारियों ने कविता लेखन, सामान्य ज्ञान के माध्यम से भाषा के प्रति जुनून, हिंदी टिप्पण और प्रारूपण और टाइपिंग के माध्यम से कौशल परीक्षण और विभिन्न अन्य गतिविधियों के माध्यम से अपनी रचनात्मक प्रतिभा का प्रदर्शन किया। बच्चों ने निबंध लेखन, रचनात्मक कविता लेखन आदि गतिविधियों में भाग लेकर अपना उत्साह प्रदर्शित किया।

वायु सेना विद्यालयों के 200 बच्चों हेतु कौशल प्रशिक्षण कार्यशाला

राष्ट्रीय बाल भवन में 18 से 22 सितम्बर, 2024 तक पूरे भारतवर्ष से आए वायु सेना विद्यालयों के लगभग 200 बच्चों के लिए कौशल प्रशिक्षण कार्यशाला के अंतर्गत विभिन्न प्रकार की सृजनात्मक व अद्भुत गतिविधियों का आयोजन किया गया, जैसे - हस्तकला, पेपर मैशी, चित्रकला, सिलाई, शारीरिक शिक्षा, लोक नृत्य, लोक संगीत, कंठ संगीत, ड्रोन तकनीक, संग्रहालय, रेडियों एवं इलेक्ट्रॉनिक्स, पर्यावरण आदि, इन सभी गतिविधियों में बच्चों ने बढ़-चढ़ कर भाग लिया और उत्साहपूर्वक सीखा। इन गतिविधियों के साथ-साथ सभी प्रतिभागियों के लिए एन.टी.आर.सी हॉल में 'तत्काल जीवन रक्षा कौशल' सत्र का भी आयोजन किया गया, जिसमें आपातकालीन और आघात देखभाल के लिए डब्ल्यू.एच.ओ. सहयोगी केन्द्र की टीम ने सड़क दुर्घटना, हार्ट अटैक आदि जैसी आपातकालीन स्थिति में क्या-क्या उपचार किए जा सकते है के बारे में समझाया तथा सी.पी.आर. कैसे दिया जाता है के बारे में भी सिखाया। इसके अलावा सभी प्रतिभागी बच्चों एवं शिक्षकों को राष्ट्रीय बाल भवन के मुख्य आकर्षणों का दौरा भी कराया गया और सभी के लिए रेल की सवारी का भी आयोजन किया गया।

कौशल प्रशिक्षण कार्यशाला का समापन समारोह दिनांक 22.09.2024 को किया गया, जिसमें मुख्य अतिथि के रूप में एअर वाईस मार्शल राजीव शर्मा, वीएसएम, सहायक वायुसेनाध्यक्ष (शिक्षा) सहित उनकी धर्म पत्नी श्रीमती ज्योति शर्मा एवं अन्य गणमान्य अतिथि उपस्थित थे। कार्यशालाओं के दौरान बच्चों द्वारा किए गए कार्यों की प्रदर्शनी भी समापन समारोह में लगाई गई, जिसका उद्घाटन मुख्य अतिथि द्वारा किया गया। समारोह की शुरूआत मेखला झा सभागार में वायु सेना विद्यालयों के बच्चों के समूह गान द्वारा की गई, जिसके पश्चात् कार्यशालाओं के दौरान सीखी गई विधाओं जैसे बाल गीत, लोक गीत (कजरी) एवं छत्तीसगढी लोक नृत्य का बच्चों द्वारा मंच पर प्रदर्शन किया गया। सभी अतिथियों द्वारा बच्चों के कार्यक्रम की अत्यंत सराहना की गई और उन्हें प्रोत्साहित किया।

सरकारी एवं सरकारी सहायता प्राप्त विद्यालयों हेतु तीन दिवसीय कार्यशाला

अक्टूबर माह में सरकारी एवं सरकारी सहायता प्राप्त विद्यालयों के लिए 26 से 28 सितम्बर, 2024 तक तीन दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। इस कार्यशाला में 5 विद्यालयों के 246 बच्चों ने राष्ट्रीय बाल भवन की विभिन्न गतिविधियों में भाग लिया। इससे न केवल बच्चों ने अपनी कला और कौशल का विकास किया अपितु अभिव्यक्ति एवं सृजन को भी निखारा। बच्चों ने तनाव मुक्त वातावरण में मनोरंजन के साथ-साथ सभी गतिविधियों को सीखा।

सांस्कृतिक आदान-प्रदान कार्यक्रम

बाल भवन गोवा विचारों, विश्वासों, परंपरा और रचनात्मकता का मिश्रण बन गया जब 27 सितंबर 2024 से 2 अक्टूबर 2024 तक राष्ट्रीय बाल भवन दिल्ली और गोवा बाल भवन के सदस्य बच्चों के लिए चार दिवसीय सांस्कृतिक आदान-प्रदान कार्यक्रम आयोजित किया गया जिसमें दोनों क्षेत्रों के 30 सदस्य बच्चों ने भाग लिया।

पहले तीन दिनों में, रा.बा.भ. और गोवा बाल भवन के बच्चे विविध कार्यशालाओं में शामिल हुए, जहाँ उन्होंने तकनीकों और कलात्मक अभिव्यक्तियों के समृद्ध आदान-प्रदान का अनुभव किया। इसमें, दिल्ली ने उत्तर भारतीय शास्त्रीय संगीत और नृत्य विरासत के माध्यम से अपनी जटिल लय और मनोरम कहानी कहने के तरीकों का योगदान दिया, जबकि गोवा जो भारतीय और पुर्तगाली प्रभावों के मिश्रण के लिए जाना जाता है, ने अद्वितीय धुन और सुंदर नृत्य रूपों की पेशकश की।

ज्ञानवर्धक सांस्कृतिक आदान-प्रदान कार्यक्रम के समापन समारोह की शोभा रा.बा.भ. की निदेशक सुश्री मुक्ता अग्रवाल और उप निदेशक (प्रशासन) श्री मुकेश गुप्ता ने दीप जलाकर की, जिसके बाद गोवा बाल भवन के निदेशक श्री शशिकांत पुनाजी ने स्वागत भाषण दिया। इसके बाद कई भव्य प्रदर्शन हुए, जहां गोवा बाल भवन के

बच्चों ने हिमाचली लोक गीत (ठंडी ठंडी हवा चलदी) गाया और रा.बा.भ. के बच्चों ने गोवा के लोक गीत (श्री ढालो), गोवा के नृत्य और राजस्थानी लोक नृत्य (चरी) का प्रदर्शन किया। दर्शकों ने 'मां तुझे सलाम' पर भरतनाट्यम नृत्य प्रदर्शन और दोनों क्षेत्रों के विभिन्न पारंपरिक वाद्ययंत्रों की आर्केस्ट्रा प्रस्तुति का भी आनंद लिया। अतिथियों ने सभी प्रस्तुतियों की सराहना की।

इसके बाद रा.बा.भ. की निदेशक सुश्री मुक्ता अग्रवाल ने दर्शकों को संबोधित किया और सभी बच्चों को अपना आशीर्वाद दिया। सहायक लेखापरीक्षा अधिकारी, गोवा बाल भवन द्वारा धन्यवाद ज्ञापन दिया गया और कार्यक्रम का समापन कर्मचारियों और बच्चों को उपहार और स्मृति चिन्ह के वितरण के साथ हुआ।

कुल मिलाकर, समग्र और समृद्ध अनुभव बच्चों के व्यक्तिगत विकास और विकास के लिए एक अमूल्य योगदान साबित हुआ क्योंकि ज्ञान और कलात्मक अनुभव का जीवंत आदान-प्रदान हुआ, सांस्कृतिक प्रशंसा, पारस्परिक सम्मान, विविधता और समावेशिता को बढ़ावा मिला और उन्हें कार्यक्रम के दौरान स्थायी दोस्ती बनाने का अवसर भी मिला।

विशेष अभियान 4.0

अक्टूबर माह में राष्ट्रीय बाल भवन में विशेष अभियान 4.0 के अंतर्गत स्वच्छता अभियान चलाया गया। इस अभियान के तहत पूरे माह का रोस्टर तैयार किया गया और इसके अनुसार प्रतिदिन परिसर के विभिन्न स्थानों की सफाई की गई। इसके साथ-साथ पुरानी फाईलों एवं पुराने सामानों को भी हटाया गया। इसी प्रकार राष्ट्रीय बाल भवन के ग्रामीण इकाई जवाहर बाल भवन माण्डी में भी स्वच्छता अभियान चलाया गया। स्वच्छता के दौरान पहले एवं बाद की फोटो राष्ट्रीय बाल भवन सोशल मीडिया प्लेटफार्म पर अपलोड की गई।

विश्व पशु दिवस

पर्यावरण अनुभाग एवं मछलीघर एवं एनिमल कार्नर द्वारा 4 अक्टूबर, 2024 को 'विश्व पशु दिवस' मनाया गया। एक पावर पॉइंट प्रेजेंटेशन के माध्यम से, सदस्य बच्चों को इस तथ्य के बारे में बताया गया कि जानवर न केवल ग्रह के निवासी हैं, बल्कि हमारे पारिस्थितिकी तंत्र के अभिन्न अंग हैं और उन्हें एक सुरक्षित और संरक्षित वातावरण भी दिया जाता है, जहाँ वे पनप सकते हैं। छात्रों ने पशु कल्याण पर आधारित एनिमेटेड मूवी शो का भी आनंद लिया। पशु कल्याण एक महत्वपूर्ण पाठ है जो न केवल सहानुभूति और करुणा सिखाता है बल्कि एक अधिक मानवीय समाज बनाने में भी मदद करता है। यह बच्चों में जिम्मेदारी की भावना और अन्य जीवित प्राणियों के प्रति देखभाल की भावना को बढ़ाता है। इसके बाद, छात्रों ने राष्ट्रीय बाल भवन के मछलीघर और पिंजरे का दौरा किया, इससे उन्हें विभिन्न पारिस्थितिकी प्रणालियों और जलवायु, वनस्पति और रहने की स्थिति के संदर्भ में इतिहास की विशिष्ट आवश्यकताओं को बेहतर ढंग से समझने में मदद मिली।

सरकारी एवं सरकारी सहायता प्राप्त विद्यालयों हेतु तीन दिवसीय कार्यशाला

अक्टूबर माह में सरकारी एवं सरकारी सहायता प्राप्त विद्यालयों के लिए 3 से 5 अक्टूबर, 2024 तक तीन दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। इस कार्यशाला में 3 विद्यालयों के 146 बच्चों

ने राष्ट्रीय बाल भवन की विभिन्न गतिविधियों में भाग लिया। इससे न केवल बच्चों ने अपनी कला और कौशल का विकास किया अपितु अभिव्यक्ति एवं सृजन को भी निखारा। बच्चों ने तनाव मुक्त वातावरण में मनोरंजन के साथ-साथ सभी गतिविधियों को सीखा।

राष्ट्रीय वन्यजीव सप्ताह

पर्यावरण अनुभाग एवं मछलीघर एवं एनिमल कार्नर द्वारा 5 और 6 अक्टूबर, 2024 को, 'राष्ट्रीय वन्यजीव सप्ताह' मनाया गया। सप्ताह के दौरान सदस्य बच्चों ने पोस्टर मेंकिंग गतिविधि में भाग लिया, इस गतिविधि ने रचनात्मक सोच को सुविधाजनक बनाया, बच्चों ने ख्रश्य प्रतिनिधित्व के माध्यम से अपने विचारों का संचार किया। इसके अतिरिक्त बच्चों ने पशु फेस मास्क बनाने की गतिविधि में भाग लिया। बच्चों ने मिट्टी से आकृति बनाने संबंध ी गतिविधि में भाग लिया और मिट्टी का उपयोग करके विभिन्न जानवरों की आकृति बनाना सीखा। बच्चों ने पशुओं के आवास, कल्याण और उनसे संबंधित अन्य सामान्य प्रश्नों पर आधारित प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता में भाग लिया।

चन्द्रमा के चरण

खगोल विज्ञान अनुभाग द्वारा 9 से 11 अक्टूबर, 2024 तक 'चंद्रमा के चरण' विषय पर कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यशाला के दौरान बच्चों ने चन्द्रमा की सतह एवं चन्द्रमा के चरणों से संबंधित जानकारी प्राप्त की। बच्चों को पी.पी.टी. प्रस्तुति एवं मौखिक जानकारी के माध्यम से चंद्रमा और उसके गुणों के बारे में जानकारी दी गई। पूरी चर्चा के दौरान बच्चों ने सक्रिय रूप से भाग लिया। बच्चों के लिए चन्द्रमा के चरणों पर आधारित प्रश्नोत्तरी का भी आयोजन किया गया और बच्चों ने विषय पर आधारित बुकमार्क भी बनाए। कार्यशाला में कुल 22 बच्चों ने भाग लिया।

'पारम्परिक बंदरवाल' बनाने की कार्यशाला

सिलाई अनुभाग द्वारा 17 से 19 अक्टूबर, 2025 तक सदस्य बच्चो के लिए 'पारम्परिक बन्दरवाल' बनाने की कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यशाला में बच्चों को भारतीय परम्पराओं के अनुसार उत्सव, शादी, उद्घाटन समारोह एवं अन्य शुभ अवसरो पर दरवाजे की शोभा बढ़ाने के लिए विभिन्न प्रकार के बन्दरवाल बनाने सिखाए गए। बच्चों ने बंदरवाल बनाने में कपड़ा, मोती, सितारे, शीशे, लेस, गोटा, सुई-धागा, उन, इत्यादि का प्रयोग किया। इस कार्यशाला में 20 सदस्य बच्चों ने प्रतिदिन भाग लिया। कार्यशाला में भाग लेने वाले सभी बच्चो ने पूर्ण रूचि के साथ कार्यशाला के कार्यकलापों को पूर्ण रूचि के साथ सीखा। कार्यशाला में आने वाले बच्चों के लिए प्रतिदिन अल्पाहार की व्यवस्था भी की गई।

राष्ट्रीय विज्ञान केंद्र और राष्ट्रीय प्राणी उद्यान का अध्ययन दौरा

पर्यावरण गतिविधि द्वारा 24 अक्टूबर 2024 को, 30 सदस्य बच्चों को राष्ट्रीय विज्ञान केंद्र और राष्ट्रीय प्राणी उद्यान के शैक्षिक दौरा कराया गया। इस शैक्षिक दौरे के अंतर्गत बच्चों ने राष्ट्रीय विज्ञान केंद्र में विभिन्न दीर्घाओं की जानकारी प्राप्त की और विज्ञान और प्रौद्योगिकी के विभिन्न चमत्कारों के बारे में सीखा। राष्ट्रीय प्राणी उद्यान की यात्रा के दौरान, सदस्य बच्चों ने पक्षियों, स्तनधारियों और सरीसृपों की विभिन्न विदेशी और लुप्तप्राय प्रजातियों को देखा। उन्होंने उनकी शारीरिक विशेषताओं, सामान्य आवास और भोजन की आदतों के बारे में भी सीखा।

पूसा आई.टी.आई. का शैक्षिक दौरा

राष्ट्रीय बाल भवन के सिलाई अनुभाग द्वारा 25 अक्टूबर, 2024 को सदस्य बच्चों को पूसा आई.टी.आई. का शैक्षिक दौरा कराया गया। यह संस्थान भारत सरकार के श्रम एवं रोज़गार मंत्रालय के अधीन चलाए जाने वाला प्रशिक्षण संस्थान है। शैक्षिक दौरे के दौरान बच्चों को विभिन्न प्रकार के तकनीकी एवं व्यवसायिक क्षेत्रों से जुड़े इंजीनियरिंग व गैर इंजीनियरिंग ट्रेड्स जैसे - सिलाई तकनीकी, फैशन डिज़ाइनिंग, इंटीरियर डैकोरेशन एण्ड डिज़ाइनिंग, वैल्डर, फिटर, कोपा, कमर्शल आर्ट, स्टैनोग्राफी (हिन्दी/इंगलिश), डिजल मैकनिक, ऑटोमोबाइल इंजीनियरिंग इत्यादि की जानकारी प्राप्त हुई। इन क्षेत्रों में बच्चे अपने कौशल को बढ़ाकर अपना भविष्य सुरक्षित कर सकते है। आई.टी.आई के कर्मचारी द्वारा बच्चों को संस्थान का दौरा करवाया गया साथ ही इन क्षेत्रों में कैसे दाखिला लेकर अपना ज्ञानवर्धन कर सकते है, के बारे में बताया गया। इस शैक्षिक दौरे में 30 सदस्य बच्चों एवं 4 कर्मचारियों ने भाग लिया।

सतर्कता जागरूकता सप्ताह कार्यक्रम

राष्ट्रीय बाल भवन में 28 अक्तूबर से 3 नवंबर, 2024 तक सतर्कता जागरूकता सप्ताह कार्यक्रम मनाया गया। जिसके अंतर्गत विभिन्न गतिविधियां आयोजित की गई, जैसे - बच्चो को गीत सिखाना, पोस्टर बनाना आदि। इसके अंतर्गत 30 अक्टूबर, 2024 को सभी कर्मचारियों द्वारा सत्यनिष्ठा प्रतिज्ञा ली गई। श्री मुकेश गुप्ता, उपनिदेशक (प्रशासन) ने सभी कर्मचारियों को हर तरीके से सतर्क रहने के बारे में बताया। उन्होंने कहा हमें ना ही गलत करना है और ना ही किसी के साथ गलत होते देखना है। हम सभी ईमानदारी और सत्यनिष्ठा के साथ कार्य करेंगे।

राष्ट्रीय एकता दिवस कार्यक्रम

सरदार वल्लभ भाई पटेल की जयंती के अवसर पर 30 अक्टूबर, 2024 को राष्ट्रीय बाल भवन के उपनिदेशक-प्रशासन ने सभी प्रतिभागियों को राष्ट्रीय एकता दिवस की शपथ दिलाई। राष्ट्रीय बाल भवन के परिसर में एकता दौड़ का आयोजन किया गया, जिसमें सभी कर्मचारियों ने भाग लिया। राष्ट्रीय एकता दिवस का मुख्य उद्देश्य बच्चों और कर्मचारियों को एकजुट रहने के लिए प्रेरित करना था। श्री मुकेश गुप्ता, उप निदेशक (प्रशासन) ने सभी प्रतिभागियों को जानकारी दी कि श्री पटेल को भारत के 'लौह पुरुष' के रूप में भी जाना जाता है। उनके योगदान को याद करते हुए हर साल उनकी जयंती पर राष्ट्रीय एकता दिवस मनाया जाता है।

दिपावली पर्व

राष्ट्रीय बाल भवन में 30 अक्टूबर, 2024 को दिपालवी पर्व उत्साहपूर्वक मनाया गया, जिसके लिए सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में राष्ट्रीय बाल भवन की निदेशिका एवं उप-निदेशक (प्रशासन)

भी उपस्थित थे। कार्यक्रम की शुरूआत बच्चों एवं अधिकारियों द्वारा दीप प्रज्ज्वल से की गई। तत्पश्चात् बच्चों द्वारा गीत एवं नृत्य की प्रस्तुतियां प्रस्तुत की गई। निदेशिका एवं उप-निदेशक (प्रशासन) ने सभी को दीपावल की शुभकामनाएं दी। अंत में सभी बच्चों एवं कर्मचारियों को मिठाई वितरित की गई।

मास्क बनाने की कार्यशाला

हस्तकला अनुभाग द्वारा 6 से 10 नवम्बर, 2024 तक मास्क बनाने की कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यशाला में 20 सदस्य बच्चों ने भाग लिया। कार्यशाला के दौरान बच्चों ने बाँस एवं विभिन्न प्रकार की सामग्रियों के उपयोग से 3डी आकार के मास्क बनाना सीखा। जिसका उपयोग दीवार को सजाने में किया जा सकता है।

आदित्य एल-1 कार्यशाला

खगोल विज्ञान अनुभाग द्वारा 9, 10 एवं 13 नवम्बर, 2024 को 'आदित्य एल-1' कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यशाला के दौरान बच्चों को सैद्धांतिक पहलुओं जैसे सूर्य की विभिन्न परतों का वर्णन, आदित्य एल-1 का वर्णन और इसके उद्देश्य के बारे में जाना। साथ ही बच्चों ने आदित्य एल-1 का मॉडल बनाना भी सीखा। कार्यशाला के अंत में बच्चों के लिए प्रश्नोत्तरी सत्र का आयोजन किया गया, इसमें सभी बच्चों ने सक्रिय रूप से भाग लिया।

राष्ट्रीय बाल सभा एवं एकीकरण शिविर, 2024

राष्ट्रीय बाल भवन में दिनाँक 20 नवम्बर से 23 नवम्बर, 2024 तक 'समृद्ध भारत' विषय पर राष्ट्रीय बाल सभा एवं एकीकरण शिविर का आयोजन किया गया। इस शिविर का उद्देश्य - बच्चों को समृद्ध भारत की संस्कृति से अवगत कराना था। इस शिविर में देशभर से 18 राज्यों के मान्यता प्राप्त 57 बाल भवनों तथा बाल भवन केन्द्रों के 300 से अधिक बच्चों तथा एस्कोर्ट, राष्ट्रीय बाल भवन, जवाहर बाल भवन, माण्डी एवं बाल भवन केन्द्र, दिल्ली के सदस्य बच्चो ने भाग लिया।

चार दिन के इस शिविर में सहभागी बच्चों के लिए बाहरी विशेषज्ञों और आंतरिक प्रशिक्षकों द्वारा सृजनात्मक गतिविधियाँ/कार्यशालाएं जैसे - कैलीग्राफी, पॉटरी, मधुबनी, पट्टचित्र, टाई एण्ड डाई, चरखा, पेपर मैशी, मेहन्दी, ब्लॉक प्रिंटिंग, चित्रकला, हस्तकला, सिलाई, पर्यावरण, रेडियो एवं इलैक्ट्रॉनिक्स, सिम्यूलेटर, फन गेम्स, बुनाई, काष्ठ कला, संग्रहालय, मिले-जुले कार्यकलाप इत्यादि आयोजित की गई।

पहले दिन शिविर का उद्घाटन समारोह 20 नवम्बर, 2024 को प्रातः 10:00 बजे आयोजित किया गया। कार्यक्रम का शुभआरम्भ सम्मानित अतिथियों के स्वागत से किया गया। अतिथियों द्वारा राष्ट्रीय बाल भवन के सदस्य

बच्चों द्वारा निर्मित कलाकृतियों से संयोजित प्रदर्शनी तथा गतिविधि स्टॉल का दौरा किया गया। तत्पश्चात सांस्कृतिक कार्यक्रम की भव्य प्रस्तुतियों का आयोजन किया गया, जिसका प्रारम्भ मुख्य अतिथि श्री आनंद प्रकाश, उपाध्यक्ष, रा.बा.भ. के साथ-साथ निदेशक, रा.बा.भ. और अन्य अधिकारियों द्वारा दीप प्रज्वलित करके किया गया। 'समृद्ध भारत' विषय पर आधारित वाद्ययत्रों, गायन और नृत्यनाटिका की समन्वित प्रस्तुति ने सभी को मंत्रमुग्ध कर दिया जिसकी सम्मानित अतिथियों द्वारा प्रशंसा की गई। इसके बाद मुख्य अतिथि एवं निदेशक ने सभी प्रतिभागियों को आशीर्वचन दिए। दोपहर 2:00 से 5:00 बजे तक खुले रंग मंच में उत्तरी क्षेत्र और दक्षिणी क्षेत्र-1 के राज्य बाल भवनों के प्रतिभागियों ने 'समृद्ध भारत' पर आधारित नृत्य, संगीत और सिलंबम (प्राचीन भारतीय मार्शल आर्ट) का प्रस्तुतिकरण किया। सायं 6:30 बजे राष्ट्रीय बाल भवन में आमंत्रित विशेषज्ञ, श्री डिंपल कुमार एवं ग्रुप द्वारा 'ड्रम' की प्रस्तुति दी गई।

शिविर के दूसरे दिन की शुरुआत पूर्वी क्षेत्र और मध्य क्षेत्र के प्रतिभागियों की सांस्कृतिक प्रस्तुतियों के साथ हुई। दर्शकों ने विभिन्न लोक नृत्यों का आनंद लिया और मंत्रमुग्ध हो गए। छोटे बच्चों द्वारा प्रस्तुत प्रदर्शन ने उनकी कड़ी मेहनत को दर्शाया जो बहुत आकर्षक था। साथ ही, बच्चों ने आमंत्रित विशेषज्ञों और रा.बा.भ. प्रशिक्षकों द्वारा विभिन्न अभिनव कार्यशालाओं में भाग लिया और उन्हें सीखा। दोपहर 2:30 से 5:30 बजे तक खुले रंग मंच में पश्चिम क्षेत्र और दक्षिण क्षेत्र-11 प्रतिभागियों ने 'समृद्ध भारत' पर आधारित अपनी-अपनी कलाओं का प्रदर्शन किया, जिसमें गायन, नृत्य, वाद्य एवं अन्य कलाएं शामिल थी। दर्शकों ने अलग-अलग प्रस्तुतियों का भरपूर आनंद लिया और तालियों के माध्यम से प्रस्तुतियों की सराहना की। सायं 6:30 बजे डॉ. ओजेश प्रताप सिंह जी ने शास्त्रीय गायन की मधुर प्रस्तुति दी जिसमें आध्यात्मिकता और संगीत का अद्भुत संगम था। उनके साथ वाद्ययंत्रों पर गुणी कलाकारों ने संगत की।

शिविर के तीसरे दिन की शुरुआत बच्चों द्वारा खुले मैदान में विभिन्न गतिविधियों जैसे मिट्टी के बर्तन, मधुबनी, खादी-चरखा, मेंहदी, पट्टचित्र, ब्लॉक प्रिंटिग, पेपर मैशी, टाई एण्ड डाई आदि में सक्रिय रूप से भाग लेने से हुई। जिसमें बच्चों ने कपास से धागा बनाना, मिट्टी से बर्तन बनाना, कपड़े की रंगाई, कपड़े पर ब्लॉक प्रिंटिंग आदि करना सीखा। सभी प्रतिभागियों ने तकनीकी सहायक की देखरेख में फ्लाइट स्टिमुलेटर के तकनीकी पहलुओं का भी अनुभव किया। सायं 6:30 बजे प्रसिद्ध लोक नर्तक श्री सुरेश व्यास और समूह द्वारा राजस्थानी भवई नृत्य की भव्य प्रस्तुति की गई जिसकी सराहना प्रत्येक प्रतिभागी द्वारा तालियों के साथ की गई।

शिविर का समापन समारोह 23 नवम्बर, 2024 को आयोजित किया गया। इसमें भारतवर्ष के संबद्ध बाल भवनों एवं केन्द्रों के प्रतिभागियों द्वारा सांस्कृतिक प्रस्तुतियां दी गई, जिसमें तमिलनाडु, केरल, प्रयागराज व महाराष्ट्र के नन्हे बच्चों ने अपनी मधुर आवाज़ में गायन कौशल से सभी को प्रभावित किया। इसके बाद, जवाहर बाल भवन, माण्डी के छात्रों ने बीहू नृत्य प्रदर्शन के माध्यम से असम का प्रतिनिधित्व किया। पठानिया बाल भवन के बच्चों ने हरियाणवी लोक नृत्य प्रस्तुत किया। साथ ही, विभिन्न बाल भवन के बच्चों ने एक साथ नृत्य का विंहगम प्रदर्शन किया जो भारत की संस्कृति और विरासत को दर्शाता था और 'समृद्ध भारत' विषय को सार्थक करता था। तत्पश्चात्, भारत भर से भाग लेने वाली सभी टीमों और रा.बा.भ. सदस्य बच्चों को उनकी कड़ी मेहनत और सुंदर प्रदर्शन के

लिए प्रशंसा के प्रतीक के रूप में प्रमाण पत्र दिए गए। अंत में, राष्ट्रीय बाल भवन की निदेशक श्रीमती मुक्ता अग्रवाल ने सभी प्रतिभागियों के लिए एक सफल शिविर कार्यक्रम आयोजित करने के लिए रा.बा.भ. टीम के प्रति बधाई और आभार व्यक्त किया। साथ ही, राष्ट्रीय बाल भवन के उप-निदेशक (प्रशासन) श्री मुकेश गुप्ता द्वारा शिविर में शामिल सभी लोगों को उनकी मेहनती प्रयासों के लिए सराहना करते हुए धन्यवाद ज्ञापन दिया गया।

संविधान दिवस कार्यक्रम

राष्ट्रीय बाल भवन के प्रांगण में भारतीय संविधान को अपनाने के उपलक्ष्य में 26 नवम्बर, 2024 को संविधान दिवस कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में श्री मुकेश गुप्ता, उपनिदेशक (प्रशासन) की देख-रेख में रा. प्र.सं.के. हॉल में भारतीय संविधान की प्रस्तावना का वाचन किया गया। उपनिदेशक (प्रशासन) द्वारा संविधान के इतिहास पर चर्चा की गई तथा सभी को यह संदेश दिया कि हमें संविधान में दर्ज अपने अधिकारों और कर्तव्यों को पढ़ना चाहिए और उन कर्तव्यों पर अमल भी करना चाहिए।

'भारत के प्रसिद्ध उपग्रह' कार्यशाला

खगोल विज्ञान अनुभाग द्वारा 27 एवं 28 नवम्बर, 2024 को 'भारत के प्रसिद्ध उपग्रह' कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यशाला के दौरान बच्चों को भारत के प्रसिद्ध उपग्रह जैसे आर्यभट्ट, भास्कर 1 और 2, INSAT-2E, हैमसैट, कल्पना-1 (मेटसैट-1), IRS-1B, सिंधु नेत्र, नभमित्र, चंद्रयान-1,2,3, मंगलयान एवं आदित्य एल-1 के बारे में विस्तृत जानकारी दी गई। बच्चों ने विषय पर आधारित पेंटिंग भी बनाई और बच्चों के लिए प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता का भी आयोजन किया गया।

सरकारी एवं सरकारी सहायता प्राप्त विद्यालयों हेतु तीन दिवसीय कार्यशाला

सरकारी एवं सरकारी सहायता प्राप्त विद्यालयों के लिए 28 से 30 नवम्बर, 2024 तक तीन दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया इस कार्यशाला में 7 विद्यालयों के 993 बच्चों ने राष्ट्रीय बाल भवन की विभिन्न गतिविधियों में भाग लिया। इससे न केवल बच्चों ने अपनी कला और कौशल का विकास किया अपितु अभिव्यक्ति एवं सृजन को भी निखारा। बच्चों ने तनाव मुक्त वातावरण में मनोरंजन के साथ-साथ सभी गतिविधियों को सीखा।

'मैक्रमे बैग' बनाने की कार्यशाला

सिलाई अनुभाग द्वारा 28 से 30 नवम्बर, 2024 तक सदस्य बच्चों के लिए 'मैक्रमे बैग' बनाने की कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यशाला के अंतर्गत बच्चों को मैक्रमे बैग की जानकारी दी गई एवं इन्हे बनाने में इस्तेमाल किए जाने वाली डोरी के बारे में बताया। बच्चों ने मैक्रमे की चौकोर गांठ, वैक्लिपक चौकोर गांठ की मदद से बैग बनाना सीखा। प्रतिदिन 20 सदस्य बच्चों ने पूर्ण रूचि के साथ कार्यशाला के सभी कार्यकलापों को सीखा और सुन्दर-सुन्दर बैग तैयार किए।

राष्ट्रीय युवा पर्यावरणविद सम्मेलन-कार्यक्रम

राष्ट्रीय बाल भवन द्वारा 2-4 दिसंबर, 2024 तक 'भूमि पुनर्स्थापन, मरूस्थलीकरण और सूखा प्रतिरोधक क्षमता' विषय पर 30वें राष्ट्रीय युवा पर्यावरणविद् सम्मेलन-2024 का आयोजन गरवारे बाल भवन, महाराष्ट्र में किया गया। इस सम्मेलन में राष्ट्रीय बाल भवन सहित महाराष्ट्र, जम्मू-कश्मीर, कर्नाटक, गुजरात, बिहार, आंध्र प्रदेश, उत्तर प्रदेश, केरल और मध्य प्रदेश राज्य बाल भवनों और बाल केंद्रों से बच्चों और एस्कॉर्ट की 21 टीमों ने भाग लिया।

सम्मेलन के पहले दिन उद्घाटन समारोह आयोजित किया गया, जिसमें श्री संदीप गुरमे (पुलिस अधीक्षक, अपराधा शाखा, छत्रपति संभाजीनगर, महाराष्ट्र), निदेशक (राष्ट्रीय बाल भवन), निदेशक (गरवारे बाल भवन), सहायक निदेशक, विज्ञान (राष्ट्रीय बाल भवन), डॉ. अंकुर पटवर्धन (विभागाध्यक्ष, जैव विविधता विभाग, एमईएस अबासाहेब गरवारे कॉलेज, पुणे) और श्री विवेक रांदड (चेतना के संस्थापक और अध्यक्ष) एम्पावरमेंट फाउंडेशन सम्मानित अतिथि थे। समारोह का शुभ आरम्भ मुख्य अतिथि श्रीमती मुक्ता अग्रवाल, निदेशक, एनबीबी द्वारा दीप प्रज्ज्वलन करके किया गया। शास्त्रीय गायक और संगीत विभाग के प्रमुख पंडित सुधीर बहिरगांवकर ने गरवारे बाल भवन में अतिथियों का स्वागत किया। इसके बाद डॉ. अंकुर पटवर्धन, विभागाध्यक्ष, जैव विविधता विभाग, पुणे ने 'प्लांट पोलिनेटर इंटरेक्शन' पर एक व्याख्यान दिया। उन्होंने बताया कि पौधा कैसे लगाया जाता है परागणकों की परस्पर क्रिया पारिस्थितिकी तंत्र और स्थिरता को बनाए रखने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। बातचीत के बाद, बच्चों ने श्री घृष्णेश्वर मंदिर, एलोरा गुफाओं और खाम नदी पुनर्स्थापन स्थल का दौरा किया, मंदिर और गुफा वास्तुकला की सराहना की और पर्यावरण के लिए खाम नदी के लाभों को समझा। दिन का समापन अनेकता में एकता विषय पर एक सांस्कृतिक कार्यक्रम के साथ हुआ। इस कार्यक्रम में बच्चों ने अपने प्रदर्शन के माध्यम से अपने राज्यों का प्रतिनिधित्व किया।

सम्मेलन के दूसरे दिन, विभिन्न राज्यों के बाल भवनों के बच्चों ने नेचर वॉक और ट्रैकिंग में भाग लिया। इस गतिविधि का उद्देश्य प्रतिभागियों को प्रकृति और उसके विभिन्न घटकों से जुड़ने में मदद करना था। इसके बाद स्मार्ट सिटी मिशन की मीडिया विश्लेषक सुश्री अर्पिता शरद का व्याख्यान हुआ, इसमें उन्होंने परिवहन, ऊर्जा, पर्यावरण और जल क्षेत्रों पर विशेष ध्यान देने के साथ अपने शहर और राज्य में स्थायी समाधान विकसित करने में अपने योगदान के बारे में चर्चा की। उसी दिन विभिन्न राज्यों से आए बच्चों ने पावरपाइंट प्रेजेंटेशन, मॉडल और पोस्टर के माध्यम से सम्मेलन की थीम पर आधारित केस स्टडीज भी प्रस्तुत की। मामले के अध्ययन का मूल्यांकन न्यायाधीशों, श्री रूपेश कलात्री, वरिष्ठ पत्रकार और पर्यावरणविद् और श्री परेश पिंपले, निदेशक, इको-लोक संगठन और पर्यावरणविद् द्वारा किया गया था। केस स्टडी के अलावा, सम्मेलन के केंद्रीय विषय पर विभिन्न बाल भवनों और बाल केंद्रों के बच्चों द्वारा लघु नाटक भी प्रस्तुत किए गए। लघु नाटकों का निर्णय सुश्री शीतल रुद्रवार, वरिष्ठ कलाकार-नृत्य और नाटक और श्री विक्रांत वैक्कोस, विभागाध्यक्ष, शास्त्रीय नृत्य, गरवारे बाल भवन ने किया। दिन की अंतिम गतिविधि के रूप में चेतना एम्पावरमेंट फाउंडेशन की मनोवैज्ञानिक और प्रशिक्षक श्रीमती मिताली लाठी द्वारा सोशल मीडिया व्यसन पर एक वार्ता आयोजित की गई। जहां उन्होंने मानसिक स्वास्थ्य को बढ़ावा देने और मानसिक और तंत्रिका संबंधी विकारों वाले लोगों की मदद करने के लिए नवीन संसाधनों और विचारों को साझा किया।

सम्मेलन के आखरी दिन के कार्यक्रम का आरम्भ श्रीमती मिताली लाठी और उनकी टीम द्वारा आयोजित ध्यान सत्र से हुआ। इसके बाद डॉ. किशोर पाठक, बीएचएमएस, चिकित्सक, मानद वन्यजीव वार्डन, वन विभाग द्वारा

श्पर्यावरण के लिए पक्षियों के महत्वश पर एक वार्ता हुई। अपने सत्र में डॉ. किशोर ने पर्यावरण के लिए पक्षियों के महत्व और पर्यावरण में संतुलन बनाए रखने के लिए खाद्य श्रृंखला में उनकी भूमिका के बारे में बात की। उन्होंने दर्शकों से औरंगाबाद और उसके आसपास पाए जाने वाले विभिन्न स्थानीय और प्रवासी पक्षियों के बारे में भी बात की। वार्ता के बाद सम्मेलन के विषय पर एक चित्रकला प्रतियोगिता हुई। बच्चों ने समाधान चित्रण के साथ-साथ सूखे, मरुस्थलीकरण और भूमि बहाली की चिंताओं के विभिन्न तत्वों का भी चित्रण किया। इस प्रतियोगिता का निर्णय राजा रवि वर्मा, ललित कला महाविद्यालय के निदेशक डॉ. उदय भोईर और राजा रवि वर्मा, ललित कला महाविद्यालय की प्रोफेसर सुश्री स्वाति देशपांडे ने किया। इसके साथ ही, राष्ट्रीय बाल भवन की सहायक निदेशक (विज्ञान) डॉ. मीनाक्षी शर्मा द्वारा एस्कार्ट्स के लिए एक इंटरैक्टिव सत्र भी आयोजित किया गया, जहां कार्यक्रम के परिणामों को बेहतर बनाने के लिए फीडबैक और सुझाव लिए गए। इस समापन समारोह के साथ-साथ सम्मेलन का भी समापन हुआ। इस समारोह में, बच्चों और अनुरक्षकों ने अपने-अपने अनुभव सभी के साथ साझा किए। इसके बाद सहायक निदेशक (विज्ञान), राष्ट्रीय बाल भवन, श्री ऋषभ अरोड़ा, वरिष्ठ प्रशिक्षक (कंप्यूटर), राष्ट्रीय बाल भवन और श्री सुनील द्वारा धन्यवाद ज्ञापन दिया गया। गरवारे बाल भवन के निदेशक सुतावणे ने सम्मेलन के दौरान आयोजित सभी गतिविधियों में सक्रिय भागीदारी के लिए छात्रों को धन्यवाद दिया। समारोह का समापन सभी प्रतिभागियों को प्रमाण पत्र और विजेता प्रतियोगियों को एस्कार्टस और पुरस्कार वितरण के साथ हुआ।

सरकारी एवं सरकारी सहायता प्राप्त विद्यालयों हेतु तीन दिवसीय कार्यशाला

सरकारी एवं सरकारी सहायता प्राप्त विद्यालयों के लिए 5 से 7, 11 से 13, 19 से 21 एवं 26 से 28 दिसम्बर, 2024 तक तीन दिवसीय कार्यशाला के चार सत्रों का आयोजन किया गया। इस कार्यशाला में 17 विद्यालयों के 1075 बच्चों ने राष्ट्रीय बाल भवन की विभिन्न गतिविधियों में भाग लिया। इससे न केवल बच्चों ने अपनी कला और कौशल का विकास किया अपितु अभिव्यक्ति एवं सृजन को भी निखारा। बच्चों ने तनाव मुक्त वातावरण में मनोरंजन के साथ-साथ सभी गतिविधियों को सीखा।

'वॉल हैंगिंग' बनाने की कार्यशाला

हस्तकला अनुभाग में सदस्य बच्चों के लिए 4 से 7 एवं 11 दिसम्बर, 2024 तक 'वॉल हैंगिंग' बनाने की कार्यशाला का आयोजन किया। कार्यशाला में प्रतिदिन 20 सदस्य बच्चों ने भाग लिया। सभी बच्चों को पेस्टल शीट द्वारा ओरिगामी स्टार बनाना सिखाया गया, जिसमें बच्चों ने छोटे-बड़े स्टार बनाए तथा वॉल हैंगिंग का आकार देकर दीवार पर सजाना सीखा।

भाषा संगम

भाषाई सहिष्णुता और राष्ट्रीय एकता को बढ़ावा देने के लिए 11 दिसंबर, 2024 को राष्ट्रीय बाल भवन में भाषा संगम मनाया गया। इस आयोजन में बच्चों ने विभिन्न लोक नृत्य प्रस्तुतियों के माध्यम से अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया। जिसमें ओडिसी, गोंधळ, कथक, बिहू, संभलपुरी, भरतनाट्यम और छत्तीसगढ़ी आदिवासी लोक नृत्य शामिल थे। उन्होंने भारत की विविध भाषाओं को शामिल

करते हुए एक मधुर मिश्रण भी गाया। सभी प्रतिभागियों को तालियों की गड़गड़ाहट से प्रोत्साहित किया गया और उनकी सराहना की गई।

'ए-लाइन कुर्ती' बनाने की कार्यशाला

सिलाई अनुभाग द्वारा नियमित सदस्य बच्चों के लिए 6 से 11 दिसम्बर, 2024 तक 'ए-लाइन कुर्ती' बनाने की कार्यशाला का आयोजन किया गया। इस कार्यशाला के अंतर्गत बच्चों को ए-लाइन कुर्ती की जानकारी दी गई तथा कुर्ती बनाने के सभी चरणों जैसे नाप लेना, ड्राफ्टिंग करना, पेपर पेटर्न बनाना एवं उसकी सहायता से कपड़े पर कुर्ती की कटिंग करना सिखाया गया। कपड़े पर कुर्ती के सभी पार्ट्स की कटिंग के पश्चात् कुर्ती सिलना सिखाया गया और उस पर ओवरलॉक एवं प्रैस करना भी सिखाया गया। बच्चों ने कार्यशाला के सभी चरणों को पूर्ण रूचि के साथ सीखा। कार्यशाला में प्रतिदिन 20 सदस्य बच्चों ने भाग लिया।

लोक संगीत (गौंधळ) कार्यशाला

राष्ट्रीय बाल भवन के लोक संगीत अनुभाग द्वारा 19 से 21 दिसम्बर, 2024 तक गौंधळ कार्यशाला (महाराष्ट्र लोक गीत) का आयोजन किया गया। कार्यशाला में प्रतिदिन 30 बच्चों ने भाग लिया। इस कार्यशाला में बच्चों ने महाराष्ट्र की पारंपरिक लोक गायन शैली गौंधळ को सीखा। बच्चों को गौंधळ के बारे में बताया गया व साथ-साथ गौंधळ गीत भी सिखाए गए। सभी बच्चों ने अत्यंत उत्सुकता के साथ गौंधळ गीत को सीखा। कार्यशाला के समापन में सभी प्रतिभागियों को प्रशस्ति पत्र प्रदान किए गए।

'विश्व कंप्यूटर साक्षरता दिवस' कार्यशाला

कंप्यूटर अनुभाग ने 22 दिसंबर 2024 को 'विश्व कंप्यूटर साक्षरता दिवस' नामक एक कार्यशाला का आयोजन किया, जिसमें 45 सदस्य बच्चों ने भाग लिया। कार्यशाला में मल्टीमीडिया प्रस्तुतियों का उपयोग करते हुए रोजमर्रा की जिंदगी में कंप्यूटर के महत्व और डिजिटल साक्षरता, सोशल मीडिया और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस पर संक्षिप्त बातचीत जैसे विभिन्न विषयों को शामिल किया गया। इस कार्यशाला में, एक गैर सरकारी संगठन, जागो टीन्स को भी आमंत्रित किया गया था, जिसने बोर्ड गेम और राइटअप सहित साइबर साक्षरता से संबंधित विभिन्न गतिविधियाँ आयोजित कीं। विभिन्न विषयों पर उन्मुखीकरण के बाद साइबर सुरक्षा से संबंधित एक प्रतियोगिता आयोजित की गई, जिसमें विजेता टीम को पुरस्कार दिया गया। खेल और अन्य परस्पर संवादात्मक गतिविधियों ने बच्चों को पूरे समय व्यस्त रखा और उन्हें वर्तमान समय के महत्वपूर्ण अपडेट और चिंताओं के बारे में जानकारी दी।

वीर बाल दिवस

राष्ट्रीय बाल भवन में 26 दिसम्बर, 2024 को "वीर बाल दिवस" मनाया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य बच्चों को

साहिबज़ादों के त्याग, साहस, दृढ़ता, आत्मविश्वास, विचारशीलता और अन्य गुणों को अनुसरण हेतु सक्षम बनाना था। इस कार्यक्रम के अंतर्गत सदस्य बच्चों को शबद करवाया गया, विषय पर आधारित पोस्टर बनाना आदि सिखाया गया।

कठपुतली बनाने की कार्यशाला

सिलाई अनुभाग द्वारा नियमित सदस्य बच्चों के लिए 27 से 29 दिसम्बर, 2024 तक 'कठपुतली बनाने' की कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यशाला के अंतर्गत बच्चों को विभिन्न प्रकार के कठपुतलीयों की जानकारी दी गई, जैसे – डोरियों द्वारा नियंत्रित कठपुतली, छड़ द्वारा नियंत्रित कठपुतली, हाथ में पहने जाने वाली कठपुतली, छाँया कठपुतली, फिंगर कठपुतली, दस्ताना कठपुतली इत्यादि। कार्यशाला में बच्चों को राजस्थानी कठपुतली बनाना, फिंगर पपेट बनाना, जुराब से कठपुतली बनाना सिखाया गया। कठपुतलीयों को बनाने में कपड़ा, जुराब, ऊन, फेविकॉल, फैब्रिक कलर, फोम शीट, पेपर, सुई-धागा और फाइबर कॉटन का उपयोग किया गया। कार्यशाला में सिखाए जाने वाले सभी कार्यकलापों को बच्चों ने पूर्ण रूचि के साथ सीखा। कार्यशाला में प्रतिदिन 16 बच्चों ने भाग लिया।

आमोद दिवस कार्यक्रम

राष्ट्रीय बाल भवन में 1 जनवरी, 2025 को नए साल के आगमन पर "आमोद दिवस" कार्यक्रम हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। कार्यक्रम के दौरान बच्चों और कर्मचारियों ने विभिन्न खेलों जैसे रस्साकस्सी, म्यूज़िकल चेयर, दौड़, नीम्बू रेस, थ्री लेग रेस, बैलून रेस इत्यादि खेलों में बढ़-चढ़ कर भाग लिया और खेलों का आनन्द लिया। इस अवसर पर राष्ट्रीय बाल भवन की निदेशिक महोदया, श्रीमती मुक्ता अग्रवाल एवं उप-निदेशक (प्रशासन) श्री मुकेश गुप्ता भी उपस्थित थे। इस कार्यक्रम में लगभग 300 सहभागियों ने भाग लिया। निदेशिक महोदया एवं उप-निदेशक महोदय ने सभी खेलों के विजेता बच्चों को पुरस्कृत किया। सभी सहभागियों के लिए दोपहर के भोजन की व्यवस्था भी की गई।

'आईआरएस-पी6' कार्यशाला

खगोल विज्ञान अनुभाग द्वारा 1 से 3 जनवरी, 2025 तक सदस्य बच्चों के लिए 'आईआरएस-पी6' कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यशाला के दौरान बच्चों को पीपीटी एवं मौखिक चर्चा के माध्यम से 'आईआरएस-पी6' का विवरण एवं इसके उद्देश्य को समझाया गया। साथ ही बच्चों ने कार्डबोर्ड और चार्ट पेपर के उपयोग से इसका मॉडल बनाना भी सीखा। गतिविधि पश्चात् बच्चों के ज्ञान के परिक्षण हेतु 'आईआरएस-पी6' पर आधारित प्रश्नोत्तरी का आयोजन भी किया गया। कार्यशाला में कुल 22 बच्चों ने सक्रिय रूप से भाग लिया।

'उत्पाद एवं फैशन फोटोग्राफी' कार्यशाला

फोटोग्राफी अनुभाग द्वारा 2 से 4 जनवरी, 2025 तक 'उत्पाद एवं फैशन फोटोग्राफी' कार्यशाला का आयोजन किया

गया, इस कार्यशाला में बच्चों को विभिन्न उत्पादों और चेहरों के लिए प्राकृतिक और स्टूडियो प्रकाश स्रोतों के उपयोग के विभिन्न पहलुओं को समझने में मदद मिली। इस कार्यशाला में प्रतिदिन 10 बच्चो ने भाग लिया।

'सूर्यघड़ी' कार्यशाला

खगोल विज्ञान अनुभाग द्वारा 4 एवं 5 जनवरी, 2025 को सदस्य बच्चों के लिए 'सूर्यघड़ी' कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यशाला के दौरान बच्चों को सूर्यघड़ी का प्रदर्शन, सूर्यघड़ी बनाना तथा इसका व्यवहारिक उपयोग समझाया गया। इसके अलावा बच्चों को सूर्यघड़ी पर वार्तालाप सत्र भी आयोजित किया गया। साथ ही बच्चों ने कार्डबोर्ड और चार्ट पेपर के उपयोग से इसका मॉडल बनाना सीखा और सूर्य के प्रकाश में समय मापने में इसका उपयोग किया। कार्यशाला में 18 बच्चों ने भाग लिया।

'विभिन्न देशों की अंतरिक्ष एजेंसियां' कार्यशाला

खगोल विज्ञान अनुभाग द्वारा 8 एवं 9 जनवरी, 2025 को सदस्य बच्चों के लिए 'विभिन्न देशों की अंतरिक्ष एजेंसियाँ' कार्यशाला का आयोजन किया गया। इस कार्यशाला के माध्यम से बच्चों को दुनिया भर की अंतरिक्ष एजेंसियों और क्षेत्रों में उनके काम के बारे में रुचि और ज्ञान प्राप्त करने में मदद मिली। कार्यशाला में एक वार्तालाप सत्र भी आयोजित किया गया, जहां प्रशिक्षक ने पी.पी.टी के माध्यम से विभिन्न देशों में विभिन्न अंतरिक्ष एजेंसियों के बारे में बताया और बच्चों ने अंतरिक्ष एजेंसियों के लोगों का चित्रण बनाने का प्रयास भी किया। इस कार्यशाला में 17 बच्चों ने सक्रिय रूप से भाग लिया।

लोहड़ी, मकर संक्रांति एवं पोंगल कार्यक्रम

राष्ट्रीय बाल भवन के संस्कृति शिल्प ग्राम में दिनांक 10 जनवरी, 2025 को लोहड़ी, मकर संक्रांति एवं पोंगल कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस अवसर पर सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजन किया गया, जो प्रदर्शन कला अनुभाग के सदस्य बच्चों एवं कर्मचारियों द्वारा प्रस्तुत किया गया। प्रभारी (कार्यक्रम) एवं अन्य अधिकारियों ने लोहड़ी की अग्नि प्रज्ज्वलित कर बच्चों को इस कार्यक्रम की बधाई दी और कार्यक्रम में उपस्थित सभी सहभागियों को आशीर्वचन दिए। कार्यक्रम में लगभग 300 सहभागी उपस्थित थे। अंत में सभी सहभागियों को मूँगफली, रेवड़ी, फूल्ले और जलपान वितरित किए गए।

हिंदी पखवाड़ा का पुरस्कार वितरण समारोह

राष्ट्रीय बाल भवन में सितम्बर, 2024 में आयोजित हिंदी पखवाड़ा कार्यक्रम का पुरस्कार वितरण समारोह 22 जनवरी, 2025 को आयोजित किया गया। इस कार्यक्रम में श्री मुकेश गुप्ता, उप-निदेशक (प्रशासन) एवं श्री चन्द्रमणी, प्रभारी (कार्यक्रम) द्वारा प्रतियोगिताओं के विजयी प्रतिभागियों (बच्चे एवं कर्मचारी) को पुरूस्कृत किया गया। पुरस्कार वितरण के पश्चात् काव्य रचना के पुरस्कृत प्रतिभागियों ने "काव्य-पाठ" भी किया। इस कार्यक्रम में लगभग 30 बच्चे एवं 50 कर्मचारियों ने भाग लिया।

पैंट-कट प्लाजो बनाने की कार्यशाला

सिलाई अनुभाग द्वारा सदस्य बच्चों के लिए 22 से 24 जनवरी, 2025 तक पैंट-कट प्लाजो बनाने की कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यशाला के अंतर्गत बच्चों को पैंट-कट प्लाजो की जानकारी दी गई साथ ही इसके सभी चरणों जैसे आवश्यक नाप लेना, ड्राफ्टिंग करना, पेपर पैटर्न बनाना एवं इसकी सहायता से कपड़े पर ले-प्लान करना, कपड़े पर प्लाजो की कटिंग करना सिखाया गया। कपड़े पर प्लाजो के सभी भागों की कटिंग करने के पश्चात् प्लाजो को सिलना भी सिखाया गया। कार्यशाला में भाग लेने वाले बच्चो ने कार्यशाला के सभी चरणो को पूर्ण रूचि के साथ सीखा। कार्यशाला में प्रतिदिन 20 बच्चों ने भाग लिया।

सरकारी एवं सरकारी सहायता प्राप्त विद्यालयों हेतु तीन दिवसीय कार्यशाला

सरकारी एवं सरकारी सहायता प्राप्त विद्यालयों के लिए 30 जनवरी, 2025 से 1 फरवरी, 2025 तक तीन दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया इस कार्यशाला में 6 विद्यालयों के 295 बच्चों ने राष्ट्रीय बाल भवन की विभिन्न गतिविधियों में भाग लिया। इससे न केवल बच्चों ने अपनी कला और कौशल का विकास किया अपितु अभिव्यक्ति एवं सृजन को भी निखारा। बच्चों ने तनाव मुक्त वातावरण में मनोरंजन के साथ-साथ सभी गतिविधियों को सीखा।

बसंत पचमी कार्यक्रम

राष्ट्रीय बाल भवन में 02 फरवरी, 2025 को बसंत पंचमी के शुभ अवसर पर माँ सरस्वती की पूजा का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभ आरम्भ देवी सरस्वती को समर्पित स्वस्ति वाचन के साथ किया गया। इस अवसर पर उपस्थित सभी बच्चों एवं कर्मचारियों ने संगीत और विद्या की देवी को फूल, फल एवं मिठाई अर्पण कर प्रार्थना की। अंत में उपस्थित सभी प्रतिभागियों को मिठाइयाँ एवं फल वितरित किये गये। इस अवसर पर लगभग 70 सदस्य बच्चों एवं कर्मचारियों ने भाग लिया।

फ्रॉक-टाइप सूट बनाने की कार्यशाला

सिलाई अनुभाग द्वारा सदस्य बच्चों के लिए 06 से 08 फरवरी, 2025 तक 'फ्रॉक टाइप सूट' बनाने की कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यशाला के अंतर्गत बच्चों को फ्रॉक टाइप सूट की जानकारी दी गई साथ ही इसके सभी चरणों जैसे आवश्यक नाप लेना, ड्राफ्टिंग करना, पेपर पैटर्न बनाना एवं इसकी सहायता से कपड़े पर ले-प्लान करना, कपड़े पर सूट की कटिंग करना तथा उसे सिलना सिखाया गया। कार्यशाला में भाग लेने वाले बच्चो ने कार्यशाला के सभी चरणो को पूर्ण रूचि के साथ सीखा। कार्यशाला में प्रतिदिन 20 बच्चों ने भाग लिया।

'कोलाज मेंकिग' कार्यशाला प्रतियोगिता

राष्ट्रीय बाल भवन की हस्तकला गतिविधि द्वारा 6 से 12 फरवरी, 2025 तक सदस्य बच्चों के लिए 'कोलाज मेंकिग' कार्यशाला का आयोजन किया गया। इस कार्यशाला में बच्चों को कोलाज मेंकिग क्राफ्ट के बारे में जानकारी दी गई। कार्यशाला के दौरान बच्चों को कोलाज का परिचय, विकास और प्रक्रिया के बारे में विस्तृत जानकारी दी गई। बच्चों ने अपने-अपने कोलाजों में कल्पनाशील कलाकृतियाँ बनाई, उसमें रंगीन पेपरों का उपयोग किया गया। इस कार्यशाला प्रतियोगिता में प्रतिदिन 20 बच्चों ने भाग लिया। कार्यशाला के विजेता बच्चों को पुरस्कृत भी किया गया।

सरकारी एवं सरकारी सहायता प्राप्त विद्यालयों हेतु तीन दिवसीय कार्यशाला

सरकारी एवं सरकारी सहायता प्राप्त विद्यालयों के लिए 6, 7, 12, 13 से 15, 20 से 22 तथा 27, 28 फरवरी, 2025 एवं 1 मार्च, 2025 तक तीन दिवसीय कार्यशाला के चार सत्रों का आयोजन किया गया, इन कार्यशालाओं में 22 विद्यालयों के 826 बच्चों ने राष्ट्रीय बाल भवन की विभिन्न गतिविधियों में भाग लिया। इससे न केवल बच्चों ने अपनी कला और कौशल का विकास किया अपितु अभिव्यक्ति एवं सृजन को भी निखारा। बच्चों ने तनाव मुक्त वातावरण में मनोरंजन के साथ-साथ सभी गतिविधियों को सीखा।

'अपने ब्रह्माण्ड को जाने' कार्यशाला

खगोल विज्ञान अनुभाग द्वारा 7 से 9 फरवरी, 2025 तक सदस्य बच्चों के लिए 'अपने ब्रह्मांड को जाने' कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यशाला के दौरान बच्चों को पीपीटी के माध्यम से हमारा ब्रह्मांड कैसे बना और इसके घटक क्या हैं जैसे सैद्धांतिक पहलुओं का समझाया गया। इसके पश्चात् बच्चों ने ब्रह्मांड के विभिन्न तत्वों का चित्रण किया। गतिविधि पश्चात् बच्चों के ज्ञान के परीक्षण हेतु ब्रह्मांड पर आधारित प्रश्नोत्तरी का आयोजन भी किया गया। कार्यशाला में प्रतिदिन 18 बच्चों ने सक्रिय रूप से भाग लिया।

मातृभाषा दिवस

राष्ट्रीय बाल भवन में 21 फरवरी, 2025 को मातृभाषा दिवस का आयोजन किया गया। जिसमें सदस्य बच्चों एवं तीन दिवसीय कार्यशाला में भाग लेने वाले बच्चों ने विभिन्न गतिविधियों में भाग लिया। इसमें बच्चों ने बृज भाषा में रचित होली थीम पर आधारित गीत 'आज बिरज में होरी रे रसिया, होरी रे रसिया बरजोरी रे रसिया' सीखा। गीत के साथ-साथ, बच्चों ने गीत के अर्थ और भाषा के इतिहास के बारे में भी जानकारी प्राप्त की, जिससे उन्हें भारत के गीतों और भाषाओं की विभिन्न उत्पत्ति के बारे में अधिक ज्ञान प्राप्त करने में मदद मिली। भाषाई विविधता का जश्न मनाने के लिए, बच्चों ने क्षेत्रीय भाषाओं की समृद्धि का प्रतिनिधित्व करते हुए विभिन्न सांस्कृतिक प्रतीकों और परिदृश्यों को अद्वितीय रूप से प्रदर्शित करते हुए विभिन्न पेंटिंग भी बनाई। अन्य गतिविधियों में गौरव गाथा गैलरी का दौरा शामिल था, जहां बच्चों को कविता, पत्रिकाओं और समाचार पत्रों में लेखों आदि के माध्यम से स्वतंत्रता सेनानियों को एकजुट करने में विभिन्न भाषाओं की भूमिका के बारे में समझाया गया। भाषा के महत्व पर

चर्चा और मातृभाषा में बातचीत आयोजित की गई। अन्य दिलचस्प और संवादात्मक गतिविधियों में विभिन्न तख्तियों पर लिखी भारत के विभिन्न राज्यों की भाषाओं की पहचान करना और उन पर 'अपनी मातृभाषा पर गर्व है' लिखकर रचनात्मक बुकमार्क बनाना शामिल था।

'फ्लॉवर मेंकिग' कार्यशाला

राष्ट्रीय बाल भवन की हस्तकला गतिविधि द्वारा 21 से 28 फरवरी, 2025 तक सदस्य बच्चों के लिए 'फ्लॉवर मेंकिग' कार्यशाला का आयोजन किया गया। इस कार्यशाला में बच्चों को रंगीन पेपर से फूल बनाना सिखाया गया और बच्चों को तरह-तरह के फूल के आकारों, रंगों की जानकारी दी गई। सभी बच्चों ने विभिन्न फूल बनाकर उनका गुलदस्ता बनाना सीखा। कार्यशाला में प्रतिदिन 20 बच्चों ने भाग लिया।

'राष्ट्रीय विज्ञान दिवस' कार्यक्रम

राष्ट्रीय बाल भवन में 28 फरवरी, 2025 को 'राष्ट्रीय विज्ञान दिवस' का आयोजन किया गया। जिसका विषय 'विकसित भारत के लिए विज्ञान और नवाचार' था। कार्यक्रम के दौरान बच्चों के लिए विषय पर आधारित एक विशेष कार्यशाला का आयोजन किया गया। जिसमें बच्चों को ऑडियो-वीडियो की प्रस्तुति के माध्यम से गौरवपूर्ण और महत्वपूर्ण विकासों पर चर्चा की गई। जिसका बच्चों ने भरपूर आनंद लिया, पोस्टर बनाए, विज्ञान पहेलियों को हल किया और क्विज प्रतियोगिता में भाग लिया। इस कार्यक्रम में 26 बच्चों ने भाग लिया।

होली उत्सव

राष्ट्रीय बाल भवन में 13 मार्च, 2025 को होली का त्योहार हर्षोउल्लास के साथ मनाया गया। जिसमें लगभग 300 बच्चों एवं कर्मचारियों ने भाग लिया। इस उपलक्ष्य पर निदेशक, रा.बा.भ. तथा उप-निदेशक (प्रशासन) भी उपस्थित थे। उत्सव की शुरुआत प्रसिद्ध ठुमरी प्रदर्शन 'रंगी सारी गुलाबी चुनरिया' से हुई। इसके पश्चात् सदस्य बच्चों ने समूह गान की मनमोहक प्रस्तुति दी। आनंदमय संगीत के उपरांत सदस्य बच्चों ने बृज की होली के स्वरूप एक नृत्य का प्रस्तुतिकरण किया। तत्पश्चात् एक पारंपरिक होली गीत एवं कर्मचारी सदस्यो के नृत्य प्रदर्शन ने उपस्थित दर्शकगण को मंत्रमुग्ध कर दिया। सुश्री मुक्ता अग्रवाल, निदेशक (रा.बा.भ.) ने सभी को होली की शुभकामनाएं देने के साथ खासतौर पर बच्चों के लिए स्वरचित कविता का पाठन किया। सभी ने बृज तथा बरसाना सरीखी होली खेल, खुले रंगमंच को फूलों के असंख्य रंगों और उनकी खुशबू से भर दिया।

भारत के प्रसिद्ध उपग्रह

खगोल विज्ञान अनुभाग द्वारा 19 से 21 मार्च, 2025 तक तीन दिवसीय कार्यशाला आयोजित की गई। इस कार्यशाला में 28 बच्चों ने भाग लिया। कार्यशाला में उपग्रहों की कार्यप्रणाली से संबंधित पीपीटी प्रस्तुतियाँ और संवादात्मक चर्चाएँ शामिल थीं। साथ ही बच्चों को प्रसिद्ध भारतीय उपग्रहों के बारे में भी जानकारी दी गई। इस जानकारी के आधार पर एक प्रश्नोत्तरी भी आयोजित की गई। यह प्रश्नोत्तरी बच्चों द्वारा सीखी गई चीजों का एक सफल माप साबित हुई। कार्यशाला के दौरान बच्चों में सीखने, भाग लेने और उत्तर देने का उत्साह देखा गया।

संविधान दिवस के अंतर्गत आयोजित गतिविधि

प्रदर्शन कला के नाटक अनुभाग द्वारा 20 मार्च, 2025 को भारतीय संविधान में दिए गए मौलिक अधिकारों और कर्तव्यों से संबंधित एक नुक्कड़ नाटक का प्रदर्शन किया गया। इस नुक्कड़ नाटक का उद्देश्य सभी नागरिकों के मौलिक अधिकारों के बारे में जागरूक करना और साथ ही राष्ट्र के समग्र विकास और प्रगति में योगदान देने के हमारे मौलिक कर्तव्य को बढ़ावा देना था। इस आकर्षक प्रदर्शन से बच्चों को अपने संचार और सामाजिक कौशल को बढ़ाने में भी मदद मिली।

आओ एक संगीतमय यात्रा करें

संग्रहालय अनुभाग द्वारा 23 और 27 से 30 मार्च, 2025 तक पांच दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया, इस कार्यशाला में 35 बच्चों ने भाग लिया। कार्यशाला का उद्देश्य बच्चों को भारत में संगीत वाद्ययंत्रों की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत के बारे में बताना था। यह बच्चों को विभिन्न संगीत वाद्ययंत्रों से परिचित कराने और अतीत में उनकी भूमिका के बारे में चर्चा करके किया गया, गौरव गाथा गैलरी की संगीत वाद्ययंत्र दीवार के साथ-साथ राष्ट्रीय बाल भवन के गायन और वाद्य अनुभाग का दौरा किया गया। बच्चों ने इस कार्यशाला में अपशिष्ट से सर्वश्रेष्ठ की अवधारणा का उपयोग करके अपने पसंदीदा संगीत वाद्ययंत्र बनाना शामिल था। कार्यशाला के अंतिम दिन, बच्चों को खेलों और प्रश्नोत्तरी के माध्यम से उनके ज्ञान का परीक्षण किया गया और उन्होंने अपनी कृतियों को एक लघु प्रदर्शनी के रूप में गर्व से प्रदर्शित किया। कुल मिलाकर, यह ज्ञान और नवाचार से भरी एक सफल कार्यशाला थी।

भारतीय सोने के सिक्के

संग्रहालय अनुभाग द्वारा 23 और 27 से 30 मार्च, 2025 तक पांच दिवसीय कार्यशाला आयोजित की गई, इस कार्यशाला में 35 बच्चों ने भाग लिया। कार्यशाला का उद्देश्य बच्चों को सोने के सिक्कों के विशेष संदर्भ में भारतीय मुद्रा के समृद्ध इतिहास के बारे में बताना था। बच्चों को हमारा भारत गैलरी की इतिहास दीवार और राष्ट्रीय बाल भवन की गौरव गाथा गैलरी के डायोरमा के माध्यम से उन्मुखीकरण किया गया। पीपीटी और पारस्परिक चर्चाओं के माध्यम से, बच्चों ने विभिन्न अवधियों के दौरान भारतीय मुद्रा में हुए बदलावों और उसके कारणों के बारे में भी जाना। व्यावहारिक गतिविधि के रूप में, बच्चों ने बेस्ट आउट ऑफ वेस्ट की अवधारणा का उपयोग करके रचनात्मक कलाकृतियाँ तैयार कीं और साथ ही खाद्य चॉकलेट सिक्के तैयार किए। जिससे उन्हें तथ्यात्मक ज्ञान से आगे बढ़ने और एक नया कौशल सीखने में मदद मिली। कार्यशाला के अंतिम दिन, बच्चों को आकर्षक खेलों और प्रश्नोत्तरी के माध्यम से उनकी समझ का मूल्यांकन किया गया और उन्होंने अपनी कृतियों को एक लघु प्रदर्शनी के रूप में गर्व से प्रदर्शित किया। कुल मिलाकर, यह सीखने और रचनात्मकता से भरी एक मजेदार और

अनुभवात्मक कार्यशाला थी। विज्ञान भवन में सरस्वती वंदना की प्रस्तुति 29 मार्च, 2025 को महामहिम राष्ट्रपति के सामने पर्यावरण सम्मेलन के उद्घाटन सरस्वती वंदना को प्रस्तुत करने का अमूल्य अवसर गायन विभाग के 6 बच्चों को मिला। इससे बच्चों को राष्ट्रीय स्तर पर विभिन्न गणमान्य अतिथियों और पूरे भारत से आए प्रतिभागियों के सामने प्रदर्शन करने का मौका मिला। यह बच्चों के लिए एक बड़े पैमाने पर होने वाले कार्यक्रम में प्रदर्शन करने की जिम्मेदारी को समझने और अपने कौशल को अधिकतम क्षमता तक बढ़ाने के लिए प्रेरित होने का एक शानदार अवसर था। कुल मिलाकर, यह एक सफल आयोजन था, जिसकी सभी ने सराहना की।

विज्ञान भवन में सरस्वती वंदना की प्रस्तुति

गायन विभाग के 6 बच्चों को 29 मार्च, 2025 को राष्ट्रपति महोदया के समक्ष एक पर्यावरण सम्मेलन के उद्घाटन में सरस्वती वंदना प्रस्तुत करने का अमूल्य अवसर मिला। इससे बच्चों को राष्ट्रीय स्तर पर भारत भर से आए विभिन्न गणमान्य अतिथियों और प्रतिभागियों के समक्ष प्रस्तुति देने का अवसर मिला। यह बच्चों के लिए एक बड़े आयोजन में प्रस्तुति देने की जिम्मेदारी को समझने और अपने कौशल को अपनी पूरी क्षमता के साथ निखारने के लिए प्रेरित होने का एक अद्भुत अवसर था। यह एक सफल आयोजन रहा, जिसकी सभी ने सराहना की।

डॉ. बी.आर. अंबेडकर के जीवन पर फिल्म की स्क्रीनिंग

फोटोग्राफी अनुभाग द्वारा 30 मार्च, 2025 को डॉ. बी.आर. अंबेडकर पर एक लघु फिल्म दिखाई गई, जिसमें 14 सदस्य बच्चों ने भाग लिया। फिल्म में डॉ. अंबेडकर के जीवन, उनके संघर्ष और भारतीय समाज में उनके अपार योगदान को सरल एवं आकर्षक तरीके से दर्शाया गया। अभिलेखीय फुटेज और स्पष्ट वर्णन के मिश्रण के साथ, वीडियो ने युवा दर्शकों की रुचि बनाए रखी। इस लघु फिल्म ने बच्चों पर अमिट छाप छोड़ी तथा उन्हें ज्ञान, समानता और दृढ़ता के मूल्यों को बनाए रखने के लिए प्रेरित किया।

जवाहर बाल भवन, माण्डी

परिचय

जवाहर बाल भवन राष्ट्रीय बाल भवन की एक ग्रामीण इकाई है। साठ के दशक के मध्य में जवाहर बाल भवन की स्थापना की योजना शुरू हुई थी। माण्डी में जवाहर बाल भवन इसी योजना का विस्तार है। यह ग्रामीण इकाई पहली बार 1972 में स्थापित की गई थी और यहां मांडी गांव की चौपाल से काम करना शुरू किया गया था। इसका मुख्य उद्देश्य मांडी, महरौली, जौनपुर, गदईपुर, सुल्तानपुर, मंगलापुरी, ग्वालपहाड़ी, बंधवारी, असोला, आया नगर, घिटोरनी, छतरपुर, मैदानगढ़ी, राजपुर, सतबरी, चंदनहोला, फतेहपुरबेरी, डेरा, भाटी माइंस के नेब सराय गांव के ग्रामीण बच्चों की पढ़ाई को पूरा करना था। यह एक संस्था है जिसका उद्देश्य बच्चों को उनकी उम्र, योग्यता और क्षमता के अनुसार बातचीत करने, प्रयोग करने, निर्माण करने और प्रदर्शन करने के लिए विभिन्न गतिविधियां, अवसर और सामान्य मंच प्रदान करके उनकी रचनात्मक क्षमता को बढ़ाना है। यह अपार संभावनाओं के साथ बाधा रहित वातावरण प्रदान करता है। वर्तमान में चल रही गतिविधियाँ है-शारीरिक शिक्षा, हस्तकला या शिल्पकला, नृत्य, संगीत, कंप्यूटर, गृह प्रबंधन, फोटोग्राफी और प्रकाशन।

वर्ष 2024-25 के लिए सदस्यों की संख्या 1299 (लड़के-805 और लड़कियाँ-494) है। इस वर्ष बड़ी संख्या में बच्चों ने विविध गतिविधियों में भाग लिया और हर वर्ष नामांकन में वृद्धि हो रही है।

विश्व स्वास्थ्य दिवस एवं दंत चिकित्सा जांच शिविर

विश्व स्वास्थ्य दिवस के उपलक्ष्य में दिनांक 07 अप्रैल 2024 को भारतीय दंत चिकित्सा संघ (आईडीए) की दक्षिण दिल्ली शाखा और डॉ. ऋचा जोशी मेमोरियल फाउंडेशन के सहयोग से एक दंत चिकित्सा शिविर का आयोजन किया गया। इस शिविर में लगभग 100 बच्चों ने भाग लिया, जहां उन्हें संवादात्मक चर्चाओं के माध्यम से स्वास्थ्य जागरूकता और मौखिक स्वास्थ्य देखभाल के महत्व के बारे में बताया गया। जवाहर बाल भवन, मांडी के कर्मचारियों सहित बच्चों का संपूर्ण दंत परीक्षण किया गया और उन्हें मूल्यांकन रिपोर्ट के साथ टूथपेस्ट और जलपान दिया गया। इस अवसर पर उपस्थित डॉक्टरों की टीम में डॉ. मीनाक्षी चांदना, अध्यक्ष, भारतीय दंत चिकित्सा संघ, दक्षिण दिल्ली शाखा, डॉ. करण टांगरी, माननीय सचिव, भारतीय दंत चिकित्सा संघ, दक्षिण दिल्ली शाखा, डॉ. चारु अग्रवाल

प्रतिनिधि सीडीएच, भारतीय दंत चिकित्सा संघ, दक्षिण दिल्ली शाखा, डॉ. सी. एस. जाशी, डॉ. नेहा गुप्ता, अभिमन्यु शर्मा एवं डॉ. एन्या माथुर, डॉ. अभिषेक माथुर और डॉ. एस. चांदना, सदस्य, भारतीय दंत चिकित्सा संघ (आईडीए) शामिल थें। डॉ. चंद्रशेखर जोशी बाल भवन के पूर्व बाल श्री पुरस्कार विजेता हैं और वर्तमान सदस्यों के बच्चों के लिए हमेशा ऐसे कार्यक्रम आयोजित करते रहते हैं।

विश्व धरोहर दिवस

जवाहर बाल भवन, मांडी में 18 अप्रैल, 2024 को विश्व धरोहर दिवस धूमधाम से मनाया गया। जिसे अंतर्राष्ट्रीय स्मारक एवं स्थल दिवस के रूप में भी जाना जाता है। यह दिवस पहली बार संयुक्त राष्ट्र शैक्षिक, वैज्ञानिक एवं सांस्कृतिक संगठन (यूनेस्को) द्वारा 1983 में मनाया गया था। इस वर्ष, विश्व धरोहर दिवस 2024 का विषय 'विविधता की अनुभूति एवं आविष्कार' रहा। यह विषय हमारे इतिहास की समृद्धि पर प्रकाश डालता एवं हमें विभिन्न समुदायों की अनूठी विरासत का अन्वेषण और सराहना करने के लिए स्मरण कराता है। सुश्री निधि सरयाल, वरिष्ठ अनुसंधान सहायक (संग्रहालय) ने धरोहर दिवस के महत्व के विभिन्न पहलुओं पर प्रकाश डाला और बच्चों को भारत की विभिन्न प्रकार की मूर्त एवं अमूर्त विरासतों के बारे में समझाया।

रवींद्र जयंती

जवाहर बाल भवन मांडी में 8 मई 2024 को कविगुरु रवींद्रनाथ टैगोर की 163वीं जयंती के उपलक्ष में एक कार्यक्रम का आयोजन किया गया। जिसमें सदस्य बच्चों को रवींद्रनाथ टैगोर के जीवन के बारे में जानकारी दी गई एवं रवींद्रनाथ टैगोर का एक वीडियो भी दिखाया गया और फिर उनके प्रतिमा पर पुष्प अर्पित किया गया। रवींद्र जयंती के अवसर पर आयोजित सांस्कृतिक कार्यक्रम में बच्चों ने गायन और नृत्य की प्रस्तुति दी। बच्चों ने टैगोर की कविताएँ भी सुनाई। एकता और देशभक्ति की भावना से ओतप्रोत प्रतिभागियों ने राष्ट्रगान के साथ कार्यक्रम का समापन किया।

अंतर्राष्ट्रीय संग्रहालय दिवस

जवाहर बाल भवन, मांडी में 18 मई 2024 को 'शिक्षा और अनुसंधान के लिए संग्रहालय' विषय पर आधारित अंतर्राष्ट्रीय संग्रहालय दिवस मनाया गया। इस दिन बच्चों ने संग्रहालयों के बारे में बहुत कुछ जाना और इसके बारे में समझा। साथ ही कठपुतली से संबंधित वीडियो देखे एवं फिंगर पपेट और बुक मार्क बनाए।

ग्रीष्मोत्सव शिविर का उद्घाटन

जवाहर बाल भवन मांडी में 29 मई 2024 को ग्रीष्मकालीन शिविर का भव्य उद्घाटन हुआ।

श्रीमती इंद्राणी चौधूरी, उप-निदेशक (कार्यक्रम, अनुसंधान एवं समन्वयक) जवाहर बाल भवन मांडी की देखरेख में आयोजित एक शिविर में बड़ी संख्या में सदस्य बच्चे, अंशकालिक एवं नियमित कर्मचारी शामिल हुए। शिविर के उद्घाटन के अवसर पर

गायन, पारंपरिक वाद्य यंत्र 'नक्कारा' बजाना और नृत्य जैसे सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित किए गए। उप-निदेशक (कार्यक्रम, अनुसंधान एवं समन्वयक) ने जवाहर बाल भवन, मांडी में बच्चों की बढ़ती सदस्यता और प्रत्येक गतिविधि जैसे कला एवं शिल्प, खेलकूद, कंप्यूटर, फोटोग्राफी, नृत्य, वाद्य संगीत, प्रकाशन एवं संग्रहालय संबंधी गतिविधियों में उनकी उत्साहपूर्वक भागीदारी पर आभार व व्यक्त किया और कहा कि नए सदस्यों की भागीदारी और बढ़ेगी तथा बच्चों का उत्कृष्ट प्रदर्शन किसी सपने के सच होने से कम नहीं है। बच्चों की रुचि के लिए टेंट की व्यवस्था की गई थी। पूरे ग्रीष्मकालीन उत्सव के दौरान जवाहर बाल भवन में कैट द्वारा एम्बुलेंस की सुविधा प्रदान की गई थी और सेंट जॉन एम्बुलेंस द्वारा प्राथमिक उपचार पोस्ट-सेवाएँ प्रदान की गई थी। आधिकारिक तौर पर उप-निदेशक (कार्यक्रम, अनुसंधान एवं समन्वयक) का यह आखिरी ग्रीष्मकालीन उत्सव था। वे कार्यक्रम के अंत में बहुत भावुक हो गई थीं। उन्होंने सभी बच्चों और कर्मचारियों को सहृदय शुभकामनाएँ दीं, तत्पश्चात सभी बच्चों को जलपान भी दिया गया।

विश्व पर्यावरण दिवस

जवाहर बाल भवन मांडी में 5 जून, 2024 को विश्व पर्यावरण दिवस मनाया गया। जिसका विषय था 'भूमि पुनरुद्धार, मरुस्थलीकरण और सूखा प्रतिरोधिता'। इस दिन जवाहर बाल भवन के सदस्य बच्चों ने विभिन्न गतिविधियों में भाग लिया। परिसर के भीतर मास्क पहने बच्चों द्वारा पर्यावरण पर लिखित संदेश की बनी तख्तियां लिए पालकी के नेतृत्व में 'हमारी भूमि, हमारा भविष्य' जैसे नारे लगाते हुए एक रैली भी निकाली गई।

14 साल से ज्यादा उम्र के सदस्य बच्चों ने बाल भवन के गेट के बाहर, कर्मचारियों और सुरक्षाकर्मियों के साथ, पर्यावरण संरक्षण की तत्काल आवश्यकता के प्रति लोगों को जागरूक करने के लिए, मानव श्रृंखला बनाई। जवाहर बाल भवन, मांडी के बच्चों ने कई गीत गाए और स्वनिर्मित नारे भी लगाए।

बच्चों और स्टाफ द्वारा वृक्षारोपण भी किया गया, तत्पश्चात बच्चों ने पोस्टर बनाना, मास्क बनाना, खेलकूद, नृत्य जैसी रचनात्मक गतिविधियों में भाग लिया और विश्व पर्यावरण दिवस पर एक डिजिटल पोस्टर भी बनाया।

नक्कारा (महफिल-ए-मौसिखी)

जवाहर बाल भवन, मांडी में 6 मई, 2024 को बच्चों के लिए प्रशिक्षक के रूप में कार्यरत (वाद्य संगीत) व प्रसिद्ध पारंपरिक कलाकार श्री जमील खान द्वारा पारंपरिक ताल वाद्य यंत्र नक्कारा की अद्भुत प्रस्तुति दी गयी। उन्होंने बच्चों को नक्कारा बजाना ही नहीं, बल्कि इसे बनाना भी सिखाया ताकि यह पारंपरिक भारतीय ताल वाद्य यंत्र की विरासत को जारी रखा जा सके।

श्री जमील खान के छात्रों ने सदस्य बच्चों के लिए एक विशेष नक्कारा कार्यशाला (महफिल-ए-मौसिकली) का आयोजन किया और उन बच्चों को प्रशिक्षित करने के लिए खुद को प्रतिबद्ध किया जो इस संगीत वाद्ययंत्र को सीखना चाहते थे।

टॉक शो कार्यशाला

टॉक शो कार्यशाला का आयोजन 12 जून, 2024 किया गया, जिसमें लगभग 50 बच्चों ने भाग लिया और

सफलतापूर्वक कार्यक्रम पूरा किया। सभी बच्चों ने इस कार्यक्रम के दौरान प्रिंट मीडिया बनाम इलेक्ट्रॉनिक मीडिया पर जानकारी प्राप्त किया। इस इंटरैक्टिव सत्र के दौरान, बच्चों को दो समूहों में विभाजित किया गया, जिसमें एक समूह के बच्चों ने प्रिंट मीडिया से लाभ पर और दूसरे समूह के बच्चों ने इलेक्ट्रॉनिक मीडिया पर बातचीत की। इस कार्यशाला में टॉक शो के महत्व के बारे में बताया गया और प्रिंट व इलेक्ट्रॉनिक मीडिया के विभिन्न महत्वपूर्ण विषयों पर प्रकाश डाला गया। टॉक शो के दौरान अजनबियों से बातचीत कर, बच्चों का आत्मविश्वास भी काफी दृढ़ हुआ।

समुद्र कार्यशाला

जवाहर बाल भवन, मांडी में 8 जून से 14 जून, 2024 तक संग्रहालय और सांस्कृतिक गतिविधियों पर पांच दिवसीय कार्यक्रम/कार्यशाला समुद्र विश्व महासागर दिवस मनाया गया। इस कार्यशाला में हमारे महासागर और जलवायु के लिए उत्प्रेरित अभियान आयोजित किया गया जिसका मूल उद्देश्य, प्रत्येक बच्चे को, अपने ग्रह को स्वस्थ बनाए रखने के लिए महासागरों के महत्व के बारे में जागरूक करना था। साथ ही बच्चों ने महासागरों को संरक्षित करने के नियम भी समझें। इस कार्यशाला के माध्यम से बच्चों ने कई पौराणिक कहानियों के बारे में जाना और उन कहानियों को पारंपरिक कला के रूपों में चित्रित किया। इस प्रकार जवाहर बाल भवन मांडी में बच्चों को कार्यशाला के माध्यम से सांस्कृतिक और प्राकृतिक विरासत की रक्षा करने के लिए प्रेरित किया गया। इस कार्यक्रम में 30 सदस्य बच्चों ने भाग लिया और कार्यक्रम को सफलतापूर्वक पूरा किया।

कार्यक्रम का उद्घाटन 8 जून, 2024 को प्रोग्राम और उससे संबंधित विषय के संक्षिप्त दिशानिर्देश पर चर्चा के साथ किया गया। इस कार्यक्रम में बच्चों को 'समुद्र' और उसके महत्व को समझने के लिए एक पावरप्वाइंट प्रस्तुति दिखाई गई। प्रतिभागियों को 9 जून, 2024 को राष्ट्रीय संग्रहालय का भ्रमण कराया गया। 12 जून, 2024 को बच्चों द्वारा पारंपरिक लोक कला-रूपों, चित्रकलाओं पर व्याख्यान-सह-प्रदर्शन और तकनीकें प्रदर्शित की गई। 13 जून, 2024 को बच्चों द्वारा अपनी इच्छानुसार पारंपरिक लोककला-रूपों की सचित्र पेंटिंग्स बनाई गई। 14 जून, 2024 को बच्चों ने अपने अलग-अलग चित्रों पर सृजनात्मक कलाकृति की। जैसे- समुद्र मंथन, मत्स्यावतार, कूर्मावतार, वारियावतार और देवी सरस्वती द्वारा समुद्र में वदराग्नि का विसर्जन आदि।

कार्यक्रम के अंत में प्रतिभागियों द्वारा की गई प्रश्नोत्तरी और चित्रकला को प्रदर्शित किया गया। कार्यक्रम को सफलतापूर्वक पूरा करने वाले सभी प्रतिभागियों को प्रमाण-पत्र भी दिया गया।

अपनी विरासत और विश्व विरासत दिवस 2024 का अन्वेषण

अपनी विरासत और विश्व विरासत दिवस 2024 का अन्वेषण कार्यशाला के दौरान जवाहर बाल भवन, माण्डी में 19 जून से 22 जून, 2024 तक 'विविधता की खोज और अनुभव करें' विषय पर आधारित संग्रहालय और सांस्कृतिक गतिविधियों का चार दिवसीय कार्यशाला आयोजित की गयी। जिसका मूल उद्देश्य भारत की मूर्त और अमूर्त विरासत के महत्वों के बारे में बच्चों के अंदर जागरूकता पैदा करना था। इसी दौरान बच्चों ने यह भी सीखा कि वे स्मारकों की सुरक्षा और संरक्षण में कैसे अपना महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकते हैं, और वैश्विक स्तर पर कैसे संग्रहालयों की सांस्कृतिक और प्राकृतिक विरासत की रक्षा कर सकते हैं। इस कार्यशाला के माध्यम से बच्चों ने भारत के ऐतिहासिक स्मारकों और संग्रहालयों के बारे में जाना। इस कार्यशाला ने बच्चों को हमारी सांस्कृतिक और प्राकृतिक विरासत के साथ-साथ संग्रहालयों के महत्व की सुरक्षा करने के लिए प्रेरित किया। इस कार्यक्रम में कुल 30 सदस्य बच्चों ने भाग लिया।

कार्यक्रम का औपचारिक उद्घाटन इसके विषय के बारे में संक्षिप्त परिचय के साथ 19 जून, 2024 को किया गया, बच्चों को 'विश्व धरोहर' को स्वीकार करने और समझने के लिए एक पावरप्वाइंट प्रस्तुति दिखाई गयी।

प्रतिभागियों को 20 जून 2024 को प्रधानमंत्री संग्रहालय का भ्रमण कराया गया।

तीसरे दिन, 21 जून 2024 को, प्रतिभागियों को कुतुब मीनार की सैर कराई गई।

पश्च-परीक्षण में बच्चों की उपस्थित दर्ज कराते हुए कार्यक्रम का शुभारंभ 22 जून, 2024 को किया गया। उसके बाद उन्होंने प्रश्नोत्तरी में भी भाग लिया जो कि 'आइए अपनी विरासत का अन्वेषण करें और विश्व विरासत दिवस 2024, विविधता की खोज व अनुभव करें' विषय पर आधारित था। अंत में, सफलतापूर्वक कार्यक्रम पूरा करने वाले सभी प्रतिभागियों को प्रमाण पत्र दिया गया।

अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस

अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर जवाहर बाल भवन मांडी में 21 जून, 2024 को योग सत्र का आयोजन किया गया, जिसमें बड़ी संख्या में सदस्य बच्चों और कर्मचारियों ने पूरी निष्ठाभाव से भाग लिया। प्रशिक्षक - (शारीरिक शिक्षा) और योग विशेषज्ञ श्री पूरन प्रकाश ने सदस्य बच्चों और कर्मचारियों को योग की संक्षिप्त जानकारी देते हुए योगासनों को सिखाया। इस योग सत्रों के माध्यम से वे शैक्षणिक रूप से शारीरिक स्वास्थ्य के बारे में बहुत कुछ जाना एवं शारीरिक शिक्षक के मार्गदर्शन से सदस्य बच्चों ने अन्य बच्चों को प्रोत्साहित करने तथा हमारे दैनिक जीवन में योग के महत्व को समझाने के लिए योग पर एक प्रेरक कार्यक्रम प्रस्तुत किया।

ग्रीष्मोत्सव 2024

जवाहर बाल भवन मांडी में 28 जून 2024 को ग्रीष्मोत्सव 2024 का ग्रैंड फिनाले आयोजित किया गया, जिसमें विख्यात कथक गायिका और दूरदर्शन की सुप्रसिद्ध कलाकार सुश्री पारुल मिश्रा की उपस्थिति से कार्यक्रम में चार चांद लग गए। सुश्री पारुल मिश्रा का पारंपरिक स्वागत किया गया। तत्पश्चात मुख्य अतिथि द्वारा बच्चों के रचनात्मक कृतियों की एक प्रदर्शनी का उद्घाटन भी किया।

कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य अतिथि द्वारा दीप प्रज्ज्वलित के साथ बच्चों द्वारा 'बाल भवन का दीप जले' गीत के अद्भुत प्रस्तुति के साथ हुआ।

फिर कथक, ऑर्केस्ट्रा, गिटार और वायलिन की जुगलबंदी, भांगड़ा, तेरा ताली, कालबेलिया, भरतनाट्यम और शास्त्रीय गायन जैसे मंत्रमुग्ध करने वाले सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किए गए। साथ ही, योग और स्केटिंग का सुन्दर प्रदर्शन भी हुआ। इस अवसर पर प्रकाशन विभाग के बच्चों द्वारा तैयार किया गया बाल समाचार पत्र 'बच्चों का, बच्चों के लिए और बच्चों द्वारा' एवं अभिनव पॉकेट बुक 'जंबो की अनोखी सूंड' का भी विमोचन किया गया।

मुख्य अतिथि ने अपने संबोधन में बच्चों द्वारा की गई कथक प्रयासों और सुंदर प्रस्तुतियों की सराहना की।

धन्यवाद ज्ञापन में, उप-निदेशक (कार्यक्रम समन्वयक एवं अनुसंधान) श्रीमती इंद्राणी चौधरी ने श्रीमती मुक्ता अग्रवाल, निदेशक महोदया, राष्ट्रीय बाल भवन और मुख्य अतिथि सुश्री मिश्रा का आभार व्यक्त किया और सभी के सहकारिता की सराहना की। उप-निदेशक (कार्यक्रम समन्वयक एवं अनुसंधान) ने बीते दिनों और अब तक

हुई उपलब्धियों को याद किया और बच्चों को बाल भवन भेजने और बच्चों के जीवन में बाल भवन के महत्व को समझने के लिए सभी अभिभावकों को भी धन्यवाद किया। उन्होंने यह भी कहा कि ये बच्चे ही हैं जिन्होंने उन्हें हर बार बच्चों के लिए कुछ नया करने का उत्साह और ऊर्जा दिया है। उप-निदेशक (कार्यक्रम समन्वयक एवं अनुसंधान) ने बाल भवन, माण्डी को अपनी शुभकामनाएं देते हुए कहा कि 'एक व्यक्ति रहे न रहे पर बच्चों के लिए कर्मठता और सोच सदा रहनी चाहिए ताकि मांडी बाल भवन नई-नई ऊँचाइयों को छू सके।'

अंत में, बाल भवन के पूर्व शैक्षणिक कर्मचारियों द्वारा बच्चों को उपहार दिया गया।

नोट पैड और सिलाई पुस्तक बाइंडिंग/जिल्दसाजी कार्यशाला

प्रकाशन अनुभाग द्वारा 14 जुलाई और 21 जुलाई 2024 को दो दिवसीय नोट पैड एवं स्टिच बुक बाइंडिंग/सिलाई जिल्दसाजी कार्यशाला का आयोजन किया गया, जिसमें 40 बच्चों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया।

पहले दिन, बच्चों को समूहों में वर्गीकृत किया गया, जहां उन्हें पुस्तकों की जिल्दसाजी और बुनाई के विभिन्न चरणों के बारे में सिखाया व अभ्यस्त कराया गया। बच्चों ने सरल तरीके से नोटपैड, हार्डबाउंड और पेपर-बैग तैयार किए। कार्यशाला में सक्रिय रूप से भाग लेने वाले सभी बच्चों से साक्षात्कार द्वारा यह जानने का प्रयास किया गया कि वे इस दौरान आयोजित गतिविधियों में क्या सीखे अर्थात यह कार्यशाला बच्चों के लिए पूर्ण रूप से सफल रही अथवा नहीं।

दूसरे दिन, प्रबंधक, प्रकाशन अनुभाग ने बच्चों को किताब की सिलाई/बुनाई के प्रकार (लिंक या कॉप्टिक, लूप स्टिच, केटल स्टिच) और हार्डबाउंड बुक बाइंडिंग में शामिल चरणों (जॉगिंग, नॉकिंग, सिग्नेचर/सेक्शन, फोल्डिंग, क्रीजिंग, पंचिंग/होल, इन्सर्टिंग, स्मैशिंग/निपिंग, बैकिंग/राउंडिंग/ग्लूइंग, केस बनाना और संयोजन करना) के बारे में जानकारी दी। इसके बाद, बच्चों ने अपने कौशल और प्रतिभा का प्रदर्शन करते हुए केस सहित फैंसी और हार्डबाउंड किताबें बनाईं। जवाहर बाल भवन, मांडी में आयोजित दो दिवसीय कार्यशाला के दौरान बच्चों ने दोपहर का भोजन भी लिया।

स्वतंत्रता दिवस

मांडी में स्थित बच्चों की संस्था जवाहर बाल भवन में 15 अगस्त, 2024 को 77वाँ स्वतंत्रता दिवस मनाया गया। पूरे परिसर को तिरंगे झंडों और गुब्बारों से सजाया गया था। दिन की शुरुआत कर्मचारियों और बच्चों द्वारा एक साथ मिलकर राष्ट्रीय ध्वज फहराया गया। सभी बच्चों को बूंदी के लड्डू दिए गए।

अगले दिन परिसर में राष्ट्रीय ध्वज के साथ रैली निकाली गई और बच्चों के साथ राष्ट्रीय गीत गाए गए। जवाहर बाल भवन, माण्डी के बहुउद्देशीय हॉल में बच्चों ने मातृभूमि और वीर स्वतंत्रता सेनानियों को समर्पित कविताएं, नारे, नृत्य और गीत प्रस्तुत किए। बच्चों ने आजादी की खुशी में पतंगें उड़ाई और आजाद पंछी की तरह अपने इच्छाशक्ति और आत्मविश्वास के साथ जीवन में सभी बाधाओं को पार कर आगे बढ़ाने के लिए अत्यंत उत्साहित थे।

सभी बच्चों को जलपान वितरित किया गया। स्वतंत्रता दिवस समारोह की कुछ झलकियाँ जवाहर बाल भवन माण्डी के सोशल मीडिया पर भी अपलोड की गई।

ग्रीटिंग कार्ड बनाने की कार्यशाला

प्रकाशन अनुभाग द्वारा 18 अगस्त और 25 अगस्त, 2024 को 'ग्रीटिंग कार्ड मेकिंग' पर दो दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया, जिसमें 40 बच्चों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया।

पहले दिन, बच्चों को ग्रीटिंग कार्ड्स के प्रकारों के बारे में बताया और सिखाया गया, और कार्ड फोल्डिंग की दिशा भी बताई गई। बच्चों ने पॉप-अप कार्ड बनाए। बच्चों के साथ सीध साक्षात्कार के जरिये यह पता लगाने का प्रयास किया गया कि इस कार्यशाला में बच्चों ने क्या सीखा।

दूसरे दिन, प्रकाशन विभाग (प्रबंधक) ने बच्चों को पेपर सर्किट ग्रीटिंग कार्ड बनाने की विधि और उसके चरण (सिक्का सेल सी.आर. 2032 के साथ धनात्मक और ऋणात्मक 5 मिमी एलईडी बल्ब का प्रभाव) सिखाया। बच्चों ने पॉप-अप के साथ सुंदर ग्रीटिंग कार्ड बनाए और उन्हीं बच्चों ने वर्ली, मधुबनी जैसी भारतीय पारंपरिक कलाओं पर भी ग्रीटिंग कार्ड बनाए। 5 से 8 वर्ष की आयु के बच्चों ने तैयार किट से ग्रीटिंग कार्ड बनाए। प्रकाशन विभाग के नियमित सदस्य बच्चे ग्रीटिंग कार्ड में चित्र और इबादत के बारे में पहले से ही जानते थें, इसलिए उन्होंने अन्य प्रतिभागियों की मदद की। बच्चों ने कार्यशाला के दौरान सीखे गए अपने कौशल और प्रतिभा का प्रदर्शन करते हुए पेपर सर्किट कार्ड से सुंदर और आकर्षक ग्रीटिंग कार्ड बनाए। बाल भवन में आयोजित इस दो दिवसीय कार्यशाला के दौरान बच्चों ने दोपहर का भोजन भी प्राप्त किया।

राष्ट्रीय अंतरिक्ष दिवस

राष्ट्रीय अंतरिक्ष दिवस, अंतरिक्ष अन्वेषण दिवस भारत की उपलब्धियों तथा भविष्यगामी जानकारियों के लिए जश्न मनाने का दिन है। यह छोटे उपग्रहों के लांच से लेकर मानव अंतरिक्ष यान के उड़ानों की योजना बनाने तक की यात्रा पर चिंतन करने का दिन है।

भारत ने अपना पहला 'राष्ट्रीय अंतरिक्ष दिवस' 23 अगस्त, 2024 को मनाया था। यह दिन चंद्रयान-3 के चंद्रमा पर सफलतापूर्वक लैंडिंग के उपलक्ष्य में मनाया गया। इस दिन का विषय था 'चंद्रमा को छूते हुए जीवन को छूना: भारत की अंतरिक्ष गाथा।'

इस ऐतिहासिक उपलब्धि से संबंधित जवाहर बाल भवन मांडी के सदस्य बच्चों के मन में आ रहे विचारों को उनके द्वारा कागज पर उकेरा गया। राष्ट्रीय अंतरिक्ष दिवस पर बच्चों ने पेंटिंग, पोस्टर और कार्ड बनाए और इसके बारे में जानकारी प्राप्त की। कंप्यूटर अनुभाग में अंतरिक्ष से जुड़े कई महत्वपूर्ण जानकारी एनिमेटेड विडियो द्वारा साझा की गई और खेल अनुभाग में रचनात्मक गतिविधि 'मून वॉक' (अंतरिक्ष यात्रा के लिए अंतरिक्ष यात्री द्वारा अंतरिक्ष वॉक का अभ्यास करना) के नियम समझाये गये।

राष्ट्रीय खेल दिवस

जवाहर बाल भवन मांडी में 29 अगस्त, 2024 को राष्ट्रीय खेल दिवस मनाया गया, जहाँ प्रशिक्षक (शारीरिक शिक्षा) ने सदस्य बच्चों के लिए एक सप्ताह तक रिले रेस, क्रिकेट मैच, रस्साकशी आदि जैसे विभिन्न खेलों का आयोजन किया, जिसमें सभी इच्छुक बच्चों ने भाग लिया। खेलों पर एक

इंटरैक्टिव सत्र भी आयोजित किया गया। जवाहर बाल भवन, मांडी के खुले मैदान में बच्चों ने दौड़, रिले रेस, क्रिकेट प्रतियोगिता जैसी विभिन्न प्रतियोगिताओं में भाग लिया। सभी विजेताओं को सप्ताह के अंतिम दिन, 29 अगस्त, 2024 को उप-निदेशक (कार्यक्रम समन्वयक एवं अनुसंधान) द्वारा पुरस्कार प्रदान किया गया।

हिन्दी पखवाड़ा

प्रत्येक वर्ष कि भांति इस वर्ष भी 14 सितम्बर से 30 सितम्बर, 2024 तक राष्ट्रीय बाल भवन द्वारा 'हिंदी पखवाड़ा' कार्यक्रम का आयोजन किया गया और उसे जवाहर बाल भवन, मांडी में भी पूरे उत्साह के साथ मनाया गया। हिंदी दिवस पर आधारित कई गतिविधियाँ आयोजित की गईं, जिसमें कर्मचारियों, सदस्यों और सदस्य स्कूलों/संस्थानों/एनजीओ के बच्चों ने भाग लिया।

सदस्य बच्चों और सदस्य स्कूलों के बच्चों ने कविता लेखन, गलत शब्दों को सही करना, सामान्य ज्ञान, पोस्टर बनाना और स्लोगन लेखन जैसी विभिन्न गतिविधियों में भाग लिया। गतिविधियों के बाद प्रतिभागियों को जलपान वितरित किया गया।

हिंदी पखवाड़ा के विजयी बच्चों और कर्मचारियों को 22 जनवरी, 2025 को उपनिदेशक प्रशासन राष्ट्रीय बाल भवन द्वारा सम्मान पुरस्कार दिया गया। बच्चों को सामान्य ज्ञान, वाक्य शुद्धि, कविता लेखन, पोस्टर निर्माण और नारा लेखन सहित सभी श्रेणियों में पुरस्कार मिले। इसी प्रकार, कर्मचारियों ने भी विभिन्न श्रेणियों में पुरस्कार जीते और काव्य पाठ किये।

आइए सिद्धार्थ गौतम के बारे में जानें

जवाहर बाल भवन, मांडी द्वारा 18 से 22 सितंबर, 2024 तक 'आइए सिद्धार्थ गौतम के बारे में जानें' विषय पर संग्रहालय एवं सांस्कृतिक गतिविधियों का पाँच दिवसीय कार्यक्रम/कार्यशाला आयोजित की गई। इसका उद्देश्य बच्चों में बुद्ध से जुड़े विभिन्न ऐतिहासिक स्थलों, उनके जीवन और शिक्षाओं तथा भारत की मूर्त एवं अमूर्त विरासत के महत्व के बारे में जागरूकता पैदा करना था।

इस कार्यशाला में संग्रहालयों और मिट्टी से की जाने वाली क्रियात्मक गतिविधियों के माध्यम से बच्चों ने भारत में उत्पन्न हुए बौद्ध धर्म के इतिहास को जाना। इस कार्यक्रम में लगभग 30 सदस्य बच्चों ने भाग लिया।

बच्चों को बुद्ध की प्रतिमा-विद्या सिखाई गई, साथ ही व्याख्यान-सह-प्रदर्शन और मिट्टी से बनी कलाकृतियाँ भी सिखाई गईं। बच्चों के ज्ञानवर्धन के लिए पुस्तकालय में 'बुद्ध का जीवन' पर आधारित एक एनिमेटेड फिल्म भी दिखाई गई। कहानी-कथन सत्र और राष्ट्रीय संग्रहालय का भ्रमण भी आयोजित किया गया, जहाँ वे बुद्ध के जीवन, स्मारकीय अवशेषों, मूर्तिकला एवं थंगका चित्रों और अजंता-एलोरा दृश्य कला गैलरी के बारे में जानकारी प्राप्त करने के लिए नवनिर्मित बौद्ध गैलरी का अन्वेषण किया। बच्चों ने प्रतिभागियों द्वारा प्रदर्शित बुद्ध के चित्रों का भी चित्रण किया। सिद्धार्थ गौतम के सारांश पर आधारित प्रश्नोत्तरी भी आयोजित की गई और सफलतापूर्वक कार्यक्रम पूरा करने वालों को प्रमाण-पत्र प्रदान किए गए।

वरिष्ठ अधिकारियों का दौरा

शिक्षा मंत्रालय के वरिष्ठ अधिकारियों का 21 सितंबर, 2024 को जवाहर बाल भवन मांडी में पारंपरिक स्वागत किया गया। श्री आनंदराव वी. पाटिल, आईएएस, अपर सचिव, शिक्षा मंत्रालय, भारत सरकार और श्री सुनील शर्मा,

निदेशक, शिक्षा मंत्रालय द्वारा जवाहर बाल भवन मांडी का दौरा किया गया, उन्होंने परिसर और गतिविधि क्षेत्रों के भ्रमण के साथ-साथ बच्चों व कर्मचारियों से बातचीत भी की। बच्चों ने लघु प्रस्तुतियाँ दीं। यह बच्चों और कर्मचारियों के लिए एक बहुत ही खास और प्रेरणात्मक दिन रहा।

स्वच्छता पखवाड़ा

स्वच्छता में सुधार को संस्थागत बनाने के लिए 02 अक्टूबर से 31 अक्टूबर, 2024 तक एक विशेष अभियान '4.0' का आयोजन किया गया। वर्ष 2021, 2022 और 2023 में इसी विषय पर एक विशेष अभियान आयोजित किया गया था। विशेष अभियान 2024 में सभी कार्यालयों में स्वच्छता की पूर्णता की परिकल्पना की गई थी। इस विशेष अभियान का उद्देश्य कार्यालयों की समग्र स्वच्छता में सुधार लाना और सरकारी कार्यालयों के साथ आम जनता के सार्वजनिक अनुभव को बेहतर बनाना है।

यह विशेष अभियान 4.0 राष्ट्रीय बाल भवन के साथ-साथ जवाहर बाल भवन, मांडी के सभी अनुभागों में भी चलाया गया, जहाँ सभी कर्मचारियों और बच्चों ने भाग लिया। कर्मचारियों ने अपने-अपने अनुभागों की एवं बच्चों ने मैदान की सफाई की और दिए गए मिशन को सद्भाव के साथ पूरा किया।

डॉ. मीनाक्षी शर्मा, सहायक निदेशक (विज्ञान)/प्रभारी जवाहर बाल भवन, मांडी ने भी प्राकृतिक खाद, उसके महत्व और सावधानियों के बारे में संक्षिप्त जानकारी दी। सदस्य बच्चों ने पेड़ों की पत्तियाँ और सूखी लकडियों को एकत्र किया और प्रशिक्षक की सहायता से प्लास्टिक और अजैविक पदार्थों को अलग किया। बच्चों को पर्यावरण के महत्व और प्रदूषण के प्रभावों के बारे में जागरूक किया गया।

वायु प्रदूषण को कम करने और पौधों के अस्तित्व के महत्व को बढ़ाने के लिए, सदस्य बच्चों और कर्मचारियों ने वृक्षारोपण किया, इस विशेष अभियान 4.0 के दौरान, परिसर में 'स्वच्छता ही सेवा' नामक एक रैली निकाली गई, जिसमें बच्चों ने तख्तियाँ लेकर नारे लगाए। पूरे महीने विभिन्न प्रकार की गतिविधियाँ आयोजित की गई और विभिन्न गतिविधियों में सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन के लिए बच्चों को पुरस्कार दिए गए। सभी को हाथ धोने और स्वच्छता बनाए रखने के बुनियादी तरीके भी बताए।

पुस्तक निर्माण एवं चित्रण कार्यशाला

प्रकाशन अनुभाग, जवाहर बाल भवन, मांडी, नई दिल्ली द्वारा 9 नवंबर से 17 नवंबर, 2024 तक 'पुस्तक निर्माण और चित्रण' पर 5 दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया, जिसमें 30 बच्चों ने पूरे उत्साह के साथ भाग लिया।

पहले दिन, बच्चों को विभिन्न समूहों में बाँटा गया, जहाँ उन्हें किताब प्रकाशित करने और पाठ से संबंधित चित्र बनाने की जानकारी दी गई। बच्चों को पॉप-अप पुस्तक निर्मित करने की एक सहज विधि सिखाई गई, जिसके आधार पर वे स्वयं पॉप-अप पुस्तक बनाएं। फिर प्रकाशन (प्रबंधक) ने बच्चों को कहानी लेखन, लेख लेखन एवं पांडुलिपि लेखन के साथ-साथ संपादन, प्रूफरीडिंग, टाइपोग्राफी (टाइप फेस, अलाइनमेंट, इंडेंट, लीडिंग, विजुअल स्पेस), डिजाइनिंग और टाइप-सेटिंग, प्रोसेसिंग, प्रिंटिंग, बाइंडिंग और फोटोशॉप में डिजिटल इलस्ट्रेशन आदि विषयों पर जानकारी दी। बच्चों ने कार्यशाला के दौरान सीखे गए अपने कौशल और प्रतिभा का प्रदर्शन किया। बाल भवन में आयोजित इस पाँच दिवसीय कार्यशाला के दौरान बच्चों के लिए दोपहर के भोजन की व्यवस्था की गई थी।

‘तत्काल जीवन रक्षक कौशल’ कार्यशाला

जवाहर बाल भवन, मांडी में 10 नवंबर, 2024 को सुबह 10:30 बजे से दोपहर 1:00 बजे तक विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) के सहयोगी ‘आपातकालीन एवं अभिघात देखभाल केंद्र (सीसीईटी)’ के साथ मिलकर मांडी के बहुउद्देशीय हॉल में सदस्य बच्चों और कर्मचारियों के लिए ‘तत्काल जीवन रक्षक कौशल’ नामक एक सहयोगात्मक प्रशिक्षण, कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस कार्यशाला का मुख्य उद्देश्य जवाहर बाल भवन, मांडी के सदस्य बच्चों और कर्मचारियों को सड़क सुरक्षा, चोट की देखभाल, आपातकालीन स्थितियों के दौरान (सीपीआर) कार्डियोपल्मोनरी रिससिटेशन – यह एक आपातकालीन उपचार है जो तब किया जाता है जब किसी की साँस या दिल की धड़कन रुक जाती है, जैसे महत्वपूर्ण और तत्काल जीवन रक्षक कौशलों से सशक्त बनाना था।

जवाहर बाल भवन, मांडी के लगभग 150 सदस्य बच्चों और सभी कर्मचारियों ने इस कार्यशाला में उत्साहपूर्वक भाग लिया और महत्वपूर्ण एवं तत्काल जीवन रक्षक कौशल के दौरान अपनाए जाने वाले उपायों का प्रदर्शन किया। सीसीईटी से उपस्थित डॉक्टर और उनकी टीम जवाहर बाल भवन, मांडी के प्रकाशन अनुभाग के सदस्य बच्चों द्वारा की गई रिपोर्टिंग से आश्चर्य चकित थे और यह सभी के लिए बहुत अच्छा अनुभव रहा।

राष्ट्रीय बाल सभा

राष्ट्रीय बाल भवन में 20 नवंबर से 23 नवंबर, 2024 तक ‘राष्ट्रीय बाल सभा एवं एकीकरण शिविर का आयोजन किया गया, जिसमें जवाहर बाल भवन, मांडी से केवल 10 सदस्यीय बच्चों को शिविर में भाग लेने के लिए आमंत्रित किया गया था। दिल्ली में गंभीर वायु गुणवत्ता सूचकांक के स्तर को देखते हुए, इस कार्यक्रम में बच्चों की भागीदारी देश भर के केवल संबद्ध राज्य बाल भवन/केंद्रों तक ही सीमित रखी गई थी।

जवाहर बाल भवन, मांडी के बच्चों ने उत्तर क्षेत्रीय सांस्कृतिक कार्यक्रम में भाग लिया और असम के पारंपरिक लोक नृत्य बिहू और पारंपरिक लोक वाद्य यंत्र नक्कारा का प्रदर्शन किया।

राष्ट्रीय बाल भवन में एनसीए के दौरान जवाहर बाल भवन, मांडी को आवंटित स्टॉल पर उनके अपने अनुभागों, सदस्यों और पूर्व सदस्यों एवं बच्चों द्वारा विभिन्न गतिविधियों का आयोजन प्रस्तुत किया गया जैसे –फोटो प्रदर्शनी, संग्रहालय, पहेली खेल, पॉप-अप कला, लिनो-प्रिंटिंग, मनोरंजक खेल आदि। इस दौरान लाइव गतिविधि सत्र भी आयोजित किया गया, जिसका सभी आगंतुकों ने आनंद लिया और सराहना की।

क्रिसमस दिवस का उत्सव

जवाहर बाल भवन, मांडी में दिनांक 24 दिसंबर, 2024 को क्रिसमस की पूर्व संध्या एवं दिनांक 25 दिसंबर, 2024 को क्रिसमस का जश्न पूरे हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। 22 दिसंबर को बच्चों द्वारा मिलकर, दिन भर इसकी तैयारी की गई और पारंपरिक सजावट के लिए सजावटी सामान जैसे-बैल, कैंडी, बेंत, माला और पोस्टर आदि बनाए गए। बच्चों को त्योहार के बारे में बताया गया और उससे जुड़े सवाल पूछे गए। बच्चों ने क्रिसमस केक काटा और सभी को बड़े प्यार से बाँटा गया। कार्यक्रम के अंत में सभी बच्चों को जलपान कराया गया।

वीर बाल दिवस कार्यशाला

श्री अमित सिंह, कनिष्ठ प्रशिक्षक द्वारा 27 दिसंबर, 2024 को जवाहर बाल भवन, मांडी के खुले मंच पर 'वीर बाल दिवस' कार्यशाला आयोजित की गई। इस कार्यशाला में लगभग 50 से अधिक बच्चों ने भाग लिया। दिल्ली विश्वविद्यालय के प्रोफेसर डॉ. सुरजीत के. जॉली द्वारा बच्चों के साथ 'जोरावर सिंह और फतेह सिंह' के पालन-पोषण और बलिदान से संबंधित संक्षिप्त जानकारी साझा की गई । खुले मंच पर एक प्रदर्शनी भी लगाई गई थी, जिसमें सभी बच्चों ने चित्रों के माध्यम से अपने विचार व्यक्त किए। कार्यशाला के दौरान बच्चों को जलपान भी कराया गया।

छऊ कार्यशाला

नृत्य के प्रशिक्षक श्री पवन कुमार पटेल द्वारा दिनांक 18 दिसंबर, 2024 से 22 दिसंबर, 2024 तक बहुउद्देशीय हॉल में पाँच दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। इस कार्यशाला में लगभग 30 सदस्य बच्चों ने भाग लिया। मांडी में स्थित ग्रामीण बाल इकाई में आयोजित इस पाँच दिवसीय कार्यशाला में सदस्य बच्चों ने प्रख्यात छऊ कलाकार श्री रामहरि मोहंत द्वारा अर्ध-शास्त्रीय नृत्य 'छऊ' के विभिन्न चरणों को सीखा। छऊ नृत्य एक अर्ध-शास्त्रीय भारतीय नृत्य शैली है, जिसकी उत्पत्ति युद्ध, आदिवासी एवं लोक कला से हुई और यह पूर्वी भारतीय राज्य ओडिशा में अत्यधिक लोकप्रिय है। कार्यशाला के दौरान बच्चों को दोपहर का भोजन भी कराया गया। अंततः यह कार्यशाला बच्चों के लिए पूरी तरह सफल और लाभकारी सिद्ध हुई।

आइए जानें राजस्थान की 'चौसठ योगिनी' और फड़ चित्रकला के बारे में

जवाहर बाल भवन, मांडी द्वारा 29 दिसंबर, 2024 से 8 जनवरी, 2025 तक आइए जानें 'चौसठ योगिनी' और राजस्थान की फड़ चित्रकलाओं से संबंधित विषय पर संग्रहालय एवं सांस्कृतिक गतिविधियों की सात दिवसीय कार्यशाला आयोजित की गयी। इसका उद्देश्य बच्चों में चौसठ योगिनी के ऐतिहासिक संदर्भ और भारत की मूर्त एवं अमूर्त विरासत से परिचित कराना था। साथ ही, उन्हें यह भी सिखाया गया कि वे स्मारकों की सुरक्षा एवं संरक्षण में 'हमारी सांस्कृतिक और प्राकृतिक विरासत-संग्रहालय' को विश्व स्तर पर संरक्षित करने में कैसे महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकते हैं। इस कार्यक्रम में 30 सदस्य बच्चों ने भाग लिया और कार्यक्रम को सफलतापूर्वक पूरा किया।

भीलवाड़ा के पारंपरिक फड़ चित्रकार श्री अभिषेक जोशी द्वारा 1 जनवरी से 5 जनवरी, 2025 तक एक विशेषज्ञ के रूप में राजस्थान की पारंपरिक फड़ चित्रकला पर व्याख्यान-सह-प्रदर्शन और तकनीकों का प्रदर्शन किया गया। छठे दिन, प्रतिभागियों को राष्ट्रीय संग्रहालय का भ्रमण कराया गया, जहाँ वे योगिनी वष्ठाण की मूर्तिकला, फड़ चित्रकला की लभ्य पेंटिंग्स, भारत के विभिन्न राज्यों की कला और शिल्प का अवलोकन एवं संग्रहालयों की दीर्घाओं का अन्वेषण किया। 8 जनवरी, 2025 को, बच्चे अपनी फड़ चित्रकला पर काम कर रहे थे और संग्रहालयों में वस्तुओं और कलाकृतियों के प्रदर्शन और उनके महत्व के बारे में जाना। चौसठ योगिनी के सारांश पर आधारित प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता का भी आयोजन किया गया, जिसे सफलतापूर्वक पूरा करने वाले सभी प्रतिभागियों को प्रमाण पत्र दिए गए।

लोहड़ी उत्सव

देश के विभिन्न भागों में फसल उत्सव, लोहड़ी को मकर संक्रांत, पोंगल, उत्तरायण, बिहू आदि जैसे विभिन्न रूप में मनाया जाता है, इस उत्सव को जवाहर बाल भवन, मांडी में 12 जनवरी, 2015 को पारंपरिक तरीके से मनाया गया। पवित्र अग्नि प्रज्वलित की गई और सभी ने उसके चारों ओर परिक्रमा की। बच्चों और कर्मचारियों ने पवित्र अग्नि के समक्ष पारंपरिक नृत्य प्रस्तुत किया और पारंपरिक संगीत के बीच प्रसन्नतापूर्वक फसल-कटाई के मौसम की शुरूआत की गई। कार्यक्रम के अंत में सभी सदस्य बच्चों के लिए जलपान की व्यवस्था की गई।

जेल प्लेट प्रिंटिंग एवं स्क्रीन प्रिंटिंग विद लिनो तकनीक कार्यशाला

दो दिवसीय 'जेल प्लेट प्रिंटिंग एवं स्क्रीन प्रिंटिंग विद लिनो तकनीक' कार्यशाला दिनांक 12 जनवरी और 19 जनवरी, 2025 को जवाहर बाल भवन, मांडी के प्रकाशन अनुभाग में आयोजित की गई। इस कार्यशाला में 30 बच्चों ने भाग लिया और उन्होंने लिनो तकनीक विभिन्न पक्षों के अनुसार जेल प्लेट प्रिंटिंग और स्क्रीन प्रिंटिंग सीखा। बच्चों को कार्यक्रम के दोनों ही दिन बाल भवन में दोपहर का भोजन भी कराया गया। बच्चों को इस ग्रामीण क्षेत्र में नई-नई गतिविधियों के बारे में जानने का अवसर मिला, जो एक अद्भुत अनुभव था और ये बच्चे भविष्य में एक सफल पेशेवर के रूप में इसे अपनी आजीविका का साधन चुन सकते हैं। कार्यशाला के दौरान बच्चों को भोजन भी कराया गया।

मांडी दिवस

जवाहर भवन, मांडी की स्थापना 3 फरवरी 1972 को हुई थी। यह, अरावली पहाड़ियों की श्रृंखला में स्थित राष्ट्रीय बाल भवन की ग्रामीण इकाई है। वर्षों से मांडी दिवस को विभिन्न कार्यक्रमों के साथ मनाया जाता रहा है।

53वें मांडी दिवस के उपलक्ष्य में कुछ विशेष कार्यक्रम आयोजित किए गए। कार्यक्रम और प्रतियोगिताएँ 29 जनवरी 2025 को शुरू हुई और 15 फरवरी 2025 को भव्य समापन के साथ संपन्न हुई। कार्यक्रम निम्न प्रकार से थे -

- प्रथम दिन (29/01/2025): सदस्य बच्चों और सदस्य विद्यालय के लिए विभिन्न आयु वर्ग में 'हमारा घरौंदा, विकसित भारत, आप जीवन को कैसे देखते हैं' विषय पर चित्रकला प्रतियोगिता आयोजित की गई।
- दूसरे दिन (10/01/2025): सदस्य बच्चों और सदस्य स्कूलों/संस्थानों के लिए 100 मीटर/200 मीटर की दौड़, स्पून रेस, टग ऑफ वार, म्यूजिकल चेयर, वॉलीबॉल टूर्नामेंट और क्रिकेट टूर्नामेंट जैसे खेलों का आयोजन किया गया, जहाँ सदस्य बच्चों सहित विभिन्न स्कूलों/संस्थानों के बच्चों ने विभिन्न समय पर भाग लिया।
- तीसरे और चौथे दिन: (31/01/2025 एवं 01/02/2025): प्रकाशन अनुभाग ने सदस्य बच्चों और सदस्य स्कूली बच्चों के लिए भी लिनों प्रिंटिंग, स्क्रीन प्रिंटिंग, जेल रेट, वेस्ट मैटेरियल से "लैग बंडिंग, कैलोग्राफी पोस्टर और डॉट पेंटिंग जैसे विभिन्न प्रकार के कार्यशालाओं का संचालन किया।
- चौथे दिन (01/02/2025): सदस्य बच्चों और सदस्य स्कूल/संस्थान के बच्चों के लिए कठपुतली प्रदर्शनी तथा जादू प्रदर्शनी का आयोजन किया गया, जिसका बच्चों ने खूब आनंद लिया। बच्चे पारंपरिक स्ट्रिंग कठपुतली प्रदर्शनी, पपेट प्रदर्शनी और जादू प्रदर्शनी का संयोजन देखकर उत्साहित थे। प्रदर्शनी बच्चों से खचाखच भरी हुई थी।

- तीसरे दिन से अंतिम दिन (31 जनवरी से 2 फरवरी) तक मिट्टी की एक विशेष कार्यशाला का आयोजन किया गया था। जिसमें सदस्य बच्चों, सदस्य स्कूलों/संस्थाओं के बच्चों और कर्मचारियों ने विशेषज्ञ के निर्देशन में फूलदान, गुल्लक और बर्तन के विभिन्न रूपों को बनाना सीखा।
- अंतिम दिन (04/02/2025) बहुउद्देशीय हॉल में सांस्कृतिक उत्सव एवं पुरस्कार वितरण समारोह का आयोजन किया गया।

इस अवसर पर राष्ट्रीय भवन के उप-निदेशक (प्रशासन) की उपस्थिति से उत्सव की शोभा में चार चांद लग गए। बाल भवन के बच्चों ने उनका पारंपरिक स्वागत किया और तत्पश्चात् बसंत अवसर पर 'नक्कारा वादन' तथा स्वागत-नृत्य की प्रस्तुति की गई। प्रकाशन अनुभाग के स्टॉल पर बच्चों ने लिनो प्रिंटिंग, कैलीग्राफी, डॉट पेंटिंग के बारे में बताया, जिसमें उन्होंने इन गतिविधियों का लाइव प्रदर्शन भी किया। बसंत के उपलक्ष्य में विशेष सेल्फी कॉर्नर भी बनाया गया था। उप-निदेशक (प्रशासन), राष्ट्रीय बाल भवन एवं अन्य वरिष्ठ अधिकारियों ने रचनात्मक-निर्माण कार्यों की प्रदर्शनी का दौरा किया।

नृत्य (कालबेलिया, कथक, गरबा और भरतनाट्यम), वायलिन और गिटार की जुगलबंदी, पारंपरिक नक्कारा, ऑर्केस्ट्रा और शास्त्रीय गायन तथा सांस्कृतिक कार्यक्रमों की विस्तृत प्रस्तुति की गई। राष्ट्रीय बाल भवन के उप-निदेशक (प्रशासन), ने बच्चों को विभिन्न प्रतियोगिताओं के लिए पुरस्कार प्रदान किये और उन्होंने निदेशक (राष्ट्रीय बाल भवन) का संदेश साझा किया तथा अपने प्रेरक संबोधन से बच्चों और कर्मचारियों का उत्साहवर्धन किया। कार्यक्रम का समापन राष्ट्रगान से हुआ। अंत में, जवाहर बाल भवन, मांडी और राष्ट्रीय बाल भवन के सभी बच्चों ने एवं कर्मचारियों ने दोपहर का भोजन किया।

होली का उत्सव

जवाहर बाल भवन, मांडी सभी प्रमुख त्योहारों, संस्कृति एवं परंपराओं से परिचित कराकर सभी समुदायों के बीच सौहार्द और भाईचारे को बढ़ावा देने में विश्वास रखता है। रंगों का त्यौहार होली के उपलक्ष्य पर बाल भवन के बच्चों और कर्मचारियों ने अपनी भागीदारिता को दर्ज किया। जवाहर बाल भवन, मांडी के बहुउद्देशीय हॉल में छोटे बच्चों और नन्हे-मुन्नों के समूहों ने सुंदर नृत्य प्रस्तुत किया। बच्चों और कर्मचारियों ने फूलों की पंखुड़ियों से इस त्योहार को मनाया और तिलक लगाने के लिए हर्बल गुलाल का प्रयोग किया। सभी बच्चों ने इस त्योहार का खूब आनंद लिया तथा जलपान की व्यवस्था में विशेष रूप से गुजिया का आनंद लिया।

व्यंजन महोत्सव

जवाहर बाल भवन, मांडी में 9 मार्च, 2025 को आयोजित कार्यशाला में लगभग 100 बच्चों ने भाग लिया और इसका आयोजन सफलतापूर्वक किया गया। बच्चों को भारत के विभिन्न राज्यों के व्यंजनों, विशेष रूप से पूर्वोत्तर और दक्षिण भारतीय व्यंजनों से परिचित कराया गया। देश के विभिन्न भागों में विभिन्न प्रकार के अनाजों और छाछ, नींबू-पानी, ठंडाई जैसे पेय-पदार्थों के उपयोग, मौसम के अनुसार भोजन में बदलाव के लाभों पर चर्चा की गई। बाल भवन के माध्यम से बच्चों के लिए दोपहर-भोजन की व्यवस्था की गई।

इसके अतिरिक्त बच्चों को विषय के संबंध में समझाने के लिए भोजन संबंधित अन्य विषयों पर भी चर्चा की गई, प्रश्नोत्तरी और बातचीत सत्र भी आयोजित किए गए।

पोषण दिवस कार्यशाला

जवाहर बाल भवन, मांडी में 16 मार्च, 2025 को सफलतापूर्वक पोषण दिवस कार्यशाला का आयोजन किया, जिसमें लगभग 100 बच्चों ने भाग लिया। जवाहर बाल भवन, मांडी में कार्यशाला के दौरान बच्चों के साथ विषयानुसार निम्नलिखित विषयों चर्चा की गई।

- पोषण सम्बद्ध अपेक्षाओं, शारीरिक विकास, पोषण और प्रतिरक्षा में योगदान देने वाले कारक।
- पोषण संबंधी खाद्य पदार्थ, खाद्य पोषण संबंधी वस्तुएँ।
- पोषक तत्व: कार्बोहाइड्रेट, प्रोटीन, वसा, विटामिन।
- शरीर में भोजन का कार्य, संतुलित आहार, यथा मौसम अनाज का सेवन।
- विभिन्न खाद्य पदार्थों में पोषक तत्वों की पहचान।
- भोजन मसालेदार नहीं होना चाहिए और जरूरत के अनुसार होना चाहिए, जैसे खिलाड़ी, पहलवान, शिकारी आदि द्वारा पौष्टिक आहार का सेवन।
- स्वच्छता का महत्व और स्वास्थ्य एवं दैनिक गतिविधियों पर इसका प्रभाव।
- बाल भवन के माध्यम से बच्चों को दोपहर का भोजन भी उपलब्ध कराया गया। इसके अलावा, भोजन संबंधी विषयों पर प्रश्नोत्तरी और विषय को समझने के लिए संवाद सत्र भी आयोजित किए गए।

अच्छी किताब

पटियाली के रियाजुल समद बिनमोहम्मद ने यूनेस्को वर्ल्ड हेरिटेज यंग प्रोफेशनल्स फोरम 2024 में किया भारत का प्रतिनिधित्व

- हाल ही में, बाल भवन के प्रकाशन अनुभाग के पूर्व सदस्य रियाजुद्दीन समद बिन मोहम्मद ने भारत सरकार के संस्कृति मंत्रालय, एएसआई द्वारा भारत मंडपम में आयोजित 46वें विश्व धरोहर समिति यूनेस्को के सत्र में भाग लिया और भारत को विश्व धरोहर युवा पेशेवर मंच के रूप में पुन: प्रकाशित किया।

  फारम के दौरान, दुनिया भर के 50 युवा विरासत पेशेवर (भारत से 20 और भारत के बाहर से 30 शामिल हुए। इस आयोजन ने हमारी प्राकृतिक और सांस्कृतिक विश्व धरोहरों की सुरक्षा, संरक्षण और संवर्धन में युवा पेशेवरों की विशेषज्ञता, कौशल और क्षमताओं को बढ़ाया। उन्होंने विश्व धरोहर और सतत विकास की वैश्विक अवधारणाओं पर चर्चा की और गहन ज्ञान प्राप्त किया, साथ ही स्थानीय और अंतर्राष्ट्रीय विशेषज्ञों के साथ स्थानीय भारतीय धरोहर और उसके प्रबंधन से परिचित होने का अवसर भी प्राप्त किया।

- राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एनईपी) 2020 में खेल को शिक्षा का एक अभिन्न अंग माना गया है। जवाहर बाल भवन, मांडी, ग्रामीण युवाओं के लिए इस दृष्टिकोण को साकार कर रहा है। इसके लिए, स्कूल के बाद और सप्ताहांत में ग्रामीण बच्चों को नवीन खेल प्रशिक्षण प्रदान किया जा रहा है, जिससे उन्हें खेलों में उत्कृष्टता प्राप्त करने के लिए आवश्यक अतिरिक्त सहायता मिल रही है। इन प्रयासों के परिणाम सामने आ रहे हैं और हाल ही में, जवाहर बाल भवन, मांडी के प्रशिक्षक (शारीरिक शिक्षा) श्री गौरव द्वारा प्रशिक्षित छात्रों ने सीबीएसई जोनल वॉलीबॉल टूर्नामेंट में रजत और स्वर्ण पदक जीतकर असाधारण सफलता प्राप्त की है। तीन छात्रों (मास्टर विरुत और मास्टर आशु) का चयन जिला स्तरीय क्रिकेट टूर्नामेंट के लिए भी हुआ है, जो संतुलित शैक्षिक दृष्टिकोण का प्रतीक है।

- नृत्य के प्रशिक्षक श्री पवन कुमार पटेल, नित्य बच्चों को नृत्य के विभिन्न चरण (जैसे भरतनाट्यम, कथक, लावणी, घरबा, चौरी, भवई, कालबेलिया, तेराताली, भांगड़ा, गिद्दा आदि) बहुत मेहनत और जिम्मेदारी के साथ सिखाते रहे हैं और अब यह मेहनत धीरे-धीरे रंग ला रही है, हाल ही में सुश्री कोमल, स्वयंसेवक ने भरतनाट्यम में जिला स्तरीय नृत्य प्रतियोगिता में भाग लिया और सीबीएसई जिला स्तर पर दूसरा पुरस्कार प्राप्त किया।

दिल्ली राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र में बाल भवन केन्द्र

क्षेत्र	बाल भवन केन्द्रों की संख्या
दक्षिणी दिल्ली	10
पश्चिमी दिल्ली	10
उत्तरी दिल्ली	8
पूर्वी दिल्ली	9
कुल	**37**

बाल केन्द्रों की स्थापना, बाल भवन की गतिविधियों को अधिक से अधिक बच्चों तक विशेष रूप से उपेक्षित तथा साधनविहीन बच्चों तक पहुँचाने के लिए ही की गई है। राष्ट्रीय बाल भवन के अन्तर्गत दिल्ली के चार क्षेत्रों में 37 बाल भवन केन्द्र स्थापित हैं। ये बाल केन्द्र आसपास के क्षेत्र में रहने वाले बच्चों के लिए सृजनात्मक केन्द्र के रूप में कार्य करते हैं जो बच्चों को एक ऐसा मंच प्रदान करते हैं, जहाँ वे दृश्य व प्रदर्शन कलाओं के माध्यम से आत्माभिव्यक्ति का अवसर प्राप्त करते हैं। यहाँ बच्चों को स्वस्थ, खुशहाल व तनाव रहित वातावरण में विभिन्न प्रकार की गतिविधियाँ उपलब्ध होती हैं। इन केन्द्रों का मूलभूत उद्देश्य आर्थिक एवं सामाजिक दृष्टि से वंचित बच्चों के साथ-साथ स्कूली बच्चों की सहायता करना है, जो किसी भी कारणवश मुख्य बाल भवन की सुविधाओं का लाभ नहीं उठा सकते।

बाल भवन केन्द्र दिल्ली के विभिन्न क्षेत्रों में बच्चों को सीखने के विविध प्रकार के अनुभवों से संप्रेषित कराने के साथ-साथ उनके बौद्धिक विकास तथा उनके सौंदर्यबोध को विकसित करने में भी सहायक हैं।

दिल्ली में स्थित बाल केन्द्रों की सूची

दक्षिणी दिल्ली (10)

1. एम.सी. प्राइमरी स्कूल
   सब्जी मण्डी के समीप, के ब्लॉक
   कालकाजी, नई दिल्ली-110019
2. केन्द्रीय विद्यालय
   एन.सी.ई.आर.टी. केम्पस
   कुतुब होटल के सामने
   दिल्ली-110026
3. केन्द्रीय विद्यालय
   आई.आई.टी. गेट, दिल्ली-110030
4. एम.सी. प्राइमरी स्कूल
   हुमायूँपुर गाँव, नई दिल्ली-110029
5. राजा राम मोहन राय
   सर्वोदय कन्या विद्यालय
   हौजरानी गाँव, मालवीय नगर
   नई दिल्ली-110017
6. गर्वमेंट गर्ल्स सीनियर सैकेण्ड्री स्कूल
   मदन पुर खादर, दिल्ली-110076

7. चिल्ड्रन्स होम फोर बॉयस (सी.एच.बी.)
डिपार्टमेंट ऑफ सोशल वेलफेयर
गर्वमेंट ऑफ एन.सी.टी. आफॅ दिल्ली
कस्तूरबा निकेतन कॉम्पलेक्स
लाजपत नगर, नई दिल्ली-110024

8. देव समाज मॉर्डन स्कूल नं. 2
सुखदेव विहार, मसीह गढ़ (समीप
एस्कोर्ट हार्ट अस्पताल) नई दिल्ली-110022

9. सर्वोदया विद्यालय नं. 2
सैक्टर-4, डॉ. अम्बेडकर नगर, दिल्ली-110062

10. विलेज काटेज होम
लाजपत नगर (रिफ्यूजी कालोनी)
कस्तूरबा निकेतन, नई दिल्ली-110024

पश्चिमी दिल्ली (10)

1 सर्वोदय कन्या विद्यालय
समीप डिस्ट्रीक्ट सेंटर, विकास पुरी,
दिल्ली-110018

2 सर्वोदया कन्या विद्यालय
राजौरी गार्डन एक्सटेंशन, नई दिल्ली-110027

3 एम. सी. प्राइमरी स्कूल
प्रभात रोड, रामजस लेन, करोल बाग
नई दिल्ली-110005

4 बालिका गृह
निर्मल छाया कॉम्पलेक्स
बालिका गृह, जेल रोड
हरी नगर, दिल्ली-110064

5 एम. सी. आदर्श स्कूल,
रानी बाग मुल्तानी मौहल्ला, नई दिल्ली

6 एम.सी. प्राइमरी बॉयस मॉर्डन स्कूल
मज़लिस पार्क-2, गली नं. 12,
समीप जल बोर्ड, दिल्ली-110033

7 कॉन्टोनमेंट बोर्ड सैकेण्ड्री स्कूल
वार सेमेन्ट्री रोड, उरी एंक्लेव
बारार सक्वेयर, दिल्ली केन्ट, दिल्ली-110064

8 एम.सी. प्राइमरी स्कूल
आदर्श नगर (समीप, मदर डेयरी,
आदर्श नगर पार्क), दिल्ली-33

9 बाल निकेतन
निर्मल छाया कॉम्पलेक्स
जेल रोड, हरी नगर के पास, दिल्ली।

10 एम. सी. प्राइमरी स्कूल
मेट्रो पिल्लर नं. 224, शादी खामपुर गाँव,
पश्चिमी पटेल नगर, नई दिल्ली-110008

उत्तरी दिल्ली (8)

1 एम.सी. मॉडल स्कूल
सी-7, लारेंस रोड, गुरूद्वारा के समीप
दिल्ली-110035

2 रिचमण्ड ग्लोबल स्कूल
एन.एस.रोहतक रोड, मिंयावाली नगर
इन्द्र एंक्लेव के सामने, पश्चिम विहार
नई दिल्ली-110081

3 बाल सहयोग भवन डिस्पेंसरी
ई-ब्लॉक, नाँगलोई नं. 2
दिल्ली-110041

4 गर्वमेंट को-एजूकेशनल सर्वोदय सैकेण्ड्री स्कूल
सैक्टर-2, रोहिणी, दिल्ली -110085

5 एम. सी. बालिका विद्यालय
बी. टी. ब्लॉक, समीप सिंगल पुर गाँव
पानी की टंकी, शालीमार बाग, दिल्ली।

6 सर्वोदय विद्यालय
रोहिणी सैक्टर-7, नाहरपुर,
दिल्ली-110085

7 नगर निगम उत्कृष्ट विद्यालय
निमड़ी कालोनी, निमड़ी कालोनी
बस स्टाप के पास, दिल्ली।

8 सर्वोदय विद्यालय
जे.जे. कालोनी, वज़ीरपुर
दिल्ली-110052

पूर्वी दिल्ली (9)

1 बाबू राम सीनियर सैकेण्डरी स्कूल
भोला नाथ नगर, गऊशाला के समीप
शाहदरा, दिल्ली-110032

2 सर्वोदय कन्या विद्यालय
डी-ब्लॉक, (समीप आनन्द विहार रेलवे स्टेशन),
आनन्द विहार, दिल्ली-110092

3 एम.सी. प्राइमरी स्कूल
राठी मील के पीछे, बलबीर नगर
शाहदरा, दिल्ली-110032

4 सर्वोदय बाल विद्यालय
पूर्वी विनोद नगर, समीप पॉकेट-सी, मयूर विहार,
फेस-2, बस स्टॉप के पास, दिल्ली-110091

5 शिब्बन मॉर्डन पब्लिक स्कूल
डी-ब्लॉक मेन रोड, बृजपुरी
दिल्ली-110094

6 सर्वोदय गर्वमेंट गर्ल्स सीनियर सैकेण्ड्री स्कूल
विवेक विहार, दिल्ली।

7 एम.सी.डी. प्रोजेक्ट कार्यालय
पुरानी इमारत, ई-ब्लॉक
मेन बस स्टैण्ड के समीप
हनुमान मन्दिर के पीछे, कृष्णा नगर,
दिल्ली-110051

8 सीएचजी (चिल्ड्रन होम फोर गर्ल्स)
संस्कार आश्रम
डिपार्टमेंट ऑफ डब्लूसीडी
गर्वमेंट ऑफ एनसीटी
दिलशाद गार्डन, दिल्ली।

9 सीएचबी (चिल्ड्रन होम फोर बॉयस)
संस्कार आश्रम
डिपार्टमेंट ऑफ डब्लूसीडी
गर्वमेंट ऑफ एनसीटी
दिलशाद गार्डन, दिल्ली।

संबद्ध राज्य बाल भवनों एवं केंद्रों की रिपोर्ट

बाल भवनों से वर्ष पर्यन्त निम्नलिखित कार्यक्रमों की विस्तृत रिपोर्ट :-

अमित बाल भवन, फिरोज़ाबाद (उत्तर प्रदेश)

अमित बाल भवन ने पूरे साल विभिन्न गतिविधियाँ और विशेष कार्यक्रम आयोजित किए। इनमें से कुछ विशेष कार्यक्रमों में एआई (कृत्रिम बुद्धिमत्ता), नारा लेखन, कविता लेखन, एक्सटेम्पोर और पेंटिंग गतिविधि शामिल थीं।

इन कार्यक्रमों के अलावा, बाल भवन में विभिन्न कार्यशालाएँ भी आयोजित की गईं और महत्वपूर्ण दिनों को मनाया गया जैसे कि अंतर्राष्ट्रीय परिवार दिवस, विश्व तंबाकू निषेध दिवस, विश्व पर्यावरण दिवस, अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस, स्वतंत्रता दिवस, शिक्षक दिवस आदि। अन्य गतिविधियों में कागज के खिलौने बनाना, ब्यूटीशियन कार्यशाला, कम्प्यूटर बेसिक्स और टाइपिंग, नैतिक मूल्यों पर सेमिनार, सिरेमिक वर्क क्लास, पहिया और थाली सजावट, आभूषण बनाना, पतंग बनाना आदि शामिल थे।

जिला बाल कल्याण परिषद, बाल भवन, हिसार

आयोजित विभिन्न गतिविधियों में बाल भवन नर्सरी स्कूल में जन्माष्टमी, लोहड़ी, स्वतंत्रता दिवस आदि जैसे त्योहार मनाना, ग्रीष्मकालीन शिविर के दौरान बच्चों के लिए अंग्रेजी बोलना, स्केटिंग, तैराकी आदि जैसे लघु अवधि पाठ्यक्रम शुरू करना, अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर स्टाफ सदस्यों के साथ बच्चों द्वारा योग का अभ्यास, कराटे प्रशिक्षण, बाल दिवस समारोह जिसमें विभिन्न स्कूलों और आयु समूहों के बच्चों के लिए विभिन्न प्रतियोगिताएं आयोजित की गईं, वन महोत्सव समारोह जिसमें फूल और फलों के पौधे वितरित किए गए आदि शामिल थे।

जवाहर बाल भवन, इलाहाबाद

बच्चों को विभिन्न गतिविधियों में शामिल करने और उनकी रचनात्मकता को बढ़ावा देने के लिए पूरे वर्ष विभिन्न गतिविधियाँ, कार्यशालाएँ और शिविर आयोजित किए गए।

- **सर्व धर्म प्रार्थना सभा** - यह सभा मई माह में आयोजित की गई थी, जिसमें इस सभा के एक भाग के रूप में एक भावपूर्ण संगीत कार्यक्रम प्रस्तुत किया गया था।
- **ग्रीष्मकालीन कार्यशाला** - हर साल जवाहर बाल भवन गर्मियों की छुट्टियों के दौरान बच्चों के लिए अलग-अलग गतिविधियों की योजना बनाता है। चालू वर्ष में 22 मई से 28 जून के बीच सूफी संगीत, विभिन्न लोक नृत्य, पारंपरिक लोक चित्रकला, ताइक्वांडो आदि जैसी कार्यशालाएँ आयोजित की गईं।
- **नाटक कार्यशाला** - गोल्डन अवेक ग्रुप के सहयोग से 22 मई से 28 जून के बीच ग्रीष्मकालीन नाटक कार्यशाला के दौरान सीखे गए नैतिक मूल्यों के महत्व को दर्शाने वाला नाटक बच्चों द्वारा खेला गया।

- **ग्रीष्मकालीन कार्यशाला का समापन समारोह** – 29 जून को ग्रीष्मकालीन शिविर गतिविधियों के समापन के रूप में विभिन्न कार्यशालाओं के दौरान सीखे गए विभिन्न सांस्कृतिक प्रदर्शनों के साथ एक प्रदर्शनी और समापन समारोह आयोजित किया गया।
- **पंडित जवाहरलाल नेहरू की जयंती का जश्न** – 14 नवंबर को पंडित जवाहरलाल नेहरू की 135वीं जयंती के उपलक्ष्य में एक सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन किया गया। सांस्कृतिक प्रदर्शनों में शास्त्रीय नृत्य, बैले आदि जैसे विभिन्न नृत्य प्रदर्शन शामिल थे। इस उत्सवी कार्यक्रम में शहर के 15 स्कूलों के लगभग 250 बच्चों ने भाग लिया।
- **शीतकालीन शिविर** – ग्रीष्मकालीन शिविर की तरह ही दिसंबर के मध्य से 11 जनवरी 2025 तक शीतकालीन शिविर का भी आयोजन किया गया, जिसमें बच्चों ने विभिन्न गतिविधियों में भाग लिया और विभिन्न कौशल सीखे। 12 जनवरी को इसका समापन समारोह आयोजित किया गया, जिसमें एक प्रदर्शनी लगाई गई और साथ ही बच्चों ने विभिन्न सांस्कृतिक प्रस्तुतियों के माधयम से अपनी सीख का प्रदर्शन किया।
- **देशभक्ति दिवसों का जश्न** – स्वतंत्रता दिवस और गणतंत्र दिवस के अवसर पर बाल भवन के प्रांगण में धवजारोहण किया गया और बच्चों ने गर्व के साथ कई देशभक्ति गीत गाए और राष्ट्र के प्रति अपने कर्तव्यों पर अपने विचार साझा किए और एक-दूसरे को राष्ट्र निर्माण में योगदान देने के लिए प्रेरित किया।
- **नियमित कार्यक्रम** – बच्चों को प्रेरित रखने और उनकी प्रगति देखने के लिए, बच्चे प्रत्येक महीने के अंत में महीने की अपनी नई सीख प्रस्तुत करते हैं।

रंगप्रभात बाल भवन, तिरुवनंतपुरम

बच्चों के समग्र विकास के लिए, रंगप्रभात बाल भवन ने वर्ष 2024-25 के लिए विविध प्रकार की गतिविधियों का आयोजन किया गया जिनमें निम्न प्रमुख शामिल थे –

- **बाल विकास मेला :** बाल विकास मेला 3 अप्रैल से 18 मई 2024 तक मनाया गया। आयोजित गतिविधियों में थिएटर गेम्स और रचनात्मक नाट्यकला, कहानी सुनाना और कहानी लेखन, नृत्य, संगीत, वाद्ययंत्र और तालवाद्य आदि का प्रशिक्षण शामिल था। समापन समारोह के दौरान, बच्चों ने कार्यशालाओं के दौरान अर्जित कौशल का प्रदर्शन करते हुए नाटक, नृत्य और संगीत कला सहित विभिन्न सांस्कृतिक प्रदर्शनों में अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया।
- **रंगोत्सव- भरत नाट्य कचेरी :** रंगप्रभात बाल भवन के प्रतिभाशाली युवा कलाकारों ने 9 अप्रैल को वेट्टूर महाविष्णु मंदिर में भरत नाट्य कचेरी का मंचन किया, जिसमें मंत्रमुग्ध कर देने वाली प्रस्तुति दी गई, जिसे उपस्थित सभी लोगों ने सराहा।
- **नाटक की प्रस्तुति :** 11 मई को प्रतिष्ठित कवि श्रीधर मेनन की 113वीं जयंती के अवसर पर प्रतिभाशाली बच्चों द्वारा वायलोपिल्ली श्रीधर मेनन की कविता ऊँजलिल, चिंगम और चंगलिप्रवु पर आधारित एक शॉर्ट प्ले का प्रदर्शन किया गया।
- **विश्व पर्यावरण दिवस :** रंगप्रभात बाल भवन में 5 जून को विश्व पर्यावरण दिवस मनाया गया, जिसमें बच्चों ने अपने घरों में विभिन्न प्रकार के वनस्पति पौधे रोपे। इस गतिविधि का उद्देश्य बच्चों को पर्यावरण में सक्रिय योगदान देने के लिए हाथों-हाथ काम करवाना था।
- **पठन दिवस :** 19 जून को पठन दिवस मनाया गया, जिसमें बच्चों द्वारा प्रो. जी. शंकर पिल्लई द्वारा लिखित

नाटक 'गुरुदक्षिणा' का वाचन किया गया तथा पठन दिवस के अवसर पर केरल ग्रंथशाला संघम के संस्थापक श्री पी. एन. पणिक्कर की स्मृति में एक कार्यक्रम का भी आयोजन किया गया।

- **विश्व संगीत दिवस :** 21 जून को विश्व संगीत दिवस मनाया गया, जिसमें अध्यक्ष श्रीमती के. एस. गीता ने 'शुद्ध संगीत' की अवधारणा पर भाषण दिया।
- **अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस :** अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस 21 जून को मनाया गया। शिक्षा मंत्रालय के दिशा-निर्देशों के अनुसार, वर्ष की थीम 'स्वयं और समाज के लिए योग' से संबंधित विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किए गए। योग गुरु श्रीमती चंद्रिका ने समग्र कल्याण और विकास के लिए योग अभ्यास के महत्व पर प्रकाश डाला।
- **ग्रीष्मकालीन ओलंपिक खेलों पर राष्ट्रव्यापी अभियान :** ग्रीष्मकालीन ओलंपिक खेलों के आयोजन को लोकप्रिय बनाने के लिए 28 और 29 जुलाई 2024 को बाल भवन में दो दिवसीय अभियान का आयोजन किया गया, जिसके माध्यम से बच्चों ने ओलंपिक खेलों के महत्व के बारे में अपना ज्ञान बढ़ाया।
- **स्वतंत्रता दिवस :** 78वां स्वतंत्रता दिवस 15 अगस्त को मनाया गया। इस कार्यक्रम के तहत बच्चों ने 13 से 15 अगस्त 2024 तक अपने घरों में भारतीय राष्ट्रीय धवज फहराया और गर्व और एकता व्यक्त करने के लिए तिरंगे के साथ अपनी सेल्फी हरघरतिरंगा वेबसाइट पर अपलोड किया।
- **बाल दिवस :** 14 नवंबर को बाल दिवस समारोह का आयोजन किया गया। इस समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में अष्टपथी स्कूल ऑफ आर्ट्स की निदेशक डॉ. सती देवी और श्री अमृता लाल मौजूद थीं। बच्चों ने अपने खास दिन को मनाने के लिए कई प्रस्तुतियां दीं, जिसमें विभिन्न भाषाओं में देशभक्ति गीत, विभिन्न प्रकार के लोक नृत्य आदि शामिल थे।
- **राष्ट्रीय बाल रंगमंच महोत्सव :** रंगप्रभात बाल भवन के संस्थापक अधयक्ष गुरु के कोचुनारायण पिल्लई की 17वीं वर्षगांठ के अवसर पर 1 अक्टूबर 2024 से 10 अक्टूबर 2024 तक 10 दिवसीय कार्यक्रम के रूप में राष्ट्रीय बाल रंगमंच महोत्सव का आयोजन किया गया।

  कार्यक्रम के एक भाग के रूप में, बच्चों ने सांस्कृतिक विविधता को बढ़ावा देने और हमारे राष्ट्र की भाषाई और कलात्मक समृद्धि को व्यक्त करने वाले भारत की विभिन्न भाषाओं में नाटक प्रस्तुत किए। नाटक गहन और सार्थक संदेशों, नैतिक शिक्षाओं और सांस्कृतिक अंतर्दृष्टि से भरपूर थे।
- **राष्ट्रीय बाल सभा एवं एकीकरण शिविर :** रंगप्रभात बाल भवन के चार बच्चों ने 20 से 23 नवंबर 2024 तक राष्ट्रीय बाल भवन, नई दिल्ली द्वारा आयोजित राष्ट्रीय बाल सभा एवं एकीकरण शिविर में भाग लिया। राष्ट्रीय बाल सभा एवं एकीकरण शिविर एक राष्ट्रव्यापी, वार्षिक कार्यक्रम है, जिसमें देश भर के विभिन्न राज्य बाल भवनों एवं बाल केंद्रों के बच्चे भाग लेते हैं।
- **राष्ट्रीय युवा पर्यावरणविद् सम्मेलन :** औरंगाबाद के गरवारे बाल भवन में 2 दिसंबर से 4 दिसंबर 2024 के बीच आयोजित 30वें राष्ट्रीय युवा पर्यावरणविद् सम्मेलन में तीन बच्चों ने भाग लिया। इस सम्मेलन के माध्यम से बच्चों को वर्तमान पर्यावरण संबंधी चिंताओं से अवगत कराया गया और रचनात्मक गतिविधियों तथा विशेषज्ञों के साथ सत्रों के माध्यम से समाधान विकसित करने का अवसर मिला।

भारत में संबद्ध बाल भवनों एवं बाल भवन केन्द्रों की सूची

पूर्वी क्षेत्र

पश्चिम बंगाल

1. जवाहर शिशु भवन
   94/1, चौरंगी रोड़, कोलकाता-700020 (पश्चिम बंगाल)
   फोन : 2223-1551/6878/6667, ई-मेल : ncm.va.academy@gmail.com

2. जवाहर शिशु भवन
   पोस्ट ऑफिस बालिटीकुरी, जिला हावड़ा-711113 (पश्चिम बंगाल)
   फोन : 033-26532317, ई-मेल : prabal.jsb@gmail.com

ओडिशा

3. राज्य जवाहर बाल भवन
   बाल भवन परिसर, पोखारीपुट मेन रोड़, एन.टी.पी.सी. गेस्ट हाऊस प्लॉट के समीप, भुवनेश्वर-751020 (ओडिशा) फोन : 0674-3269166, मो. नं. 09238320843 ई-मेल : sjbalbhavan@gmail.com

4. जिला जवाहर बाल भवन (ज्योतिर्मयी महिला समिति)
   आर-8, ग्वाल सिंह, पोस्ट ऑफिस ठाकुरपटना, केंद्रपाड़ा-754250 (ओडिशा)
   फोन : 06727-220729 ई-मेल : balbhavan.knd15@gmail.com

5. जिंदल बाल भवन
   जिंदल नगर, अंगुल-759111 (ओडिशा)
   फोन : 9981193726 ई-मेल : opjs@angul.jspl.com

मणिपुर

6. मणिपुर बाल भवन
   सामाजिक अधिकारिता विभाग, निदेशालय परिसर, द्वितीय एम.आर. गेट, इम्फाल-795001
   फोन : 9420458410 ई-मेल : dswospt@gmail.com

झारखण्ड

7. झारखण्ड स्टेट बाल भवन
   सिटीजन फाउंडेशन, 7, बेतार केन्द्र, निवारन पुर, रांची-834002 (झारखण्ड)
   फोन : 651-2482777, 2481777 ई-मेल : mail@citizensfoundation.org

8. आशा–लता बाल भवन (विकलांग विकास केन्द्र)
सैक्टर 5–डी, बोकारो स्टील सिटी–827006, जिला बोकारो (झारखंड)
फोन : 9335327133, 06542–27766 ई–मेल : ashalatakendra@yahoo.co.in

नागालैंड

9 बाल भवन
सामाजिक अधिकारिता विभाग, नागालैंड, कोहिमा–797001
फोन : 0370–2270028 ई–मेल : socialwelfarengl@gmail.com

मिजोरम

10. मिजोरम बाल भवन
महिला एवं बाल विकास कार्यालय तुईखुअह्तलांग–796001 (मिजोरम)
फोन : 0389–231652 ई–मेल : balbhavanmizoram@gmail.com

बिहार

11. किलकारी बिहार बाल भवन
राष्ट्र भाषा परिषद परिसर, सैदपुर, राजेन्द्र नगर, पटना–800004 (बिहार)
फोन : 0612–2661211, 9199018002 ई–मेल : info@kilkaribihar.in

12. यूनिक बाल भवन
यूनिक क्रिएटिव एजुकेशनल सोसाइटी द्वारा चलाया जाता है, स्टेशन रोड़, सिंघीयाघाट
जिला समस्तीपुर–848236 (बिहार) फोन : 06275–244442, ई–मेल : ucesociety@gmail.com

13. मदर टेरेसा बाल भवन
मदर टेरेसा विद्यापीठ, क्लब रोड रामना, मुज़फ्फरपुर, बिहार–842002
फोन : 9973658416, 0749886640, ई–मेल : motherteresabalbhavan@gmail.com

पश्चिमी क्षेत्र

संघ शासित प्रदेश

14. बाल भवन बोर्ड सिलवासा
दूसरा तल, बाल भवन बोर्ड, नई कला केन्द्र बिल्डिंग पोस्ट आफिस के सामने,
पंचायत मार्केट के पास, दादर एवं नगर हवेली संघ क्षेत्र, सिलवासा–396230
फोन : 0260–2642287, 9725055127 ई–मेल : sonimonika72@gmail.com

15. बाल भवन बोर्ड दमन
भारतीय पोस्ट आफिस के पीछे गार्डन फोर्ट एरिया के सामने,
मोती दमन–396220 संघ शासित प्रदेश दमन और दीव
फोन : 0260–2230941, ई–मेल : balbhavandaman@gmail.com

16. बाल भवन बोर्ड लुहारवाडा
जिला पुस्तकालय के पास, लुहारवाडा, दीव-362520 (दमन और दीव)
फोन : 02875-254516, ई-मेल : balbhavandiu@gmail.com

महाराष्ट्र

17. महाराष्ट्र राज्य जवाहर बाल भवन
नेताजी सुभाष मार्ग, चरनी रोड़ (पश्चिम), मुम्बई-400004 (महाराष्ट्र)
फोन : 022-23614189, ई-मेल : jawaharbalbhavan.mumbai@gmail.com

18. सांई बाल भवन
श्री माता निर्मला देवी नृत्या झंकार, प्लॉट नं. 68, सैक्टर-ए, एम.आई.टी. उच्च विद्यालय के पीछे, पुलिस चौकी के पास एन. 4, सिडको, औरंगाबाद-431003 (महाराष्ट्र)
फोन : 0240-2474919, 2339179 ई-मेल : nrityazankar@gmail.com

19. जय हिंद बाल भवन
जय हिंद कॉलोनी, देवपुर, धुले-424002 (महाराष्ट्र)
फोन : 02562-226036, 09422354268 ई-मेल : jaihindbalbhawan@gmail.com

20. गरवारे बाल भवन
एन-7, बी-1, सिडको, छत्रपति संभाजी नगर, औरंगाबाद-431003 (महाराष्ट्र)
फोन : 0240-2994793, 2472234 ई-मेल : gcccidco@gmail.com

21. ताराबाई संगरपवार बाल भवन
परांजपे स्कूल, 221/बी, बजाज नगर, नागपुर-440010 (महाराष्ट्र)
फोन : 0712-2243127 ई-मेल : bmsanstha@gmail.com

22. सांई बाल भवन, धुले
58, नंदवन हाउसिंग सोसाइटी, साई बाबा मंगल के पास, नाकाने रोड, देवपुर धुले-424002 (महाराष्ट्र)
फोन : 9960836186

गुजरात

23. बाल भवन चिल्ड्रन ड्रीम लैंड्स
नेहरू उद्यान रेस कोर्स, राजकोट-360001 (गुजरात)
फोन : 0281-2440930, ई-मेल : balbhavanrajkot@gmail.com

24. बाल भवन सोसाइटी
सायाजी बाग के पीछ, करेलिबौग, वड़ोदरा-390018 (गुजरात)
फोन : 0265-2792718-2795937, ई-मेल : balbhavanbrd@gmail.com

25. कुसम बहन अदानी बाल भवन
सरोथ क्षयनिवारण समिति, अक्षयगढ़-362229, तहसील केशोड, जिला जूनागढ, (गुजरात)
फोन : 02871-236390, 09426136894, 08980000157
ई-मेल : balbhavanaxaygadh@gmail.com

26. रूपायतन बाल भवन
गिरी टेलेटी, भवनाथ, जूनागढ़- 362004 (गुजरात)
फोन : 9879200786, 0285-2627573, ई-मेल : hemantdnanavady@gmail.com

27. श्री वी. एन. सोलंकी (मोगर) बाल भवन
सैक्टर-28, बी/एच दत्त मंदिर, गाँधीनगर-382028 (गुजरात)
फोन : 079-2310477, 9909011297 ई-मेल : bashreevnsolanki@gmail.com

28. लालचंद भाई वोरा बाल भवन
द्वारा बाल केलावनी मंदिर, बागासरा, जिला अमरेली (गुजरात)-365440
फोन : 0796-222479, ई-मेल : vvmst@rediffmail.com

29. श्री महात्मा गाँधी बाल भवन
(श्री स्वामीनारायण गुरूकुल कैम्पस) छाया मेन रोड़, पो.ओ.-छाया, जिला पोरबंदर-360578 (गुजरात)
फोन : 0286-2243790, ई-मेल : swamijipbr@gmail.com

30. श्री एन. के. सोलंकी (मोगर) बाल भवन
समीप ओवरब्रिज, आश्रम रोड, जिला नादियाड-387001 (गुजरात)
फोन : 0268-2568851 ई-मेल : shreenksolanki@gmail.com

31. बाल भवन, अमरेली
श्री गिरधरभाई बाल संग्रहालय परिसर, रामजी मन्दिर के सामने, पुस्तकालय चौक, अमरेली-365601 (गुजरात) फोन : 02792-222118, 09377914333 ई-मेल : amrelisciencecentre@yahoo.co.in

32. सरदार पटेल बाल भवन
मिल रोड, आरटीओ के सामने, नादियाड, जिला खेडा-387001 (गुजरात)
फोन : 0268-2566196 ई-मेल : bharat92004@yahoo.com

33. पार्थ एक्टविटीज बाल भवन
अनेरी महिला विकास मंडल, प्लाट नं. 2225/बी, 'पूजा पार्क', अक्षरवाड़ी मंदिर के सामने वाघावाडी रोड़, भावनगर-364002 (गुजरात) फोन : 078-2470523
ई-मेल : privij64mehta@gmail.com

34. शिशु विहार बाल भवन
प्लॉट नं. 507, कृष्णा नगर, भावनगर-364001 (गुजरात)
फोन : 0278-2512850, ई-मेल : shishuviharbhavnagar@gmail.com

35. श्री स्वामीनारायण बाल भवन
धर्मपुर, मालनपाडा, बस स्टॉप के सामने, तलुक धर्मपुर, जिला-वलसाड-396050 (गुजरात)
फोन : 02633-240107, 9913458525, ई-मेल : gandhinagargurukul@gmail.com

गोवा

36. बाल भवन बोर्ड, पणजी
परेड ग्राउंड के सामने, केंपेल, पणजी-403001, (गोवा)
फोन : 0832-2226823 ई-मेल : goabalbhavan@yahoo.in

राजस्थान

37. बाल भवन शिक्षा समिति, जयपुर
ए-18, दशरथ मार्ग, हनुमान नगर एक्सटेंशन, सिरसी रोड, जयपुर-302021 (राजस्थान)
फोन : 0141-2359917, ई-मेल : balbhavanjaipur@gmail.com

38. वीना मेमोरियल बाल भवन
वीना मेमोरियल एस.एस.ई.ई.डब्ल्यू.ए. सोसायटी, वीना मार्ग, गुलाब बाग, करौली-322241 (राजस्थान)
फोन : 07464-220281, 221999 ई-मेल : vmsseewa@yahoo.com

उत्तरी क्षेत्र

संघशासित

39. बाल भवन चंडीगढ़
द्वारा भारतीय बाल कल्याण परिषद, यू.टी. ब्रांच, सैक्टर 23-बी, चंडीगढ़-160023
फोन : 0172-2704573/2721858, 9779357180 ई-मेल : iccwchandigarh@gmail.com

हरियाणा

40. बाल भवन हिसार
बाल कल्याण जिला परिषद, बाल भवन हिसार, एच.ए.यू. गेट नं. 1 के पास
द्वारा हरियाणा राज्य बाल कल्याण परिषद, डिस्ट्रिक्ट ब्रांच, हिसार-125001 हरियाणा
फोन : 01662-237027 ई-मेल : dccw.hisar@gmail.com

41. बाल भवन कुरूक्षेत्र
द्वारा बाल कल्याण जिला परिषद, सैक्टर 13, अर्बन स्टेट, कुरूक्षेत्र-136118 (हरियाणा)
फोन : 01744-222340 ई-मेल : dccwkurukshetra@gmail.com

42. बाल भवन रोहतक
द्वारा हरियाणा राज्य बाल कल्याण परिषद, जिला ब्रांच, रोहतक-124001 (हरियाणा)
फोन : 01262-253819, ई-मेल : dcworohtak@gmail.com

43. सलवान बाल भवन
सलवान पब्लिक स्कूल, सैक्टर-15 (भाग-II), गुड़गांव-122001 (हरियाणा)
फोन : 9811285244 ई-मेल : admin@salwangurgaon.com

44. पठानिया बाल भवन
पठानिया पब्लिक स्कूल, 8 के.एम. स्टोन, गोहाना रोड, रोहतक-124001 हरियाणा
मो. 09254377414, 09254350348, ई-मेल : patanshul@gmail.com

45. बाल भवन, फरीदाबाद
द्वारा हरियाणा राज्य बाल कल्याण परिषद, जिला शाखा, एन.आई.टी. बस स्टैंड के पास
फरीदाबाद-121001 (हरियाणा), फोन : 1290-2418215

46. बाल भवन, सिरसा
द्वारा हरियाणा राज्य बाल कल्याण परिषद बरनाला रोड, सिरसा-125055 (हरियाणा)
फोन : 01666-222602 ई-मेल : dccwsirsa1976@gmail.com

47. बाल भवन, भिवानी
द्वारा जिला बाल कल्याण परिषद, भिवानी-127021 (हरियाणा)
फोन : 01664-242426 ई-मेल : dewobhiwani@gmail.com

48. बाल भवन, अम्बाला
जिला बाल कल्याण परिषद बाल भवन, अग्रसेन चौक के पास, अम्बाला सिटी-134003 (हरियाणा)
फोन : 8360637600 ई-मेल : dcwcambala@gmail.com

पंजाब

49. बाल भवन, पंजाब
(सदाराम बंसल मैमोरियल सीनियर सैकेंडरी स्कूल) बंसल एवन्यू, जैतू रोड़, कोटकपूरा-151204 (पंजाब)
फोन : 01635-221186, 223486 ई-मेल : srbmkkp@gmail.com

जम्मू व कश्मीर

50. जम्मू बाल भवन जम्मू व कश्मीर
87-पंजीतिरथी, जम्मू-180001 (जम्मू व कश्मीर)
फोन : 9419195900, ई-मेल : razdansushil@yahoo.co.in

51. शांति निकेतन बाल भवन
गार्डन एवेन्यू, लेन नं 1, गेस्ट हाऊस रोड़, डाकघर विनायक बाजार, जम्मू तवी-180016(जम्मू व कश्मीर)
फोन : 0191-2553726 ई-मेल : listenrenu@yahoo.com

52. कश्मीर बाल भवन (गुलबान-ए-कश्मीर)
अन्तर्गत मजलीसन-निसा जम्मू व कश्मीर सौपोर, मौलाना यासीन कॉम्पलैक्स,
सरकारी आईटीआई के सामने, सौपोर, कश्मीर-193201
फोन नं. 01954-223507, 09419039827 ई-मेल : meerasmahalmuseum@gmail.com

उत्तराखण्ड

53. आर्च बाल भवन
एमडीडीए डुप्लेक्स विला 3, सहस्त्रधारा रोड, देहरादून, उत्तराखंड-248001
फोन : 9412054216 ई-मेल : arch.birdcount@gmail.com

54. बाल भवन गोपेश्वर
पी.जी. कॉलेज रोड़, गोपेश्वर, जिला चमोली-246401 (उत्तराखंड)
फोन : 01372-252381, 253300 ई-मेल : vinodrawatnd@gmail.com

हिमाचल प्रदेश

55. आधारशिला बाल भवन
आधारशिला पब्लिक स्कूल, उप्पर पन्नर रोड, भावर्ना, पालमपुर, जिला कांगड़ा-176083 (हिमाचल प्रदेश)
फोन : 09218606017, निवास : 09218506018 ई-मेल : kherrk@hotmail.com

56. आवर ओन बाल भवन
शाहपुर, जिला कांगड़ा-176206 (हिमाचल प्रदेश)
फोन : 01892-239002, 238112 ई-मेल : awasthi35@yahoo.com

दक्षिणी क्षेत्र-1

आंध्र प्रदेश

57. जिला बाल भवन
द्वारा कलैक्टोरेट बिल्डिंग, ग्रामसपेट, कलैक्टोरेट ऑफिस कम्पाउण्ड, जिला चित्तूर-517002 आंधप्रदेश
फोन : 9440290051, ई-मेल : distbalabhavan@gmail.com

58. जिला बाल भवन
107, आर एण्ड बी बिल्डिंग, सरोजिनी देवी रोड, समीप रंजना पार्क, तिरूपति, जिला चित्तूर-517501 (आंध्र प्रदेश) ई-मेल : dbbtpt@gmail.com, subbu.chinnakotla@gmail.com

59. नेल्लोर बाल भवन - बाल भवन एवं राज्य बाल भवन
120, द्वारका टावरस, टेकेमिट्टा, नेल्लोर-524003 (आंध्र प्रदेश)
फोन : 9848627158, 0861-2325659, ई-मेल : subhadra.govindaraju@gmail.com

60. बाल भवन श्रीहरिकोटा
द्वारा स्पेस केन्द्रीय स्कूल, आई.एस.आर.ओ., डिपार्टमेंट ऑफ स्पेस, श्रीहरिकोटा-524124 (आंध्र प्रदेश), फोन : 08623-225123, ई-मेल : sradha@shar.gov.in

61. बाल भवन
द्वारा रेलवे वारी लेन आंध्र एकेडमी ऑफ आर्टस, कृष्णा हॉटल सैन्टर के समीप, विजयवाड़ा, जिला कृष्णा-520015 (आंध्र प्रदेश) फोन : 09989361436

62. चा-चा बाल भवन
एसबीआई के सामने, मेन रोड, राजम, जिला श्रीकाकुलम-532127 (आंध्र प्रदेश)
फोन : 9912949492, ई-मेल : drsunkariramesh@gmail.com

63. वी.सी.एस.पी. बाल भवन
(विशाखा चाइल्ड स्पोनसरशिप प्रोग्राम) # 53-17-50/7, टीएफ-402,
आटोमेटिव मेडिलापालेम के पीछे, विशाखापटनम-530013, (आंध्र प्रदेश)
फोन : 8522990123, 9866300171 ई-मेल : kvramana1935@yahoo.com

तेलंगाना

64. जिला बाल भवन
तिलक रोड, फायर स्टेशन के सामने, निज़ामाबाद-503001 (तेलंगाना)
फोन : 08462-225503, 9948095698, ई-मेल : saiprabhu11@gmail.com

65. जिला बाल भवन
क्वार्टर नं. ए/285, हिल कालोनी, जिला नालगौंडा, नागार्जुन सागर-508202 (तेलंगाना)
फोन : 08680-276622 ई-मेल : balupalabindala@gmail.com

66. जिला बाल भवन
द्वारा जवाहर लाल नेहरू स्टेडियम, बस स्टैन्ड के पास, जिला हनमकोंडा, वारंगल-506001 (तेलंगाना)
फोन : 09912500516 ई-मेल : jhansi.bb.wgl@gmail.com

67. जिला बाल भवन गड़वाल (ओल्ड सिटी बाल भवन), जोगुलाम्बा गड़वाल-509125 (तेलंगाना)
फोन : 9666853335 ई-मेल : bodashankarmridangist@gmail.com

68. जिला बाल भवन, खम्मम
म.नं. 10-2-105/1, आई.एम.ए. बिल्डिंग के सामने, ममिलागुडम, खम्मम-507002 (तेलंगाना)
फोन : 08742-247000, 9866934173

69. जवाहर बाल भवन
शिक्षा विभाग, पब्लिक गार्डन्स, हैदराबाद-500004 (तेलंगाना)
फोन : 9177619304 ई-मेल : director_jbbts@yahoo.com

कर्नाटक

70. बाल भवन सोसाइटी, कब्बन पार्क
डिपार्टमेंट ऑफ वुमन एण्ड चाइल्ड डवलपमेंट, बैंगलूरू-560001 (कर्नाटक)
फोन : 080-22864189, 9945490000 ई-मेल : secybalbhavan.bng@gmail.com

71. अनुभूति बाल भवन
192, ब्लॉक 4, 12-ए मेन रोड, कोरमंगला लेआउट, बेंगलौर-560034 (कर्नाटक)
फोन : 080-25581238/37 ई-मेल : manjularaman@gmail.com

72. नतानम बाल नाट्य केन्द्र
प्रथम क्रास, चेनल एरिया, राजेन्द्र नगर, शिमोगा-577201 (कर्नाटक)
फोन : 08182-223402 ई-मेल : manjuk821@gmail.com

73. माउंटेन व्यू बाल भवन
माउंटेन व्यू स्कूल कैम्पस, विद्या नगर, चिकमंगलूर-577101 (कर्नाटक)
फोन : 08262-223140/222228, 9611967222 ई-मेल : mvi_school@yahoo.co.in

74. बाल भवन सागर
न. 67/2 वृद्धाहाली रोड, सागर-577401 (कर्नाटक)
फोन : 08183-236228 ई-मेल : rpssagara@gmail.com

75. विद्या बाल भवन
रेलवे स्टेशन बनवारा के सामने, आरसिकेरे-तालुक, जिला हसन-573112 (कर्नाटक)
फोन : 01874-235018, 9448610448, 7026418709 ई-मेल : kgnataraj1970@gmail.com

76. जिला जवाहर बाल भवन
बन्नीमनताप, मैसूर-570015 (कर्नाटक)
फोन : 0821-2495486, 09060300196, 9448914794 ई-मेल : ddwcdmysore@gmail.com

दक्षिणी क्षेत्र - II

केरल

77. जवाहर बाल भवन, त्रिचूर-680020 (केरल)
फोन : 0487-2332909 ई-मेल : balbhavanthrissur@gmail.com

78. जवाहर बाल भवन
शास्त्री जंक्शन, कोल्लम-691001 (केरल)
फोन : 0474-2744365, 2760646, 9446353792 ई-मेल : balbhavanklm@gmail.com

79. जवाहर बाल भवन
बाल भवन रोड, पैलेस वार्ड, अल्पुजहा-688011 (केरल)
फोन : 0477-2260622, 2264254 ई-मेल : jawaharbalbhavanalappy@gmail.com

80. केरल राज्य जवाहर बाल भवन
कनककुन्नु, विकास भवन पोस्ट ऑफिस, तिरुवनंतपुरम-695033 (केरल)
फोन : 0471-2316477, 8590774386 ई-मेल : jawaharbalbhavan@gmail.com

81. रंग प्रभात बाल भवन
अलुम्तरा, वेंन्जारामुडु पोस्ट ऑफिस, तिरुवनंतपुरम-695607 (केरल)
फोन : 0472-2872344, 9447554190, ई-मेल : rangaprabhath@gmail.com

82. सुहरूथ बाल भवन
सुरूथ नाटक कालारी, स्वराज गेट, विथुरा-695551 (केरल)
फोन : 04722-858688, ई-मेल : natakagramam@gmail.com

83. श्री सत्य सांई बाल भवन
(श्री सत्य सांई अनाथालय ट्रस्ट), 9/1108, अजित बिल्डिंग सस्थामंगलम, तिरूवनंतपुरम-695010 केरल
फोन : 0471-2721422, 2115161, ई-मेल : saigramam@gmail.com

तमिलनाडु

84. जवाहर बाल भवन
कला और संस्कृति विभाग
तमिल वलारची वलगाम, दूसरा तल, हॉलस रोड, एग्मोर चेन्नई-600008 (तमिलनाडु)
फोन : 044-28193157 ई-मेल : artandculture@tn.gov.in

85. जवाहर बाल भवन
सिंगरम पिल्लै प्राइमरी स्कूल, विल्लीवक, पैरियार नगर, चेन्नई-600008 (तमिलनाडु)
फोन : 044-28192152 मो. 9444461186 ई-मेल : artandculture@tn.gov.in

86. जवाहर बाल भवन
विषडम मैट्रिकुलेशन स्कूल, 45-46, वेदामुथु गली, कृष्णमूर्ति नगर, व्यासरपाडी, चेन्नई-600118
(तमिलनाडु) फोन : 044-28192152 मो. 9444461186 ई-मेल : artandculture@tn.gov.in

87. जवाहर बाल भवन
जिला संगीत विद्यालय, नं. 73-ए, मीतू स्ट्रीट, कांचीपुरम-631502, जिला-तमिलनाडु
फोन : 044-23624238 मो. 944133105, ई-मेल : artandculture@tn.gov.in

88. जवाहर बाल भवन
जिला संगीत विद्यालय, तिरूमति लक्ष्मी लोगकनाथन, मैट्रीकुलेशन हायर सैकेण्ड्री स्कूल, #65 धर्माराजा कोइल स्ट्रीट, आरकोट, जिला वेलोर-632503 (तमिलनाडु)
फोन : 04172-235899 मो. 9994291129, ई-मेल : artandculture@tn.gov.in

89. जवाहर बाल भवन
जिला सरकारी संगीत स्कूल, 16, पवाला कुन्द्रू, माडालायाम, तिरूवनमलय-606601(तमिलनाडु)
फोन : 9786298609, ई-मेल : artandculture@tn.gov.in

90. जवाहर बाल भवन, सेलम
सरकारी संगीत स्कूल कैम्पस, श्रद्धा कॉलेज मेन रोड, कैनरा बैंक के सामने पोस्ट-सेलम-630016 (तमिलनाडु) फोन : 0427-2443594, 2330021, 9443109337 ई-मेल : artandculture@tn.gov.in

91. जवाहर बाल भवन
राथिनासभापति पर्यावरणीय कैंपस, 117-ए, डॉ. सान सलैई
एल.आई.सी. के पीछे, नामक्कल-637001 (तमिलनाडु)
फोन : 0427-2442197, 9443224921 ई-मेल : artandculture@tn.gov.in

92. जवाहर बाल भवन
जिला सरकारी संगीत स्कूल, 67, डॉक्टर ले आउट, समीप क्लब लेन, सम्पत नगर, ईरोड-620011, (तमिलनाडु), फोन : 9443532934 ई-मेल : artandculture@tn.gov.in

93. जवाहर बाल भवन
सरकारी उच्चत्तर माध्यमिक स्कूल कैम्पस, उथगामंडलम, (तमिलनाडु)
ई-मेल : artandculture@tn.gov.in

94. जवाहर बाल भवन पुड्डूकोट्टई
आर्ट एवं कल्चर सेन्टर, 22/13 स्मद स्कूल स्ट्रीट, काज़ा नगर, थिरूचिरापल्ली-620020 (तमिलनाडु)
फोन : 0431-2423122, 09443153122, ई-मेल : artandculture@tn.gov.in

95. जवाहर बाल भवन, करूर
आर्ट एवं कल्चर सेन्टर, नाईट सोइल रोड मूलाथोप्पू, श्रीरेनगम, थिरूचिरापल्ली-620006 (तमिलनाडु)
फोन : 9443153122 ई-मेल : artandculture@tn.gov.in

96. जवाहर बाल भवन
तंजावुर, रजियोनल असिस्टेंट कल्चर, क्षेत्रीय आर्ट सकंल्चर सैंटर नं. 5, मणी महलाई स्ट्रीट, मुथमैल नगर, मैडिकल कॉलेज रोड, तंजावुर-613009 (तमिलनाडु)
फोन : 04362-30121 ई-मेल : artandculture@tn.gov.in

97. जवाहर बाल भवन
राज्य सरकारी संगीत स्कूल कैंपस, कार्पोरेशन प्ले ग्राउंड, विल्लूपुरम्-605602 (तमिलनाडु)
फोन : 9629036923 ई-मेल : artandculture@tn.gov.in

98. जवाहर बाल भवन
जिला सरकारी संगीत विद्यालय कैम्पस-2, पुडुपलायम रोड, थंजावुर, पुडु थेरू, कडलूर-607001 (तमिलनाडु) ई-मेल : artandculture@tn.gov.in

99. बाल भवन
आर्ट एवं कल्चर सैंटर 16/157, अलागार कोविल सलाई, मदुरै-625009(तमिलनाडु)
फोन : 0452-22661795, 09842761765 ई-मेल : artandculture@tn.gov.in

100. जवाहर बाल भवन
जिला सरकारी संगीत विद्यालय, नं. 84, सत्यमूर्ति स्ट्रीट, शिवगंगा-630561
फोन : 9597726333 ई-मेल : artandculture@tn.gov.in

101. जवाहर बाल भवन
क्षेत्रिय आर्ट एण्ड कल्चर सेंटर, सरकारी संगीत कॉलेज कैम्पस, पशुमलैई, मधुरई, अली नागाराम, थेनी-625531(तमिलनाडु), फोन : 9789000657 ई-मेल : artandculture@tngovt.in

102. जवाहर बाल भवन, तिरूनलवेल्ली
क्षेत्रीय आर्ट एवं कल्चर सैंटर, तमिलनाडु, देव कल्चर सैंटर बिल्डिंग, 820/8, ट्रैक्टर स्ट्रीट, एन.जी.ओ. 'ए' कॉलोनी, तिरूनलवेल्ली-627007(तमिलनाडु)
फोन : 0462-2553890 ई-मेल : artandculture@tn.gov.in

103. जवाहर बाल भवन
जिला सरकारी संगीत स्कूल, 2/3सी, गणेश नगर पश्चिम, 4th स्ट्रीट, थिरूचन्दूर सलाई, तूतीकोरिन-628008(तमिलनाडु) फोन : 9487048658 ई-मेल : artandculture@tn.gov.in

104. जवाहर बाल भवन
एसएलबी राजकीय कन्या उच्चतर माध्यमिक विद्यालय, नागरकोईल, जिला कन्याकुमारी (तमिलनाडु)
फोन : 9842649466 ई-मेल : artandculture@tn.gov.in

संघशासित क्षेत्र

105. जवाहर बाल भवन
नं. 1, मरियामलाई, अदिगल सलाई, पुराने बस स्टैंड के पास, पुडूचेरी-605001
फोन : 0413-2225751 ई-मेल : jbbpondy@gmail.com

मध्य क्षेत्र

उत्तर प्रदेश

106. बाल भवन
16/99-ए, फूल बाग, कानपुर-208009 (उत्तर प्रदेश)
फोन : 0512-2313129, ई-मेल : balbhawan3129@gmail.com

107. जवाहर बाल भवन
जवाहर लाल नेहरू मेमोरियल फंड, आनंद भवन, प्रयागराज-211002 (उत्तर प्रदेश)
फोन : 0532-2467078, ई-मेल : jbballdjnmf@gmail.com

108. बाल भवन
एनएच-2, क्वाटर नं. डी-215, एनटीपीसी कॉलोनी, रिहंद नगर, जिला-सोनभद्र-231223 (उत्तर प्रदेश)
फोन : 0532-6248280 ई-मेल : hkjain@ntpc.co.in

109. बाल भवन
ऊर्जा विहार, एन.टी.पी.सी., डाकघर-ऊँचाहार, जिला रायबरेली-229406 (उत्तर प्रदेश)
फोन : 05314-62329, 62047, 09871094763 ई-मेल : balbhawanunchahar@gmail.com

110. पंडित कन्हैया लाल पुंज बाल भवन
सीतामणि, संत रविदास नगर, जिला भदौही-221309 (उत्तर प्रदेश)
फोन : 05414-236762, 536539, ई-मेल : balbhavansitamarhi@rediffmail.com

111. अमित बाल भवन
439, इन्द्रा कॉलोनी, स्ट्रीस नं. 4, रायपुर रोड़, फिरोज़ाबाद-283203 (उत्तर प्रदेश)
फोन : 9837208441 ई-मेल : dr.amit0190@gmail.com

112. बाल भवन
एनटीपीसी पोस्ट ऑफिस, दादरी विद्युत नगर, जिला-गौतमबुद्ध नगर, नोएडा-201008 (उत्तर प्रदेश)
फोन : 0120-2805846, 9717385288 ई-मेल : balbhavandadri@gmail.com

113. बाल भवन अमरोहा
नवादा ग्रामोद्योग विकास समिति, मोहल्ला बागला, अमरोहा, जे.पी. नगर-244221 (उत्तर प्रदेश)
फोन : 05922-259665, 7906871495 ई-मेल : kingshabih@gmail.com

114. यूनिटी चिल्ड्रन एकेडमी बाल भवन केन्द्र
बराही रोड़, सोसाइटी सराय सदाक के नजदीक, टाऊन एवं पोस्ट सिरसी, जिला संभल-244301 (उत्तर प्रदेश) फोन : 09411431912, 9760036522 ई-मेल : kingshabih@gmail.com

115. शिव शारीरिक शिक्षा एजुकेशन पर्यावरण सोसाइटी (स्पीडस)
460, समीप गायत्री मंदिर, आंतिया तलाब, झांसी-284001 (उत्तर प्रदेश)
फोन : 9889259229, 9453878628 ई-मेल : speedjhansi@gmail.com

मध्य प्रदेश

116. संभागीय बाल भवन
(महिला एवं बाल विकास विभाग), 129, मयूर मार्किट, ग्वालियर-474011 (मध्य प्रदेश)
फोन : 9425121695 ई-मेल : balbhawangwalior129@gmail.com

117. इंदौर बाल भवन
महिला एवं बाल विकास विभाग, 29/3, ओल्ड पलासिया, इंदौर-452001(मध्य प्रदेश)
फोन : 0731-2566331 ई-मेल : balbhavanind@gmail.com

118. संभागीय बाल भवन
727/ए, कमला नेहरू नगर, वार्ड अग्रवाल कालोनी, जैन मन्दिर के पास, जबलपुर-482002 (मध्य प्रदेश) फोन : 9424369245, ई-मेल : balbhavanjbp@gmail.com

119. बाल भवन सागर
केशरवानी कालेज, लोहियापुल, गरहा फाटक, मध्य प्रदेश सरकार-482001 (मध्य प्रदेश)
फोन : 07582-230221, 09425096898 ई-मेल : divbalbhavansagar@gmail.com

120. जवाहर बाल भवन
तुलसी नगर, भोपाल-462003 (मध्य प्रदेश)
फोन : 0755-2558059, ई-मेल : balbhavan3@gmail.com

121. अभिनव बाल भवन
केयर ऑफ कैरियर वेलफेयर सोसायटी, 239, पुतलीघर कॉलोनी
शाहजहांनाबाद, भोपाल-462001 (मध्य प्रदेश)
फोन : 9826090513, 7000526948 ई-मेल : abhinavbb.123@gmail.com

122. बाल भवन उज्जैन
वुमन एण्ड चाइल्ड डवलपमेंट सेक्शन मध्य प्रदेश सरकार, रिमांड होम के समीप,
मालनवासा, उज्जैन-456664 (मध्य प्रदेश)
फोन : 0734-2524513, 9424591472 ई-मेल : balbhawanujn@mail.com

123. बाल भवन
पुराना कर्मचारी कार्यालय, होटल सफारी के सामने, अमहिया, रीवा-486001 (मध्य प्रदेश)
फोन : 07662-254379, 9425824150 ई-मेल : balbhavan@gmail.com

124. बाल भवन छिंदवारा
गुलमोहर कालोनी, पोस्ट-तामिया, जिला छिंदवाड़ा-480557 मध्य प्रदेश
फोन : 9425833648 ई-मेल : dineshrai6777@gmail.com

छत्तीसगढ़

125. जिंदल बाल भवन
जिंदल स्टील एवं पावर लिमिटेड, पोस्ट बाक्स नं. 16, खर्सिया रोड़ रायगढ़-496001 (छत्तीसगढ़)
फोन : 07762-227001, 9303451988 ई-मेल : raigarh@jspl.com

126. ओ.पी. जिंदल बाल भवन
केअर ऑफ जिंदल पावर लिमिटेड, वीपीओ, तामनार, रायगढ़-496107 (छत्तीसगढ़)
फोन : 9329438428 ई-मेल : vineet@jindalpower.com

127. जवाहर बाल भवन एनटीपीसी
पोस्ट उज्जवल नगर, सिपत, बिलासपुर-495555 (छत्तीसगढ़)
फोन : 9425281080 ई-मेल : abinashpathak@ntpc.co.in

राज्य स्तरीय बाल भवन केन्द्र

1. आदिवासी बाल भवन खानवेल
   बाल भवन बोर्ड, सामने सर्किट हाउस, दादरा और नगर हवेली केन्द्रशासित प्रदेश, सिलवासा-396230
   फोन नं.: 0260-2642287, 2642700/2230700, ई-मेल : sonimonika72@gmail.com

2. आदिवासी बाल भवन दपाद्दा
   बाल भवन बोर्ड, सामने सर्किट हाउस, दादरा और नगर हवेली केन्द्रशासित प्रदेश, सिलवासा-396230
   फोन नं.: 0260-2642287, 2642700/2230700, ई-मेल : sonimonika72@gmail.com

3. उन्नायन बाल केन्द्र
   मेजा रोड, प्रयागराज-212303(उत्तर प्रदेश), फोन नं.: 9415635383, 9621313320,
   9415266619, 9918974324, ई-मेल : haushalap21@gmail.com

4. गिरिवासी वनवासी बाल केन्द्र
   गिरिवासी वनवासी सेवा प्रकल्पा, एकलव्य नगर, घोरावाल-231210 (उत्तर प्रदेश)
   फोन नं.: 81279448480, ई-मेल : hksinghkeota@gmail.com

5. परमसुख आदिवासी बाल केन्द्र
   धौखर, कोराउन, प्रयागराज-212306 (उत्तर प्रदेश)
   फोन नं.: 9415606887, ई-मेल : rajam8247@gmail.com

6. बाल भवन शिक्षा समिति, जयपुर
   ए-18, दशरथ मार्ग, हनुमान नगर, जयपुर-302021 (राजस्थान)
   फोन नं.: 0141-2359917, ई-मेल : balbhavanjaipur@gmail.com

7. बाजलता बाल केन्द्र
   तहसील सम्भा, जिला जम्मू, रंगपुरा बाल केन्द्र, शान्ति निकेतन बाल भवन गार्डन ऐवन्यू, लेन नं 1 पोस्ट विनायक बाजार, जम्मू-180016 (जम्मू और कश्मीर) फोन नं.: 9419195900

8. रंगपुर बाल केन्द्र
   मुलानिया तहसील आर.एस. पुरा, जिला जम्मू-181102 (जम्मू और कश्मीर)
   फोन : 0919-2553726, ई-मेल : sushilksmotra@gmail.com

9. चुराचांदपुर बाल केन्द्र
   द्वारा रेंजकोई सरकारी सीनियर स्कूल, रेंजकोई चुराचांदपुर, मणिपुर फोन : 9436681975, 9863151559
   ई-मेल : ningthoujambinod@yahoo.in

10. सेनापति बाल केन्द्र
द्वारा ब्राईट अकादमी स्कूल, सेनापति बाजार, मणिपुर-795106 फोन : 8787306370, 9420458410
ई-मेल : dswospt@gmail.com

11. भारती बाल केन्द्र
गाँव और पोस्ट ऑफिस बाटी, मथुरा-281004 (उत्तर प्रदेश)
फोन नं.: 9412626588, 9457028252, ई-मेल : bhartimitra1816@rediffmail.com

12. भारतीय जन कल्याण शिक्षा समिति
एफ-2, कावेरी रॉयल अपार्टमेंट, स्वर्ण जयंती नगर, ए.डी.ए. कॉलोनी, रामबाग रोड,
अलीगढ़-202001 (उत्तर प्रदेश)

13. प्रारंभ कला अकादमी
सोलिटेअर टॉवर, बी-विंग, 503-504, मनपाडा, घोडबंदर रोड, थाणे (पश्चिम)-400610, महाराष्ट्र
फोन नं.: 9920771241, 9821108156, ई-मेल: arundhati801@yahoo.co.in

31.03.2025 को राष्ट्रीय बाल भवन कार्मिकों की सूची

ग्रुप क

1. श्रीमती मुक्ता अग्रवाल, निदेशक, शिक्षा मंत्रालय
   (अतिरिक्त प्रभार निदेशक, रा.बा.भ.)
2. श्रीमती इंद्राणी चौधूरी, उप निदेशक (कार्यक्रम समन्वयक एवं अनुसंधान) **(सेवानिवृत्त 30.09.2024)**
3. श्री मुकेश गुप्ता, उप निदेशक (प्रशासन)

ग्रुप ख

4. श्री चन्द्रमणि, प्रभारी अधिकारी (प्रदर्शन कला)

ग्रुप ग

5. श्री दिनेश कुमार, अनुभाग अधिकारी
6. श्री राजेश कुमार चतुर्वेदी, सहायक लेखा अधिकारी
7. श्री अकबर अली मलिक, सुरक्षा अधिकारी-सह-केयरटेकर
8. श्रीमती गुरदीप कौर, काय लिय सहायक **(सेवानिवृत्त 31.08.2024)**
9. श्री जगदीश कुमार कोली, प्रबंधक (प्रकाशन)
10. श्री ऋषभ अरोड़ा, वरिष्ठ प्रशिक्षक (कम्प्यूटर) **(सेवानिवृत्त 31.01.2025)**
11. श्री मनोज कुमार मिश्रा, वरिष्ठ प्रशिक्षक (रेडियो एवं इलैक्ट्रॉनिक)
12. श्री राजीव कुमार, कनिष्ठ प्रशिक्षक (मिले-जुले क्रियाकलाप)
13. श्रीमती नेहा वत्स, सहायक प्रबन्धक (प्रदर्शन कला)
14. श्री काशी नाथ, कनिष्ठ प्रशिक्षक (मॉडलिंग)
15. श्री अमित सिंह, कनिष्ठ प्रशिक्षक (डार्क रूम)
16. मो. अनिरूल इस्लाम, कनिष्ठ प्रशिक्षक (चित्रकला)
17. श्री नीरज कुमार, कनिष्ठ प्रशिक्षक (शारीरिक शिक्षा)
18. श्री वासुदेव, कनिष्ठ कलाकार
19. श्रीमती स्मृति कपूर, कनिष्ठ कलाकार (संग्रहालय)
20. श्री चमन लाल, कार्यालय सहायक
21. श्री विनोद सिंह बिष्ट, कार्यालय सहायक
22. श्रीमती सीमा चौहान माथुर, उ.श्रे. लिपिक
23. श्री जगदम्बा प्रसाद, उ.श्रे. लिपिक **(09.12.2024 को निधन)**
24. श्रीमती माया रानी, उ.श्रे. लिपिक
25. श्री चिरंजी लाल, उ.श्रे. लिपिक
26. श्री गोपाल राम आर्य, नि.श्रे. लिपिक

27. श्री सुधीर कुमार, नि.श्रे. लिपिक
28. श्रीमती अनीता राय, कनिष्ठ आशुलिपिक (हिन्दी)
29. सुश्री अमृता साव, हिन्दी अनुवादक
30. श्री मदन लाल मेहता, इलैक्ट्रीशियन
31. श्री अरविंद कुमार चौहान, स्टेज टेक्नीशियन सह इलैक्ट्रीशियन
32. श्री मनोज कुमार वर्मा, कनिष्ठ इलैक्ट्रीशियन
33. श्री बृज कुमार, चालक **(स्वैच्छिक रूप से सेवानिवृत्त 31.10.2024)**
34. सुश्री नीता, वरिष्ठ पुस्तकालयाध्यक्ष सह प्रशिक्षक **(अन्य कार्यालय में प्रतिनियुक्ति पर)**
35. श्रीमती प्रतिज्ञा, कनिष्ठ पुस्तकालयाध्यक्ष सह प्रशिक्षक
36. सुश्री निधी सरयाल, वरिष्ठ अनुसंधान सहायक (संग्रहालय)

एम.टी.एस.

37. श्री साहब सिंह मीना
38. श्री जय राम
39. श्रीमती गीता देवी **(सेवानिवृत्त 30.09.2024)**
40. श्री जगदीश चन्द्र
41. श्री जसवंत सिंह सैनी **(सेवानिवृत्त 31.01.2025)**
42. श्री गोविंद सिंह बिष्ट
43. श्री नेत्र सिंह बिष्ट
44. श्री राम दीन
45. श्री राम विनोद सिंह **(सेवानिवृत्त 31.01.2025)**
46. श्री तारकेश्वर गोंड
47. श्री मोहन सिंह सैनी
48. श्री लायक सिंह **(सेवानिवृत्त 30.06.2024)**
49. श्री राम दुलारे **(सेवानिवृत्त 31.05.2024)**
50. श्री महादेव
51. श्री मोहन लाल
52. श्री धनपाल सिंह
53. श्री जय चंद
54. श्री हरेन्दर सिंह
55. श्री दुर्गा प्रसाद
56. श्री महिन्द्र सिंह
57. श्री उमेश कुमार
58. श्री होरी लाल
59. श्री नितिन **(अनिवार्य सेवानिवृत्त 15.05.2024)**
60. श्रीमती अनुराधा
61. श्री बाबू लाल मीना

भाग ख

वार्षिक लेखा

2024-25

राष्ट्रीय बाल भवन
NATIONAL BAL BHAVAN

SINGH CHHABRA & CO.
CHARTERED ACCOUNTANTS

संदर्भ : एससीसीओ / 2024–25 / एनबीबी / 01 19 जून, 2025

सेवा में,

श्री मुकेश गुप्ता,
उप निदेशक (प्रशासन),
राष्ट्रीय बाल भवन,
कोटला रोड, नई दिल्ली–110002

विषय : राष्ट्रीय बाल भवन, कोटला रोड के 31.03.2025 वर्ष समाप्ति के लिए लेखा कार्य एवं वित्तीय विवरण तैयार करना।

महोदय / महोदया,

आपके पत्र संख्या 6(16)NBB/Accts/CA/2024-25/1087 दिनांक 06-09-2024 उपरोक्त विषय 'लेखांकन कार्यभार' के संबंध में यह सूचित किया जाता है कि राष्ट्रीय बाल भवन द्वारा उक्त कार्यभार (असाइनमेंट) को लेखा विभाग के स्पष्टीकरण के अनुसार पूरा कर लिया गया है और संबंधित वर्ग और अनुसूची के साथ तुलनपत्र, आय और व्यय, प्राप्तियां तथा भुगतान खाता को तैयार किया गया है और इसे उचित कार्रवाई के लिए साझा किया जाता है।

इसके अतिरिक्त इसकी पुष्टि की जाती है कि उपर्युक्त उल्लिखित खाता लेखा बहियों के अनुरूप है।

आशा है कि उपरोक्त आपको विवरण क्रमानुसार प्राप्त हो गया है।

हम आपको अपनी सर्वोत्तम सेवा हेतु आश्वासन देते हैं।

भवदीय
कृते सिंह चाबड़ा एण्ड कं.
चार्टर्ड अकाउन्टेन्ट,

SINGH CHHABRA & CO. New Delhi Chartered Accountants

सीए. हरीश कुमार छाबड़ा
पार्टनर
एम नं. 500104

Delhi Office: 305, V 4 Tower, Plot No. 14, Karkardooma Community Centre, Delhi 110092. • Tel: +91(11) 43632550
Dehradun Office : 1, Turner Road, Clement Town, Dehradun 248002
Email: mail@scco.co.in Website : www.singhchhabra.com

31 मार्च 2025 को तुलनपत्र

राशि रुपयों में

निधि के स्रोत	अनुसूची	2024-25	2023-24
समग्र/पूंजी निधि	1	83,68,34,927	(87,68,05,846)
निर्धारित/निश्चित की गई/इंडोमेंट निधि	2		-
ऋण देयता			-
वर्तमान देयताएं एवं उपबन्ध	3	1,04,24,50,598	1,06,08,25,378
कुल		**20,56,15,671**	**18,40,19,532**
पूंजी अनुप्रयोग			
अचल परिसंपत्तियां	**4/4क**	**9,87,99,254**	**10,06,97,905**
मूर्त परिसंपत्तियां		9,87,92,498	10,06,78,527
अमूर्त परिसंपत्तियां		6,756	19,378
पूंजीगत चल रहे कार्य			
निश्चित/इंडोमेंट निधि से निवेश	**5**		-
दीर्घ अवधि			
लघु अवधि			
अन्य निवेश	**6**	2,01,96,362	1,89,97,832
वर्तमान परिसंपत्तियां	**7**	4,69,71,980	4,79,58,713
ऋण/अग्रिम एवं जमा	**8**	3,96,48,076	1,63,65,082
कुल		**20,56,15,671**	**18,40,19,532**

तैयार किया गया	सहायक लेखा अधिकारी	उप-निदेशक(प्रशा.)	निदेशक

31 मार्च 2025 को समाप्त हुए वर्ष के लिए आय तथा व्यय खाता

राशि रुपयों में

विवरण	अनुसूची	2024-25	2023-24
आय			
शैक्षिक प्राप्तियां	9	62,04,552	66,92,347
अनुदान/सब्सिडी	10	22,55,03,686	19,94,33,971
निवेश से आय	11	13,54,713	12,34,403
अर्जित ब्याज	12	5,59,683	5,42,537
अन्य आय	13	49,35,250	62,04,575
गत अवधि की आय	14	–	2,001
कुल (क)		**23,85,57,884**	**21,41,09,834**
व्यय			
कर्मचारी वेतन एवं हितलाभ (स्थापना व्यय)	15	6,78,52,266	9,15,75,219
सेवानिवृत्ति लाभ	15क	6,37,64,568	5,56,98,976
अनुदान एवं उपदान आदि पर व्यय	10	–	–
शैक्षिक व्यय	16	2,26,13,337	1,59,86,890
प्रशासनिक एवं सामान्य व्यय	17	6,06,46,195	3,29,40,929
परिवहन व्यय	18	–	–
मरम्मत एवं अनुरक्षण	19	36,54,040	48,30,268
वित्त लागत	20	34,201	36,442
मूल्य ह्रास	4/4क	66,72,203	66,42,928
अन्य व्यय	21	–	–
गत अवधि के व्यय	22	–	28,09,929
कुल (ख)		**22,52,36,809**	**21,05,21,581**
व्यय पर आय की अधिकता के कारण शेष		**1,33,21,075**	**35,88,253**

तैयार किया गया	सहायक लेखा अधिकारी	उप-निदेशक (प्रशा.)	निदेशक

31 मार्च 2025 को समाप्त हुए वर्ष के लिए प्राप्ति तथा अदायगी खाता

राशि रुपयों में

प्राप्तियां	2024-25	2023-24	अदायगियां	2024-25	2023-24
I. आरंभिक शेष			**I. व्यय**		
क. नकद शेष (एच.क्यू.)	–	–	क. स्थापना व्यय	1,75,82,278	1,77,55,567
ख. बचत खाता (एच.क्यू.)	4,53,09,221	6,03,71,974	ख. वेतन एवं भत्ते	6,25,66,374	6,64,57,575
II. प्राप्त अनुदान – भारत सरकार द्वारा			ग. सेवानिवृत्ति लाभ	7,82,59,197	6,28,24,583
क) ~~शिक्षा मंत्रालय~~ द्वारा	–	–	घ. शैक्षिक व्यय	2,25,67,158	1,59,25,737
– पूंजीगत व्यय के लिए	2,66,50,000	90,00,000	ड. प्रशासनिक व्यय	3,41,34,719	3,04,91,197
– राजस्व व्यय के लिए	21,66,50,000	18,14,43,000	च. परिवहन व्यय	–	–
III. शैक्षिक प्राप्तियां	92,49,496	9,584,051	छ. मरम्मत एवं रखरखाव	37,26,742	48,30,268
पूर्व अवधि की आय	–	2,001	ज. पूर्व अवधि के व्यय	–	–
IV. विविध देनदार	–	–	झ. वित्तीय लागत	21,590	25,706
V. स्थाई परिसंपत्तियों की बिक्री	–	–	ञ. अन्य व्यय	12,611	11,571
VI. अन्य निधियों में निवेश से आय	–	–	**II. प्रायोजित परियोजनाओं/योजनाओं के प्रति भुगतान – राज्यों को सहायता**	–	–
VII. निम्न लिखित पर प्राप्त ब्याज			**III. स्थायी परिसंपत्तियों एवं प्रगतिरत पूंजीगत कार्यों पर व्यय**		
क. बैंक जमा पर	23,014	–			
			क. स्थाई परिसंपत्तियाँ (अनुसूची 4)	2,67,28,144	95,41,967
ख. ऋण तथा अग्रिम पर	–	11,000	**IV. संविधिक भुगतान सहित अन्य भुगतान**		
ग. बचत बैंक खाते पर	14,51,223	11,84,652			
			सप्लायर/ लेनदारों को भुगतान	–	–
VIII. अन्य आय	14,97,225	11,87,929	शुल्क एवं कर	3,76,340	3,38,900
IX. विगत अवधि आय	–	–	देय सामान्य व्यय	47,92,091	41,64,474
X. अन्य प्राप्तियां – देय	–	–	देय वेतन व्यय	45,87,553	49,47,342
भारतीय जीवन बीमा निगम (जी ई आई)	–	–	**V. अन्य भुगतान**		
आयकर की वापसी	1,23,440	85,660	अन्य आय	–	–
टीडीएस पर ब्याज	3,700	3,000	एमएचआरडी को ब्याज	4,92,831	6,77,429
वसूली योग्य राशि/	11,00,00,000	8,09,83,578	जीपीएफ को देय राशि	–	–
मुख्य आई आर से देय राशि			वसूली योग्य/मुख्य आई आर से देय राशि	11,00,00,000	8,09,83,578
पुस्तकालय प्रतिभूति जमा	–	100			
			एम.एच.आर.डी. को अनुदान वापसी	–	12,57,362
XI. चालू देयताएं			**VI. जमा एवं अग्रिम**		
प्रतिभूति जमा	2,46,520	1,83,103	अग्रिम/ओबीए	–	54,135
कार्य निष्पादन प्रत्याभूति	–	–		15,00,000	
आपूर्तिकर्ताओ/लेनदारों से भुगतान	–	–	प्रतिभूति जमा	2,30,397	1,87,000
			बैंड प्रतियोगिता	–	16,282
			वायु सेना	–	–
			कला उत्सव	–	49560
XII. जमा एवं अग्रिम			परीक्षा पे चर्चा	–	29,200
				2,302	
अस्थाई जमा	3,00,00,000	–		3,00,00,000	
अग्रिम की वसूली	–	1,000	**VII. पूंजीगत व्यय हेतू अग्रिम**	–	–
बीएसईएस से प्राप्त राशि	28,950	25,883			
राज्यों को सहारा	1,32,004	4,05,414			
ओबीए चालू खाता	1,47,390	–			
बैंड प्रतियोगिता एवं परीक्षा पे चर्चा	14,05,100	13,56,750			
कला उत्सव	–	49,560	**VIII. अंतिम शेष**		
वायु सेना	–	–	क. नकद शेष (एच.क्यू.)	–	–
उल्लास मेला	7,29,400	–	ख. बचत खाते में (एच.क्यू.)	46,06,6357	4,53,09,221
कुल	**44,36,46,683**	**34,58,78,654**	**कुल**	**44,36,46,683**	**34,58,78,654**

सीमा
तैयार किया गया

राजेश चतुर्वेदी
सहायक लेखा अधिकारी

मुन्ना गुप्ता
उप-निदेशक (प्रशा.)

निदेशक

अनुसूची-1 – समग्र/पूंजीगत निधि

राशि रुपयों में

विवरण	2024-25	2023-24
वर्ष के आरंभ में पूंजीगत निधि शेष :	24,02,09,521	23,06,67,554
जोडें : वित्तीय वर्ष 2019-20 और 2020-21 में आवर्ती व्यय में गलती से ली गई राशि का प्रारंभिक शेष में समायोजन	–	–
वर्ष का समायोजित आरंभिक खाता शेष	24,02,09,521	23,06,67,554
जोड़ें : समग्र/पूंजीगत निधि में अंशदान	–	–
जोड़ें : पूंजी व्यय हेतु प्रयुक्त सीमा तक भारत सरकार की ओर से अनुदान	2,66,49,844	89,99,996
जोड़ें : वर्ष के दौरान अनुदान के अलावा क्रय की गई परिसंपत्तियां	78,300	5,41,971
जोड़ें : प्रायोजित परियोजनाओं से क्रय की गई परिसंपत्तियां जिस पर संस्था का स्वामित्व है	–	–
जोड़ें : दान स्वरूप प्राप्त परिसंपत्तियां/उपहार	–	–
घटायें : लेखा परीक्षा आपत्ति के अनुसार समायोजन	–	–
जोड़ें : निश्चित निधियों से परिसंपत्तियां	–	–
घटायें : पुस्तकालय की पुस्तकें बट्टे खाते में डालना	–	–
वर्ष के अंत में पूंजीगत निधि शेष : (क)	**26,69,37,665**	**24,02,09,521**
वर्ष के आरंभ में राजस्व निधि शेष :	**(1,11,70,15,367)**	**(1,12,00,61,649)**
घटायें : लेखापरीक्षा के आपत्ति के अनुसार समायोजन	–	–
जोड़ें : आय तथा व्यय खाते से अंतरित व्यय पर आय की अधिकता	1,32,42,775	30,46,282
(घटायें) आय तथा व्यय खाते से अंतरित घाटा	–	–
वर्ष के अंत में राजस्व निधि शेष : (ख)	**(1,10,37,72,592)**	**(1,11,70,15,367)**
कुल क + ख	**(83,68,34,927)**	**(87,68,05,846)**

अनुसूची-2 – निर्धारित/निश्चित/एंडोमेंट निधि

राशि रुपयों में

विवरण	2024-25	2023-24
क		
क. आरंभिक खाता शेष	–	–
ख. वर्ष के दौरान परिवर्धन	–	–
ग. निधि से किये गये निवेश से आय	–	–
घ. निवेश/अग्रिम पर प्रोदभूत ब्याज	–	–
ड़. बैक बचत खाते पर ब्याज	–	–
च. अन्य परिवर्धन (श्रेणी निर्दिष्ट करें)	–	–
(रुपये 10,000/- का दान विविध रसीद अनुसूची-13 में जोड़ा गया है।)-	–	–
(महिला एवं बाल विकास के रुपये 2,40,835/- की निधि को वर्तमान देनदारियों अनुसूची सं. 3 के अंतर्गत लिया गया है।)	–	–
कुल (क)	–	–
ख.		
निधियों का निर्धारित उद्देश्य हेतु प्रयोग/व्यय		
i. पूंजीगत व्यय	–	–
ii. राजस्व व्यय	–	–
कुल (ख)	–	–
वर्ष के अंत में अंतिम शेष (क - ख)	–	–
प्रस्तुत की गई	–	–
नकद तथा बैंक शेष निवेश ब्याज अर्जित हुआ लेकिन देय नहीं	–	–
कुल	–	–

अनुसूची-3 – वर्तमान देयताएं एवं उपबन्ध

राशि रुपयों में

विवरण	2024-25	2023-24
क. वर्तमान देयताएं		
1. कर्मचारियों से जमा	–	–
2. विद्यार्थियों से जमा	–	–
3. विविध लेनदार	68,93,876	66,96,403
क. आर.ओ. से	–	–
ख. अन्य	58,62,617	56,81,265
4. जमा-अन्य (ई.एम.डी., प्रतिभूति जमा सहित)	10,31,259	10,15,138
5. सांविधिक देयताएं (जी.पी.एफ., टी.डी.एस., डब्लयू.सी. टैक्स, सी.पी.एफ, जी.आई.एस., एन.पी.एस.)	**10,93,132**	**13,63,054**
क. अतिदेय	–	–
ख. अन्य	10,93,132	13,63,054
6. अन्य वर्तमान देयताएं	**1,62,92,292**	**2,00,99,994**
क. वेतन	34,77,580	35,99,859
ख. प्रायोजित परियोजनाओं के प्रति प्राप्तियां	–	–
ग. प्रायोजित फेलोशिप और छात्रवृत्तियों के प्रति प्राप्तियां	–	–
घ. अप्रयुक्त अनुदान	1,637	88,55,167
ड. अग्रिम अनुदान	–	–
च. अन्य निधियां	–	–
छ. अन्य देयताएं	1,27,50,979	75,87,823
ज. एनबीबी मेन को देय राशि	62,096	57,146
कुल (क)	**2,42,79,300**	**2,81,59,451**
ख. उपबन्ध		
1. कराधान के लिए	–	–
2. उपदान	4,35,23,322	5,63,94,309
3. अधिवर्षिता पेंशन	94,45,94,839	94,20,87,719
4. संचयित छुट्टी नकदीकरण	3,00,53,137	3,41,83,899
5. ट्रेड वारंटियां/दावे	–	–
6. व्यय हेतु प्रावधान	–	–
कुल (ख)	**1,01,81,71,298**	**1,03,26,65,927**
कुल (क + ख)	**1,04,24,50,598**	**1,06,08,25,378**

अनुसूची-4 – मूल्यह्रास की सूची

	निवल मूल्य				मूल्यह्रास				शुद्ध ब्लॉक	
राष्ट्रीय बाल भवन+ उपहार मदें	**01.04.24 की स्थिति**	**वर्ष के दौरान परिवर्धन**	**कटौती**	**31.03.25 की स्थिति**	**31.03.24 तक संचित ह्रास**	**चालू वर्ष के लिए ह्रास**	**कटौतियाँ/ समायोजन**	**31.03.25 को संचित ह्रास**	**31.03.25 की स्थिति**	**31.03.24 की स्थिति**
भूमि एवं भवन	10,19,29,210	–	–	10,19,29,210	5,75,67,933	20,38,584	–	5,96,06,517	4,23,22,693	4,43,61,277
ट्यूबवैल	11,75,684	1,84,300	–	13,59,984	6,02,997	27,201	–	6,30,198	7,29,786	5,72,687
विद्युतीय संस्थापन	4,60,02,410	6,65,431	–	4,66,67,841	1,60,99,805	20,78,318	–	1,81,78,122	2,84,89,719	2,99,02,605
संयंत्र एवं मशीनरी	13,06,455	2,75,918	–	15,82,373	5,74,172	58,861	–	6,33,033	9,49,340	7,32,283
वैज्ञानिक उपकरण	16,91,026	–	–	16,91,026	12,00,917	50,935	–	12,51,852	4,39,174	4,90,109
कार्यालय उपकरण	69,54,381	30,883	–	69,85,264	44,23,365	3,56,087	–	47,79,452	22,05,812	25,31,016
दृश्य एवं श्रृव्य उपकरण	87,03,255	1,58,750	–	88,62,005	63,24,862	3,67,734	–	66,92,596	21,69,409	23,78,393
वाहन	2,77,643	–	–	2,77,643	2,76,241	350	–	2,76,591	1,052	1,402
पुस्तकें	10,82,549	–		10,82,549	10,25,859	9,394	–	10,35,253	47,296	56,690
फर्नीचर और फिक्सचर	1,83,45,880	13,25,959	–	1,96,71,839	1,60,20,432	3,54,314	–	1,63,74,746	32,97,093	23,25,448
कम्प्यूटर	1,15,13,881	63,202	–	1,15,77,083	1,05,43,883	4,28,969	–	1,09,72,852	6,04,231	9,69,998
विविध	1,05,55,151	12,45,029	–	1,18,00,180	84,40,807	1,81,134	–	86,21,941	31,78,239	21,14,344
लघु मूल्य की परिसंपत्तियाँ	12,18,358	1,05,467	–	13,23,825	12,18,358	1,05,467	–	13,23,825	–	–
कुल	**2,10,755,882**	**40,54,939**		**21,48,10,821**	**12,43,19,630**	**60,57,347**	–	**13,03,76,977**	**8,44,33,846**	**8,64,36,252**
जवाहर बाल भवन										
भवन, जवाहर बाल भवन	1,31,25,225	–	–	1,31,25,225	22,68,154	2,62,505	–	25,30,659	1,05,94,567	1,08,57,072
विद्युतीय उपकरण	17,72,204	–	–	17,72,204	6,03,670	86,891	–	6,90,561	10,81,643	11,68,534
ट्यूबबेल	2,64,833	1,37,840	–	4,02,673	1,18,439	8,054	–	1,26,493	2,76,180	1,46,394
संयंत्र एवं मशीनरी	1,48,837	2,33,727	–	3,82,564	94,548	15,226	–	1,09,774	2,72,790	54,289
कार्यालयी उपकरण	3,21,659	–	–	3,21,659	1,06,490	20,441	–	1,26,931	1,94,728	2,15,169
दृश्य एवं श्रृव्य उपकरण	17,15,506	–	–	17,15,506	3,97,443	1,16,300	–	5,13,743	12,01,763	13,18,063
फर्नीचर एवं फिक्सचर	8,41,958	3,36,653	–	11,78,611	3,99,734	78,042	–	4,77,776	7,00,834	4,42,223
वाहन – जवाहर बाल भवन	2,309	–	–	2,309	2,308	–	–	2,308	2	2
पुस्तकें – जवाहर बाल भवन	1,128	–	–	1,128	1,127	–	–	1,127	1	1
कम्प्यूटर	4,92,025	–	–	4,92,025	4,86,955	1,681	–	4,88,636	3,389	5,070
विविध	55,850	–	–	55,850	20,393	2,702	–	23,095	32,755	35,457
लघु मूल्य की परिसंपत्तियाँ	38,857	–	–	38,857	38,857	–	–	38,857	–	–
कुल (जवाहर बाल भवन)	**1,87,80,391**	**7,08,220**	–	**1,94,88,611**	**45,38,118**	**5,91,842**	–	**51,29,960**	**1,43,58,651**	**1,42,42,273**

अनुसूची-4 क

अमूर्त परिसंपत्तियाँ	**01.04.2024 को निवल ब्लॉक**	**वर्ष के दौरान परिवर्धन**	**कटौती**	**31.03.2025 को**	**31.03.2024 तक ह्रास**	**चालू वर्ष के लिए ह्रास**	**कटौतियाँ/ समायोजन**	**कुल ह्रास 31.03.2025 तक**	**31.03.2025 को शुद्ध ब्लॉक**	**31.03.2024 को शुद्ध ब्लॉक**
एण्टी वायरस और साफ्टवेयर	3,82,515	10,392	–	392907	363137	23,014	–	3,86,151	6,756	19,378
कुल	**22,99,18,788**	**47,73,551**	–	**234692339**	**129220885**	**66,72,203**	–	**13,58,93,088**	**9,87,99,254**	**10,06,97,903**

अनुसूची-5 – निश्चित/एंडोमेंट निधियों से निवेश

राशि रुपयों में

विवरण	2024-25	2023-24
1. केन्द्रीय सरकार प्रतिभूतियों में	–	–
2. राज्य सरकार प्रतिभूतियों में	–	–
3. अन्य अनुमोदित प्रतिभूतियां	–	–
4. शेयर	–	–
5. डिबेंचर और बंधपत्र	–	–
6. बैंकों में सावधि जमा	–	–
7. अन्य (निर्दिष्ट करें)	–	–
कुल	–	–

अनुसूची-6 – अन्य निवेश

राशि रुपयों में

विवरण	2024-25	2023-24
1. केन्द्रीय सरकार प्रतिभूतियों में	–	–
2. राज्य सरकार प्रतिभूतियों में	–	–
3. अन्य अनुमोदित प्रतिभूतियां	–	–
4. शेयर	–	–
5. डिबेंचर और बंधपत्र	–	–
6. अन्य (निर्दिष्ट करें)	–	–
(i) एफ.डी.आर. सामान्य	2,01,96,362	1,89,97,832
(ii) एफ.डी.आर. प्रतिभूति जमा	–	–
कुल	**2,01,96,362**	**1,89,97,832**

अनुसूची-7 – वर्तमान परिसंपत्तियां

राशि रुपयों में

विवरण	2024-25	2023-24
1. स्टॉक	–	–
क. स्टोर्स तथा स्पेयर सामान	–	–
ख. खुले उपकरण	–	–
ग. प्रकाशन	–	–
घ. प्रयोगशाला के रसायन, उपभोज्य पदार्थ तथा शीशे का सामान	–	–
ड. भवन निर्माण सामग्री	–	–
च. विद्युत संबंधी सामान	–	–
छ. लेखन सामग्री	–	–
ज. जलापूर्ति सामग्री	–	–
2. विविध देनदार	**3,71,575**	**3,71,575**
क. छः माह से अधिक अवधि के बकाया ऋण	3,71,575	3,71,575
ख. अन्य	–	–
3. अन्य वर्तमान परिसम्पत्तियाँ	**3,78,600**	**21,34,500**
उपार्जित ब्याज	–	–
बैण्ड प्रतियोगिता एवं परीक्षा पे चर्चा	–	7,58,100
परीक्षा पे चर्चा	3,78,600	6,47,000
ध्रुव	–	–
उल्लास मेला	–	7,29,400
4. टी.डी.एस.	**1,55,448**	**1,43,417**
शुल्क और कर	1	1
टी.डी.एस. परिसंपत्तियाँ	1,55,447	1,43,416
5. नकद तथा बैंक शेष	–	–
क. नकद शेष (एच.क्यू.)	–	–
ख. नकद शेष (आर.ओ.)	–	–
क. अनुसूचित बैंकों में	**4,60,66,357**	**4,53,09,219**
बचत खातों में	4,60,66,357	4,53,09,219
सावधि जमा खातों में	–	–
बचत खातों में	–	–
क. अनुसूचित बैंकों में (गैर योजना)		
बचत खातों पर मुख्यालय के साथ	–	–
बचत खातों पर क्षेत्रीय कार्यालयों के साथ	–	–
आई.सी.आई.सी.आई. बैंक प्रक्रमण शुल्क पर	–	–
आई.सी.आई.सी.आई. बैंक सीमैट मुख्यालय पर	–	–
आई.सी.आई.सी.आई. बैंक प्रतिभूति जमा मुख्यालय पर	–	–
स्टेट बैंक ऑफ इण्डिया सीमैट मुख्यालय पर	–	–
आई.सी.आई.सी.आई. बैंक एन.वी.ई.क्यू.एफ. लेखा पर	–	–
ख. अनुसूचित बैंकों के साथ (योजना)		
बचत खातों पर मुख्यालय के साथ	–	–
बचत खातों पर क्षेत्रीय कार्यालयों के साथ	–	–
कुल	**4,69,71,980**	**4,79,58,713**

अनुसूची-8 – ऋण, अग्रिम एवं जमा

राशि रुपयों में

विवरण	2024-25	2023-24
1. कर्मचारियों को अग्रिम : (बिना ब्याज सहित)		
क. विविध अग्रिम	–	–
ख. त्यौहार	–	–
ग. चिकित्सा अग्रिम	–	–
घ. अग्रदाय अग्रिम	–	–
ड. अन्य (कम्प्यूटर)	–	–
च. एल.टी.सी. अग्रिम	–	–
2. कर्मचारियों को दीर्घ अवधि अग्रिम (ब्याज सहित)	–	**740**
क. वाहन ऋण	–	–
ख. आवास ऋण	–	–
ग. अन्य (कम्प्यूटर)	–	740
3. अग्रिम तथा नकद अथवा अन्य प्रकार से वसूली योग्य अन्य राशियां	**3,95,97,987**	**1,63,16,867**
क. पूंजी खाते पर		
i सी.पी.डब्लयू डी. को अग्रिम	3,22,45,326	1,02,90,733
ख. आपूर्तिकर्ताओं को	–	–
i डी.टी.सी. को अग्रिम	–	–
ii राज्यों को सहायता	31,96,510	18,28,514
iii बीएसईएस से प्राप्य राशि	28,950	25,883
iv केंद्रीय भंडार को अग्रिम	–	–
ग. अन्य पक्ष	–	–
घ. ओ. बी. ए. अग्रिम	40,63,330	41,12,816
ड. सीजीएचएस को अग्रिम	–	–
च. अन्य	1,775	1,775
छ. रा.बा.भ. के मुख्य/आई आर से प्राप्य/देय राशि	62,096	57,146
4. पूर्वदत्त व्यय	**3,114**	**500**
क. बीमा	–	–
ख. अन्य व्यय	–	–
5. जमा	**46,975**	**46,975**
क. टेलीफोन	–	–
ख. लीज़/किराया	–	–
ग. बिजली	20,175	20,175
घ. अन्य (जमा)	26,800	26,800
कुल	**3,96,48,076**	**1,63,65,082**

अनुसूची-9 – शैक्षिक प्राप्तियां

राशि रुपयों में

विवरण	2024-25	2023-24
विद्यार्थियों से शुल्क		
शैक्षिक		
1. संबद्धता शुल्क	2,03,500	1,05,000.00
2. प्रवेश शुल्क	–	–
3. नामांकन शुल्क	–	–
4. पुस्तकालय प्रवेश शुल्क	–	–
5. प्रयोगशाला शुल्क	–	–
6. कला एवं शिल्प शुल्क	–	–
7. पंजीकरण शुल्क	–	–
8. पाठ्यक्रम शुल्क	–	–
कुल (क)	**2,03,500**	**1,05,000.00**
परीक्षाएं		
1. दाखिला परीक्षा शुल्क	–	–
2. वार्षिक परीक्षा शुल्क	–	–
3. अंक पत्र, प्रमाण-पत्र शुल्क	–	–
4. प्रवेश परीक्षा शुल्क	–	–
कुल (ख)	**–**	**–**
अन्य शुल्क		
1. पहचान पत्र शुल्क	–	–
2. जुर्माना/विविध शुल्क/दंड शुल्क	–	–
3. चिकित्सा शुल्क	–	–
4. परिवहन शुल्क	–	–
5. छात्रावास शुल्क	59,66,142	64,34,787.00
6. संस्थानों से प्रसंस्करण का शुल्क	–	–
7. बीबीके प्राप्तियां	34,910	55,560.00
कुल (ग)	**60,01,052**	**64,90,347.00**
प्रकाशनों की बिक्री		
1. पाठ्यक्रम एवं प्रश्नपत्रों आदि की बिक्री	–	–
2. प्रवेश प्रपत्रों सहित विवरणिका (प्रोस्पैक्टस) की बिक्री	–	–
3. अन्य	–	–
कुल (घ)	–	–
अन्य शैक्षिक प्राप्तियां		
1. सेमिनार, कार्यशालाएँ और कार्यक्रम	-	54,000.00
2. सदस्यता शुल्क	-	43,000.00
कुल (ड़)	**-**	**97,000.00**
कुल जोड़ (क+ख+ग+घ+ड़)	**62,04,552**	**66,92,347.00**

अनुसूची-10 – अनुदान एवं सब्सिडी (प्राप्त अप्रतिसंहरणीय अनुदान)

राशि रुपयों में

विवरण	पूंजी	वेतन	सामान्य	2024-25	2023-24
पिछले वर्ष का शेष	4	50,56,510	37,98,653	88,55,167	2,81,03,496
वर्ष के दौरान प्राप्तियाँ	2,66,50,000	5,49,43,000	16,17,07,000	24,33,00,000	19,04,43,000
घटायें : पूंजीगत व्यय के लिए इस्तेमाल (क)	2,66,49,844	–	–	2,66,49,844	89,99,996
घटायें : अव्ययित अनुदान की वापसी	–	–	–	–	12,57,362
शेष	160	5,99,99,510	16,55,05,653	22,55,05,323	20,82,89,138
घटायें : अप्रयुक्त व्यय (ख)	–	5,99,98,357	16,55,05,329	22,55,03,686	19,94,33,971
शेष राशि आय और व्यय खाते में अग्रेनीत (ग)	**160**	**1,153**	**324**	**1,637**	88,55,167

अनुसूची-11 – निवेश से आय

राशि रुपयों में

विवरण	2024-25	2023-24
1. ब्याज		
क. सरकारी प्रतिभूतियों पर	–	–
ख. अन्य डिबेंचर/बंध पत्र	–	–
2. सावधि जमा पर ब्याज		
क. केनरा बैंक में सावधि जमा पर ब्याज	13,54,713	12,34,403
ख. आई.सी.आई.सी.आई. – सीमैट में सावधि जमा पर ब्याज	–	–
ग. आई.सी.आई.सी.आई. – प्रतिभूति जमा में सावधि जमा पर ब्याज	–	–
घ. आई.सी.आई.सी.आई. – प्रसंस्करण शुल्क में सावधि जमा पर ब्याज	–	–
ड. भारतीय स्टेट बैंक सीमैट में सावधि जमा पर ब्याज	–	–
च. आई.सी.आई.सी.आई. – एन.वी.ई.क्यू.एफ.में सावधि जमा पर ब्याज	–	–
छ. केनरा बैंक-आंतरिक रसीद में सावधि जमा पर ब्याज	–	–
(उपरोक्त राशि प्रोदभूत ब्याज सहित दर्शाई गई हैं)	–	–
3. यू.जी.सी. अनुदानों पर ब्याज	–	–
4. बैंक बचत खातों पर ब्याज	–	–
5. अन्य (सी.पी.एफ.)	–	–
कुल	**13,54,713**	**12,34,403**
निश्चित/एंडोमेंट निधि में अंतरित राशि		
शेष	**13,54,713**	**12,34,403**

अनुसूची-12 – अर्जित ब्याज

राशि रुपयों में

विवरण	2024-25	2023-24
1. अनुसूचित बैंकों के साथ बचत खातों पर		
क. केनरा बैंक	5,27,033	5,13,654
ख. एम.एस.जे.ई.	–	–
2.		
क. केनरा बैंक योजनेत्तर	–	–
2. ऋणों पर		
क. कर्मचारी/ स्टाफ	–	–
ख. अन्य	–	–
3. देनदारों तथा अन्य प्राप्ति योग्य मदों पर		
क. प्रतिभूति जमा	28,950	25,883
ख. देनदारों से प्राप्त ब्याज	–	–
ग. टी.डी.एस. पर प्राप्त ब्याज	3,700	3,000
कुल	**5,59,683**	**5,42,537**

अनुसूची-13 – अन्य आय

राशि रुपयों में

विवरण	2024-25	2023-24
क. भूमि एवं भवन से आय		
1. स्थल बुकिंग रसीद	1,10,000	18,56,293
2. लाईसेंस शुल्क	83,114	93,182
3. ऑडिटोरियम/खेल के मैदान/सुविधा केन्द्र का बुकिंग शुल्क	–	–
4. वसूले गये बिजली बिल	–	
5. वसूला गया जल शुल्क	1,101	1,246
6. छात्रावास के लिए प्राप्त किया गया शुल्क	–	–
कुल	**1,94,215**	**19,50,721**
ख. संस्थान के प्रकाशन की बिक्री	–	–
ग. कार्यक्रम के आयोजनों से आय		
1. वार्षिक कार्यक्रम/खेल आयोजनों से सकल प्राप्ति	–	–
घटायें : वार्षिक कार्यक्रम/खेल आयोजनों पर किया गया प्रत्यक्ष खर्च	–	–
2. उत्सव/मेला आयोजन से सकल प्राप्तियां	–	–
घटायें : उत्सव/मेला आयोजन पर किया गया प्रत्यक्ष खर्च	–	–
3. शैक्षिक भ्रमणों से सकल प्राप्तियां	–	–
घटाएं - शैक्षिक भ्रमणों पर किया गया प्रत्यक्ष खर्च	–	–
4. अन्य (निर्दिष्ट करें तथा अलग से विवरण दें)	–	–
कुल	–	–
घ. अन्य		
1. परामर्शी सेवाओं से आय	–	–
2. जनसूचना अधिकार शुल्क	70	32
3. रॉयल्टी से आय	–	–
4. प्रवेश प्रपत्र की बिक्री	69,706	61,130
5. विविध प्राप्तियां (निविदा प्रपत्र, रद्दी कागज़ आदि की बिक्री)	–	–
6. परिसंपत्तियों की बिक्री/निपटान पर लाभ	–	–
क. स्वामित्व वाली परिसंपत्तियां	–	–
ख. नि:शुल्क प्राप्त परिसंपत्तियां	–	–
7. संस्थाओं, अंतर्राष्ट्रीय संस्थाओं तथा कल्याणकारी संस्थाओं से प्राप्त दान/अनुदान	–	–
8. अन्य	26,44,352	24,87,269
9. गत अवधि की आय	–	–
10. ट्राई (TRAI) से वसूली	–	–
11. CGHS कर्मचारी	650	2,13,300
12. CGHS पेंशनर्स	4,26,950	4,33,450
13. कर्मचारियों के वेतन से वसूली	2,62,277	99,973
14. सामान्य वसूली	–	–
15. सदस्यता शुल्क	13,37,030	9,58,700
कुल	**47,41,035**	**42,53,854**
सर्वयोग (क+ख+ग+घ)	**49,35,250**	**62,04,575**

अनुसूची-14 – गत अवधि की आय

राशि रुपयों में

विवरण	2024-25	2023-24
1. शैक्षिक प्राप्तियां	–	–
2. निवेश से आय	–	–
3. अर्जित ब्याज	–	–
4. अन्य आय	–	2,001
कुल	–	**2,001**

अनुसूची-15 – कर्मचारी वेतन एवं हितलाभ (स्थापना व्यय)

राशि रुपयों में

विवरण	2024-25	2023-24
क. वेतन एवं मजदूरी	5,69,85,655	8,14,14,682
ख. भत्ते एवं बोनस	9,47,767	10,89,744
ग. एल.टी.सी. सुविधा	94,911	1,49,577
उप-जोड़	**5,80,28,333**	**8,26,54,003**
घ. भविष्य निधि में योगदान	–	–
ड़. एनपीएस में योगदान	30,75,610	27,13,248
च. स्टाफ कल्याण पर व्यय	–	–
छ. सेवानिवृत्ति लाभ	6,37,64,568	5,56,98,976
ज. चिकित्सा सुविधा	57,77,341	55,48,121
झ. संतान शिक्षा भत्ता	7,99,878	6,59,847
ञ. जीवन निर्वाह भत्ता	–	–
ट. मानदेय	–	–
ठ. छुटी वेतन, पेंशन एवं ग्रेच्युटी बकाया	–	–
ड. सहायक लेखा अधिकारी की सेवानिवृत्ति पेंशन योगदान	1,71,104	–
उप-जोड़	**7,35,88,501**	**6,46,20,192**
जोड़	**13,16,16,834**	**14,72,74,195**

अनुसूची-15 क – कर्मचारियों को सेवानिवृत्ति एवं सेवावसान लाभ (31.03.2025)

राशि रुपयों में

विवरण	पेंशन	ग्रेच्यूटी	छुट्टी नकदीकरण	जोड़
क. 01.04.2024 को प्रारम्भिक शेष	94,20,87,719	56394309	34183899	1032665927
ख. घटायें : वर्ष के दौरान वास्तविक भुगतान				
(i) वर्ष के दौरान अदा किये गए सेवानिवृत्ति लाभ मासिक पेंशन सहित	5,42,48,819	1,46,31,389	93,78,989	78259197
(ii) वर्ष के दौरान छुट्टी नकदीकरण	–	–	–	–
ग. शेष उपलब्ध	88,78,38,900	4,17,62,920	2,48,04,910	95,44,06,730
घ. वास्तविक मूल्यांकन के अनुसार 31.03.2025 को तुलन पत्र में अपेक्षित प्रावधान	94,45,94,839	4,35,23,322	3,00,53,137	1,01,81,71,298
ड़. चालू वर्ष में किए जाने वाले प्रावधान (घ-ग) आय और व्यय खाते में	5,67,55,939	17,60,402	52,48,227	6,37,64,568

अनुसूची-16 – शैक्षिक व्यय

राशि रुपयों में

विवरण	2024-25	2023-24
क. प्रयोगशाला व्यय	–	–
ख. क्षेत्रकार्य/सम्मेलनों में भाग लेना	–	–
ग. सेमिनार/कार्यशाला व्यय	2,05,43,337	1,39,78,336
घ. अतिथि अध्यापकों को भुगतान	–	–
ड़. सीमैट एवं जी.पी.ए.टी. परीक्षा	–	–
च. विद्यार्थी कल्याण व्यय	15,90,017	11,12,250
छ. दाखिला व्यय	–	–
ज. दीक्षांत व्यय	–	–
झ. प्रकाशन	–	–
ञ. वृत्तिका सह मैरिट वजीफा	–	–
ट. अभिदान व्यय	–	–
ठ. अन्य (निर्दिष्ट करें)	4,79,983	8,96,304
ड. पुरस्कार वितरण व्यय	–	–
कुल	**2,26,13,337**	**1,59,86,890**

अनुसूची-17 – प्रशासनिक तथा सामान्य व्यय

राशि रुपयों में

विवरण	2024-25	2023-24
क. आधारभूत संरचना		
क. बिजली	80,18,863	72,65,535
ख. जल शुल्क	1,12,635	94,731
ग. बीमा		–
घ. किराया, दर तथा टैक्स (प्रोपर्टी टैक्स सहित)		–
ख. संचार		
ड. पोस्टेज तथा लेखन सामग्री	14,766	9,834
च. टेलीफोन, फैक्स तथा इंटरनेट प्रभार	4,00,796	3,88,517
ग. अन्य		
छ. मुद्रण तथा लेखन सामग्री (उपभोज्य)	8,46,769	8,39,694
ज. यात्रा तथा परिवहन व्यय	1,25,306	71,905
झ. हॉस्टल मेस शुल्क	1,60,579	2,08,207
ञ. लेखा परीक्षकों का पारिश्रमिक	–	1,75,720
ट. व्यवसायिक प्रभार	9,52,560	6,73,924
ठ. विज्ञापन एवं प्रचार	1,54,432	99,411
ड़. पत्रिकाएं एवं जरनल	4,845	667
ढ. वार्षिक अनुरक्षण प्रभार	–	–
ण. गैर-अधिकारिक टी.ए./डी.ए. व्यय	–	–
त. अधिकारिक टी.ए./डी.ए. व्यय	–	–
थ. स्थानांतरण टी.ए./डी.ए. व्यय	–	–
द. कार्यशाला अभिलेखागार और उपकरणों पर व्यय	–	–
ध. विविध कार्यालयी व्यय	5,57,122	4,14,111
न. बागवानी व्यय	–	–
प. कार्यक्रम संबंधी कार्यकलाप	15,065	55,394
फ. गृह प्रबंध एवं सुरक्षा	2,47,87,575	2,08,98,071
ब. परिसर का सौंदर्यीकरण	8,12,912	16,28,630
भ. अतिथि गृह/आवास व्यय	–	–
म. आंतरिक प्राप्तियां व्यय	–	–
य. मिनी ट्रेन चलाने से संबंधित खर्चे	40,748	1,16,578
र. वेतन और पारिश्रमिक (संविदा कर्मचारी)	–	–
ल. वेतन और पारिश्रमिक (गैलरी गाइड)	1,95,866	–
ल. वेतन और पारिश्रमिक (बा.भ.के.)	79,42,594	–
कुल	**4,51,43,433**	**3,29,40,929**

अनुसूची-18 – परिवहन व्यय

राशि रुपयों में

विवरण	2024-25	2023-24
1. वाहन (संस्था के स्वामित्व वाले वाहन)	–	–
क. वाहन चलाने संबंधी व्यय	–	–
ख. मरम्मत एवं अनुरक्षण	–	–
ग. बीमा व्यय	–	–
घ. कार पार्किंग व्यय	–	–
2. किराये/लीज़ पर लिये गये वाहन	–	–
क. किराया/लीज़ संबंधी व्यय	–	–
3. वाहन (टैक्सी) किराये पर लेने का व्यय	–	–
कुल	–	–

अनुसूची-19 – मरम्मत एवं अनुरक्षण

राशि रुपयों में

विवरण	2024-25	2023-24
क. भवन	9,40,202	13,95,915
ख. फर्नीचर एवं साज-सज्जा	2,20,848	93,929
ग. पौधे एवं मशीनरी	–	–
घ. कार्यालय उपकरण	43,814	58,412
ड. संगीत/वाद्य यंत्र	–	–
च. दृश्य श्रव्य उपकरण	15,045	2,35,778
छ. साफ-सफाई संबंधी सामग्री एवं सेवाएं	2,06,368	3,06,493
ज. उपकरण	–	–
झ. बागवानी	50,551	1,73,005
ञ. बिजली का सामान	5,12,724	17,08,493
ट. अन्य (मरम्मत)	15,35,395	7,56,280
ठ. मिनी ट्रेन	1,29,093	1,01,963
कुल	**36,54,040**	**48,30,268**

अनुसूची-20 – वित्त लागत

राशि रुपयों में

विवरण	2024-25	2023-24
क. बैंक शुल्क	34,201	36,442
ख. अन्य (निर्दिष्ट करें)	–	–
कुल	**34,201**	**36,442**

अनुसूची-21 – अन्य व्यय

राशि रुपयों में

विवरण	2024-25	2023-24
क. अशोध्य/संदिग्ध ऋण/अग्रिमों हेतु की गई व्यवस्था	–	–
ख. काट दिये गये अप्राप्य शेष	–	–
ग. अन्य संस्थाओं/संगठनों को दी गई सब्सिडी/अनुदान	–	–
घ. आयकर का भुगतान		–
ड़. स्थायी परिसंपत्तियों से हानि	–	–
कुल	–	–

अनुसूची-22 – गत अवधि के व्यय

राशि रुपयों में

विवरण	2024-25	2023-24
1. स्थापना व्यय	–	–
2. शैक्षिक व्यय	–	–
3. प्रशासनिक व्यय	–	–
4. परिवहन व्यय	–	–
5. मरम्मत एवं अनुरक्षण	–	–
6. अन्य व्यय	–	28,09,929
कुल	–	**28,09,929**

जी.पी.एफ खाता – 31 मार्च 2025 को तुलनपत्र

राशि रुपयों में

देयताएं	2024-25	2023-24	परिसंपत्तियां	2024-25	2023-24
पूंजीगत लेखा			**निवेश**		
रिजर्व एवं अधिशेष			केनरा बैंक में सावधि जमा	2,86,34,866	4,08,37,050
प्रारंभिक शेष	(80,95,077)	(63,46,701)	सरकारी प्रतिभूति	2,13,030	2,13,030
व्यय पर आय की अधिकता	(9,67,038)	(17,48,376)	जी.पी.ओ. नई दिल्ली	16,759	16,759
अंतिम शेष	**(90,62,115)**	**(8,09,50,77)**			
ऋण (देयता)					
सामान्य भविष्य निधि					
01.04.2024 को आरंभिक शेष	5,09,69,379	6,51,15,161	प्रोदभूत ब्याज परंतु देय नहीं	4,80,803	38,322
जोड़ें : अभिदान (सब्सक्रिप्शन)	60,64,000	80,37,500			
जोड़ें : ब्याज	27,98,739	33,80,590	**वर्तमान परिसंपत्तियां**		
घटाएं : आहरण/अंतिम भुगतान	1,66,29,676	2,55,63,872	हाथ रोकड़	–	–
अंत शेष	**4,32,02,442**	**5,09,69,379**	बैंक खाते	47,97,983	17,69,641
			टी.डी.एस.		–
			मुख्य से वसूली योग्य राशि	–	–
–	–				
मुख्य को देय राशि	3,114	500			
कुल अग्रेनीत	**3,41,43,441**	**4,28,74,802**	**कुल**	**3,41,43,441**	**4,28,74,802**

तैयार किया गया	सहायक लेखा अधिकारी	उप-निदेशक(प्रशा.)	निदेशक

जी.पी.एफ. खाता

31 मार्च 2025 को समाप्त होने वाले वर्ष के लिए आय एवं व्यय खाता

राशि रुपयों में

व्यय	2024-25	2023-24	आय	2024-25	2023-24
प्रत्यक्ष व्यय			**अप्रत्यक्ष आय**		
जी.पी.एफ. पर दिया गया ब्याज	33,76,289	38,49,081	सावधि जमा पर ब्याज (सकल)	22,63,455	25,12,378
बैंक प्रभार	423	1,009	बचत खातों पर प्राप्त ब्याज	1,46,219	67,604
टीडीएस परिसंपत्ति को बट्टे खाते में डालना	–	4,78,268			
व्यय पर आय की अधिकता	–	–	आय पर व्यय की अधिकता	9,67,038	17,48,376
कुल	**33,76,712**	**43,28,358**	**कुल**	**33,76,712**	**43,28,358**

सीमा
तैयार किया गया

राजेश चतुर्वेदी
सहायक लेखा अधिकारी

मुनेश गुप्ता
उप-निदेशक(प्रशा.)

निदेशक

जी.पी.एफ. खाता

31 मार्च 2025 को समाप्त हुए वर्ष के लिए प्राप्ति तथा अदायगी खाता

राशि रुपयों में

प्राप्तियां	2024-25	2023-24	अदायगियां	2024-25	2023-24
आरंभिक शेष			**ऋण (देयताएं)**		
बैंक	17,69,641	64,72,323	जी.पी.एफ. से आहरण	1,66,29,676	2,55,63,872
प्राप्त अंशदान					
जी.पी.एफ. अभिदान (कर्मचारियों का)	60,64,000	80,37,500	**प्रत्यक्ष व्यय**		
			जी.पी.एफ. पर दिया गया ब्याज	5,77,550	4,68,491
			बैंक प्रभार	423	1,009
प्राप्त ब्याज					
बचत खाते पर ब्याज	1,46,219	67,604	**निवेश**		
मियादी जमा पर ब्याज (निवल)	4,10,808	3,33,974			
टीडीएस वापसी पर ब्याज	–		विजया बैंक में एफ.डी.आर.	–	–
विविध वसूली	–				
परिपक्व एफ.डी.आर.			केनरा बैंक में एफ.डी.आर.	50,00,000	–
1. केनरा बैंक	1,86,12,350	1,28,91,112			
2. विजया बैंक	–	–	मुख्य को देय राशि	500	–
3. आई.डी.बी.आई. बैंक	–	–			
अन्य प्राप्तियां			**अंत शेष**		
मुख्य को देय राशि	3,114	500	बैंक	47,97,983	17,69,641
अन्य प्राप्तियां/टीडीएस वापसी		–			
कुल	**2,70,06,132**	**2,78,03,013**	**कुल**	**2,70,06,132**	**2,78,03,013**

सीमा
तैयार किया गया

राजेश चतुर्वेदी
सहायक लेखा अधिकारी

मुनेश गुप्ता
उप-निदेशक(प्रशा.)

निदेशक

एन.पी.एस. खाता
31 मार्च 2025 को तुलनपत्र

राशि रुपयों में

देयताएं	2024-25	2023-24	परिसंपत्तियां	2024-25	2023-24
वर्तमान देयताएं					
आरंभिक शेष	1,74,557.00	1,72,659.00	बैंक में शेष	1,74,144.00	1,74,557.00
		-			
आय से अधिक व्यय	(413.00)	1,898.00			
अंत: शेष	**1,74,144.00**	**1,74,557.00**			
कुल	**1,74,144.00**	**1,74,557.00**		**1,74,144.00**	**1,74,557.00**

सीमा
तैयार किया गया

राजेश चतुर्वेदी
सहायक लेखा अधिकारी

मुकेश गुप्ता
उप-निदेशक(प्रशा.)

निदेशक

एन.पी.एस. खाता
31 मार्च 2025 को समाप्त हुए वर्ष के लिए आय एवं व्यय खाता

राशि रुपयों में

व्यय	2024-25	2023-24	आय	2024-25	2023-24
			प्राप्त ब्याज		
बैंक प्रभार	413.00	590.00	केनरा बैंक से	–	2,488.00
एन.एस.डी.एल.	–	–			
			प्राप्त अंशदान		
			कर्मचारियों से	–	–
			नियोक्ता से	–	–
व्यय पर आय की अधिकता	–	1,898.00	आय से अधिक व्यय	413.00	–
कुल	**413.00**	**2,488.00**	**कुल**	**413.00**	**2,488.00**

सीमा
तैयार किया गया

राजेश चतुर्वेदी
सहायक लेखा अधिकारी

मुकेश गुप्ता
उप-निदेशक(प्रशा.)

निदेशक

एन.पी.एस. खाता

31 मार्च 2025 को समाप्त हुए वर्ष के लिए प्राप्ति तथा अदायगी खाता

राशि रुपयों में

प्राप्तियां	2024-25	2023-24	अदायगियां	2024-25	2023-24
आरंभिक शेष			एन.एस.डी.एल.		
बैंक	1,74,557	1,72,659			
प्राप्त अंशदान			**अंशदान का भुगतान**		
कर्मचारियों का अंशदान	21,78,446	19,30,847	कर्मचारियों का अंशदान	21,78,446	19,30,847
नियोक्ता का अंशदान	30,49,823	27,03,167	नियोक्ता का अंशदान	30,49,823	27,03,167
			बैंक प्रभार	413	590
प्राप्त ब्याज					
बचत खाते पर ब्याज	–	2,488			
			अंतिम शेष		
			बैंक	1,74,144	1,74,557
कुल	**54,02,826**	**48,09,161**	**कुल**	**54,02,826**	**48,09,161**

सीमा
तैयार किया गया

राजेश कुमार
सहायक लेखा अधिकारी

मुकेश गुप्ता
उप-निदेशक(प्रशा.)

सुनील
निदेशक

महत्वपूर्ण लेखाकरण नीतियाँ

1. लेखे

क. वित्तीय विवरण परम्परागत रूप से लागत के आधार पर तैयार किये जाते हैं। यदि और कोई विशेष निर्देश न दिया गया हो तो सामान्यत: इन्हें प्रोद्भवन पद्धति के आधार पर तैयार किया जाता है।

ख. राष्ट्रीय बाल भवन द्वारा जी.पी.एफ. एन.पी.एस. तथा मुख्य खाता आदि के लिए अलग-अलग लेखे तैयार किये जाते हैं।

ग. शुल्क/अभिदान के रूप में प्राप्त सभी राशियों तथा अप्रयुक्त अनुदान की वापसी का लेखा प्राप्तियों के आधार पर किया जाता है।

2. सहायता एवं अनुदान

अनुदान का लेखा प्राप्तियों के आधार पर किया जाता है तथा पूंजीगत प्रकार के व्ययों को छोड़कर इन्हें आय तथा व्यय खाते में क्रेडिट पक्ष में लिखा जाता है। (इस राशि को सीधे पूंजीगत निधि में क्रेडिट किया जाता है।)

3. अचल परिसंपत्तियां तथा मूल्यह्रास

क. अचल परिसंपत्तियों का विवरण अधिग्रहण की कीमत में से मूल्यह्रास को घटाकर दिया जाता है। राष्ट्रीय बाल भवन को उपहार के तौर पर प्राप्त अचल परिसंपत्तियों को संस्थान की परिसंपत्तियों के साथ ही मिला कर लिखा गया है। उपहार के रूप में प्राप्त पुस्तकों का लेखा उनकी विक्रय कीमत के आधार पर किया जाता है।

ख. अप्रचलित/सेवा के अयोग्य परिसंपत्तियों, यदि कोई हो, तो उनकी बिक्री से प्राप्त आय को 'विविध प्राप्तियां' शीर्ष के अंतर्गत दिखाया जाता है।

4. मूल्यह्रास

4.1 इस वर्ष के दौरान मूल्यह्रास मानव संसाधन विकास मंत्रालय की ओर से जारी लेखों के मानकीकरण हेतु निश्चित किये गये नये फार्मेट में दी गई निर्धारित दरों पर सीधी रेखा पद्धति के आधार पर प्रभारित किया गया है। इससे पहले अचल परिसंपत्तियों पर कोई मूल्यह्रास नहीं लगाया जाता था।

4.2 वर्ष के दौरान अचल परिसंपत्तियों में परिवर्धन की स्थिति में मूल्यह्रास पूरे वर्ष के लिए लगाया जाता है तथा अचल परिसंपत्तियों से राशि घटाने के मामले में कोई मूल्यह्रास नहीं लगाया जाता।

5. विशिष्ट व्यय/अदायगी

क. मुद्रण एवं लेखन सामग्री

मुद्रण तथा लेखन सामग्री पर खर्च की गई राशि को प्रोदभूत होने पर व्यय के रूप में लिखा जाता है। अंतिम स्टॉक के लेखों में इसके लिए कोई समायोजन नहीं किया जाता क्योंकि इसकी लागत निश्चित नहीं है।

ख. टेलीफोन जमा राशि

टेलीफोन तथा अनुषंगी सुविधाओं के लिए जमा को स्थापना/इनके लगने के वर्ष के दौरान बट्टे खाते डाल दिया गया है और निवल मूल्य के लिए प्रभारों/व्यय की गणना की गई है।

6. सभी जमा/निवेश पर ब्याज का लेखा भी प्रोदभवन आधार पर किया जाता है।

7. कर्मचारियों का वेतन/हितलाभ

क. राष्ट्रीय बाल भवन के सभी कर्मचारियों पर कुल मिलाकर केन्द्रीय सरकारी कर्मचारी सेवा नियम लागू होते हैं।

ख. सेवानिवृत्ति हित लाभों का लेखाकरण मानक संख्या 15 के अनुसार अनुमोदित मूल्यांकक द्वारा बीमांकक मूल्यांकन के आधार पर किया जाता है।

ग. राष्ट्रीय बाल भवन अपने कर्मचारियों के लिए अलग से भविष्यनिधि खाता अनुरक्षित रखता है।

लेखा नोट्स

1. संसद द्वारा अनुमोदित बजट के आधार पर सरकार की ओर से प्राप्त अनुदान राष्ट्रीय बाल भवन की प्राप्तियों का प्रमुख स्रोत है। प्राप्त अनुदान (पूंजीगत प्रकृति के व्ययों के समायोजन के पश्चात) का लेखा आय तथा व्यय खाते में किया जाता है, यद्यपि राष्ट्रीय बाल भवन की वास्तविक आय इन प्रतिबंधों के चलते शून्य है कि सरकार के आदेश के बिना अनुदानों का अप्रयुक्त शेष एक वित्त वर्ष से अगले वित्त वर्ष में अंतरित नहीं किया जा सकता है। इस प्रकार राष्ट्रीय बाल भवन की कोई टैक्स देयता नहीं बनती।
2. स्थापना पर व्यय, मुद्रण तथा लेखन सामग्री पर व्यय आदि का लेखा लेखाकरण नीति के अनुसार किया गया है।
3. अनुसूची 8 (ऋण, अग्रिम एवं जमा) में 31.97 लाख रुपये की राशि को राज्यों की सहायता राशि के रूप में दिखाया गया है जोकि 31 मार्च 2025 तक बकाया थी क्योंकि राज्य बाल भवनों से उपयोग प्रमाण-पत्र प्राप्त नहीं हुए थे।
4. 31.03.2025 तक के संबंध में अनुसूची 8 (ऋण, अग्रिम और जमा) के अनुसार 322.45 लाख रुपये की अग्रिम राशि सीपीडब्लूडी को चुकायी गई है। (जो कि पिछले वर्ष 102.91 लाख रुपये थी)।
5. चालू वर्ष के दौरान पूर्ववर्ती अवधि आय शून्य रुपये तथा पूर्ववर्ती अवधि व्यय शून्य रुपये दर्ज किया गया है।
6. पिछले वर्षों में विशेष परियोजना हेतु रा.बा.भ. को एम.एस.जे.ई. द्वारा राशि प्राप्त हुई है। 31.03.2025 तक ब्याज सहित 55.35 लाख रुपये (पिछले वर्ष 53.54 लाख रुपये) इस परियोजना के लिए रा.बा.भ. के केनरा बैंक खाते में जमा है। एमएसजेई को देय राशि (ब्याज सहित) के संबंध में खाते में प्रावधान है।
7. 8,759 रुपये की राशि को शेष राशि के रूप में दिखाई गई है जो कि काफी समय से जम्मू एंड कश्मीर बैंक में है। जैसा कि हमें सूचित किया गया है बैंक शाखा कश्मीर में थी एवं अभी इसका पता नहीं लग पा रहा है। इसलिए यह सलाह दी जाती है कि इसे बट्टे-खाते में डाला जाये।
8. 3,71,575/- रुपये के विविध देनदारों (अनुसची-7) का अभी तक पता नहीं चल पाया है और जैसा कि 5 वर्षों से भी अधिक समय से राशि बकाया है, अत: इस संबंध में यह सलाह दी जाती है कि यदि उक्त की वसूली नहीं हो सकती है तब शेष राशि को बट्टे खाते में डाला जाये।
9. वित्तीय वर्ष 2024-25 के लिए शिक्षा मंत्रालय को देय ब्याज के लिए प्रावधान किया गया है।
10. सीएजी लेखा परीक्षा दिनांक 25.11.24 की रिपोर्ट के अनुसार 1980-83 की अवधि से संबंधित सरकारी प्रतिभूतियों में 2.13 लाख रूपये तथा जीपीओ, नई दिल्ली के सामान्य भविष्य निधि (जीपीएफ) खाते में 16,759/- रूपये के निवेश के संबंध में उनके द्वारा एक प्रेक्षण किया गया था। इन निवेशों से संबंधित अभिलेखों की अनुपलब्धता के कारण सीएजी लेखाप्ररीक्षकों द्वारा इन व्ययों का सत्यापन नहीं किया जा सका। राष्ट्रीय बाल भवन ने कहा कि रिकार्ड का पता नहीं चल पा रहा है। लेखा परीक्षकों ने इस राशि को बट्टे खाते में डालने का सुझाव दिया है, हालांकि इस संबंध में 2011-12 के बाद से प्रबंधन बोर्ड द्वारा कोई कार्रवाई नहीं की गई है।
11. आंतरिक रसीद बही में 19,976/- रूपये का टीडीएस बकाया है। यह टीडीएस वित्तीय वर्ष 2018-19 से पहले का है। चूंकि इन वर्षों में कोई आयकर मामला लंबित नहीं है और कोई राशि वसूली योग्य नहीं है, इसे भी बही-खाता के बट्टे खाते के शीर्ष के अंतर्गत दर्शाया गया है।

12. प्रदत्त और वसूली योग्य दर्शाए गए अग्रिमों को संबंधित पक्ष/ विभाग से अन्तिम बिल की प्राप्ति/ रसीद मिलने पर अन्तिम शीर्ष में समायोजित कर दिया गया है।
13. राष्ट्रीय बाल भवन के प्रबंधन के विचार में, वर्तमान परिसंपत्तियों पर ऋण तथा अग्रिमों का मूल्य सामान्यत: वसूली पर होगा, यह कम से कम तुलन-पत्र में दर्शायी गयी राशि के बराबर होगा। सभी देयताओं (जिनकी जानकारी है) के लिए उपबंध कर दिया गया है।
14. आवश्यकतानुसार पिछले वर्ष के आंकड़ों को पुन: समूहीकृत एवं पुनर्व्यवस्थित किया गया है।
15. अंतिम खातों में आंकड़े निकटतम रूपए तक पूर्णांकित किए गए हैं।

तैयार किया गया	सहायक लेखा अधिकारी	उप-निदेशक(प्रशा.)	निदेशक

भाग ग

लेखा रिपोर्ट

2024-25

राष्ट्रीय बाल भवन
NATIONAL BAL BHAVAN

कार्यालय महानिदेशक लेखापरीक्षा
(केन्द्रीय व्यय),
ऑडिट भवन, इन्द्रप्रस्थ एस्टेट,
नई दिल्ली–110002

SUPREME AUDIT INSTITUTION OF INDIA
लोकहितार्थ सत्यनिष्ठा
Dedicated to Truth in Public Interest

OFFICE OF THE DIRECTOR GENERAL
OF AUDIT (CENTRAL EXPENDITURE),
AUDIT BHAWAN, INDRAPRASTHA ESTATE,
NEW DELHI-110002

ए.एम.जी-III/एस.ए.आर./एन.बी.बी/9-16/2024-25/- दिनाँक: 24.10.2025

सेवा में,

सचिव, भारत सरकार,
शिक्षा मंत्रालय,
विद्यालयी शिक्षा एवं साक्षरता विभाग
शास्त्री भवन, नई दिल्ली-110001

विषय : वर्ष 2024-25 के लिए राष्ट्रीय बाल भवन, नई दिल्ली के लेखाओं पर पृथक लेखापरीक्षा प्रतिवेदन।

महोदया/महोदय,

मैं, राष्ट्रीय बाल भवन, नई दिल्ली के वर्ष 2024-25 के प्रमाणित वार्षिक लेखे की प्रति उसके प्रतिवेदन तथा लेखापरीक्षा प्रमाणपत्र की प्रति सहित संसद के पटल पर रखने के लिए संलग्न करता हूँ।

संसद को प्रस्तुत कर दस्तावेज की दो प्रतियाँ उस तिथि को दर्शाते हुए, जब वे संसद को प्रस्तुत किये गए थे, इस कार्यालय को तथा भारत के नियंत्रक एवं महालेखापरीक्षक के कार्यालय को भेजी जाए।

कृपया यह सुनिश्चित किया जाये कि पृथक लेखापरीक्षा प्रतिवेदन को संसद के दोनों सदनों के समक्ष प्रस्तुत करने से पहले वार्षिक लेखाओं को शासी निकाय (Governing Body) द्वारा अनुमोदित अवश्य करा लिया जाये तथा यह भी सुनिश्चित करें कि 2024-25 के लेखापरीक्षा प्रतिवेदन एवं लेखापरीक्षा प्रमाणपत्र को संसद के पटल पर रखने से पहले सभी पूर्व वर्षों के लेखापरीक्षा प्रतिवेदन एवं लेखापरीक्षा प्रमाणपत्र संसद के पटल पर प्रस्तुत किये जा चुके हों।

लेखापरीक्षा प्रतिवेदन का हिंदी अनुवाद एवं इसे जारी करने से सम्बन्धित सभी कार्यों को आपके निकाय द्वारा किया जाना ही अपेक्षित है। पृथक लेखापरीक्षा प्रतिवेदन का हिंदी अनुवाद जारी करते समय निम्नलिखित अस्वीकरण (disclaimer) अंकित करें।

"प्रस्तुत प्रतिवेदन मूल रूप से अंग्रेजी में लिखित पृथक लेखापरीक्षा प्रतिवेदन का हिंदी अनुवाद है। यदि इसमें कोई विसंगति परिलक्षित होती है तो अंग्रेजी में लिखित प्रतिवेदन मान्य होगा।"

भवदीया,

संलग्नक:यथोपरि

निदेशक (ए.एम.जी-III)

दूरभाष /Telephone :91-11-23702422, **फैक्स** / Fax : 91-11-23702271, **ई-मेल** /E-mail : dgace@cag.gov.in

ए.एम.जी-III/एस.ए.आर./एन.बी.बी/9-16/2025-26/102 दिनाँक: 24.10.2025

प्रति,प्रमाणित वार्षिक लेखे कि प्रति,उसके लेखापरीक्षा प्रतिवेदन तथा लेखापरीक्षा प्रमाणपत्र की प्रति सहित निदेशक,राष्ट्रीय बाल भवन,कोटला रोड,नई दिल्ली 110002 को आवश्यक कार्यवाही हेतु अग्रेषित की जाती है| वार्षिक लेखाओं की हिंदी प्रति की 1 प्रति आवश्यक कार्यवाही हेतु इस कार्यालय को भेजी जाए |

संसद को प्रस्तुत कर दस्तावेज की दो प्रतियाँ उस तिथि को दर्शाते हुए,जब ये संसद को प्रस्तुत किये गए थे,इस कार्यालय को तथा भारत के नियंत्रक एवं महालेखापरीक्षक के कार्यालय को भेजी जाए |

संलग्नक: यथोपरि

निदेशक (ए.एम.जी-III)

ए.एम.जी-III/एस.ए.आर./एन.बी.बी/9-16/2025-26/- दिनाँक: 24.10.2025

प्रति, प्रमाणित वार्षिक लेखे कि प्रति,उसके लेखापरीक्षा प्रतिवेदन तथा लेखापरीक्षा प्रमाणपत्र की प्रति सहित प्रधान निदेशक (स्वायत्त निकाय), भारत के नियंत्रक एवं महालेखापरीक्षक का कार्यालय, 9, दीन दयाल उपाध्याय मार्ग, नई दिल्ली-110124 को अग्रेषित की जाती है

यह महानिदेशक लेखापरीक्षा (केंद्रीय व्यय) के अनुमोदन से जारी किया जा रहा है |

संलग्नक: यथोपरि

निदेशक (ए.एम.जी-III)

राष्ट्रीय बाल भवन के 31 मार्च 2025 को समाप्त वर्ष के लेखों की भारत के नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक की लेखा परीक्षा रिपोर्ट

क. तुलन पत्र

क.1 देनदारियां

क.1.1 वर्तमान देयताएं और प्रावधान (अनुसूची 3) - 104.25 करोड़ रुपये

(i) उपरोक्त में 3.22 करोड़ रुपये की अप्रयुक्त पूंजी अनुदान सहायता शामिल नहीं है। इस राशि में वर्ष के दौरान सीपीडब्ल्यूडी को दिए गए 2.23 करोड़ रुपये की अग्रिम और पिछले वर्षों के सीपीडब्ल्यूडी के पास बकाया 0.99 करोड़ रुपये शामिल हैं। इसके परिणामस्वरूप पूंजी निधि को 3.22 करोड़ रुपये अधिक दर्शाया गया है और वर्तमान देनदारियों और प्रावधानों को कम दर्शाया गया है।

क.2 परिसम्पतियाँ

क.2.1 स्थायी परिसम्पत्तियाँ (अनुसूची 4) - 9.88 करोड़ रुपये

(i) भूमि और भवन को तुलन पत्र/अनुसूची में दो पृथक खाता शीर्षो के रूप में दर्शाया जाना चाहिए। इसके फलस्वरूप भूमि पर गलत ह्रास प्रभावित किया जा रहा है और इसके चलते स्थायी परिसम्पत्ति व पूंजीगत निधि खाते की संगणना नहीं की जा सकी है। यह विसंगति 2012-13 से इंगित की जाती रही है, किंतु इसमें कोई सुधार नहीं किया गया है। इसके अतिरिक्त परिसम्पत्ति अनुसूची में प्रत्येक भूमि के क्षेत्रफल को भी अलग से फ्री होल्ड और फ्री लीज के रूप में विनिर्दिष्ट किया जाना चाहिए।

(ii) वित्त वर्ष 2024-25 में राष्ट्रीय बाल भवन ने 266.50 लाख रुपये को पूंजीगत व्यय के रूप में दर्शाया था, जिसमें 223.00 लाख रुपये सीपीडब्ल्यूडी को प्रदान की गई अग्रिम राशि थी और 43.50 लाख रुपये अचल आस्तियों पर किए गये पूंजीगत व्यय थे। हालाँकि 'अचल आस्ति अनुसूची' के अनुसार उक्त वर्ष में रुपये 47.74 लाख का योग किया गया है, जिसमें रुपये 0.78 लाख के अनुदान के अतिरिक्त अन्य निधियों से खरीदी गई संपत्तियाँ शामिल हैं। लेखापरीक्षा को 3.45 लाख रुपये का अंतर स्पष्ट नहीं किया गया है।

क.2.2 ऋण, अग्रिम और जमा (अनुसूची 8) - 3.96 करोड़ रुपये

उपरोक्त में राज्यों को दी गई 31.97 लाख रुपये की सहायता शामिल है। इसमें से 16.97 लाख रुपये वर्ष 2013-14 से 2020-21 की अवधि से संबंधित हैं, और यह, राज्य-बाल-भवनों/बाल-केंद्रों से उपयोगिता प्रमाण पत्र प्राप्त न होने के कारण 31.03.2025 की तारीख में बकाया है। इन अग्रिमों का समायोजन न किए जाने के परिणामस्वरूप ऋण, अग्रिम और जमा राशि को अधिक बढ़ा कर दर्शाया गया है और व्यय को कम करके दर्शाया गया है। इस विषय के संबंध में वर्ष 2013-14 से पूछताछ की जा रही है, पर बड़ी राशि के उपयोगिता-प्रमाण पत्र अभी भी लंबित हैं, जिसके परिणामस्वरूप अग्रिमों का समायोजन नहीं हो पा रहा है।

ख. आय एवं व्यय खाते

ख.1 आय

ख.1.1 उपरोक्त में प्रवेश-फॉर्म की बिक्री और सदस्यता शुल्क की राशि क्रमशः 0.70 लाख रुपये और 13.37 लाख रुपये शामिल है, जिसे अकादमिक-रसीद में उचित रूप से शामिल करना अपेक्षित है। परिणामस्वरूप अन्य आय को अधिक दर्शाया गया है और अकादमिक रसीद को 14.07 लाख रुपये कम दर्शाया गया है।

ग. सामान्य

ग.1 वर्ष 1980-83 की अवधि से संबंधित सामान्य भविष्य निधि खातों से सरकारी प्रतिभूतियों में 2.13 लाख रुपये का निवेश किया गया था। हालाँकि, संबंधित अभिलेख लेखापरीक्षा को उपलब्ध नहीं कराए गए। इसी प्रकार, सामान्य डाकघर, नई दिल्ली में जमा 16,759 रुपये राशि के अभिलेख लेखापरीक्षा को प्रस्तुत नहीं किए गए। अभिलेखों के अभाव में, लेखापरीक्षा द्वारा 2.30 लाख रुपये की राशि का सत्यापन नहीं किया जा सका। वर्ष 2011-12 से इस विषय पर बहुधा ध्यान केन्द्रित करने का आग्रह किया जा रहा है, पर राष्ट्रीय बाल भवन द्वारा कोई सुधारात्मक कार्रवाई नहीं की गई है।

ग.2 राष्ट्रीय बाल भवन खाते में नोट्स (अनुसूची-24 अंक 7 और 8) इंगित करता है कि निम्नलिखित राशि को बट्टे खाते में डाल दिया जाना आवश्यक है।

- जे. एण्ड के. बैंक के पास शेष राशि के रूप में 8,759 रुपये हैं जो ट्रेस करने योग्य नहीं है, और
- विविध देनदार से 3.71 लाख रुपये (अनुसूची-7) की वसूली नहीं हो पाई है।

हालाँकि, राष्ट्रीय बाल भवन ने उपरोक्त राशि को खातों से बट्टे खाते में नहीं डाला है। इसके परिणामस्वरूप विविध देनदारों का अतिकथन और प्रशासनिक व्यय - अशोध्य ऋणों को 3.80 लाख रुपये कम करके दिखाया गया है। वर्ष 2017-18 से ही इस ओर ध्यान दिलाया जा रहा है, परंतु राष्ट्रीय बाल भवन द्वारा कोई कार्रवाई नहीं की गई है।

घ. प्रबन्धन पत्र

लेखा परीक्षा में शामिल की गई कमियों की जानकारी उपचारात्मक/ सुधारात्मक कार्यवाही के लिए पृथक से जारी प्रबन्धन पत्र के माध्यम से निदेशक, राष्ट्रीय बाल भवन के संज्ञान में लाई गई है।

ङ. आंतरिक नियंत्रण का निर्धारण

(i) आन्तरिक लेखा परीक्षा प्रणाली की पर्याप्तता

- राष्ट्रीय बाल भवन के पास अपनी आन्तरिक लेखा परीक्षा शाखा नहीं है।
- शिक्षा मंत्रालय द्वारा वित्तीय वर्ष 2009-10 के लिए राष्ट्रीय बाल भवन का आंतरिक लेखा-परीक्षण किया गया।
- मार्च 2025 तक राष्ट्रीय बाल भवन से सम्बंधित 15 लेखापरीक्षा पैरा लंबित थे।

(ii) आन्तरिक नियंत्रण प्रणाली की पर्याप्तता

- लेखापरीक्षा द्वारा देखे गए क्षेत्रों में आंतरिक नियंत्रण प्रणाली पर्याप्त है।

(iii) स्थायी परिसम्पत्तियों के भौतिक सत्यापन की प्रणाली

- राष्ट्रीय बाल भवन की स्थायी परिसंपत्तियों, जिनमें पुस्तकालय की पुस्तकें भी शामिल हैं, का प्रत्यक्ष सत्यापन 2024-25 तक किया जा चुका है।

(iv) माल सूची के भौतिक सत्यापन की प्रणाली

- रा.बा.भ. की स्टेशनरी और अन्य उपभोज्य वस्तुओं का भौतिक सत्यापन 2024.25 तक किया गया था।

(v) **संविधिक देयताओं के भुगतान में नियमितता**

- लेखों के अनुसार, 31.03.2025 की स्थितिनुसार सांविधिक देयताओं के सम्बंध में कोई भी भुगतान छः माह से ऊपर लम्बित नहीं था।

(vi) **वास्तविकता के कामकाज से संबंधित अन्य मामले।**

- शून्य

च. सहायता अनुदान

वर्ष 2024-25 के दौरान शिक्षा मंत्रालय से राष्ट्रीय बाल भवन ने 24.23 करोड़ रुपये की सहायता अनुदान (पूंजीगत परिसंपत्तियां : 2.67 करोड़ रुपये एवं आवर्ती अनुदान : 21.66 करोड़ रुपये) की प्राप्ति की है। इसने पिछले वर्ष की 0.89 करोड़ रुपये की राशि (पूंजीगत परिसंपत्तियों के निर्माण के लिए अनुदान : 00.00 रुपये तथा आवर्ती अनुदान : 0.89 करोड़ रुपये) 31 मार्च 2025 तक 25.22 करोड़ रुपये की कुल निधियों में से राष्ट्रीय बाल भवन ने 25.21 करोड़ रुपये की राशियों का प्रयोग किया है (पूंजीगत परिसंपत्तियों के निर्माण के लिए अनुदान राशि : 2.66 करोड़ रुपये तथा आवर्ती अनुदान राशि : 22.55 करोड़ रुपये) एवं 0.01 करोड़ रुपये की शेष राशि प्रयोग में नहीं लाई गई है।

Disclaimer

''प्रस्तुत प्रतिवेदन मूल रूप से अंग्रेजी में लिखित पृथक लेखापरीक्षा प्रतिवेदन का हिंदी अनुवाद है। यदि इसमें कोई विसंगति परिलक्षित होती है तो अंग्रेजी में लिखित प्रतिवेदन मान्य होगा।''

टिप्पणी

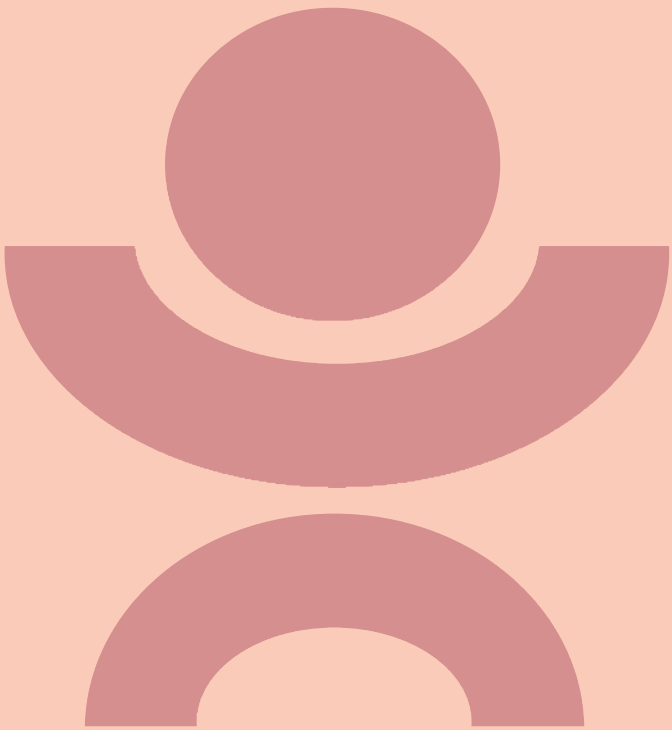

राष्ट्रीय बाल भवन
NATIONAL BAL BHAVAN